# राजस्थान पुरातन बन्धमाला

115

#### राजस्थान राज्य हारा प्रकासित

सामान्यतः व्यक्तिक भारतीय तथा विद्योगतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन सस्कृतः प्राकृतं यपम्न सः राजस्थानां हिल्लो प्रावि मापानित्रद्व विविध बाक्रमसुक्रमाधिनी विद्यान्य प्रन्याविस

दशाय सम्पादक पद्मणी विवर्गवज्ञय मुनि पुरातश्वाचार्य [ भॉनरेरि मेन्बर घोंफ अमेन मोरिएटस प्रोशाइटी अमेनी ]

#### शस्त्राम्य सहस्य

भाण्डारकर प्राच्यविद्या संवोधन मन्दिर, पूरा, गुवरात साहित्य-संभा भहमवाबाद विस्वेदनराजनंद वैदिक सीभ-सस्थान होस्थियारपुरः निवृत्त सम्भाग्य नियामक--( मानरेरि बायरेक्टर ) मारशीय विद्यामवन वस्वर्द ।

#### अन्थाङ ५५

स्वर्गीय पुरोहित धरिमारामगुजी, बी ए -

विद्याभूषण-ग्रन्थ-सग्रह-सूची

গ্ৰহাথক

तक्षत्रन राज्यकानुवार सञ्ज्ञालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिप्ठान कोवपुर ( राजस्थान ) स्वर्गीय पूरोहित हरिनारायणजी, वी ए -

# विद्याभूषगा - ग्रन्थ - संग्रह - सूची

सम्पादक भी गोपालमारायस बहुरा एम ए भी सक्सीमारायस गोस्वामी वीक्षित

प्रकाशनकर्त्ता राजस्थान राज्याक्रलुसार सञ्चालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान कोधपुर ( राजस्थान )

विक्रमाध्य २ १६ ) भारतशास्त्रीय राकास्य १६८३

#### RAJASTHAN PURATANA GRANTHAMALA

PUBLISHED BY THE GOVERNMENT OF RAJASTHAN

A zeries devoted to the Publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhramss,
Old Rajasthani-Gujarati and Old Hindi works pertaining to
India in general and Rajasthan in particular

#### GENERAL EDITOR

PADHASHREE JINA VIJAYA HUNL PURATATTVACHARYA

Honorary Member of the German Oriental Society Germany Bhandarkar
Oriental Research Institute, Poona, Vishveshvracanda Vaidic
Research Institute, Hosiyarpur Punjab Gujrat Sahitya
Sabha, Ahamdabad, Retired Honorary Director
Bharattya Vidya Bhawan, Bombay General
Editor Gujrat Puratattva Handira
Granthavali Bharattya Vidya
Serhez Shright Jiao Sories

\* \* No 55

A CATALOGUE OF

LATE PURCHIT HARINARAYAN B.A.-

### VIDYABHOOSHAN MANUSCRIPTS COLLECTION

Published

Under the Order of the Government of Rajasthan
By

The Director Rajasihan Prachyn Vidya Pratisthana (Rajasihan Oriental Research Institute) JODHPUR (RAJASTHAN)

# A CATALOGUE OF LATE PURCHIT HARINARAYAN B.A.VIDYABHOOSHAN MANUSCRIPTS COLLECTION

Edited By

Shri Gopal Narayan Bahura, M. A.

Shri Lakahmi Narayan Goswami Dikahit

Published under the orders of the Government of Rajasthan

Br

RAJASTHAN OFIENTAL RESEARCH INSTITUTE JODHPUS (R j than)

V.S 2018 1

## विषय तालिका

\*\*\*\*\*

विषय	पृष्ठ संस्य
सम्बालकीय वक्तव्य	
स्य पुरोहित यी हरिनारायणजी विद्यानुषण का कीवन-कृत	<b>१~</b> =
विद्यानुष्य-गन्त-संप्रह-नुषी	1-149
र्वारोक्तरः १-विकासम्बद्धाः	1-20

२-कर्त नामानुक्यविका

#### सञ्चालकीय वक्तव्य

जगपुरनिवासी विश्वतकीर्ति शोधविद्वान् स्वर्गीय पुरोहित श्रीहरि नारायणजी विद्याभूषण द्वारा सगृहीत विद्याभूषण प्राय-सप्रह की सूचीको इस विभागने द्वारा प्रवाशित किया जा रहा है। श्रीविधाभूषणजीने भपने जीवनकालमें भदम्य उत्साह एव सलग्नतासे भग्त्य प्रभरत्नींना सप्रह किया था जो पुरातत्विज्ञासुमीके लिए उपादेय है। इस सम्रहको थीविद्याभूषणजीके दिवगत होने पर उनकी धक्षय कीर्तिकामना रखते हए श्रीयृत रामगोपालजी प्राहित बी ए, एल-एस वी (श्रीविद्या भूपणजीके मात्मज)ने किसी ऐसी सस्याको दना सकल्पित किया जहां निरन्तर इसका चपयोग भावी शोधकारा द्वारा किया जा सके। इसी उदृश्यसे प्ररित वह एक दिन हमारे नार्यालय (पुरातत्त्व मन्दिर जयपुर)में उपस्थित हुए। यहांकी प्राचीन प्रत्योकी सुरक्षा सम्पादन एवं प्रकाशन सम्बन्धिनी व्यवस्थासे प्रभावित हो कर उन्होंने धनुभव किया कि विद्याभुषण्-प्रन्य-सप्रहका सही उपयोग इसी प्रतिष्ठान द्वारा भनी प्रकार विया जा सकेगा। इसके तुरन्त वाद ही 'धूमस्य शीश्रम को चरितार्थं करते हुए उन्होंने उक्त सग्रह इस कार्यालयमें भिजवा दिया भीर दिनांक २१२ १६५७को एक पत्र मुक्ते लिख कर स्चित किया कि मेरे स्वर्गीय पितु जरणका कायक्षत्र जयपुर ही रहा है भीर सीमान्यसे भव यहीं पर पूरातत्व मन्दिर जैसी छोवसस्या काय कर रही है मतएव मेरी उल्कट भिम्नापा है कि भाप उनके विद्या भूषण ग्राय-सग्रहको एक उप सग्रहक समान भ्रपने ही विभागमे स्रक्षित रत में ताकि स्वर्गीय विद्याम्यणजीका यश शरीर घोषविद्वानोंके भविकाधिक काम भा सके।

इस सम्बाधमें राजस्थान सरकारको विधिवत् स्वीइतिक सिए लिखा गया भीर भादेश म ही १००६७ एफ ६ (२) एज्यू बी ५१ दिनांक १६ जुनाई १९६० द्वारा सरकारने तकत समहको इस विभागके भविकारमें लगा स्वीइस कर लिया। यह मी निरुष्य क्या गया कि प्रस्तुत विद्यामूषण-प्र'य-सम्बद्ध जयपुरमे ही प्रतिष्ठानके साम्या कार्यालयमें सुरक्षित रखा जायगा एवं भविष्यमें इस प्रकार मेंटस्वरूप प्राप्त होने वासे प्रन्य उपादेय सम्रहोंको भी मध्ययवाद स्वीकार किया जायेगा।

इस प्रकार उक्त सग्रह प्रतिष्ठानके घषिकारमें ले सिया गया । स्वर्गीय पुरोहितजीने विद्यामूषणग्रन्यसग्रह ने नामसे प्रस्तुत सग्रहकी

प्रायः दो सहस्रतामानित सूची तैयारकी यी जिसे हमने उसी रूपमे प्रमासित किया है। धावस्यक स्थानों पर टिप्पणी एवं परिसिष्टमें इति भीर कत् नामानुक्रमणिका तथा स्वर्गीय विद्यामूपणभीका सक्षिप्त जीवनवृत्त ६ कर सम्यादकोंने इसे भ्रियक उपान्य बना दिया है। स्वर्गीय विद्यामूपणजीने प्रस्तुत सग्रहके भ्रानेक उपान्य बना दिया है। स्वर्गीय विद्यामूपणजीने प्रस्तुत सग्रहके भ्रानेक उपान्यों यथास्थान स्वहस्ताकारीं भावस्थक फुट नोट सिक्षे हैं जिससे वे प्रकरण प्रधिक प्राञ्चल हो उठे हैं।

प्रस्तुत सूचीके प्रकाशन-व्यय का घडाँश भारत सन्वारके वणानिक भीर सांस्कृतिक मन्त्रालय द्वारा भाषुनिक भारतीय भाषा विकास योजनाक भन्ताकृष प्रदान किया गया है एतदय प्रतिष्ठानकी भोरसे हम भामार प्रदर्शित करते हैं।

इस प्रकार स्वर्गीय विद्याभूषणश्रीके प्रमुखहकी यह सूची सम्मादित की जा कर पाटकों से समक्ष उपस्थित की जा रही है। भाषा है यह मुची विषयके जाता और प्रस्थेताओं के लिये बहुत उपयोगी

ह यह नूषा । सिद्ध होगी ।

मुनि जिनविजय

होत्ती पत्र तं २ १७ सर्वेद्याना विहार सहस्रवादाह सम्बास सम्बासक राजस्यान प्राच्यविद्या जीतप्टान कोयबर



स्वर्गीय दुरोहितः भी हरिनाशयनकी विद्यानुबन अगम-माव दः ४ १६वर्श वः ] [तियन-माधः (कार्वशीय गृ.) वदादशीः २... २ वि



## स्वर्गीय विद्याभूषरा पुरोहित स्रोहरिमारायराजीका सक्षिप्त भीवन-वृत्त'

शुम मिति माप कृष्णा चतुर्थी रविवार विक्रम सवत् १६२१के पविष प्रभावमें उदानी लायप्यप्रमाने घट्यमसे स्वयुरके राज्यप्रतिष्ठित पारीकृष्ठल पूषण विद्यामूषण स्रोहरितारायणमी पुरोहितका धवतरण हुमा। राजस्थानके साहित्याकासमें यह सुर्वे निरन्तर एकाधीविवर्षपर्यन्त प्रभा विक्रीणं कर साहित्य सावताने सतरगी साकचाय बनाता न्हा। स्वर्गीय विद्याभूवणबीके कम्म कीवन और मृत्यु तीनों हो घपनी उच्चक्क मूमिनमों घप्रतिम रहे। उनकी ज्ञानप्रमाने स्विहास और मन्त-साहित्यको भावितिचाके गहर घावरफोंको चीर कर प्रमाणिवताना प्रदाय सालोक प्रदान किया। वे स्ववित जिन्हें उनको देखनेका सीमान्यलाम हुमा है सदैय उन्हें स्मरण करते रहेंगे भीर वे भी जो उनकी प्रश्नरस्वस्थानिके घवगाहक है उनके पाषिष्य घमायकी क्यांट नहीं मिटा पाएगे।

स्वर्गीय विद्यानुष्णयोके शिक्षाकाममं बयेवीविश्येषक मृतुतिपरिपेय ही ये ग्रीर उनमें भी इनका नाम सम्मानके साथ विया बाता था। एक ए० ग्रीर सी ए परीक्षाव्योमं उन्होंने सर्वाधिक योग्यताके परिचामस्वस्य 'मार्क नार्व का परकाणक स्वाधिक प्रतिकाल स्वाधिक प्रतिकाल स्वाधिक प्रतिकाल होते के एक स्वस्य मार्क से का बात होते के एक स्वस्य मार्क से का बात होते के एक स्वस्य मार्क से का बात स्वाधिक प्रवस्त होते के एक स्वस्य मार्क से का बात स्वाधिक प्रतिकाल स्वाधिक प्रवस्त सिमान प्रतासिक प्रवाधिक पर्वे पर कार्य विमान प्रतासिक क्ष्य पर्वे पर कार्य विया। इस प्रत्यत्में यह नानिक सी ग्राई की इंप्येक्टर मोहतिमिम बनानी बयोडी एव चेरिटी मुपरिटेडेंटके पर्वे पर कुशाननापुर्वेक प्रतिस्थित रहे। राजकीय कार्यरत रहते हुए उन्हें येचा बाटी भीर तोरावाटीमें (शक्तानिक स्वपुरराज्यके प्रयोजन्म सीकर एवम् सबेवा प्रमृति दिनानिक प्रवेश रहनेका ध्ववय प्राप्त हुधा बहा उन्होंने धनेक गो-

१ बयपुरते प्रकाशिक विद्यालय बनवरी सन् १६४६ ४६के पारीक पातिक पत्रके निष्या मृषक्ष विधेपार्न एव स्वर्गीय विद्यानुष्यक्रीके बालक थीपूक रामगोपालक्षी पुरोहिक वी ए एक-एक-कोके मौबिक बक्तव्यक्ति सावार पर निवित ।—(सं)

सिक्षाकी मोर जनका मगाम धनुराग था। स्वयं तो वह बाजी-मन्तिरकी देहमा पर यावज्यीवन सामनावे प्रमुत समिति करते ही रहे धौरोंको भी समके मिए प्रेरमा भीर उत्साह प्रदान करते रहना उनका सहत्व स्वभाव था। परिक हार्क्ट्रम् (वर्तमान कालेव) को एक साम साम तहत्व रुपर्योक्त या देकर उनकी मामार शिमाको सुदृढ़ बनानेमें विद्यामुगणजीका सहयोग मग्रणी रहा है।

साहिरयसेवानी धोर उनका प्रवस धानपंण छानावस्थासे ही या जो स्नात कोलर प्रवस्तामें पहुँच कर हराना उल्ल्य हो उठा नि उनके सम्पर्श जन साहिर्य प्रीर विधानुष्णजीमें वावारम्यर्थन कनने लगे थे । इस प्रकार के साहिर्य प्रीर विधानुष्णजीमें वावारम्यर्थन कनने लगे थे । इस प्रकार के साहिर्य प्रीत क्षानुष्णजीने तुल्या चावानीने सम्मादकीय प्रमुत्त जोतना परिचय वेते हुए स्वयं विधानुष्णजीने सुल्या भावानीने सम्मादकीय प्रमुत्त जोत कर्मा है कि हमारे स्वर्गीय पूज्य पिवानी को मापासाहित्यके प्रमी और मर्मक के धीर विधानी वर्ष और आगमें यही यद्धा की सुन्यर्यवासक सुत्यर्यासकी ने स्वरा सेत् १८३२का लीधो प्रच का ख्या वे धानन्यते पढ़ा करते। स्वामी गेपालदास्त्रकी भी जो स्वरारे पिवाजी के सल्यंगी वे हमकी सुन्यर्यस्थामें की स्थानाओं में से यथा मू सु सा इत उत किर तोत करते। मिनकी सुन्यर्यस्थामें के प्रमा माया मई निम की। "पाम हिर राम हिर बोम पूर्वा हत्यादि के प्रेम राम माया मई निम की। "पाम हिर राम हिर शोम प्रमा हत्यादि के प्रम स्थाप के स्थापन स

स्पष्ट है कि विधानुपणनीकी साहित्यप्रविद्धिका सिहहार उनका कुन्दर वासनीकी रक्ताप्रोके प्रति प्रवक्त क्षाकृतंत्र हो था। यह वाकरेण वक्ता हो गया और सुन्दरवासनीके साव-साव क्षाकृतंत्र हो था। यह वाकरेण वक्ता हो गया और स्वाद्धरवाने साव-साव क्षाकृतंत्र हो गया और उनके सुन्दर्भ साव कि साव साव स्वाद्धर्भ साव कि साव। विद्युष्ट निवर हो गई। धिकसे प्रविद्धन्म समय उन्तराहित्यके वक्तार निका दर्पणनीकी प्रात्म पर उन्तराशिका वर्णन धालोकित हो उठा। इस धारमयोगको दिवित स्वय उस योधकर्ताको भी सत्तरे प्रातिकिक क्ष्म ज्याकार वेना विया। उन्हें पूत हुई कि यह साहित्य को योचकों उर्पशाओं अक्षाक्र और क्षमोंने प्रवृत्य होता वा रहा है रक्षित होता ही वाहित्य साहित्य क्षाक्ष स्वया प्रवाद्धर्भ के अपने प्रविद्धर्भ साहित्य क्षात्म प्रविद्धर्भ क्षात्म प्रविद्धर्भ क्षात्म प्रविद्धर्भ क्षात्म साहित्य क्षात्म प्रविद्धर्भ क्षात्म स्वित होते होते वस गया।

उस समय तक मागरीप्रचारिको सभा काशी असिस सारतीय स्तर पर कार्य करनेका उपक्रम कर रही थी किन्तु व्यापक क्षमता और सामर्गोकी बहु सताने भ्रमावर्षे वह कार्ये सृयुक्तप्रान्त तक ही कर पा रही थी । कलकत्ता की रॉयम एगियाटिक सोसायटी कवस संस्कृतव यों पर बपना ध्यान केन्द्रित किये हए थी। प्रवधी भीर बन्नमापान महस्वपूर्ण ग्रन्थोंनी खोजना नाम उत्तर भारत -यथाप्तक्य कर रहा था और परिणामस्वरूप इन दोनों भाषाघोंका बहुतसा साहित्य प्रमागर्म भाता का रहा था। प्रयत्न नहीं हो रहा था तो वह राज स्यानमें । विद्यामूपणजी इस स्थितिसे चिन्तित हो उठे। उनका हृदय करून कर चठा । परन्तु धकल कितना करते ? तब उन्होंने घपन साहित्यिक मित्र बाला-कत्वाकी बारहरुको प्रेरित कर चारणों मार्टी राजमहाक्षयों भीर जनसामान्यके समीप भस्तव्यस्त रलं हुए उपेनायस्त विगन्न भीर पिगन साहित्यके उद्घार का पुत दाक्तिमर प्रयत्न किया । प्रकाशन निमित्त शात सहस्र रपयोंकी स्थामी -निधि मागरीप्रवारिकी समा काशोमें स्थापित करवायी । राजस्थाती मापाकी सपमताको साहित्यकवगतके समक सामेके लिए वह सदैव उत्कण्टित रहते थे। इस दिद्यामें उन्होंने एक बृहद् राजस्थानी कोपके निर्माणको परमावस्मक समस्ते हुए बोभपूरके थीयत मीतारामजी आळसको सन १६३२में उठ्यरित किया तथा बहुतसी सदम सामग्री भी प्रदान की । बहु कीप भव भी लाळसबीक कत स्वर्म सपादित होकर प्रकाधित हो रहा है। इसी प्रकार सन्त साहित्यके प्रक्षम महारका प्रकाशन भी जनका मनावाञ्चित वा जिसके सिए उन्होंने तदानीन्तन उदीयमान साहिरियकांकी एक समिति बना कर सन्त प्राथमासा' की योजना—सस्ता साहित्य मण्डल नई दिल्लीव तत्वावमानमें थामू की बी।

हस्तिनिदिन प्रचाँकी प्रत्येषणा करते रहना जनका रिवकर कार्य था। किसी प्रयोजनित कहे गये हाँ बही धमय निकास कर प्रत्योको योज बहु करते रहने थे। धैगावाटी धौर वारावाटी बहां वह धैपकास तक राजकीय प्राथि हरे थे। धैगावाटी धौर वारावाटी बहां वह धैपकास तक राजकीय प्राथि कर्मों रहे थे छे निरस्तर प्रावचयन करने रहत था। जहां कही कर्ती तस्य प्रतान उसे कुशांत दानों पर नरीर कर प्राप्त स्वप्रतानवकी शोमा पड़ांते एक घोपमाचित लिए नहीं उसकी प्रश्ना हो हम बिश्रुद्ध धार्तिरिक प्रभित्तिको लिए नहीं नहम्म बित्रक्षणील सन्त महत्त्व भी। सहस्त धौर स्वप्त प्रभित्तिको स्वप्तान स्वप्ता

ग्रायप्राप्तिविषयम् जनने उत्तर धनुरागाः। वणतं मण्ने हुए धीयुनः राम गोपासत्री पुराहितने एक समस्पर्धी धरना सुनार्गः आ तम प्रकार है —

वपपुरमें जहां बाजबस "मानमिह हाई वे" है वहा पहल बटबाण बाजार

सगता था को धव गणगौरी वाजारके कलुष्य पर देखा था सकता है। इसमें विविध्य प्रशिण करतुर्थ विक्रवास धारी हैं। इसीहितकी साहबंधे दृष्टियममें एक हरतिविद्य पुस्तक धाई। जितना मूल्य उस विकरतासे सगाया विधा प्रपाणीके वात तरकाम महीं था। धविश्वित होनेते विकरेतास नवद गमों पर ही पुस्तक देना स्मीकार किया। विधाय प्रशासी यहां थो परिष्य प्रत्यानुरागका दिया वह प्रथम हुसेंस हैं। उन्होंने धपना ध्यायधा उसार कर विकरेत पा प्रावस्थ कराने करते हुए प्रत्य करीन विदा कि प्रभी प्रमुक्त तकाम वाना व्यक्ति मूल्य केनर तुक्ति हो पाल परिष्य करती क्षिया कि प्रभी प्रमुक्त करता वाना व्यक्ति मुल्य केनर तुक्ति हो पाल एस एस इस प्रकार तहया है ? यह केवल एक स्थमक है उनके उत्कर दिवानुरागकी।

विद्याज्यपान्नी द्वारा सम्पादित धन्नोंकी सम्बी सूचीयें धामुक्ट ज्योतिय इतिहास क्या धामुसन्याग काव्य धारे सन्तसाहित सादि विविध प्रकीर्णक हैं विहों दे सकर उनका बहुमुन्नी पाढित्य सुय्यका होता है। विदार तनही सिक्य पृष्टि धारे सम्बे सेस्तिकी धकुठ धाराने देखा विचा गया है नह घाणोत्सीड मणिके समात है जिस पर प्रास्तोचनाका क्यारीक्षणमुप्रदार भी मोध है।

सन्त-साहित्य भीर इतिहास विधानुपणनीक विशेष प्रिय विषय रहे। इनके मिए उन्होंने भाष्ट्रक समन्वेदानागृहन किया। विशेषत सन्तवाहित्यके अम्पोंने जन्होंने भाष्ट्रक समन्वेदानागृहन किया। विशेषत सन्तवाहित्यके अम्पोंने जन्होंने भी प्राप्तमान्य समुमन निया उसस वह क्षे रहते थे। यह निकर्त हैं— जितने प्रम्य हुने उसले प्रमुख्य समानित्य होता होता है नि समय रचनाममृह एक अटल मनन्यमगनद्यक्ति अमुभेग भीर सच्चे गहरे हरिरस्तर वरगमय समुद्र है। उसमें भाषोपान्य धान्तरसका समुद्र है जिसमें गम्भीर सीमी मनुद्रिन लीता-मोतत्यरगमालाएँ गमक्ष्पी कहाजने सुममुद्र पविष्ठ सावस्वयादिन लीता-मोतत्यरगमालाएँ गमक्ष्पी कहाजने सुममुद्र पविष्ठ सावस्वयादिन सीमा-मोत्यरगमालाएँ गमक्ष्पी कहाजने सुममुद्र पविष्ठ सावस्वयादिन सीमा-मोत्यरगमाला सुन्न स्था है। स्था स्थानित्य सावस्वयादिन सीमा सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न स्थान सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न सुन्न स्थान स्थान सुन्न स्थान सुन्न सुन्न

१- विद्विकार्तिकारण २- सहसारी १- शुक्ररागार ४- लारावरण सूर्व है ४स्मान निर्माण स्वाधिक १- स्वाध्याय निर्माण स्वाधिक १- स्वाधिक १स्मान निर्माण स्वाधिक १- सुम्यरणस्वि १ १० गोनियानिक द्विकेश स्विक्षा ११स्वित्य स्वाधिक ११- सीरा वृत्यप्रस्वती १२- वस्तुष्ठी वपास्त्वी ११- होतीह्वारा १४सहारावर स्वाधिक ११- सीरा नित्या ११- विक्षणादिक सीर स्वत्ये निर्माण स्वाधिक ११सहारावर स्वाधिक ११- स्वाधिक स्व

तिथिकी रस्तरिमयां सम्माने हुए यह कौस्तग्रमणिसमुन्मियत विष्णुर्व समान विद्युपेकि मध्यमें पोगायमान रहे हैं। उन्होंने ऐसी धनैक झान्तियाको निम्न म किया को सन्तसीहित्य धौर साहित्यकारिके रचना स्थान देश काल एव प्रविस्तावी प्रार्टित सम्बन्ध रखती थीं। मुन्दरम्बावली धौर वजनियियन्त्र सनीको तृहत् प्राप्युर्व भूमिकार्योंने पढ़कर विद्यामुग्वजीके सम्मीर सनुशामन प्रौद पाविकर सौर विद्याभुग्वजीके सम्मीर सनुशामन प्रौद पाविकर सौर विद्याभुग्वजीक समेर बहु प्राप्युर्व प्राप्त किया जा सक्ता है। सौरा वहत् प्रवावकी एव प्रमुख हो एव स्वावकी को राजस्थान प्राष्ट्रविद्या प्रदित्य प्राप्त किया जा स्वव्य प्रार्टित प्रवावकी को राजस्थान प्राष्ट्रविद्या प्रदित्य प्राप्त स्वर्व प्रार्टित करनेका उपक्रम थालू है।

विद्याभूपणजीका इतिहास प्रम प्रसिद्ध या । वह कहा करते ये वि इतिहासमें मिच्यामो स्मान महीं। ऐसे साहित्यकारके तिए औ मत्यसेवाको ही लक्ष्म मानता है इतिहाससे उत्तम बन्तु साभ बन्ना बठिन है। स्वभावत सत्यसंबी होनेक नात वह ऐतिहासिक बोधप्रसर्गोंको प्रामाणिकताकी सकाद्य कमीटी पर कस कर ही मन्त्रक्यके रूपमें स्थिर करते थे। इनके द्वारा विखित फलने दीलत महाराजा श्रीमिर्जाराजा मानसिंहजी प्रथम' मिर्जाराजा वयसिंह' एव धन्य ऐति हासिक प्रमग स्थामी सन्वर्शक रूपमें विद्वानोंके द्वारा भाग्य किया गये हैं। इति हामने विषयमें इनको अधिकारी विद्वान मान कर ही वैशके धन्या य इतिहासक इनसे मिसापढ़ी करके बपना मार्गदर्धन प्राप्त किया करते थे। जयपूरराज्यकी भोर से बेगके प्रसिद्ध इतिहासकार सर मदुनाम सरकारको राजकीय एतिहासिक पुरामग्रोकि समन्त्रे भाषार पर अयपुरनाज्यका इतिहास सिरामक लिए भ्रामन्त्रित किया गया था। स्रीमरकारने कियन ही क्यों तक एक पुरस्तरोंका झनुसीमन भीर मनन बरनक परचात् सम्बध्यत इतिहासके बहुतसे भ्रष्याय जिले भी थे। पिन्तु किन्ही कारणास यह क्रान्तम रूप नही प्राप्त कर सका। जमपुरके वर्द मान महाराजा साहब जीनवाई मानसिंहजीन प्रोहिनजी महाराजको धामित चर उक्त भगमाप्त कार्यको पूण करनका सनुरोध किया। स्वर्गीय विद्यासूपणश्री उस समय मीरांबृहत्पदावलीक कार्यमें एकान्त मावस सन्तरन स । इसिक् उद्दान निवत्म क्या कि भीरासध्वरणी कार्यको पूरा करक वह इतिहासके कार्यमें हाथ जना नकम । परन्तु महाराजा साहबना धामह प्रतुरोध पतना रहा कि मीराने नायना श्वमित नरन भी ततिहासका पश्च पूरा करें। धन्ताो गरवा राजभवन पुरोहितजीको यह स्वीकार करना पहा । सीरामाहित्यगस्त्रस्थी सामग्री को वप्टतामें बाग कर रस दिया गया और वह इन इतिहासशीयन-सम्यादनके नार्पेमे लग गमे । साहाने गर यहनाथ भरतार हाता लिखिल प्रध्यायोंको पहा भीर उनमें भारत्यश तथ्योंका नमाश्वा प्रामाधिक मूल कागजातक भाषार पर सही स्मास्था व विरुप्तेषण करते हुए किया। परन्तु, क्षतिहासका यह कार्यमी यह प्रपने जीवनकालमें पूरा नहीं कर सके और बीच में ही वासने प्रक्षय स्पर्यकान वाल विया।

इससे मीं रासम्बंधी शोधमें को ध्येकित पूर्णता जनके हृदयंगम भी एव जिसको यह सम्मव कर रहे थे वह भी धय रह गयी भीर इतिहासके वे बेच्टन भी विद्यापूर्णकोके सुपुत्र भीरामगोपासकी पुराहितके वचनानुमार पुन महाराखा साहितको स्थावन् प्राथणित कर दियं गये।

प्रसिद्ध इतिहासक महामहोपाच्याय प० गौरीसकर हीरायन्य घोमाने प्रपत्ते समरामाँ निका है कि विद्यापुराणकी इतिहासके धन्तेपक ताकिक एवं ममनदीस व्यक्ति थे। इसीमिए मेरा उनका प्रसान्य व प्राय होता रहता था। प्रुगत सम्बद्धिन थे। इसीमिए मेरा उनका प्रसान्य व प्राय होता रहता था। प्रुगत सम्बद्धिन थे। वेश अध्युरगर्थाकी स्वारोके किए प्रदत्त 'माहीमगतिबक्कि क्रमोत्स्वकानी आपकारी प्राप्त करनेके सिए स्व० विद्यापुराण्याकी सीघोम्झात्रीन सी प्रमानवहार निया था वह बहुतसे सम्प्रुप्त प्रमाणों और ऐतिहासिक तच्यों पर साक्षारित है।

विद्याभूपणजीने महत्वपूर्ण पत्रींका सकतन विनकी सक्या साहे छह सहस्र प्राय है उनके घारमज बीयुन प रामगोपासजी बी ए एस-एस बी के पास है। संपत्र हिली क्रमेजी और उद्ग में हैं। हिल्ही पत्रोंकी छल्ती राजस्थान श्राच्यविद्या प्रतिष्ठान जोषपूर द्वारा करवादी गयी है तथा धन्य पत्रोंका विभक्ती करण श्रीरामगोपासका साहव अपनी रम्भावस्थामें भी पूर्व भनोयोगसे करवा रहे हैं। भीरावृहत्पदावलोका विद्याल प्रामाणिक संग्रह विद्याभूपपानीकी समर देन है। इसम भ्रम्यानिय सजात मींगने शह सौ पदों का भ्रद्रमूर्त सक्तन किया गया है जिनकी ज्ञात साढ़े तीन सी पर्वोंके साथ पूर्ण संस्था नी सी पंचासके सयसम् है। मीरासम्बन्धी भन्नात पर्वोका यह उद्घार विष्णुके गवेन्त्रमीलकी ग्रथमा वराहके घरा-उद्धारकी स्मृति विलाता है। विद्यामुपगन्नीने देशके कीते कानेस पत्रव्यवहार कर मीरांके सम्बाधमें अमृतपूर्व जानकारी प्राप्त को थी। भीरोंके जितन पद उन्होंने प्राप्त किये उनको मापा भाव शली मोकस्ति धीर परम्परा द्याविकी प्रामाणिक कसौटियों पर उन्होंने परसा है धीर सी टंप सबलको ही मीरोब्हतूपटावरीमें स्थान दिया है। यद्यपि विद्यामुपगर्जीक पास समय-समय पर माने बाने बिहानों भीर उनके बाद भी पुरोहित बीरामगोपासजी से सम्पन्त साथम बाले कतिवय बाबुनिक बोधकर्ताओंने इस सक्त्यमसे बासातीत साम उठाया है और स्वतस्त्र निवासोंको रचनाक वपस प्रकाशित भी करवा दिशा है फिर भी स्वर्गीय विद्यामुख्यजीक पत्रव्यवहारसे ऐसी अमेक दार्ते सम्मूस

भाएगी जो मीरांक जीवन काव्यसाधना और मक्तिपक्ष पर अमिनव प्रकाश निक्षेप करते हुए कितनी ही गवैपणाप्रन्यियोंकी सुपक्षानेमें परम सहायक सिद्ध होंगी।

विद्यामूपणजी एक समर्थ मूमिकालेखक मो थे। अनेक प्र मकार प्रमया सम्पादक उनते मूमिका लिखवानं उपस्थित हुमा करते थे। जिस पुनतक पर वह मूमिका लिखना स्वोकार कर खेते थे उसमें फेबम उपसार निमानेके निए ही कसम महीं उठाते थे। यिष्णु वह उस प्रन्यको सम्मान्नको निपयवस्तु भौर उसके प्रान्त प्रपादन सम्पान सम्पान स्वान्त मान्यको स्वान्त कर्मा महीं उठाते थे। यिष्णु वह उस प्रान्त स्वान्त हिंग मूक्तिसकाले परचात् कर्तव्य सायने येठले क। यही कारण है कि ये भूमिकाएँ इतनो उत्कृष्ट होती स्वी क सम्मावक समया सबकका परिचम निखर उठाता था। कासी नागरीप्रवारिणो सभा द्वारा प्रकाशित स्वान्तियन्त्रावसी और दालू कियम मोपास सुन्दरसास और रचुनायक्षक गीतारी तथा वाकीसास पर इस प्रकारके सम्मादन धौर सेकनकी पुट्यांड खाप देखी वा सकती है।

नागरीप्रभारिणी समा काशोने वह आजीवन सदस्य और प्रमुख स्तरमोर्मेसे प्रम्यतम भे । विद्यामूषण तो बहु थे ही विनयमूषण भी प्रथम कोटि के थे । उनका प्रकृतिम सारत्य वा नकने समान निष्मसुष एव निरुप्वार मा । वर्मे और सत्यके प्रति घटन निष्णत समायका पावन स्वाधस्याग सहिष्णुता एवं विचारसमें पादि गुणसूत्रीने उन्हें अपना एकनाम सायय मान निया या और कह स्वय मी इन गुणपूर्वीमें इतने तदाकार हो गये थे कि गुण धौर गुणीका पाईका वेदा पात क्या पार्टीकी सिम्पकीम उक्षाकृत था।

इतने दिस्य सध्य भीर धौर विद्वान् होते हुए भी वह मानासन्ति धौर भारतनिकापनके एक्से मबीरकी चावरके समान सस्पृत्य था। 'दांस कबीर जतन से घोड़ी। रयो भी त्यों यर दीनी बदरियाकि बहु उपमान थे। एक उदाहरण इस प्रवास में उपायेख होगा।

काशी नागरीप्रकारिणी समाने नियामुणजरीको उनके ७५वें बर्ध पर्य पर सम्मामित करना निश्चित किया। समाके लिए ऐसा प्रायोजन करना उचित ही था। मित्र परिचितीको भी यह जान कर हुए होना स्वानादिक कहा जाना बाहिए। उमग मरे काकर पीजान्यरका काक्यालने समयसे कुछ पुत्र हो विद्या मुप्पज्योको पत्र द्वारा हमकी सूचना गहुँचा थी। यस पुराहितको का सरस निरमिमान हृदय इस मानमरे सायाजनके तुमुमचिन्तनसे विचरित्र हा उठा। जहाँ ऐसे प्रवन्तको प्राय्विके लिए यम्य उत्कटित गत्रो है बहाँ विद्यामुप्यज्ञोको हुरस्मी मर्पयने चेर विधा। समा मस्यवर्गिक एकान्तमिन्दरे उत्तननामीन पुत्रपरिको यह विम्न कैसे स्ववक्त होता भीर कसे वह इस भौत्यारिकज्ञक्र पिछ सात्र जाता लेता लेता तेता हता है जन्होंने करोर सपथ रखते हुए इस आयोजनका तस्त्रम रद करनेने लिए प्रपता धन्नीकृतिमन्तस्य युकृतके साथ निश्व मेता। उनके धक्रोंमें कहें तो पुरोहितजीने इस प्रस्तावको विनयने साथ बीन प्रार्थेना करते हुए ठुकरा दिया। परन्तु सभा के धन्य सभी कार्योमें निद्याभूषणकीने सलग्नमनस्कताले धाजीवन सहयोग निया। गीताके न्यितप्रकालसाणींचे विभूषित विद्याभूषणभीका विनय स्याग समभाव और सहित्युला विरकाल तक घनिस्मरणीय रहेंगे।

यन्त्रमें एक दिव्यवर्धनकी फांकी प्रस्तुत करनेका सोम कसम ध्वरण नहीं कर पा रही है। वात धांकिस भारतीय हिन्दी साहित्य सम्मेसनके अयपुर धांय वेदनके प्रयम दिनकी है। एक सह फीट लम्बे सानानुवाह तेनस्वी गौरवर्ण तुपारस्नात्रस्वपुरस्वीप्रतिम वृद्ध पुष्प निन्होंने पृक्षीदार पायमामा मध्य देवत प्रयस्ता गुकाबी पनहीं धार को पर संगानेरी उत्तरीय दना दुप्ता दक्षारे साम कहारे के पर संगानेरी उत्तरीय दक्षाने पुण्याम प्राप्त दिवस होने पुण्याम प्राप्त दिवस होने पुण्याम प्राप्त दिवस होने पुण्याम प्राप्त दिवस मान हो गये। यह माननीय विद्यामुण्याची थे। सम्मेसन का सम्मदं था। बहुत अन धा आ रहे थे। को बामुण्याची थे। सम्मेसन का सम्मदं था। बहुत अन धा आ रहे थे। को बामुण्याची थे। सम्मेसन का सम्मदं था। बहुत अन धा आ रहे थे। को बाहुस थव रहा था। तमी खद्धे भीपूचपोत्तमवासभी टहन मध्य पर धाये। यह पुरोहित को स्वयम्पार्थिक स्वविक्त के परस्तु आकात्रकार सुरिमत देवत कमको सब्य पार्थिक स्वविक्त से पर्यु हो। हुमा था। विद्यामुण्यानी भी टहनजीको सुना था बेद्या नहीं। प्रय जीते ही हमा था। विद्यामुण्यानी धाये हुए हैं वह तनकी घोर दुवागित्य विमान्त्रपण्या प्रमान हो। प्रस्त प्रकार विषय सामेत स्वत्र स्वीर तुवागित्य विमान्त्रपण्या प्रमान से स्वत्र से प्रकार विषय स्वत्र स्वीर स्वापना-इंद्यप्रथानामिनी यमुना-गताकी धाराण्य धन्तरस्वस सरस्वतीको लिये संगत पर एक हो गई हो।

वह स्थितित्व वह विभृतिभूषित महासत्व सपती जीवनसामाके स्रविम पविचृत्वो साहित्वके राजनार्ग पर सुस्रतके मिणदीपकाँकी स्वयपित्व सद्वार स्तेहुंबे अगमन वर प्रव प्रत्यान कर गया है। वेष प्रेसकी प्रशासन्वद्ध कीति की हमारे बृतिपूर्टों पर सम्तानहरियोंके सद-सत जीममन तरिमत कर रही है करती रहेगी। विद्यानुपणकी यदि सपते स्वयक्तिपरिष्मुत उपकान्त सन्विक्ति (मीरा जमपुर राज्यका इतिहास प्रमृतिको) स्वयंत्री धीकाँसे मृतित प्रवासित एव सम्पत्र देव पार्थ तो उनसे स्विक पृथितवाम साहित्यक सहस्यांको ही होता परन्तु सन्न तो उनसे पुन्म स्मृतिके काननमें ही ये स्वावहारी कृतुम विक्तिस्ता वर विद्यानित्यमुपण पुरोहित हरिशारायणवीकी कीर्तिभवरियाँको विकाल करते रहने। एवसस्तु।

स्वर्गीय पुरोहित हरिनारायस्त्रजी, भी ए -

विद्याभूषण-ग्रन्थ-संग्रह-सूची

THE THE	राजरमान बाष्यां बटावितात्रातालविद्यापुरण-प्राथ-प्राथ-प्राथी				۱ ه
N. H.	दरभनाम	in a	क्षिपियमम	वन्त्रसम्बद्धाः	क्षितेय विकरस्य साथि
	(१) सामुनीचे प्रत्यास तामीका पर्व		ieve.	116-11	
	(११) ज्यान्यतिष्ये १५ साधियाँ		r	12 (-10K	
	पर दीका				
	(११) सम्रोत्त्रीके १११ वर्षी				
	कर दीका				
	(१६) मामदेवानीक ६ ६ परी		2	事の第一項の事	
	गर दीका				
	(१४) रेटालके में दवी का बीका			1-1-1-2	
	(११) हरिकामानीके १६ म पडी			Bay-Y B	
	वर होका				
	(१६) मुक्तन्द भारतीके २ प्रवासका		2	¥ 14—14 ×	
	बजनाशीके ४ पर दीका सहित				
	((a) year nag-			1 A-1 X	
	नववासित १६ प्रश्निक बसर				
	सरीक्ट हरक्ती मारक्ट				
	हुम्दोक्त सात वातु, ४ विधा				
	मे गुन स्थानि नवनाय				
	संसः				
	(tc) strettent & florefleriful				
	टीका (यद्वकक्ष्रोचः) स्तित्वी			تار د_ر	
	एक्पोडी माचा)				

T. C. C.	राज्ञात्रमः प्राथ्मीन्याप्रतिस्टानविद्यापुराष-सम्बद्ध-सुषी 🗍	ग्रह-ग्रुप्ताः ]			
No.	History	Ę	लिपिमय	तमाधिक्याः	क्षित्रेय दिवस्य पादि
	700		} a 1,6		ı
	The configuration			Jan X	
	reads affert ?			× staff	
	त बान प्रायंत वह ६ वर्षित			7 x - x	
	इतोड तम्मप्रमान				
	e progre			× (4)	
	र द्यार (बाह्याने भ मृत्य ४	गांतू व कारेर			
	the course of the said				
	शह्मांका प्रमास वासूचाणी				
	क्षीर क्रमीरकाछीये)				
	बनत शनका वनाकुमार बीर				
	बडमर्स समा मममने माम्य			x t tal	
	(ringerii)				
	वीतरामबीकी लीरभका कृष	अक्षां यम	2	म रिश्व	
_	व्यवशिक्तको कवित	बनवीयन		MER-NEN	
	४ केरने ब्यूचारण १ कुन		2		
	श्चयमाच्योषे संघया		t		
	रायोजीको प्रवित	ttullell	2		
	रेबता मुत्ताममी फर्बारोंका				
	मेर सुन्ध्योडे बारतीरी				
_	नोतिक स्कोच १				

for the for the form of the fo	Takethe Arr	राज्यसम् प्राच्यास्यास्यास्यास्य । ।	ng-dai				
ereces table erece	F	तत्रवासीत	करा	क्षिप्रसम	पणसंबद्धाः	भियेष किरएस सारि	
बार का क्षेत्र के क्ष		यामिति क्षम ४		ž			
and the tricked and tr	_	दीक्षी साथी	dhe				
ref) { ref (ref)   ref)   ref (ref)   ref (ref)   ref (ref)   ref (ref)   ref (ref)   ref (ref)   ref)   ref (ref)   ref (ref)	_	राम-मध्यकतावका वर्षाक		£			
ered ( )  finances and continues and continu		टाकोबी वामी १	त्तवीकी	£	_		
threman and the control and th		मेनलकी बाकी १	altra a	R			
t core effer the samples and the fill of		क्य राषु शिरपामधी बन					
s ever effer  s enrather we's  fif  fif  fif  fif  fif  fir  fir  fi		रहंग रियो			_		
F streamfore and fif fif fif fif fireta fire	_	वामकत पर एपक प्रविक्त		z	_		
fit in the ting fit in the ting fit in the ting in the ting fit in the ting ting ting ting ting ting ting ting		१४ जिल्लाके काम्याधिक सर्वे			rexel		
fit this contains the state of		ष्यारी सम्प्रतम् वीर राष्ट्र					
in street  i see  i see  it se		क्रम्बद्धा प्राप्ति			-		
TES 1   PUTTE		३४ मिड			-		
terres (terres )	_	सन्दरभोधी गीमा		ě	vetal		
Rentries "  Effetive many general second sec	_	बकु प्रमोकी जापवत			-		
thrms giften menge giften menge giften menge giften mengen		Crerswell spie			-		
शीमनके जवार्य   श्रीरातः ", ", । । । । । । । । । । । । । । । । ।	_	begriffer en ufmag	terning.	1 1	ı.		
ort althreb wares  war  creating a constant	_	गसीहरीगामा	illiane.	:	Year		
भार ही निव राजे राज'	_	कास्टिर तकामीमिनके लक्षात					
द्री मित्र राखे राज'		वृद्धां विषय कार		. 1	<u> </u>		
-		Y tp4	(Freide)				
		पर 'जाड़ी किंच राचे राज'		:	1		

1.]	तियोग रिमरण वारि		" १९६-४९६ कही बोह्म बोर सम्बद्ध राजी का प्रयोज हुना है। जिसमें जुन दिन हरियात के ज्यानी अन्त रेस्स क्षेत्र को सम्बद्ध पर	प्रशासिक प्राप्त है। पूर्ण पर्यक्ष है। प्रणासाम् १८४६। यह वेशानायक १४ प्रमासीम् वेशान है। अध्ययन्त्रान सेन्यान के निमासी ये। यह देशान का प्रस्थित याक	लित पूर्यों के हैं। लोक सं १ ।। हरियान 'थान किरायकों के रचिया पीर सरायन्त्रत के पित्य थे। इस प्रव के र्य पूर्यों में राज्यत्री का भीत है। वे पूर राज्यत्री के ही है।		अव्य-४७३ वेशाल का वरणा पाय है करिया प्राप्त है। तथा व क्यांको वे राग्यो पुनि हुई है। इत्यत्त क्यांका १०३६ विक्योंच है।
	प्रमुख्या	vies	 vtt-vtt	גונ-גוו	n1-41	114-11x	ten-x)x
	मिरियासय   पत्रमंदरा	1678		Ł		2	:
1	E W	भूपरधाः	हरिशाय शतूष्टच्यो मार्गावयशाम जिल्ह	भवजानकाम पर्यंत्रकाम निक्य	Meta-4	अन्मतीसम् राष्ट्रीयच्य	galetin
Company of the first state of the state of t	8-6-6-6	المندة هرمند مارت موهده	الموافدودوما	(11) extritt	(१३) वरिमानवेद्ध (४८ सन्दी है) जीवरात	أمتنهم هلما	(14.) (edicaids)
	A Land	-					<u> </u>

रक्षणाकाल-१६६३ । धोकार है। बरम्बन-वस में १४ व्यव्यय ब्रुन्स है। विस्तो प्रकारक्षमी कम्मान्दातको बुच-पर स्वरामे सन्तोवदास इत्ति निश्चित । यहु पाठ रणमाधाम-१७१ । १ जन्दासी में इनकी THE BE A : HATER WORT & EINER क्षम्य का प्रयोज बहुक्तताले पड़ कन्य प्राष्ट करमात्रों में पून्र हुन्दा है। यह ४४९-४६६ | वस्तातात वीवाको मुक्तरस्ताने ने । मिन्द्रेन मिन्दर् प्रापि राहुकी की करामात की कथा है। Part wei . 7 T-1 6 NOS-NEX VEV-IL I 気気の一気を 88 - 101 1411-145 Kto-Kt R 2 4-K 2 H X C T-XX a प्रशिक्ष × -× -3 भिषिधम्ब SEX. ( a R c ξ 2 į general Hartalia H रामस्यान प्राच्दनिद्याप्रतिस्तान--विद्याभूषक्ष-धन्न-श्रीयह्र-भूषी ] Target of diam'r. E तमैया (क्षेत्र ध्यक्त ११० समीया) (x) निम्मोषणकी वरवाहै क्ष्मा ३८ (१७) तर्षक काकती (भोषाकाकती) गरवाह । ब्युक्स इत्तु श्राम् नीयर का बुजनान राजाकी रामुख्यालबीकी कन्नाक्षीत (४) सम्मिक्ष तथ स्रीष्ट वस रु.र (nets on Man a) (३) बाज सामग्री मृद्ध मानी रज्यस्त्रीका स्तीरत रिकोल विकासको ३५६२ धन्तु ३७ أففريد المستبعاها तरक-विभव्यक्तिको SY STEEL THE The Part (२४) मानतमुह FF 20 Ē Ě



N.

४५२-४५१ विमन्तरात वीयाकी गुस्तरमदामें ने 1

धनम्बत्तात्त्

	ाकाश्वत प्रास्त्रतियातित्यात् विद्यान्त्राय काचन्त्रविद्वनुष्टी	हिन्मूको			٩
1	दम्बनाम	cu <sub>l</sub>	सिरिम्सय	पश्यंस्या	विदीय विवस्ता मावि
	(१) शेदादी करबाई एन्द्र अधि	प्रमस्तवस्	(c)	nti-ise	
	(4) minbenbel eres cha be			x8=-x88	
	(७) रागोरतीरणै दरवह यात २२व			X 2 3 - X X &	
	(स) रेशामधी परवड २१६		ı	***-**	
*	ब्द्रका जिल्ली - १६ क्रीनियों है।			_	
	(१) शतकात्री संस् ४ (स्तुन)	राषु बयालाओ		1-26	
	(३) पारत थान (क्षितिया टाहरवात	ग्रहणंत्र तेथायेंगी		236-22	
	न्तमक महरमर गत्राक्षीहरा				
	दारसी दन्दका घनुवाह)				
	(1) uchengere (123 gre)	नेमका		486-34	
	(Y) रस्त्रवत्त्रीश साक्षे एवं रहुर क्षित	रमसम्	r	44 -445	
	(४) दृष्टान्ततातो साथि गुड तत्रहुके विदिध ११ दृष्ट	lufer		484-486	
_	(६) नमाबार बरमानी पत्र वीर	R		25.8-28.8	
	नयताप्योधी पुरस्य सासी	नारायम (क्यापदासपुत्र)		व्यव व्यव	
_	_			364 868	
	राहेद काहे काहि सत्त ६६७	(ANIE		व्हत त्रप्र,	
				446 84	
				488 88 A	
	_			36x 366	
				310 316	1

प्रमासामा कर्णा   प्रिस्ता   प्राप्त   प्रस्ते हार्थ   प्रस्ते हार्य   प्रस्ते हार्य   प्रस्ते हार्थ   प्रस्ते हार्य   प्रस्त			ावाह-दीवा			
den grec grec every every every every every every every	H.	प्रम्याना	101	िमिरियम्	11maples	मित्रेष विकरण धारि
क्रिक प्रकृत सम्भूव सम्भूव सम्भूव सरस सरस प्रवास		मुक्त दोहे जादि कुल ६६७	Mariji tali	_	AND SEA	
Spect grant					342 244	
कुक्रर करणीक्ष्य प्रकृति प्रकृति प्रकृति प्रकृति प्रकृति प्रकृति	_				PAEB,	
कुरर इस्ते कम्मू सम्प्रेश प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त	_				የፋቴ B የቀቀ	
कुरूर काम्नू बागुरुद्ध बागुरुद्ध करीवा वीरण परस्त			<b>6</b> FT 91		११४ ११व	
Spect seculoses seculoses seculos secu					TAKB SOR	
करणीयन करू स्पृत्यं कर्मात स्पृत्यं संस्त्यं परस्त			200		क्षेत्र देशक	
# # # # # # # # # # # # # # # # # # #	_		•		382 482	
илу аделе илуне стат етсе етсе стастя		z	West of Depth		IN CON	
10.77 Equipment of the control of th	_				146 700	
477. 477. 477. 477. 477. 477. 477. 477.	_				3	
4404 4404 4404 4108 4108 4108			Z Lin		3	
भागपाल परित परित परित			ग्रहिमा	_	264	
भारता गीरक भारत परस्य			and the	_	286	
भीरक बच्छा प्रस्तराय	_		करावा	· ·	4 84 8	
तीरक करफ़ परफ़रा	_			a	tr ste	
#77# #77# 977#	_				KINB	
भएपत परसराम	_	Ł	all call	<u>~</u>	a sta	
<b>ब</b> एक परसराम				ě	(a pape	
वरसराम्	_	r	art H	_	0 N m	
		z	परसराम	-	R 26	

ا به	विश्वेष विषयक साहि																						
	पत्रशंधमा		144 444	388	84	248 24K	THE STAB	314 418	SACD	PERB	नेक नेकह	38 8 E	242 240	244B	BANG	244B	FINE	हें हैं कि हैं	300	at retb	844B	StAB	10x
	िलिपिशमय		_				_	_															
(वह-मेक्)	au a	,	सम्ब		कात्रिय	- Bartell		WRITE	मु			गुरको (गुमसी)	:				_		Æ	भागिक	बनगोपान		सुन
مستعده مستراستان المستوات والتسامية وبوجاوال ]	graphit		(c) reg (b) enfe pen (10	1		;		:				1								:			r
		-	ξ	-														-		-	-		

ř

	لملاطنا			
lettato disease	T.	सिभियमध	विश्वसिक्ता	विष्येत विवरता धारि
•		1	44-140	
(x) (a) 44	वासंग्रहायाम		10.00	
	रंगम	_	•	
ī	वरमामाम	_		
	anola			
r	******			
	यम्भ	_		
	रक्षा			
;	COUNTR			
	-		;	
	2150		2	
2	niere.		-	
(a) मास्टित-काध्यात-माद्या	इयालदात-जनभाष	_	35 -XX	रखना काल १७३४।
कीनाई ७७१ सन्यास १७	निव			
(१) साममाहास्य (डिसफ्यासेशार)			AXS-XER	
सन्दाय ह				
(१) मृत्य (राष्ट्र) सकार	ममदाव	_	Kin-kal	
( p. ) ulteni erate) mus	<b>製が好け</b>		Y21-Y21	
(१३) मृत्यरशासत्री हे सर्वता कल	स्तरदर्भ		764-13E	इन्द्रम दोवक्ष भी सरीय है।
7 15	ı			
g grest & glati		_		
(i) nauka	वान्योयाल	Set Se	9,1-1	१-६७ मिन मिथ हरिहस्म सिक्तरामये। र.का सं १६४४ मतीत होता है।
(२) हरिकार सार ६५६ कोगाई	. च्यानदास		111-11	
(1)	many and a state of the	_	- 61 1	

	[ [ale:2014-8			<b>11</b> ]
Training Studiedikin Sin 1921	Ter.	निष्मित्तव्य   वत्रसम्ब	वशसम्बद्धाः	विद्येय विशयक पादि
				eteenim, spriarin vinters ceremon, spriari gradui er fagreden volegreden refegit unverledet surfede Vilede spe- den vingens enverleden zgenezi grant gleurle sprienre uit van ens wenerentent eren gergyre een wenerentent
(2) december	TI NOTE	} and	=	७-१३ 'रचनाताल १६०६ बहुत उत्तम काम्य है।
auchaute (t)		_	26-36	(1-24) 20-36 - www Berr (2 tet A :
(x) 4764)tt	असार्थामह	\$	16-12	मूर्य स्मृद्ध पत्र ।
स पहडा-१६ झिल्दो		-	संबंदन ४६१	
	मेबाराह	(44)	7	१-१ १ मिक मुख्यमास दर्मनशासीमध्य-मृष्युत्री
। पुरुविश्वामीमयन दक क्षे		_	ε	नंत्रमा बाई द्वारा प्राप्त मुदक्ता।
e gednathure o efuil		2		
३ नाममहिनाजीमध्य १२६				
afert.				
४ फिलावचीजोच्छाच १६ बोहे	: 定			1
र बर्जातया क्लेब प्रम्मीमे १४	2	t	z	
र स्थाप " ×		=		

(1444)	राक्तवाव प्राम्मनिकाप्रसिक्तमः—विकाम्ययन्यपन्तिवान्त्रयो	ग्रह-ग्रंबरे ]			[ الم
	<b>ह</b> म्बन्धः	क्या	िभिष्यम	thatta.	क्षित्रेय क्षित्रमा साथि
E	७ काम्याया वा वारित्स प्रमेव	- Buatte	- Sun K		
	व नोयं २				
	द रेडका क्रमेड द्वार्थि १४				
	. es enfe rreit			2	
	(१) इरियममधीको बस्हो	द्वीरकाव			सि क मुक्कारात दर्जनहासिक्य- पाम रामसा।
	र व्यक्तम्त्रीत १३ वर्ष			# 1-1 ×	
	व मनियासायल्ड ११ छन	2		9 ~~	
	३ बामनिक्यवक्ष्य ४३ होहा			2	
	V NEWSTER PROPERTY	2	4	111-111	
	१ भ्यासुन्तीसीयसम्ब ११ प्रीत	*		218-11K	बहुत बरास है बाधासन विवाह "दोडरमन
	६ डोडरमसभोजधन्द १ पद			111-111	बीरपो भी इस हाममें।
_	<ul> <li>मानीयवानीयृष्क्र-वोव-</li> </ul>			114-14	
	1 × 1 × 1 × 1 × 1				
	व गर एवं रेकता वर्			18-81	
-	L'affert ege 4				
	१ कण्डमिया १६ धनोक संच				
	११ वन्त्रायका १६ प्रमेष शंप			(X(X)	
	११ साथी क्लेड श्री १११		2	2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	
_		,	:		

101-101

हता   निर्माणाय प्राथम्य " (1974   1974
--

E ř

पव १ भगति ग्रुदेनी हो मीको राह"

14-12 L

that hand

fired		STEEL STEELS	first transfer	fired	from			Amender Carry atte-	**		27-03	_	CHECK TO THE PARTY OF THE PARTY	The Carlotte and the control of the Carlotte and the Carl	1	Majistre (***)			VII.				PROPERTY AND PARTY AND PAR			. "		1		(1)			_	4	100 D			1	#1# #1#	<u> </u>		الأدلالم	The Party of the P	ACT IN SUPERING		79	10 mar (41) 11) It &	्रितिकार मात्र कि स्ट						4.01   Allehed 1200.21	(	A Property of the Property of		Contrade did Hull-gail	Controlled Attachment			
	( pr ) Samerally	(destination)	(Breath fly					(es) fram famil	(11) are fran		E-tone		MARKET STATE	manners of the second		रिक्ता मोबा द्वरमा	at careful b	1	in the second		14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 1	(w) phohestage with-4%	117	MIN STA	Į,		STATE OF THE PARTY	1	作に関いてい	A A Personnial		1 - 1 Calestanoration	•		200	The second	4			1 2	عليد ا								Į	ļ	Į		 214414	-				7	- Samuel	-in-shipsi-k	H-Petigae-aiu	शक्ष का प्राचीबचाप्रमित्तान —क्षितामुषय-काप सवह-मुब्धे

distin continue   teat   724-212	कृता है		क्रमंग्रह	a di	शिषिममन	dustant	विष्यंत्र विवरत्य प्रापि
(11) upsicanticum uniture uniture (12) upsicanticum uniture uniture (14) fertramit brins universe (15) fertramit brins universe (15) fertramit brins universe (15) fertramit brins uniture universe (15) fertramit uniture (16) fertramit (15) medicine (15) fertramit (15) medicine (15) fertramin uniture (15) fertramin (15) medicine (15) fertramin (15) medicine (15) fertramin uniture (15) fertramin (15) medicine (15) fertramin uniture (15) fertramin unit		1 3	Wardenshare	क्षेत्रकात रक्षणित्रस्य	1	330-988	
Particular   Particular						3	
		ž	-			316-416	
		Ξ	-	urffere	2	RVE-2RK	
		3	दिषारकाला देवाला	वर्गाषदास		488-408	रखपासमान-डे१७१६ (स विस्तामने दुर्ज)
		£		WWWTHWATE	r	3-1-3-6	स विकास सिक्त प्रविकास
(478)		3		मीम्बर्ग्य ११स	=	司を一の行	
(474	_	2		uriflux		Pek-26.	
1   1   1   1   1   1   1   1   1   1		3	क्ष्म्यायाम्ब (संपद्ध)	Perferen		46?	
		3	नरसीवीको हुच्यी	TOWERS		26x-184	
	_	8	फ्रकर रोहाज़्कामत ११ मोहे	Puffere	2	\$ 11-13-2	
जा कर्मा व्यक्तियात में ६-१६१ वर्म कर्मा वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म		3	_	MINGER			
पाण   कामरोगात   , , । ६-१११   । । । ११-४   । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	_		ĭ				
TO WELL THE THE WATER TO SECUL AND THE TO SECUL AND THE SE	_	(4) (4)	अ बचार्यकाण	<b>ब</b> र्ग गोपा <i>ल</i>	2	-10	११ विश्वासमें पूर्ण ।
	_	3	बाखकेत्रमांका ७११ वीहे	animate estimate		111-x	रवनाकाल-१७३४ दापक स्रवि ४
अगरमात्र करपेला तै (राष द्वार विना– पुरसाप्त सम्बद्				Rena			क्षि. म मुक्तवता क्षेपदास्तिम्य पात
Phi-whi.		3	welgene	अम्मयमान् कपरीक्त	t	MAR-W A	महाभारते पक्रप्रतीत वसंप्रीविध्यत्वतात.
Apr-Not		,	,				४ प्राथायो में युन् ।
_		-	ावरप्रस्थानारा (राम कुझा किसा- सम्ब ३० जन्महे)	गुरवाक		अक्रल-अक्र	बीधी-ब्द्रमधिया 'तुन तो धामे बोग बृत ल
		(2)	Can Marting (as)				गुलार होसी को सहैं

e) ]	नन्यम् विशेष विषयः पारि	२ - में तो राग दिवानी ४३ - ४३१ - फ्रजोबी कड़ों तो बहोरिण करियों को सम्मुण नजान जुद प्रकृतार कारिया पार्थ	सब्दशंसे न्द्री	# 2 T	Ī		७– द क्रालेट कर्लाका गाम जानग्रस्ताद मूस सुविजेनिकाई क्यू समुख्डी (स)	n-16	{e-1	**- *	३१-वर् सि म - इन्द्राराम मानदासीतच्य बाबक्रामध्य	£4−€?	Ē	Ĩ	१ –१८ कि.सप्रदेशम बावदामध्ये	100
	जिनिम्बय प्रयोग्या	in leef	E "								in in			~	••	•
-HER-NET ]	and and	वृत्यास		मुसरवात	- 444	कस्यमित	tisters		HT CH	नेवादास	सम्सद्भारत		z	नेकाकात निरंप क्षात निरं	रामवार्थाता	
[ [har-fill fill fill fill fill fill fill fill	Rikhab	(1) grant (	मृत्का १ कृतियी	(१) विश्वतिकालि	(a) remitted	(1) seetlaint appear	तीयोक्तरका स्रोधनाड	ليبطع	मरमन्त्रोह	रेन्या सांबा बुरमा	सन्तरात्रत्रीयी वाणी	क्या प्राप्त	(११) झम-रेनता	(१२) रिमच-मिगार	(11) feranefe	
4	erre		7	ε	(e)	€8		(3)	3	E		(2)	(11)	(83)	(83)	

2111		क्रम्बन्ध	करती	मिषिनम्य	link first	विश्वेष विषय्या घावि
3	3	Cundent abuten	सेमग्राक रक्तामिक्य	Ecety (	38 −88€	
-			क्रमयोगल		716-4VL	
	3		urflee		2 VE-2XX	
	3		क्लांच द्वात		2 KK408	रचनगणनन्तं १७२६ (म निष्यानने पूर्ण) पि य. नावचराध
	<u>=</u>	मोद्रमध्य राषाणी कर्णा	WWW.WITES		346-34€	स विकाल कि क. मानवदास
	Ē	transfer.	ultgaver72	1	中に十一年日末	
	2	कुमक्रिकारमानोग्रम्	urrfung	z	3 ack - 2 & 8	
	3	म्पुटायम् (वेपह)	Parame		288-98X	
	33	गरवीमीमी हुची	रक्रममस	z	46K-168	
	Ê	कुरास्य रोग्रामुध्यान्त १३ थोहे	Parform	2	3 € 10 €	
	3	मामराज्यी किन्तायमी १६६	MINGELIE	2	2 1-1 6	
	3	I waltani	व्यनगोपाम	1		ाक विकास में यह ।
	5	(१६) मासक्तामाका ७११ व्ये	क्ष्यामक्षास श्रमप्राप्तास-	90	7-24g	raministing 100 % and a refer of
		,	figer			भि भ - मुस्मिदां प्रयोगकात्रिका मांच भारतियात्राच्ये
	2	(१७) पर्मश्रमा	क्रमंद्रवाच जनसेमा	2	a o-ven	म्बामारते यक्षमंति कर्ममृतिकरत्त्रीका
	5	(एव) मिरहमिन्दरी (एक सुहा बिनार- सुरदास	वर्षास		WP-WP	४ कथापी में पुर्व। गीपी-उद्यवसंस्त 'पुन हो बाचे कोन कुत स
	3	दश की मीर्गनीके वह २ (३६) मीर्गनीके वह २	- Parlian			

Committee (bernard-traff-field-field	य-मद्राह-मुची			
Time the distribution of the second	स्ता	िनितासय	<b>व</b> क्षमंद्र्या	निमय निमरण मारि
(1) Aces	H.cein	) und	dix- ix	्स तो रास पियानी' फ्रजोजी कही नो बहोरि न पश्चिमे' बोबी सत्त्रम उत्तास्य सुद ६ सुक्तार बारपिया सप्ये
६ महका २ क्रुनियो			सबपत्र सं २१६	
(१) विदेशीयमान्यां	मुख्य रहा स		1	
(३) प्रसमारकोय	सम्माद्यात		#  -  -	
(३) अरबसीयीको जोगन्यद	ETH.		- ×	
(४) यामधेन	काम्योषत		j	
(४) मोयोषारस्य जीवन्यव	* Tringe		Ì	इनलेड कर्लाका नाम जानग्यस्ताद मूल नूचित्रेस्तियाहै नहसम्बद्धी।(स)
(۵) شفع			E	
(0)	सम्प्रदेशि		{ € − ¥	
(a) रेग्न्य सोब्य जुरका	केक्प्रकास			
(2) mereinaftel eraft	सन्दरास	× **	11-46	लिक – इच्छाराम मानदास्तिया काबक्रामप्त
Martin (1)	ε		7	
(११) तस्य रिगता			7	
(११) निसम-सियार	मेबारास गिरच दास गिष्य		ĭ	
(१३) विस्तावनि	रामकरभारत		B 21 2	१ -१ व लि क- मजेराज दावशासन्ते
(1x) Elvana-118	<b>स्तामदास</b>		1 6-133	
(tx) durally) went	वामन्यवास		Pag-pagi	

2

	133	_			
	22	_		बोरयनावकी धरशी	
	77.2			हासीपावजीकी पावजी	
	742			श्रदणरीको सच्ची	
	211-212	_		सरपरवीकी धव्यो	_
		_		पाषंत्रीकी धावती	_
	-			बहुत्रेषको ध्रयो	_
		_		र्शामयो प्रापि	
				(१३) धनेक तमा म्यून्सावी की	_
	11-11	_	3	(३२) गोरसमाधक्रीका पड	_
	2	2		(\$E) Enticare	_
				मूहम्मर संगार)	_
	11-11			(१) प्रकास-विकास (पोरध-	_
	343			(२६) श्रमकोषधान	_
		_		ध्यम धारि	
	333-648	3		(२८) पोरप्तनाक्ष्मीका प्रम्य स्तुति	_
बाल क श्रिम निर्मिष में पर है। (मं)					
१४६। B वर सरबाद समयोगाम धाँर भावो-	111		ı	(२७) कान कीतीवा	_
ton Bet gren ente dege er & af	141-14X		=	(२६) प्रावसकारी	_
	IAl-tal		3	(२५) पंत्रमात्रायोगयन्त्र	_
नवर्ष	ba)	bal ha-land	पोरसमाय	(२४) चभयमात्राग्रन्थयोग	(F)
विश्वय दिवरानु कारि	THERE	विधियमम	क्ता	धन्त्रमान	7

THE PERSON NAMED IN	THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NAMED IN COLUMN TWO IS	and a	<b>ीन</b> चित्रधम्ब	thank!	विश्वेष विवरस्य साहि
	(३३) स्कूट साम् परामती	पुरदान	ושצו-צו	toxt-xx stry to-	
	4	*	_	*	
_		वामबीयाच			
		4441	ε		
		धुन्दरदास	z		
		all series	3	1	
	1	7	ε		
		RATES	_		
		4	3		
	(१६) रेशसमीके पर	_	3	h by bi	
		दोरक्ताब		181-183	9
	तोरक-वर्षस्वकेष्टी	_	_		Į.
	(१५) रोमायलीकान	_		442-443	4
	(१६) नरवसेन (निर्मय कोन ?)			2	
	_	*	_	1 1 1 - K 1 2	
	(१प) चरिष्ठरकोण येण			2	
	(११) पान्नहर्तिक्षिक	3	3	20.3-10.53	
	_		_	7	
	٠.	3	1	A)-313	
		•	:	7	
	(AA)	-	_	20 CX6-6X6	1
	(२३) संबंध-वर्षत्र-गोधकन	*	,	100	103

(१) नोरवणात्मकोची समी (११ ग्राम) (११) पोरवमाय (नोरवनाक्रभवंतार)	(गारात व्यवस्थात) (६) प्रभावकी (७) प्रतिवर्धनार्धिकपदाव (६) बोरद्यभावकोडी स्थाय वर्धना (६) बोर्च्यभावकोडी स्थाय वर्धना (१) बोर्च्यभावकोडी स्थाय वर्धना	(१) समुख्य (४) समुख्य (१) ब्रामी-नानी प्रत्य		(१) क्योरबीकी साम्रो १२ श्रंत व्यक्तितात (१) भ्यान पर क्षेत्र एक्ट (१) सरवात		१ (११) बाजधीमा बसीती १४ प्रम्य वरसराय (२) भरत-वर्षमित्री १४ बोहे	क्याद्व धन्द्रशय क्लो	Tath Path and Land London
1	* 2 ° °		त्र 	\$A-\$AB\$		\$ex3	भिरिश्वमय	
7 Y-17		Įįį	é	_ 	30 -448	195-218	पत्रसभ्या	
१४/-१११ पुरु ११५ तक ११ वस किर नुस्र १११ मा १११ न्या ११८ तर १४१-१११ पुरु ११५ तक ११ वस किर नुस्र ११८ तर	शामनोप बोप विज्ञास स्टूरण मयसारा ।		क अन्त नाजुस्स अन्त हुट । स १९७३ में—सं १७४१ सोर स् १७४१ इसमें क्लि हैं बीले बसे का दूरा हुनने बंदबाय, रक्षांव ।	नीर-ध्य पुत्तक पूरोहित कमालुक्तको	द्धित क्लम है। कारिक कुम्मा ३ प्रीय मिदिले क्सूम्ब क्सीराय पास बांस्टालस्स ।		विश्वेष विकरण धारि	

A PILL	n sales	a ad	िमर्गिसम्ब	पत्रमध्या	निवेष निषदक वारि
-	(११) क्षेत्रिक्त्रभोत्ता वर	FULL	- Into	641-EA	war sharp
	(12) winnik er 11	3		120-02	
	(११) रचनात्रकरित्र बाह्य १७ वर	1			_
	(17) greentwart might be an	•	1		
	(१४) प्रोपतीको कोग्री, न कविता	:			
	(14) catted with	ı	E	וווייים	वर प्र-गत १७३ वीर १७३ में को व
					व्यवस्थापसम्बद्ध है।
	appearation and a	:			
	42 22			- 1	
	६ हर्द्य है। ब्रायको को हो	7	1	147-141	
	# 12		-		
	fire prosed utyling a	\$	~	Total	
	के रेक हैं। का इंक का इंडिंग के अ	ī	~	141-141	
	n ble film (anten R. R.	*		T A	
	film towards with	3	3	es  -) a }	
	क बिर्म्ट क्रांनको साही			207-105	
	व सम्प्रात्मका भारते	t	ŧ	341-30)	
	nh iten taufenem ?	2		117-101	
	क्षा का का जिल्ला करा		-		
	(te) ereinint incite eun)			311-115	राषींने बारकी
	AC DA		-		

1	الملاحكات ومستميد ومستمنع المساورة	(वर-मन्दी)			& ]
Edital Statist	क्ष्मिंग्रह	1	िन्धिनमध	प्रमान्या	बित्तेष विवरण धारि
			ANG-ANG	100	
(14)	THE WHITE BELL		1		
	armeree's tred			2 2	
	हरताची नियमी सब्दी			الاير	
	धारमधामको शक्ती				
	मगम्बन्धको सब्दो				
	शामगुलाईको सब्दी			114	
	وحوردها يتدفأ				
	क्रमकरको समी				
	राम्बोधी प्रची				
	जानंगर बोडी गरही			111	
	सोसीयगद्दशीशी करही			25	
(*1)		काजी महत्त्वा		168-66	बरागों में १७ सम्ब सम्बद्धे मिर्ह्याचे पद है।
(11)	कात्री शास्त्रज्ञीकी सामी	काती कारमधी		16 - 163	स्रोत २ । मान्या प्रापाः मैत्रावी ।
(36)	(३६) यानेक सम्भावि गुन्न वह	भेस बहाबुहीन		29	१ पण विश्वामी पड़िया।
	•	ARTI	4		क् यह १ राग ब्रीका ।
		<b>जिल्लो</b> षन			१ पर सम्प्रा
		<b>इ</b> योध्यम्बर्		(10)	१ वर्ष ।
	t	   क्षीमूल			१ वस ।
		- Feel Tail			के बदा २ समा।
		सीभागी		inx-inx	१७४ –१७४ ∣७ पर गुजराती में २ राग।
		dierali		int-int	tox-int ft as a cut :

Ē 41.6

2

È

r

£ 2		Ē	िमिषिशमध	पश्मक्या	विश्वेष विवरण पारि
		धामामगदमी		<b>1</b>	१ वद १ दाव ।
I		शीवजी मन्त		ž.	
ī		म्युषिकेटाजी अवत			2 2
I		रामानग्रह्मी		£	•
•		ध्रवस्त्रो अस्त			ı
		जन्मी मन्त	tox ( ns	I	2
4		ज्ञान्तिकोक्ष्यी अस्त			:
		<b>कर्</b> शिक्षको		1=1-1=1	
		मुख्यम्बरस्योगी		(c)	1
		मुंबर मन्त		<b>1</b> 25	
:		मारा भक्त		124-121	राष ४ वह १९ ।
1		माधो बगमान		441-144	राव है वह ११।
		मसिम्बर भक्त	_	ξπ.χ	राम १ वर १ ।
		महास्त्य कृष्योस्त्य	_	14.8	राम ४ वद ४ — में स्मानु सम्पुर (बामेर)
					के महाराजा पुन्नीराच है।
r		<b>९ एमामेग</b>		{#X-{ 5.0	सन्द्रमात् के कमि। राज ६ वद ११।
		भूरबात	2	15-4-1ER	साग १९ वय ३१ घट्यदानके कवि ।
		योगाको अस्त		2	
		बलनाजी		3	אנו לי מכלו
x		मरीबरात राष्ट्रिय	:	161-166	tim 11 at 18.1
(१७) नापूर्यत्पम् कृष्णीराजको धन्त	। कृत्यीराज्ञको धन्त	कुरबोनाच योधी	:		दाल वे भीत यो प्रचानांच सुत्रयारमतम्हा-

2	विष्येच विकरण माहि	धंव जूवं है। बागे कुमा का भी है। पर प्रकाम है। ब्यामाश्व प्रमात बहुत कांकुमा है क्ष्म्य पर को एक हे एक कांक्मा है। ब पर करतेकुम भीमामोजिशिकार धार्थि। या बुहानें ११ छेर। ककारी क्षमार का ४ भीमई प्रकृष। ककारी क्षमार कर भीमई प्रकृष।
	प्रावस्ता	
	िनिषियमम	22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22 22
गर-ग्रची ]	and i	تعمو و و و و و و و و و و و و و و و و و و
शक्तरवास प्रस्कृतकाप्रतिस्टाल—्वियासूचल काण संपह-मूची	Received	(11)  (12)  (12)  (13)  (14)
	E III	3

राजाची प्राप्त	राजरणाम् प्राच्यमिद्याप्रतिस्टात्र—विद्यासूचन-प्रमानीवृत्तुची ]	ध्राप्ती-क्रम्			<b>■</b>
Table 1	فيطفاريل	क्य	मिषिसम	पत्रसंबद्धाः	विक्षेत्र विकास्य धारि
(13)	E	(x) <b>stant</b>	tantant transfer	884-88	tiguthelt eralt tage !
		(a) MARKE			ultut (utffeut) of unt ?4?
	. 2	(४) वस्त्राक्ष्य			with energy graft 2/6 !
	t	(७) विषयायि	1		यहामेक-वर्गतीमिक करण
_		(π) निकासम			बक्त-योरक्षभ्रम् ४६ ।
-		(६) कीमवास	E	2	योरखनाचकी क्रम्सी २१
_	r	Manua ( 2)			गीरक्षमण्डीन्डकोच ११६ ।
	r	(11) turn		I	गोरक्षातावक्षीके वय १४।
		(ts) drawft	:	_	योप्यमानवर्षाने यंत्र १६।
	2	(8.8) efter	2	£	engafie en BBe.
	£	(१४) व्ययमीयम		3	maituffe en Bat!
		(११) कममोपाल	_		ferremaine que bere
	r	(१९) माचीकास		2	terments on 141
	*	(in) students	£		18 6 81
		(ta) week	3	ť	नुबोमायक्षीकी सम्बंदि १ ६ ।
	2	(१६) मोधान	ŧ		Brizoles wines exist-
				4	Graft grays
_			_		भव ११९व।
_					may ess :
		_			under ateltete mit banne :
					नीर-इस पुरतकों को बगई छेक्त मित्राती-

	बिद्य दिवरण प्रादि	१७४३ सीर १७४१। मदि मह लेखन	समय हो तो उत्तक का प्राचीन होना सिद्ध	होता है बरंतु बहुने प्रक्रियो	(लबका तका मित्री भी ठीक न मिलना समेष्ट्	, अस्पन्न करता है। ब्रायक समत्त पुस्तकर्मे	जिलते कदल को यह होगी ये संबत् मिती	सिन्दी होंचे परतु युस्तक्षंद्रे पत्रों पुराने स्रीर	अर्थि होमरी इसके प्राथित होनेमें छन्देश मही	रहता तका इतमें बहुत इचेरके समयके संतीकी	बाकी पर दारि नहीं है को कुछ है प्राचीन	है। इसमें गोरधमामामाने प्रम्य पहुतायतमे	है रण्यवजीके समित्रही। गरोका संपष्ट निम-	अभ्य धीर उत्तम है। कृष्मीराजनी राजाके	गा सबसे पंहते इसी पदकें मिले हैं। पृष्यी-	राजनी का समय (१४१६ से १४८४) राष्ट्री	सि बहुलेका है। गर्दों हिंदि भी ने को मिश्रि में	यतीत मही होते । चैमत्रीके क्रोंको माना	बुदीशी उत्तम मीर मुहाबरेदार है। स्या मे	्रक्त्रमंत्रीके जिल्म में ? मारक समयसारका	इसमें होता और वियेषकर बनारतीदातके	वह बीम शापुरीको सम्बान्य विकासत है।
	पत्रसंस्या																					
	मिषिसम्ब					_				_										_		
0.0 − 1.0 m	ĮĮ.																					
राज्यकात्र प्राध्यक्तियार्गतस्यत् —िरंग्यामुक्षे क्षण्य-मिथ्-िपूषा 🌖	h, bada h	\ \ \																				
TENETH III	E	1	2				-			-				_						_		

Ė

:	בניבותוא בניתונתותות ביות ביות ביות ביות ביות ביות ביות	1.1.0		-	
ALI	Butath	in.	मिषिसम्ब	पत्रसंबद्धा	क्षित्रय दिवस्य भार
•	_1 _			११ व्यव	
Ξ			_	18K-284	
	(द) कावाक्ष्मी	To be seen		186-134	
		mandama arafota		14V-19C	
			_	13-22	
	(44) WHITH STATE (44)	anniherre ,	_	11 -11	
	מניתונת מים בי			23-64	
				1 X 0 - 2 X X	
				2 X X - 2 X 2	and an entitle and
	(tx) grinaite tire ? !	2			
	(१६) दलात्रेयके २१ गुष्वीकी लीला	जगत्राच कृष्टीतच्य	_	1	के वा तम गहा है।
		रज्याची		9 4-4	
	(१६) वागर-जन्नारक्षक्षी				ब्रापूर्ण । ब्राप्टानी युक्त प्रकार पत्र हैं।
20	- LASE				
:	(१) राष्ट्रशिकी सामी ३७ व्यंय	समूजी	* # 3 %	-165	धारिके दो दब नहीं हैं परादु प्रम्ब पारमधे हैं।
	MICH SEED	,			
	(१) शामुनीका वह प्रथम दीव कि			144-8 X	कुसमें कुनाराकी ताली भी है। प्रति स्थामी
					मामानिकात्वा पाठकृषाताच्या ।
:	-				4
	(१) राष्ट्रमोधे साली		रिवरिय	ž.	यह गुरूना उदयपुरका बमातका है। स्थामा तेवादात्त्रजीने भेजा है। इसमें भाषा माचीन

१८-१११ १९१-१६ मुक्तेण स्मरण धीर किसामसी।	115-111 116-111	in to		(१) सापूत्रीका पद २७ साम ४१४ पर (१) क्योरजोकी सामी द्वार हे
क्षिप्रेय क्षित्ररास्त्र वार्	पशसंख्या	निषिसमा	न्ता	वंश्वभाव
			الماليا ]	। प्राच्यक्तियास —क्षित्रमूचन-यभ्न-सभ्युची

THEFT

P.

		# # F	
	पशसीयम	141-141 141-141 141-141 142-141	412
	निषसमा	p	2 2
वर्ष-वृष्टी ]	नती	वामगोराज बोददात	
मित्रदार्मास्यम् — क्रियानूकम् यान्सान् सुनी	हम्दर्भाष	(1) enfalse et que envir de (1) enfañol mel en 2 (2) preefer 200 de (2) appreefer (4) elderefer (2) pr	तर्का— (१) गापूत्रीली वल्बी (१) गापूत्रीली बल्बी

3

बब्गोधन नोमगा

(४) राह्यममोसन्गरण

गाइजीमी शामी (१) राहुकोदी ताली (१) शामुन्नोका पव

1	E	Ē	ъ	Ŧ
A SHE	ŧ	α 4⊊	E,	E
	1	ŗ	*	复
महाराजकुमार पीप्रतमसिक्षेत्र १५३४में राजीवनीसिंग कार्य	Ę	E	Ē	Ē
1	÷	ŀ	뜐	H
# 10	Ē	H H	1	Ę
रतापुरके महाराज्यकुमार मीमतामरित्रके स्रोतक व १८०४मी राजीनस्तिति जनस्य	लाकी रचनाकी। सीहत ध्वतिस्त्र्योक्षे पाछ	का किसामरत्रमुख्ये इस प्रम्पकी प्रतिधी	की की। यह प्रति पंक्ति प्रदेशियां सूर्य	लि बसील भएत्रमरबासीकी प्रतिमे ब

-	<b>उद्योगित्र</b>	Val.	<b>extraged</b>	iten un
THE PARTY PARTY IN	रक्ता की । दीवत ध्वीविष्यों	मा भरतन्त्री इस प्रन्यकी	। यह प्रति पंडित	मरस्युरकालीकी प्रति
	Ē	मा भर	Ē	E

स. १५६४मी है पतादी माँ।

गृष्ट्र किसी बाचील प्रस्तकती मकत है। भाषा कुष (बर्षु र) सात्रातिरिमध्ये ब्युक्ट् धामे

1444

क्षीं मरपित

(12 janaajis (dates) aat)

प्राचीत प्राकृत-पूचराती-विवास-सिथित । गुनि तत्त्व(किष्)वास क्वील प्राप्तार्षे ।

वंडाचेने जिल्हा गया ।

1111

September 1

manife-efun unfe

=			Ē			_#F	
	विस्तेष विनयक कारि	१-१ २ १ १७७९ को प्रतिको नकम १ २-२ ४ भवर बांधकोमें निवित	द्रम्भ समय शजनासमी बुरित करी हरिराये इत्यास वह है		र का −श्वत दावकस्तरमञ्जाम १ ⊏ १	नित्ती हचनताके टार्डिं। सम्बद्धी करिता है। अतिन्यत्त्वल नामक करण्ये ६ प्रकासि हो विकास है हम्ब	मांत सुमर
	पत्रसंख्या	77	2 th-2		74-14	1-4 1-4 16-43	1
	मिरिक्सय	1-1 - 1 - 1 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2	8 8	# # # # # # # # # # # # # # # # # # #	# # # # # # # # # # # # # # # # # # #	72 23	
[ किंग्स	rafi f	जमभोरात जमस्राच मुरमीरिध्य	विद्युंदरक्ष	सम्पर्धाय सकाडी प्रतार्थीतम्	प्र <b>वाभी</b> एाम क्रीनिवास	ព្រមុខម <b>ុ</b> " ខ្វារាក់ជ	िरावानित्य
	nikhik	(१) ब्रह्मारकरित्र (१) मोहमर्थ राज्ञारी कथा	-	(१) डम्बरमानी ३७ गोहे (१) छोदुर्तराम २४ कुण्डमिया (४) गोहे मामना बोहा १ (१) सिम्बोरीमंत्तामार-गोजाबार	(६) एष्टानोधी भाषता रामायणादि (७) कारत्रवासा ए-६ १२ (८) एष्टबर्चारध-सरहारको	(६) दिमोगायरास्तोह वीर होहा (१) मामारामो निमाणी (११) साह्याता कृष १२ (१३) राजगीतिका ब्रीबल	(11) rurvius a romand (11) rurvius a romand (12) rurvius arm
	ALL ALL	=	5				

A1 ]	विश्वेष मिक्सम वाहि	क्षाने तथा कार्यात क्षानेतित्त क्षानेतितः  क्षानंत्राके नेक कार्यात है।  स्कानकाम-१ = ४६  स्व तृत्वा पूष व्याक्षातानी बांत्रा वात्रीवा  स्व तृत्वा पूष व्याक्षातानी बांत्रा वात्रीवा  स्व तृत्वा क्षाने वाक्षा क्षाने हैं।  पूष वृत्या पूर्वाती प्रितामकीते प्राप्त हुवा।	
	비	स्त्रमं सर्वा स्वाप्तां स्वाप्तिकार स्वापितिकार स्वाप्तिकार स्वाप	IMIG BANK !!
	पश्चित्रमा		
	िमिष्धमम	2 t	
रहिन्तुची }	क्या	inter evicent	
राजस्यात्र आक्ष्मित्रप्रीतत्त्रात्र—विद्याभुक्त-काथ-सम्प्रापृत्यो	#ishdi	(12) (13) type efter unit (14) typered efter (15) t	
( Alberth )	ř	(E) 2 E	*

it ]	ना विद्युष मियरण मापि								-		_	कड़ी राम मंत्रीन से ह्यू क्य नीति प्रचार	_		र्षणांकाल-१०७२			ासके बन्तमें १६ प्टा वर उत्तामीत कोये	इस्ताहि कवित्तका कोप्टक है। बित्र काप्य है।			•		
	प्रमाधिका		ĩ	ī	1		į :		2 	10人一を	15-21	21-11		1,6-6	Ĭ	Ĭ,	ĩ	T.		_				-
	विश्वीयवास							322									_	_	_			_	_ ~	_
	and a	-		ALCO DE LA COLONIA DE LA COLON		all distribution of	שישר שום מחונה	सका प्रकानाम		2	the safe	andreas.		मन्दर्शात	क्रमेहराज	सबाई प्रतानीतह	2	فطنور	Children	٤	11	1 01 01 01 01 01 01 01 01 01 01 01 01 01	erferter Erferter	(calle
	रामस्य ग्रंथीरवार्यात्रात्रात्र — विवासुक्तात्र प्राप्त १३०	- [22]	(a) Married	- 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	(२) बन्नामर्ग दार्ग	(1) erennehel	(A) मुच्यरविधार	(x) althorach	(a) yerralan			(m) the unit	(E) transment	(१) छनेकामं संबरी	(११) बाबरवयोगियावा	(15) wate	(१३) समेहसंदान	(FY) regraniform						
	CIRCUMO DE																					-		

•

Ě

मित्त सम्बुद्धमा सरमित्र पत्र मही है।

**1**-€

1

विक्वायास

		6 4	The same	जिल्हा जिल्हाराच प्राप्ति
B. Kish. B	rei	भ्राप्ताम	तम् स्था	Control Market
(a) (a) all all all (b)			)	शोद-प्रत्यक्ष पृद्ध पर शोषमें पट्टी पहाने घीर अपर शीक्ष मात्ताविक बोहे शिष्टो है। (स )
(३) समीतत्वीको क्षांगय		202	1-3	
(1) Mange	रामदाम	181	<u>ک</u>	धेवका मिर्मावसंवय् नहीं स्थित् है। पंपकारने सम्बन्ध स्थापन
				इम्माका होक मानका प्रदेश मिला है। इनके विकास अाथ वनोशुरकात था।
		_		
(१) राजायक्तकीतित होहे क	व्यक्त		1-13	संबद्धतः वे प्रहारात्र रयुराजनितृ रीषा बाले हैं।
(१) मोहायमी मोहेत्त्र	राममध		13-14	्रक्षका विवासक्षात्र बहुराइण स्तोर गोरटी- । वरके यात्र कहीं या प्रतिके घोतमें प्रति भी
				महारत्म शरदे हम बोहायमी धंपुर्णम्' ऐशा
				भिष्या है। भी रामससेका विषय् मिनवेषु भिन्नोक्से सिया है।
1				,
(१) शीनित्रवरात्र गण्य	क्रेन्स्स्राप्त	terrf t-1	7	Reifgragani'f aften ernalfen faunt
المواط ال				्रक्रको कैरायदासकुत सिचा है। उसीसे प्रति सिन्द की है।
(३) मधाराम-क्षतिम	z		-1	
(a) fenda) then a	r			
(४) मीत-विकास (१४६ मीति थ सर्वेद्ध सम्बद्धा	•			मह कारदावीत कवि दत्रमावधी गणपति

प्राक्तां राज्यां हैत्यत्रल — दिवानुकल क्ष्य संवर्ध सूची	تالطنل]			<b>1</b>
प्रम्माप	and and	शिषिसमय	पण्डिस्सा	विक्रोप कियरता सानि
				गम्भ कराई है। संका प्रहे द्र तक प्राम प्रकाम गाँ है। वह भागमें वाहें है। कराने सोहोंने कुकरच्या का मकार है—राजानक प्रामाणम् कृत्याक व्यहारी अपरात्त
(१) मीयामरची	SHARRES	20 CK	)a ph	यह बीमें पृष्टमा है सीर संसत् १०१४का
(४) धूजीवज		ż		जिल्हा हुया है। प्रमुत्ते मित्रा है-सम्बद्
(१) समूक्ताबी	ungates			१७११ वर्षे बाले ११८ महामाञ्जानिक
(४) क्टब्सिमीम्बंग	h.m.n.l.	:		al galla
(१.) व्यक्तिक्स्त्रभीला		:		वासरे क्षित्रपुरमध्ये स्वामी विराधवालयी-
(4) maltenhur un	1			forex certify openingly performs
(७) क्योरकीकी रजेकी (बर्मोकी)		-		unterpries among com can offered
(m) क्योरकीको पुण्यी		: :		# 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
(६) क्योरजीकी सत्रकाी				The state of the same
१ ) सन्तर्भाष्टि पाराच्यी				THE REPORT OF THE PARTY OF THE
(१) सम्बोद्धां में सम्बन्ध				नम तक्षण । अन्य नापुरमहत्त्वाचा मुचाव
(1) parteutal afterth		•		मनुवार हा क्राप्तमाक नाम यहाँ प्रशित कर
(1) STANDEDET	1			ावय है। प्रमादा शक्या हुनवर्ग मरम्मत शुभिके
(v) transfere	*	=		वाद है। जनाई का लक्दरी है। (से)
(11) seftentiel numb a common	£			

2 Ë

गुन्त प्रमुख

मुक्तामारका पर

(١١) هظردر دد

BE LAVA

राजस्याम् आस्यविद्याविष्ठात् — विद्यानुषय-सम्बन्धवित्रि	न्यां स्था			bt ]
क्षां द्व	, <b>*</b>	क्रिपिसम्ब	तमसंबन्धाः	विश्वेष दिगरछ प्राप्ति
(11)				गम्म कराई है। संस्था पंदति द्वर तक सतम
				पुरस्कान नहीं है। यह कामका बाद है। प्रनाम बोहोंने गृक्षरस्थर हुए प्रकार है—राजानक
				munetiger, portin mugich auenn
				funtaure anneren :
الم الدهاب		_		
	धानम्हाति ।	¥ 6 2 4	)s (0*	महस्रीकं गुरकाहै सीर समय १७११का
(१) सुकोरम			_	जिल्हा हुया है। यानमें मिला है-सब्य
(१) समुख्यम्बर	ENGERS .			१७११ वर्षे बाके ११व प्यामाज्ञाभिक
(x) scaferBrain	(rate	:		umpen-erid-arenter untaut ?h my-
(इ) व्यक्तिक्वान		2		- 4
(4) maltalwi en	ang).	2		विकास स्वतंत्री सामीनासमी रात्रक्रिय सम्बत्
(०) कमोरजीकी रजेली (कमीजी)		2		वनकालीक सहसावें समम अवत बीरामी-
				marity i
-	ε			मोध-यह बटका धालान कीमें है बीट
(१ ) क्योरबोको काराच्यी		:		वा तक्ष्मते है प्रत बीपरोहित्बीयो मुचीहे
(११) क्योरकोषी घटायधी		:		थानुसार ही कृतियोंने नाम यहाँ धरिकत कर
(११) क्योरकोषी प्रेरवी	;	_		किये हैं। कर्मोकी संक्रमा प्रकृषी परम्मत मोनेके
iduduses (43)	2			शाय ही सम्मति बार श्रमन्ति है। (न्हें)
(tx) erestrene	t	_		
(११) कमोरशीयी लाखी म दिव हुए				
	_	_		

ř

विसीय पिकरश पावि			हत्त्वी । वरी, बारदुवनी बीर १ व हत्त्वाहि बारिते हैं।	
<b>क्षलं</b> स्या			\$\$&-0 b	
मिष्मियम	7102	1		ı

Ŧ

THEFT

(१२) मनिजुष्टाका दव

11) जनामदा दर

राजानगरका पद

मुत्रामाहरू। यह

शिक्षमध

बिगोनगरा पर

**9** 3 (¥

THE CHIEFE ग्योजीया पर

विक्यमंद्रा १६

सीमानका प्र

包包

Sele Line 투

र्गरसम्बोधी सच्छी

गान्डजीरा एड

गमस्त्रीकी भारती क्षेत्राजीकी साधी

तेसात्रीरा वर

हरिसामधीरा वर

रंदामधीरा पर

मुस

अस्तरकार कार्याक्रमायिकाम् — विद्याम्बब्धः सन्धन्तर् ।	सरह-संबंध ]			1x ]
httehich I had	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	भिष्मियय	वश्चीवरा	बिखेय मिनराग पार्थि
	- Hatte	20.00		
	المرافظ الماط			
(۱۱) ستعالسها مو	मचर्षा हम			
	म्यास			
(43) shipes ee	#Jar			
(४४) अध्यक्तिका दह	माधिक			
(१४) सारोक्त वा	and			
(११) वास्थिका दह	milee			
(६३) ह्योशाचापद	grifts			
(४५) वर्षेत्रकान्यान् वर्	25	1		
(١٩٤) عَلَيْنِهِ اللهِ	1Ere			
(c) Protest ##	- Attentit			
(٥٤) طُنعة عنا	नूरकास नहात्क्रीत	ŧ		
(७१) गुरनम्बीमी		4		
(७३) नरकामग्रदामका पर	प्रमामग्रहात	ı		
(७४) मानोजनप्ताकका दृष	भाषीकश्वाप			
(०४) बजस्म ४६	TANEE	=		
(७६) प्रायहासको सहयो	प्रमधास (मीडबान्ता)		1 5-11.	
(45) urnginar ng	2			
(७६) साहत्त्रुति तथेयः	Term	2		

<u>F</u>		hinas	set	भिषिमधय	पत्रश्रहेषमा	विस्तेष निषरका धारि
Ξ		(७६) रचुराका क्लिकारा	रवेंबा	200		
	-	( व ) बद्धाबक्ष विबन्धां व	4014	R		
	=	शानिमाने करा पह	<b>हामरियमो</b> ष्ट			
	ê W	ورزمانا وبمو	रन्त्राथ (१)	_		
	•	भिराज्या स	रेर्नुवास जाएव	E		
	( A	दिवररामका गर	हंगरबाज बतरब			
	(H)	uten				_
	Î	क्षीमीम सिद्धि				
	Ê		- TISTETE			
	E	द्रीतमध्य दर्	क्षीतमकाय			Serte ufte tie Lag ter err eft fin
	2	धनकीयमध्य पर	बपनीवनशस्य (श्रमधी			
			Î	1		
	3	र्वतम्त्रको एड	वीपल (पन्निविक्य)			
	(\$3)	demel mel	. 1			
	(83)	दीताच्य पर	_			
	(E3)	क्ष्मित्रका दह (क्यामुक्ते)				
	(£	धडमामोत्रा धीर कर	and)			
	Ξ	(ex) travel ninft	1			
	3	(६६) मेरका शतिश	:	_		
	3	(१७) सोहाका वर	efte:		1	
	(E.W.)	(En) gunt) un	, mar		***	

1	Comment transfer start	ताम अव्य			۲ ]
THATE STATE	Helisburg Living Control of the Cont	and a second	सिरियमस	पत्रसंस्या	विषेव पिशरेण वादि
			7694	1100	
Ē	(84) 4777)	1		-	
	_	RIT			
	() ?) ge harret qu	शंक मेचमा	:		
	(a a) wherefield at	क्रीमह्दात			
	In the state of th	न्योराज(राजासोपपुरके)		たっししい	
	ונ ון לפוניותו			310	
	(اد م) منابقاها هو	ELI-MILE.			
	(t f) Erestines as	SECON STREET	z	9	
	( ) HINGER 46	मारम		11.00	
	(+ a) sharer es	15			
	(१ व) नीम्बाह्यानका वह	ग्रीविम्बद्धान	_	ε	
	٠.	व्यायात्रस्य			
	(11 ) geme) es	214		116	
		enrafte			
	(११६) बीजियाका वर्ष	इगिंभयोहाल		ŧ	
	(११३) बच्चारको गर	quare	E	-	
	(११४) मेमने गा	मेतदात			
	(1111) afterne) wa	den		*	
	(((() mbars) er	नोभा (सामुक्तिय)	2	-	
	(110) dizmeines at	यादमसम			
	(११६) कात्री टास्मकी भाषी	इतमी दादन (पञ्जामी)		No-tree	
	(११६) बाजी बहुम्बरहा इद	काजी महस्मय		trr-tro	

נוצותות	a petitik	राज्ञानाव काव्यक्तियार्थनसम्बद्धाः—हित्यक्षेत्रसम्बद्धाः	- भव्यक्तिम् }			1x ]	ا م
F	_	EMAKA	شدو	सिरियमन	<b>एश्रेस्</b> वता	बिखेय विकरण पाथि	
3	1	(02) egenet femmen	दर्भेवा	tota			l
	_	a ) epient feentti	वक्रम				
	2	(यह) सामित्रमीकका एड	graffante	1			
	1	at) erentore	रक्तव (१)				
	3	रेईबालका ण्ड	भेरियात बाग्रस	ı			
	( a	हैक्टबालका वड	विरक्षक बारन				
	(E)	after					
	Ē						
	•		बाया है। स				
	•	प्टीतमधा पर	active active			बानके ग्रीर पद ११६ मन पर भी है।	
	Ē	mealtaner ex	कामीक्क्सा (बहुमदी				
			and Company				
_	2	(१) मंत्रमद्भापर	मेमल (बास्तिकट्य)	2			
	Ē	where me				_	
	3	(६२) टीमामा पर	Cher				
	3	(६३) करताडा पर (ब्याप्टली)					
	٤	वस्तामीमा थीर पर	CPRIN				
-	E	(११) रक्त्यक्ष्यी सत्त्र्यी					
_	3	(१६) मेरका लक्ष्या	:				
	3	(६७) तीहाफा पर	æ.		38636		
	<u>E</u>	(६व) मृथमको धव	1100				

				-	
31	The depth of the	Ę	रित्रियमभय	THINKS	विदेव विवरत पार्व
(2	18 (88)	वस	10 X	11/4	
	(1)   Marital 44	गरस			
	(१ १) श्रेक प्रदर्शका वह	अब रिवार्ग		t	
	(t p) ehrgaber et	क्रीम्सुकात	2	2	
	(1 1) द्रमीराज्ञका पड	पुत्री राज (राजा जोपपुरने)	2	おりは一分の日	
	( v) appliet et	Errift.		910	
	(t 1) preferies of	grant etter		2	
	(3 4) طالعطينا شو	HIEM	2	17 (17)	
	(६ ३) क्षीताचा वद	il die		:	
	(? a) charrenner un	भीकिक्स	2	_	
	(t t) unitimized we	वासाम्बद		_	
	( tt ) greent on	200		116	
	(१११) साम्मीक्को वर्ष	बाह्मानिक	1	ε	
	(१११) सीअन्याका वर्ष	<b>ब</b> रिक्रकोशस्त		r	
	(११३) बच्चारको गर	वस्तार		-	
	( ( ( ( ) mrs ) 74	महत्ताम		1	
	(१११) नीवाको ग्रह	-	•		
	(१११) तोभवाडी वह	भोभद्र (श्रामुहित्त्य)	ŧ		
	( ) TIENTINES OF	Man2in			
	(११६) दात्री कादत्रको माली	कामी कादम (पञ्जामी)	=	JAK - AN	
	(ate) and Drives are	array marray		200	

ξ Ē

				_																	
	विश्वय विश्वरत्य प्रारं		4	कुसमें १८ सम्ब हैं में मने प्रचाम के हैं।					4	वं क्यांकर कोणी यं।								£	ŧ	वक्कत औरसार यथन है।	
	प्रमक्ष्या	10 (- j.e.	120-026	·	Jew-Jee	3 mm - 3 m &	1=8-11.	ا ا	ı		2	2	E	2	z	121-121	1214	121-12V	गरम	z	
	मिरिसस्य	ie;	2	£	ī					g		1	_	2					2	2	2
7 7	TE.	गोरवानाव			,	Bash	, =	योशीयण्ड राजा	2	<b>बटकोर</b> ी		हामीवाब	£	भागवदीयाव	मानाम्बर्भन	witers	भीरमुरी वाच	(कोई माय)		बालगांच	ethense
the state of the s	فسطيانط	क्षात्रकाने (क्षात्रकानी स्तापना	(१४) मोरमास्य (१७७ बीपाई)	भरवरीत्रीका सर (रात्रा-	erelature)	N. W.		कोलीकामधीका पत	गोदीबग्रही राखी	तनी कबेरीका वह	क्ष्मीशक्षी तत्त्वी	हामीयादका क्व	हामीयावको तक्की	सलावतीयावको धन्ती	मानामेनको राज्यी	क्रंटमोरी दासी	क्षीर क्षीयां क्ष्मी रामी	ferrated used	रामंतीथी राष्ट्री	वासनावनोधी राखी	(१३६) नित्र गरीयमाच्यी राजी
100	žite.			(1)			(2.2)	(3.4.2)			( S.A.	(846)	( KK )	_	(8×4)	_	-	-	(111)	-	(114)

1111111	राश्वास्त्र साम्यविद्यात्रीत्रकान-विद्यानुष्यन्त्रम् न्यंत्र्य-सूची	-नंदाह-सूची ]			м.]
E	प्रम्यकाम	ent.	िमिषिसम्म	पत्रदेखाः	विश्वेष विकरण यापि
2	(tto) die ugreber un	दोल श्राप्ताची	200	\$ Your	
:	(141) ster arfterett medt	थेव करोड्डार्ग		We-lya	
	(१११) मोरकमाचन्नोका पर	अरेड अन्तरम	2	1 X 11 - 11 X 2	
	(११३) योरसमान्यमानी लिग	٤	ž.	Preal	
	(११४) अरवसम्बोध	2	2	124-121	
	(eax) arecula		_	12v-12a	_
_	(१२६) झक्ति तिलोक वाया	2	2	11 c-11.6	
_	( ?? . gruntusel)	2	£	N K C mil	शासनी मधी हैबाद गुप्तीएक-शहुका ममाति।
~	(thu) famirade me	2	£	116-11	
	(१२६) अग्मचीलीकी	2		15-162	
	(१३) मोरयमधीमानेन			日本一次日本	
	(CRC) unperalty	2		1144	
	(१११) जनवन्तरमा	1	_	1	
_	(१११) मीरदानावनीका प्रत	:	2	11.20	हत्तमें ६ स्मर है। प्रत्येष के शक्तमें 'मण्डीग्र
					मूतर क्षीम क्षमन्तर कार्य नोरक अन प्रतार मह
	(१३४) मोरमनाष श्रद्धशार		•		
	(१३१) कोरक-मचेदालंकाथ	:		in out	
	(११६) महातेक-शेरकसभाव			\0.1 − 9.0 10.1 − 9.0 10.0 10.0 10.0 10.0 10.0 10.0 10.0 1	
	(110) afitte-auritane	*		Not-let	
	(114) greathent	क्रीरङ्गमाय	:	Tex-102	

(12) (125 severablemental) shound (101 100-10) (12) (121 severablemental) shound (101 100-10) (121 severablemental (102 should) (121 severablemental (102 should) (121 severablemental (102 should) (122 severablemental (103 should) (123 severablemental (123 should) (124 should) (125 severablemental (125 should) (125 severablemental (125 should) (125 should) (126 should) (127 should) (128 severablemental (125 should) (128 severablemental (125 should) (129 severablemental (125 should) (129 severablemental (125 should) (121 standard) (122 should) (123 severablemental (125 should) (124 standard) (125 should) (125 should) (126 should) (127 should) (128 should) (129 s			A Principal Contract	1 (14-44)			5
(111) aversity (seventhrontern) alreading to (112) aversity (seventhrontern) alreading to (113) aversity (seventhrontern) are first aversitied and (113) aversitied and (113) aversitied and (114) aversitied and (114) aversitied and (114) aversitied and (114) aversitied and (115) aversitied and (116) aversitied and (117) aversitied and (118) aversitied and (119) ave	1		district dis	eni eni	िनिपसमय	पंजीवृक्षमा	बिश्वेद विवरत्तु पादि
(121) areaching me (trai " " " " " " " " " " " " " " " " " " "	1	1	arerele/energierniere)	योरखनाव	-	106-15	
	3	_	(little cos) (franche		:	120-126	
100-102   100-		, ,		: :	Ε	121-120	कुत्ती १८ छन्य हैं से बड़े प्रभाव के हैं।
जब (क्यांत । १६८-१८ में १८ मे							
		(44	-	1	ż	110-10E	
		5		(Lacate)		Jue-Jue	
				. 2		1=6-12	
		2		क्षेतीबग्र राजा		76 27	
###		144			2		
		2		(Links)		2	ये कनकर बोजी थे।
		8×4	_			z	
म्मान्यरोपव स्वान्यत्र सर्वान्य भीत्रुते पास (कोर् साम) स्वान्यत्र स्वान्यत्र स्वान्यत्र स्वान्यत्र स्वान्यत्र स्वान्यत्र स्वान्यत्र स्वान्यत्र		(878)		gra)erre		1629	
######################################		2				2	
		(3%)		<b>क्रमम्बरीया</b>	-	2	
		(4x)		मानाक्ष्रंत	_	2	
भीत्रों राव (स्टिम् (स्टिम्स) (स्टिम् (स्टिम् सामार : स्टिम् सामार :		(1×1)		wdzwia	ε	121-121	
(6) f 414) 141-167 " 1674 419474 "		(**)		और पूरे पाड		1814	
there are a second		(111)		(6)( 114)		181-167	=
ethines.		(1X4)			:	nexal.	ŧ
and area		£	बालगायतीकी प्रस्ती	فتطعلم	:	3	बहुत कोरदार पथम है।
		(111		ary and a second	_		

४१२-४१३ | कोदीवीरका (बारटा) बुझडालबक्त-कथंत

dia-P

(tov) maraname

(\* 47E) Gresimal (11 47E)

(142)			ास्तर अवस्थित अस्तरतात्र — [स्टाल्यक-पश्व-संघत्त्रुक्षी ]	विद्यम् ]			\$
(101) equidypalating quart (101% (101% (114-x1)) (101) careschartesphicate quart (101% (101%)	E		hished		निभित्तवय		विद्येष निकारत्व पार्शि
(10.1) correction recommend (2.10.1) correction recommend (10.1) and rec	Ê	101	) बह्ममारेपुरेबोचकाच	क्षोत्राव कुषधार		ala-tla	वरी-सरी उपदेशकरी मातै।
(1) miles (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)		22	(? qre)   mengebenttenftabane			rivef	क्ष्मेग्रमची थोगकी पृक्ष मार्ते ।
11			(१ पत्तः)			nia-nia	
######################################			(41 11/4)			100	and the said of th
1			) स्टान्स्ट्रेन्डाल् ((व एन्ड्) ) सिरंडमसिक्षित्रम्बसेष			1 1 - x 1 d	
" " " " " " " " " " " " " " " " " " "			(11 414)				
"  "  "  "  "  "  "  "  "  "  "  "  "		2	(14 that) (14 that)			v t q al	वीगीकी गायकी
t :		-	) संध्याचायत्री (१७ ध्राप)			ala-lia	विक्रुमार्थस्कृतभाषातीमभित्त ।
: :		1 = 4	) मनम्भद्रपरिरागाभन्तकोत			xin-xic	
			पन्त (सर क्षेत्र)				
: :		2	affredumnetteb-abytre		2	486-445	
t t			(ज्नमित-गुद्धीमाचनीवार				
t t			(रद गुन्द)				
ε		(144)	भूमपदम्हाजाम्योधकाथः	ı		kba-bba	
			(वर्ष संस्क				
		((44)	बरक्षेराच क्रोक्टरब	2		xex-tex	

ASX-XSA

1

N PART	सामान्त्राम् भाष्य्रियम्प्रीतिष्टाम् —ाष्ट्राम्यम् प्रम्पन्ताथहुन्त्राः ।				
E	B.Esub	ju-	िमपियामा	पश्चमित्रा	विशेष विकरण साथि
1	12 to Minnersk (4 c)	चेनदात (दापूरितय)	tota.	מנו-גענ	
?	(१ १) बनदानक्रीण शवया १ छीर			مروز-بروو	बाबूबीकी रमुसिके बीररतभरे जनाम सबधा है।
	هنس و				
	( & § ) errgrundt tree ??	अमुगोराज	:	11.F-11.	
	(१ ४) जमदोशमने वह छ			To the	
	(१ १) धमामानीका (शाम मुक्तकेशारी)			12 m	
	That   6 6				
	(१ ६) अमनोशानके वृद्ध पुर १६		2	ALV -VEV	
	(२ ७) भेटले समेरी ६			vgvaf	दामुळी-अनगोपास-मॅड ।
	(४ व) प्रवस्ति (४ विनाम)		*	12-x2x	
	(५ ६) ब्रह्मारबरित्र (१व विवास)	£		x1 -x1x	_
	(१६) मोहविक्स (१ कियाव	£		rex-vee	
	( te ultif)				
	(888) newater (6 feates)		2	vie-not	
	(१११) बोबोन गुरांको लीला			Tel-Yel	
	(१११) शाूबोकी अन्यमीमा बर्ची			Tay-Yet	
	(14 (4414)				
	(११४) सराही पाषधाणांबाद			Vel-Yel	
	(die =)				
	(११४) सम्मोदालके वह ७	2		ret-Yes	
	(११६) मेनल ने प्रकृति	altern.		Yes Yes	

A Carlo of Age spiles con \$ 1 colors of 6 .	9 4-1 4			the state of the s	
,	¥ %-X	£	-	( 111 ) mefantitierer Get 21	
(Mar & )				•	
सरकुर सावाणी सुवया थीर सायुरीकी मूलि   सिया बारिसका हाम किनोदसे पूरा भी नही					
बार दिलाता है। प्रेमको पराकाद्यांके भाषति					
सर्गाहरकका यन्त है। विहारी बाविको भाषाभी					
४६६-१ १   मीहा नोरक्ष भौराहची काहिने करकत इसप	מפנים ג	k		(११४) तमानुजनामा दुग्ध १३४	
				(Act of street)	
	722-YES			(१११) मन्त्रमानमान्त्रमान् देश	
				(बामांचे प्रशिक्तः)	
	72x-121	7.	f	(११६) मुनहिर्मनमामा धन्द हि	
				(ब्राप्त) व्यक्तिक)	
प्रदश्-प्रदर्भ वार्गास्थे-क्राको क्रुगानी कारी (मरको शीड'	A84-634			(२२१) कुमधीमुनमापा एत्र वर्ष	
				(कालने वरित्तम)	
पर १-४६३   जातिन-भाषक मींच घरा रहे मुनो तराने मीए	ve!-ve?			( २ ) कुलक्षित्रायाका द्वर है ५	
				(ब्यम्बे वर्गमा)	
	אנ -אני		-	(३१६) कृमवित्योगाय वन्द ११	
दियी-मिधवन्तुवित्तीय कुट १११ तथा १ ४६।					
बोहे-बीपाईमें हरल देड हिम्बीडे प्रम है।	ממנ-זני		विषयी बार्गक्रम	(११५) कृष्यान्तरित्तावा	
	Var-Yet	Kini	acelle	(+1+) neteste	Ē
			-		1
ally grant purity	प्रभविद्या	गिरिक्षमय	ju.	that had the	) in

FINANCE	grafto	राज्ञासास प्राप्तांस्या स्रांत्रदान - स्थित्रमुचन-प्रमन्नामी 🕽	heg-yuft ]			
F		emple	क्या	िनिषमम	तिष्मिमम क्रमसंक्या	विश्वेत विषय्य प्राप्ति
Ξ	(24%)	(११४) मुंबदिरहिणे दम्ब १८ स	मियी बाह्यब	22	x out	प्र थवरी १ ७-१११ प्रांत कीहा तस्य प्रयुक्त हुआ। है। पुण्णांत्र
	(888)	(११६) बदजनदी (रात मीड़े) सन्द्वार			x e e - x e e	9
	5	भाक्ष थावि) (०६) तमितामी सुरद १६		2	487-473	
	(344)	(२११) यम दन्द १५ (२१४) मुमित्तिजनकेस दन्द १६६			x ( t-x - x 2 v	महुत रोचक इत्या है। प्रस्ति प्रित्मि है।
	(44)	(१११) भूगोत्तपुराण क्रम			श्रु४−%१६	गट तथा १९४ यद है। कुछ करने प्रसाबित अंत
	(414)	(११४) मिरक्रमाधुकाष		_	* 3 m - * * 1	
	(11)	(44х) игниях (земем у.)	मृत्यंत्रा	,	re-rye	है। सम्पत्नी (शरदस्यान्य) प्रेता मिक्ता है। सम्पत्ने संस्तरका स्वतः नारि है।
	3	( 1 1 4 ) RESTRICTIONS TOTAL			XVE-XX	7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7
	(414)	(११७) विक्रियोगायनी हात ४		-	FXX-1XX	
	(1)	(११०) बहुर्बराज्यकोष	t		***	
	(315)	(राह) देहमामनंताब जलमी दब व		~	<b>我我一次我我</b>	
	(32)	(१४ ) मुख्यस्यात्रभेषी वितासभी			naxad	
		हरियोमधेतामधी	,	_	311-111	

Ξ Ž.

(aretretalier) tpe Ph

	ı
	1
	1
	н
	1
	,
	ı
	1
	1
	1
	1
	ı.
	1
	1
	,
	1
	ı
	-1
	1
	١.
	-1
	- 1
	- 1

Į,

गोरुनसम

Ē

(१११) मरबरोत्रोका स्मोक कुरबर

( ३११) डब्स्टियाक्सीयर Shirt Willers

Ξ

E Like

(111) ernenten mien

राज्ञान क्राव्यक्रियार्थात्यात्र--विद्यानुषय-काच-नेव्युन्ती ]

-

R ]	पत्रसंस्या विश्वेष विषया साथि	140-216 fagn dignat spa § 1 216-20	प्रथर-१०६ प्यका-१९४६ संस्था है।  प्रथर-१८ प्रथम पंत्र १०६ प्यथम प्रथम प्रथम हिला है क्या स्था है। प्रथम स्था है। प्रथम है प्रयु	प्रमुन् । इसमें रोहा भीपाई साथि स्टर है। -१७ । नर्रकोषमाँ ११६ हाम समा समीमें १४६
	भिषमध	ž : :	: 2	u.

ब्रम्प्रद्राप्त

(११४) सोहब्दराजाको दक्ता (११६) जिल्लामानेको परची

20 20

(१११) माम्द्रवाज्ञान करका

ब्रम्भा हरत

1

सकाईकप्रतिहुकी रावपे oftented fielun

रामानम्बीय-सान्त्रदापिक-सापृष्ठत प्रम् । मि = -पद्माराम पुरोधित सुभरामा है

17-12 11-A

3,040,

गमे-गम्ब अनगोषात

(४) प्रस्तिभाषती (१) प्रश्वनित्र (३) हरिकास्कात

**SECTION** 

बद्गापा वीरक्तनाब

(t) fefermint s s spr

94 400

(१) मरक्षांच चीर प्रमी

Ė

und a unga ft :

7-

C.

1000

(१) गीवानून एवं पानम्बीका

7

(४) कोर्स्याहर

। क्षेत्रमध्ये

	[ and substitution [ extended substitution of more	for-gal)			111
	a fanda	4H	मिषिभवय	वनमध्या	विध्यय विश्वरत्य वावि
ç	४० जिल्लास्योत्रशीत्राक्षिक	गोपालदान कविया	****	38	euer eit gang i fein abfainein
τ	रत्त्र मुरक्षी-समीत्रसम्बन्धे (रामपदावसी)	- कुरस	र वि.स.	3 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	आसा स्टालमें स्टास्ट क्रिया है। इस मुद्रक्षेत्रे असावे भीर प्राथमिक मिलपूर्व कर्डे बहुई स्टीस्टी सीज्यावीत सर्विहें।
ğ	प्रच्या (१) स्थाननीता धर्मीं	सम्बन्ध	9 2 2 2	161-10	कृत है । स्थापन स्थापन क्षाप्त है । कृतकारी शोकारीह स्थापका वर्षण है । कृत-कर रहतेसे शोकारीहरूसोची सबीचे
					धानुसार क्रियां गहीं मिनतो। देश कर धानुसार क्री गाँ हैं। (स)
	(३) मुरामाचीएव	1	£	Exe-txa	
	(B) ummgrerrachta	therriwin	ź		
	(४) जन्मध्यम्तीलाः	माथोदात		7.E-XC	
	(१) कामरस्यामीना	-	2	* )× X	धारीक ।
	(६) भोतारायव्याहरो (धपूर्ण)			101-141	
	(w) ARMARIN PER 42			* #	
	(क) गुर करित राव धारि			או-או	
\$	क्षिंगतर्त् नु भी	कुमगतिभिष	38 0	ž	बनती भूतियोगिषकुमधितम्ब बिरक्षिक सबर्ग पुरीतितरीमुची समस्तम् । नयति चत्रमुन बोलाद कुमधीत्रीयो पिति यासाप्
					वह व बातवार तानात हुए था। तबत् १६ (११ ७ थोड़े। यह ततप्रदे सम्प्रथत
					अवस्थानः क्युति एकत् हा क्ष्यु न गुन तो मही है, तमापि कड़े उत्ताक्षी कलम् है तो सनेत तुगसन्दम् है।
Ì					

राज्ञाना	राजाचाव प्राथ्यक्रियायसेल्यस्य — विद्यानुष्यक्ष-साथ साध्युषीको	त्याह-सीवा ]			1X ]
N. III	Riddean	क्या	मिषियसम	पमध्यम्।	विश्वेष विमरस्य प्राप्ति
=	था (१) कलपत-सर्वासम्बद्धिमूल	patnush	25	52	र.का—१०४०। तश्री-मध्री पर चृतिस है। फण्डक्षियात कुसन्ततीमध्ये वसक स्याम
					कामकोको तंददृष् की पुरसको प्रतिमिपी कृत है।
	(२) यानेवाषेत्रायतामा धनवारी	क्रम्बराज	1 week	44-146	कहीं-कड्डी इसके स्थल प्रमुख है।
\$	क्रताथांसम् नीतमाथ् भारा	धनेक करिं	1541	200	नि सकोनीकान्नसमी । केमा गौरोज्ञकरबोको
	1 11 444			_	कुरताक्षके गाकम भरती ।
£	मेहतरङ्ग कृष १३६	रम्बरावा बुवरिस्	ار ا ا	F 23	र.का—है १७०४। यह पुस्तक क्षिराजा
					मुरारीदालकी प्रधायककी पुरशक्ती नक्ता बराहै।
*	<b>क्टान्डो</b> रतुकारा	समेक करि	े मी.ख.	9	यतु मुत्तक युर्ण मही मिन्ती। (से)
sef	भवनविष्योह	wife arre	2		श् कविराकी पुरतक है। परान्तु धुनमें प्रबंध
					११ कवित नहीं है। प्रति जीकं-बीच एवं
					मृद्धित है। कल्हुप्ते नवाव कांद्र बात कृत
					नाधिकामेव सौर कोडका सम्बोधद्व प्रन्य
					है। (ब्रेंडमोदका पुरतकाभय ।)
				_	नोड-इसीमें यांच छहेसियोंची बारता
					मीर मुस्मामी निम्मुदंबर प्रवश्यामी पुच
					बस्परियामो साथि हास्मिनि भी स्कूब पत
	_				्र - जिल्हा भन्त्र था। व मा । मन्त्र हुए हिं। (स.)

farmente transfer stell	i (international			21
काबतान व्यक्त	E	िनिष्णपत	dakijesti	बिद्येष दिवरस्य प्रापि
रम्यार सम्बद्धान	मुग्दरवास हरिस्यव्यस	less.	ç, <u>1</u> -,	(धनुर्ज) इस पुरदे पर पुरोहितजोकी सूचीते कब संस्यादी है सीर जसके
बर् <b>डक्</b> रायस्थीत गतर्गाक्षी	राजदान	<b>*</b>	31-A 1-A 1-A	सामन 'मुस्कर हाचना सम्बु प्रता अधियोजा' निकार है परन्यु हहने सह नहीं है। इसमें को मुसित प्राम
	क विकास	tere	161	ामन हैं व यहां बाक्त कर ादव वये हैं। (से ) र.का-सते १ थर दिवारी। १९६१ दिवासी
				तन्तु (प्रकृतिकार मुक्तमुन्ते । इस प्रतिकार स्थितिकार हुनारीमस भीमास है।

= Ė

ब्बुर्क व बीर्क प्रति है। बस्बन मीपानदासबीते

श्रमीय

E

(1) enkang jeri-(१) बामसाबर

१३ राजायतो

area :

गृह प्रम्ब है बिलमें एका मधा का। (थे)

स्कृतसम्भ कृतमे परीवदासमीका प्रभारतपन भी है विवस्कृत है।

ted.a 202

मुग्यरदास प्रमेड कांच

Jeer Hol

मगोहरदास

AR STRINE ž

१ १ ६ ६१ की प्रतिते प्रतितिपीकृत ।

1721277	ि मुक्ति विक्षान्त्रक कार्यस्यक — हत्वात्रेयस कार्यम् विक्री	[ कृष्टिक			ak ]
F	פימשות	gu.	जिपिगमम   पत्रत्वमा	पत्रसम्बद्धाः	विषेष विकास कारि
:	१९ जोवाचीओ	थीक्षांसरसिक	16ac	*	सं १९७६की प्रतिषेत्र प्रतिमिन्ता। मिन्न-भीत्रमात्र समं चतुन्त (भीम)
					भिषाती। भिष्याचन्त्रीयनोदार्थे को बस्तमप्रतिक नाम क्षिते हैं (१) कुळ र र सं ते कर पर।
					कृतक करता राज्य प्रत्यका मान प्राष्ट्र अस्ता है। इतका कन्म १६४१ सीर रचनाकाल स
					१७१ क्षिमा है। हुत्तरे पत्रसम्पर्धतप्रका सम्बद्धित स्टब्स क्षेत्र सं यह सन्हे। से
					बदावरमङ्गनात्रदायके थे। इनके बाच (१)
					स्कृद पर (१) दानो निर्देष्ट्रा स्वताकास ट्रंड्र स्थितमा विषयमे निक्रा है कि
					'काजी युक्तपुरमें वैद्यो : मह मोट पुरिश्वितमी हारा नरके पर ही निम्हा हचा है : (स )
2					नाम जारबेटा पुराना कुरका १ X ब्रमान
	(1) ferugent um		tteffa (te	2	संस्था । इ.स. <b>सर्ग</b> ड १
	(३) मानवामहं (इंटबाज्येनवाद)			181-181	सीमान्य प्रमुक्ता विद्यास होता है। इसके बद सरकाय है। कि स-समीमान कोनी
	(१) गोममाच्यो क्या		-	184-180	१९९-१४७ वह कमा प्रापुराचके प्राप्तांत है जिसका जीवाती संस्तित व्यास्त्र है , (स.)
*	(1) ethenoretee	(Rath	rd, kest	2	fire walted grants girgerate :
	_				

1

महाराजकुमार जनतीतहरू प्रतातिकरत्व करियस भी है। यत्तके २ पर्योपे महिष्णदास प्रयोहारी (यसतावासे) का स्तोब भी है जो

क्यूपं है । (पे )

इसके शार्पे १ मोरोका पद चरणदासका पद न्या सहाराजा मार्गासह सिर्वाराजा कर्यासह

केबछ १३ धच्यायका देश्रवाद ।

वाजम्बराज

(१) वीत्राभावानुकार (1) 약류족 (미2=)

fart-y

REFER

(1) wielen

)]	दिवोद विवरत मारि	क्यूपर्ट म्यूगरम् तक्षां प्रतार्थावृत्ते प्राक्षांते परिवर   क्षि क -क्षाणुक्ष कायुक्ष प्राप्त भीतोने- नायकोस्य भीति (प्रताने वस्तों) के समीर क्षाणुर्पे निविद्यः । स्तार्च क्षाणीन क्षाणीन प्रतिकृत्ति पुर्शाक्षे तस्तीये मध्यः । स्त्री क्षाणीन समिति पुर्शाक्षे	नि क – जांव को को निर्माणना । प्रक जयन्ते जो जांवा । जन्म जर्म जांवा । में प्रसिद्धको अहा अले हैं कि यह सोसी नाई की प्रसिद्धको अहा अले हैं कि यह सोसी नाई	गा। (त्र.) स्टेशनो नामि १६१७ क्या तत्र। स्टिकाम्बर स्टब्सिमाकृत्या।	क्षापुर्व। क्या क्षापं कुका। १ वर्षण स्तर्भ (सम्पर्ध) क्या स्तृति । स्तर्भ कर क्षाप्त हे को प्रत्य सुद्धी है। क्यों एस सम्प्रतानीक मही है। यक इत्तर्भ क्षाप्ती है। यह इत्तर्भ को को है कि सुद्धी सिम्म हो है। यह इत्तर्भ को स्तुत्र हत्त	मनुषार ही जिल्ह बिया थया है। (च )
	fret	कप्पुरक्ष महाराजा। दक्ति। कि ब्रान्ता नापकीस्त्र भिष्ट कप्पुरम् सिक्ति। तथीते मन्त्र। क्षिते।	fine after and state and state of the state	करे (त) करे पूराने कार्रोते १ छे १ ७ क्वर रेथी काव्य रर स्नेशन्ता बुरका ।	पण्डं । क्या हवा बोलं कुका। १ स्थेप (सम्प्रोप्त) क्या गर्हे है। बारिके दर दन मुद्देत है को प्रस्तु पन्डे पिए प्रस्तु परित्तु है। प्र	ungure gi fina f
	पगसेख्या	_g	t			
	ितिषसम्प	į	रहार	5	Ţ	*
ا-قدل ]	to:	संभित्त राम	दुम्गबीया <b>ध</b>	राज्यस्त्रवद्	anit T	प्रतान
रावत्यात्र प्राच्यांच्या प्रतिकान् - विद्यानुषण-प्राच-त्या-तुची 🕽	المطارة	रंग्डभाग (रंगीकोषमाम)	<b>वि</b> गयसी <b>का</b>	कृष्णस्त्रीतिषे रह्म सत्र वर्षाच्यासीव बास्त्री—	(1) writed and (4 da)	(4) pitensalel und w
राहर्भात्रं प्रा	ž.	3	2	5 5 5		

	Trans.	wel	् सिपितवय	पत्रसंख्या	भिद्येष भित्रराष्ट्र भाषि
-			200		
9	(ii) digital minis	AMINA.			
	(४) कीराजीकी जाली १	भोषा	_		
ے	(४) क्रम्मजीको साच्यो ७	वेदसराज्ञ	2		
۔ ت	(4) and walk emb no.	भागकामे	2		
۔ د	(७) बनमाध्रे साली ४	अस्तरा	z		
٠.	(a) मुख्याबीको लाखी थ	ite			
Ξ.		tribe			
Ξ	) स्वतिरियमान		,		
Ē	t) white fearms				
2	t) anatmate 12 erere		_		
23	-				
(£)	-		£		क्ष करे और करे हैं। १४६ तक संस्या है।
(1%)	webeningentere na me	art t	1		
3	*				
(2)					
2	।) बाम्यमधीयाक्ष्मी की झाकी		_		在 fine 書 : anite mm ma? 書 :
ž	(12) anucatu (1274)	थीरतस्थान			धंत में ''धी गीरमनाथ म्युपद पांदराहिताहै काक्टनोय सन्दूर्ण ।
3.	(८०) सक्तिगीलमुक	2			समीय भाषा व वक्त है। जीएतास्त्र तस्तुषे है।
٤	(११) गण्यान्योस्तर्मना	=	2		,

HARRIM	Aleady	राजरमाम प्राथ्वमिद्याप्रसित्याथ—विद्याभूषण-अस्य-र्वण्य-पूर्णा ]	वास्त्रियाः]			24
le le		<b>Heartife</b>	Feef	मिरिसम्ब	18th Palach	किन्द्रेय दिवरस्य मारि
3	(33)	(६७) (२३) सहायेच-सोरकसंवाय		t and m.		
	(3)	(१३) रल-कोरबस्थान्य		:		शह मान है। बासाने प्रमाण नाम भाग बीजानिन निम्मा है।
	(38)	क्ष्माध्यक्षाक्ष्मक (१६)				माना व्यक्त है।
	(₹)	२१) वद्गीववात्तान्योवकाच	_			भाषां व्यक्तिकः ।
	(38)	<u>सम्बद्ध क्या</u>	स्वीमाव			् र क्यानीते पूर्वप्रमा
	8	२७) प्रक्रमारह	क्रमधोपान	_		· jakir
	(H)	महास्वरित	2			
	36	भरत्रवरित				
	Ξ	क्षीतीसम्बन्धिमा				
	(3)					क्रम कीर की द्वा पर में
u w	100	ı				
	Ξ	(१) विकारमञ्ज	<b>GPSTWEETS</b>	(eve	ĩ	मृतित व दक्षमित्रमातक एवं भी भाषत है
	9	(३) ब्रमुबब्धमाब				शीबके पन मी मामन है। प्र 4 मापून ।
	Ξ	(१) न्यूरवीकी केताकडी	- Age		FE-14	महार करा हुना हरे लाम पाणका ।
	-					ार्था गार्था कुमन्त्रमात् कुमार्था व । कारता सम्बद्धी पीर मुत्तनप्तमी मत्रको सत्त्रीको सहुत्तन
						शीच ब्रासक्य प्रमाण है।
	$\mathbf{\Sigma}$	(४) बन्धप्रवीती ३७ व्यक्ति	विस्तरम		x2-s1	साबारण रचना। बाबुकनी मन्त्रीकी महिमा।
	3	(*) yestivivansi shug ** morteni	1		18-A4	कुष्यमित्री यच्ची बनी है।
		indicate vi		_		

		-	1			5]
Hanely	साजाबान बाध्यविद्यात्रीस्टडाच — विद्यानुष्यं न वाच नंत्रवृत्याः ।	1	124	सिपिश्वमय पत्रमंख्या	वश्रमंख्या	क्षियेच क्षितरण यापि
	(1)	a straight	trivati <sup>M</sup>	icat	7	श्रीतवद्व है कुच दीश्ताईका धर्मा मुका
					3 166	ाबमा हु । सम्में व पर्तोकी सर्वतंत्रम्या मही भी है ।
	(a) arrents		MARKELINE.		1 A-234	तृतीय बस्तास्थ यद्य १,५ ड न्यातक प्रशन्त हे; यक्ष्य उद्वे हुद्र हैं। (यं)
	(६) बामकराजनीका क्षिण	_	<b>ब्राम्मक्</b> रीम		4 (-x (n	
	प्तपद १२ (१) राजस्त्रीका कवित्त एवं वाणी	in the second	रज्यस		Via-Vie	भ१त-४९७ इसके भीयत क्ये हुए हैं। धरे छन्दर्भ साम ११व क्या है। (से )
	(११) भीगवनकी सामनी १४ दानव	Trial I	मीकाम		Win-WV	C 47 - (44)
	(१३) मुक्तमान्द्रमी-वाद्यक प्रम ६		मुन्द रक्षां स		*****	
	(१३) अरमिवयंत्रण-सन्देश है छर		, 2		*X XX	
	(1x) 11241-H4W & PT		. 1	2	7X (-XX)	
					አጸ-አጀ	
			t	2	ANG-AND	
	(१७) राममी प्रदा			£	YX-0-YE	
	(tc) wretrate		t	£	VXC-XXE	
	(१६) याल्या यक्त प्रथक			2	88E-888	
	(१) रज्याती-यदा				211-111	
	(११) बद्यात्रभाष्ट्र सन्द्रक			=	415-216	यह स्तोत्र मृत्रन्नप्रयात-गुन्दीने है। (स)
	(११) नीत्मृतीश मद्रक				ats-the	
_	(११) पत्रकायाम-प्रबद्ध		1	:	hin-nin	

10.0	فلعددته فلعورفولتومجية ~ إقطاقهم ميم الماطلها ]	भग्रन्मुची ]			( د
1.6	aikasa	e et	भिष्मियय	पत्रमंत्र	विधेष हिन्दरम् साथि
3	(3.5)	gravane	leve,	nt ye	
	(31) frem (1)	में अयोग	£	とれて-1193	
	(۱۱) زمستدمی	pftfwa		703-X0X	
	(4.9) werfenentermungeber	प्रवासामहाम मिरक्रमती		TOX-YED	Ē
	(क्वानंबार)		_		
	44) went-lear	1	1	YEU-YEE	वाह भी मार्ग्हरिक वर्ष्टीका ही बनुकार है।
	(46) alemany ufum 44	I.i.		¥ 1-17 X	
		19			
		ti) essa			
		WING STIM		_	
		रक्का कर्मह			
	(1) otenders gr	Perry		T T-KRK	
			_		- CAS # SE-
	1	里			,
		angle.	1		
	•	a Limania	ŧ		
		à-lit-ath	2		
	ı	HTTELE .	=		
		मेनरम प्राप्ति	:		
	(11) HELLE-BEEN & THEE		ŧ	211-212	I B IN KINDER CHECKER HE HELE
	(11) merces stem t			13e-172	

12.15	स्वार्षः क्रब्नाव	rai	क्षिपियमय	मिरियमय पत्रसंस्या	विद्येष विकरण काहि
(1)	(13) दाइदानीरम्थत्व दृत्यं १	मानाम	feet.	jaha.h	
_	1 A) अराग्यास्टम्यमा व्यव्या (	व्यासाय	£	ग्रद्भा	
٥	(१६) मर-मधीनतथम		2	र ४ क्षेत्र <u>।</u>	
	(३६) क्रेस्टरशक्त्रोणे साली	मुन्द रहा न	Ł	KAN-KAN	4
. =	(१७) उत्तेष्टरिकार-माथलवान	व्यक्तमं म		XXX-XX	प्राय-संस्थित है।
. •	(१६) समूत्रीम दश्ता पद १७	सन्तरास गणताथी		Eve-E	नोद-यह यवाताप्रवाली पर मित्रो हुई बामुक्कीकी प्रतालि है। सारम्बन- बार्डे प्रवांता
					ब्रेमसी कामीनेवर मन्द्रर । (स.)
-	(१६) मनीहरमाया वच १	E very	2	11 - 113	
ے د	(v ) serifererus? to un			XX3-XXX	
۔ ت	(४१) अवजीवनदास्त्रोश भाषी	जनजीवनदास		224-22	
	9 ~				
٤	(४६) ह्टाल्साल १३	राजीवास	٤	x43-246	
ح.	(At) वरमदाबद्धाः वर	परसरीज		116-20	
ے	(४४) मानकारिका पर	niske.		*	क्रमाने-माहुकारे स्वामी चीनिरमेरामकीकी
					हजूरि सिको कावाजी हरिकासनीका मित्र कावाजी केवलामाजीका किस्स सामाजी सन्तर-
					रामभी का किया बाबाजी सम्तोषदासभी
					तिमका तिथ्य रामषम सामेबात घोषमा किया।
(१ धर्म्स्यामी	إعطلها	धार्मुन्साम	र की	Ţ	सापारण रचना । जि.सविजयनात धर्मा अन्तरिय दीनीवात जयपर । यत्र व्यवस

E	राजाचात बाष्ट्रीयद्याप्रतिष्टात — विद्यापुरम् याच मध्य-पुना	1 7 7			
1	a.ebia	ग्या	मिष्मिष्	पणसीवया	विदेश क्षित्रम प्राप्त
13	Sajeth and a sa Section (a) (v)	n cell	text	451-13	
-					
	:	धारह मुलेग		_	
		द्यमग्रामंब कर्षि		_	
	z			_	
	r	ब्रामसमित			
		Treath			
		WATER THE		_	
	1	W-URIN		_	
		MCD FF			
		111		_	
	1	असमीय			
	=	** majles		_	
		मागरीबाल		_	
		#(H)#1			
		<b>MESSES</b>	:		
		रगिकसमाहो	:	_	
	: 3	(IMAKEL)	_	_	
-		भारतीगंध	_	_	
		स्तरदास		_	
		****		_	

The state of	Brenge	a a	Риминц	वमसंख्या	विवोद विवर्ध प्रति
ŝ	(a)	والمرابع	164.6		
		A. M. M. A.			
_		PREMATIV			
		HENTE		_	
_		काकोशकुरनार			
		स्राम्यास्			
_		windred			
_		द्यीत्वास	_		
_		Q CHIMME			
_	2	<b>अ</b> भयुव्यक्त			
		unfare			
		er Garerie			
	(६) मुक्सीस्मा १४ व्यन्	रामक्रारव		80-00	
	(१) माचप्रसाय ७१ कुन्य	1			
_	(() Perestace () to the	: 1		8.0 - 4.0	- 40 (2) (2)
	(११) कम्प्रकाष्ट्रियन्त्र ३० क्रम			מוני ליני	
	(11) stredtertere g. mer.		-	100	
	(१४) जिल्लासम्बन्धितक्षम् कृष्ट क्षान	grana		704	
_	Presentel as				
_	-	Melherra	_	1	
_	Halita	that		1	
_				201	

भ ]	बिखेय बिरारण पारि					4	१७७-१०१   मिक-अवदीतराम हाजरसम्म ।		बहुर बुद्धा । कुमरेसे बिरझ्डीब रामगोरामधीत	मामा गा ता ७-३ २७६। सामरस सामु मामोदासमी।					-				_		ाणा में-'धार् क्योर मामदेवी'।
	पत्रमंश्र्या	tet-tes	ŧ			1	1 - Na.		1-101		101-2		3 4-366	रेक्श्यो	300-306	रु <b>र−</b> ₹−₹	3 mon-2 a	2=1-7=F	4 = 1 - 4 = 1	きたかーかった	१वद-१८€
	िन्षिसमय	1633	2						्र व्यक्ति				ı				2				2
प्र-मृष्टी	at a line	neth	<b>बु</b> षतामस्य	बक्रामा है	मीरा	मुरदाम	मूरतराम		والأعا		majic										\$
المستعدد فالمتازقتان والمنتاع — وقطاعة هناءتاء وطملا وكاهل	a section	(10) (10) and (10)		r		. 1	(१६) मानवसीति १९ एप	- ₩	(١) متقملها (قده)		(१) स्पोटमोडी लाली (४३ वन) क्योर	a ? & mm?	(1) matrafter or vvs	(४) त्रहत्त्वत्रात्त्रा (राज सूत्रा)	(x) event	(१) मतत्त्रीरमंत्री ७ एन	(०) टाटरदी करें। व एंक	(व) हुरारीत्त्रीश १ वर्षे स्थर	(१) ब्रत्यप्रीक्षंत्रशैरमेनी = छा	acts all (palace)	(11) abuttreieft war
	Line	100		-		-	=	الم المتدا			_		_	_	_	_	_	_	_	Ξ	<u>=</u>

¥16.	माध्यम्	करा	िमिषिसम	data da da	विखेन निकरण वादि
3	(19) muteudis er tur er	गामधेवनी	traff m	PR379	
•	_	र्रहास		114-114	
	(१४) देशकत्रीकी साची ४ नाथी			\$ 20 to all	
		हरियात विरक्षणी		tet-sat	
		PRESE		annat.	
	(१७) बक्रा पर (राग माक व फतारे)	. 4		RAK-JAK	
	(१६) बारकुरती १२ क्षम			ing-ing	
	( (e) emeelecks) } as		_	8x4-8x8	
	(१) बचुकी रिट सम्ब	4114.6	_	ive-in	
				N. Serie	राम मोता।
	(११) समाह्यमीया यन्त्र			RES-RE	राम कार्यंत
	(१३) बचनावीका पद			brach	<b>:</b>
	(१४) कान्द्राचीका वह २७	#PE)		124-149	
	(२४) काम्झानीकी सानी ६ वड़ कुन		-	20.00	
	-	मरीवदात (राष्ट्रापुत)	:	16.1-18c	शक्त का प्रम्मका नाम प्रस्तासम्बोध
					Frun !! 1
	(१७) मधीनसामी नह १ पड			11 -10	
	1 114				
	(१६) व्योगवातकी साची प्रत्र क्षांच		;	Two-lwo	
	(38) unuriters unurft en g	बनवारोदास बाबा		) mean	
			_	-	

( e 111

1	الهوروسيونيوس-آوميسوسوسامير	مَدُ عُمْ }			,
_	tudatut.	¥E	िल्लिम्ब	प्रमस्या   नियो	ब्लिय विषयातु वाहि
٦	(1) energeber un (4 un	सम्बन्ध	इंदर्भी य	get-bat	
Ē	२ राष्ट्र) नुस्तामस्त्रीका वह (१ पद	<b>बु</b> न्दाक्षम्		1014	
Ē	१ राप) (११) सामानास्त्रीका क्ला १	<b>斯拉斯斯斯</b>			
Ξ	) beerlander en v ee	الدهاناير		> 9 i - i 9 ii	
	* **				
3	ा) दसाजीका यह (१ राम २ ६६) यमा	दक्षा		tove!	
Ē	() Braffer er !	समय			
3	) शीमात्रोशायद १७ व राग ७	यी राज्यो		101-100	
Ē	) वीचात्रीकी सम्मी १	2		100मी	
3	) wheres ee u	Rhas		100-100	
3	.) यरताशीका यह ७	परमञ्ज		108-16	
Ξ	) सरमात्रीको मान्ते १			रूप गाँ	
٤	) लडकात्रीरा पर २	सरमा	ε		
× ×	antimajen as 5	entre	Ē		
Ξ	(४३) माम्तिमोक्ष्या श्रह १	straforths	ε		

राख माल वड़े बांतरेको रकता घणदी है।

Jun-lu? | 年第一十五 124-121

err aired ahrif o । स्रर−१दद्र, सिन्धी बोकोर्सा

ब्रह्म्बल रहीबाओ

41 133

रीनमत्रीकी सरक्षी ४ का हरसमग्रेश कल्ली म्होबात्रोक्षे क्षित्राध काजीकारजबी कापी

Ê

H

= 8 E. 3

-	E(231)	ent	िनिएक्षम	दभमंबया	िब्धय विकास पारि
		1	1 Page 1	100	उत्तावह है।
( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )	) मंत्रानेका वद व	100			
	mithaber mit	melan		_	
9		बाह्मपी किया		;	
3		माय का यो		Î	
3		ويروا		9 2-1-1	
2		1		, out	_
3	-	1 1 1 1			
(20)	मीहाम्बीरा पर २	मोहामा		# 	
	altrigation on t	वीरक्षेत्र	-	ر و و المرا الا	
3	सीराजीका कर २	(hea)			
3	urentinabus et ?	धाड नदाल	_		
9	_	ureein	-		
3		alprante	-		
3		रम्रीम	_	¥ 10−10 ×	الا دور دو معود الله المعدالة ود بالعاد
-					10 th 1
3	) व्यानमीका पत्र १	ध्यास		7 Kel	-
2	) कोमजीका पर १ सागी २	Pirth	1		
3	ganglet an 22	mreral)	£ _	7 t-x	
(K)	armnealt er ?!	के देखीओं के	2	212-512	
	) straf & ec   (	न्दरसम	2	76x-786	
3		योरसमाप		xpa-yqx	
-	Accountable on No.		_		

tinini)	रामस्यात प्राच्यांपद्यात्रक्षित्रशास्य । विद्यांभूष्यम् न्यांन्यं न्यात्	पहिन्दीता			•
H	Heddid	jus-	भिषिसमय	पण्डसंबन्धाः	दिक्केच विस्तरस्य साथि
(X)	(दद) स्पेतदारकन	योरक्रमाव	१ च्यी प्र	in the s	
	(ce) angibleme	1		Ata-ita	
				REA-REE	
	(e.) Bunefante (auffrut)		:	bix-lik	
	_			viquit.	
	(६३) नरने(निनंध) कोय (वच्नीवका)			*1x-31x	
	(६४) मधीन्योरक्वोक्सम्			A SA-ASA	
	20.00				
	(१४) प्राप्तमारेणकृष्	2		A BA-18 A	
	(६६) रोमावकीकन			1. 12 12 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18	
	(१७) सामनीयोत्ता (अभ्य ३४ वस्तीन-			VKK-YK	
	(मार)				
	(tc) midzentugen			Wee-Yau	अहरमध्यक्त दोष्ट्रम
	(११) स्वर्शनित्रक			Theres	
	(१) मोरक्ष्यक्षमेखी कृतः।			332-576	
	(t. t) uprehe-hremmy	geneally.		at tel	व्यकुद्ध सम्क्रमाने मिक्या है।
	(१ १) साम्प्रतिभवात्तीम कान्त्री वृद्	yalintra		74?-Y4R	
	(t v) weething and he me	attent.		Apr-pps	
		_		1 1 - x 1 x	

	The second of th	-			*4. ]
FEBRUARI	erarers ertalegrafeters - legiqueter - g	raf	सिवित्रभव	षशसम्बद्धाः	बिञ्चन जिल्हरस्य माबि
(46)	(१ ४) व्यन्त्रमंग्र	अरबरी		2	
	(१ ६) मोनीकादको छल्दो १व छन्द		-	186.52	
_	(t a) ant eriberent met)	व्यम्बद्धियाव		תנם-תנב	
	111111				
	(१ स.) हाभीमादकी घाडी तात्ती ७	हामीदाब	,	X Cal	
	(	_		z	
	( e e ) altralteberent neat v	រៀបទាំពាម	ı	ż	
	(१११) मध्यानित्यको धारती छ	क्रमें रोजाब	_	V(2-10	
	(دده) طلبامهاراها حو د	गामी बन्दोरी		No and	
	(११३) अनीहचरातको तासी ब	हिन सम्प्रमाती	1	ı	
		2		10 - 10 K	
	(११४) मानायत्रमध्ये प्रक्षी	भाषात्र्यं म	ε	Xe (III	
	हिंदि कामभावको धरको १३	4175714			
	(110) eleganes and	कोएद्गराव	2	±	
		angula	ı	101-10s	
	(११६) मित्र मरीयमानको र रही है	परीष्टाच	:	Naval.	
	(11 ) fira grambel nutl (	(trans)		r	
	(१११) मित्र योगापीमीशी तस्त्री १६	योगायोग	ε	Toy-los	
	(144) adrine) neil &	unlette	2	Co last	
	१३ किया (ब्रह्मान (११३)	E	ı	AOA-IOA	

F		Bedulal	fas	शिषयम्	Hafai	विस्तेय विषरख धारि
(3 %		र प्रता हमाधानवामा सम्बाध	- Benefity	१ बर्गी अ	je se	
,		(१२१) युषमीयमध्ये भवती १६	व बसीयंक		Xex-xex	इसके काहित्रें 'कीरासी पहुत्ता कींबा मारदा
						ता सर्वेदी कवा" निवा है।
	(828)	(१२६) भोरक्षमाच्योको वह्प्यी-	गोरखनाथ		Yekul	
	_	E				
	(450)	(120) Moutcaftn geton	a nathra		MAX-XAL	
	(484)	<u>राष्ट्रसम्बद्धमाना</u>	2		Vec-YEs	
		(श्रीवरक्ष) झान प्रश्ने				
	(888)	( ? ? & ) Grainterfeite spe a un			Werke.	
	(======================================	ABITERITY BER 181			YEC-1 2	
	(334)	म मचारित प्रमेव ११३		:	1 1-11X	
	(213)	बस्त्योको १४ प्रकारिका-			16 K-K-K	
		- II			-	
	(11)	rigfferbarfere upre 224	4		2 P.L. W.D.	
	(44.4)		अवस्थात (श्राद्वीहरूप)	: 1	129-126	
		<u> </u>			-	
	(4)		analyse.		- CA- 3CA	1
	(312)	शासदीयामके यह १७			2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	with which the name
	(1.1)		£		144-144 ·	
		के विकेश के के किया के		=	181-182	
	(1)	माय्यासम्बद्धाः साम्बद्धाः भ			187-56X	
	(22)	( ) ( ) Shanker are su				

	विखय विश्वरक्त यानि	रापूर्वाची स्मृतिके हैं।	सब ६ प्राप्ती है।						,	उत्तम है। तृव राष्ट्रीतह काया कामा दे।			वित्ताचा पन्न है।	कर थान है।			बाह्यतीके जीवन-जरिवते सम्बद्ध प्रश्ने सर्वेश है। रत्रत्रव बाजीयें भी देखी।
	िशीयमध्य पण्डलेख्या	terl	14c-1x1		-	***-5**	226-223	22200		116-213	ax her	226-227	KKK-KKO	110-111	4333	Kant	140-105
શુ-મૂળો ે	مسا	्रोक्ता (दा	होलावी धमक क्षि	(?) [TAN (?) WAN	(1) mualtin (2) great	क्षायम		नरप्रवी	नुस्मन्नी	Lateal	fried)	अवयोग्र	= -	भूमम		" " " " " " " " " " " " " " " " " " "	•
रासामान झारवरित्या प्रसिद्धात विद्यामूनम् वरण-गयह-मुन्ती	endin	(१८) चेत्रशेष) मानी व (१८१) चेत्रशेष सर्वेश १४ (१८३) चेत्रशेल बहुता १ प्रस्	(१४३) समझाना वद १४ (१४३) सार १ मध्ये (मिन हो)			हैर है के क्षामांक कर रहे	(१४६) क्लमामीकी लग्मी १६	(१४५) वाम्बुक्षीरा रह १	(txu) areaferen !	(१४६) हुत्रल्योका वह ६	(११ ) ह्रजन्त्रीशे नामी ब	(१४१) मन्त्रीश्त्रश्चीका वह ४	(१५१) अमजीवनश्रीक्षी साली १	(१४३) मेनसभीरी लग्ती यथर	(११४) ज्यमज्ञीना वर ४	(titt) tantalet er 1 mich 1	(११६) राज्यकोदे तथ्या १४
THE STA	1	(xe)				Ξ	. =	=	Ξ	=	Ξ	٥	Ξ	~	=	٥	=

(PX) ľ

	विस्तव विवरत्ता साथि	गुरमहिला। ४०६ पर पुरकी परिताहिसाने गाने नहीं है। अनगर साताहिक पटने गुरमक्षी ही जिस्स अनगरिस्कृति है। जीवके पाने सो सो सो सो	कहा ते विलते ? दुराने क्योंते दोधी वीषी है।		। प्रमय भावके पानी हो है। मानुसामीके	लारती भागवी वरवाने सन्ना भन्ने १ सब तक भी गाली नहीं है इतनी रह गयी है। साये पड	माय तत्त्रुच है। परण्यु छारा है। भरका अचिक्रीच व शीमक लाया हुवा है। भीर	वृत्तु गुदका कोकन्त्रं भारत्त्वे । भाभ कार्यका भवतिष्य कुमारी है बाप्त हुया।	प्रायः सुक्र मिली है। वीग्रेक्ष क्ष्मोंको शीमक स्थानहि	सहुशी ६ वशी रमेणी तक।
	प्त्राह्यंचा	वृत्तर्य	I	<u>}</u>					ĭ	# 3 (#
	जिमियमच दश्चमा	Biles?	t (e) a	£	(बरी छ				z	
[ ID.	, au	बच्चात्री मृत्यासान		यद्वीबात्राम काम्बदाय	गानुका	: :			क्योरमी	t
napegya userfettufregen fettigen ben tille-gut	#sq-sis	(१०१) एक्टमानेस वर् (१०१) एक्टमानेस वर्	<ul><li>४१ (१) गिर-प्रपोशनंशर एत्थ ४</li></ul>	(३) इत्याद्धी बारामाती कोण एक योगाताल जातपराल प्रवरत (सूच १९ कोर एक	गरका— (१) शहराणे सामे (सद्भ) यह १७, शहरी	भावी १३ ह			(1) रचोरतोची ताची सन्न भी स सामी स्थ	(x) स्वीरत्रीश हर
V129 ELT	E L	(ae)	*		š					

Treated to	राज्यसम् प्रारम्मधिकात्रक्षिकम् — मिकामुपेष-ग्रन्थ-कप्रि-सुन्।	n in in in			
M. I ha	मुख्यानिस	Jas.	सिरिक्तमम् प्रज्ञाच्या	के अंदिक्या के	कियोग विकास पारि
(19)	(u) (x) studenth ut us the te	ninteel	हस्यो स		राय वभागीने बारती तक ।
	(१) श्रायदेश्योधी सामी १ साथी				करीय बाग्ये गये तक झगर झगरके शीमण तामें ३० हैं, यस्टोकोंका वस ही मही बसाग है।
	(७) रैकासकीका पर	Ē			क्रवर नीचे बीयक ताय वसी है।
	राज १२ पत को (क) देशालचीकी शाकी ४	•	1		हिंस की की मोजोड ही सभैकी सकामी है।
	(८) हरियाच्याच्याच्या राग १ वय १	हरियात भिरम्भा			
	(१) हरियामकीकी ताको ४ (११) हरियामकीकी स्वेकी १		2		
	(१२) वोगंक्यरीजाकी कोवाई १६१	<b>कोर लगायको</b>			नक मामकामधीकी रहति पीर अन्त-रामके
	(१६) बंगवीका कडका (एकर्स १ ) बंगति	क्रिया	ŧ		है। इनमें गीररश द्वास्तरम में द्वादारम मरा
	(१४) किमनाथीका क्षणका १	Bernall			पृत्ता हु। पण्डस्य पाप माति हु। बहुत एक ही। मार्थित भूति हो। इत कटरमे— पेट महिल्ली मार्थे पुण्ड
		_			पालन कर्तुए नामृत्य रहुत्य क्षत्र हुँ। इत्तम हुने लिखा है।
3	७७ । बारकुरातीनक पुरवा	नेराहोसाडू	र द्वाप	ř-	प्रस्य व्यक्ति साधारण पराष्ट्र भाज्य गार्गर स्या ज्यूद्र मेरस्ते कश्रीके प्रशासक करण मेरस्यानी क्ष्मेस्त्रीता है। स्यान ४
					थेतूम उन्दर साल लारबर्ग देशका गर्ना

		[ [ak-da]			2
	p.(r)sid	au a	शिष्मियय	पत्रधंक्या	विकेष क्षित्र प्राप्ति ।
3	(००) () बारहृत्यान्नो १९ धन्द	मुरलीशात	१६-६ मधुर	3 3	प्रत्येक स्वत्यके शक्तामें 'या तै भगत पुरमीपांत व्यक्ति बार्के यह सम्बर्ग श्रीममूपे मिता हुया है बीर तीकानका दुक्का साता है।
	(1) सामीमाने १२ दाव	क्रमासक्ष्म क		± - 3 €	सावाह बारावि मेठ तकका बचन है।
	(v) engenel (* elen (v) engenel (* engl (24	कारनीराव सन्दर्भी	2	# - # # - #	क्षांचताच्यं कावता घष्पा है। तौषीन्तवः कृष्ण जिल्लाका क्ष्मति है।
	(१) बार्ग्यासी १२ वीहे तथा १२ भूतचा हिन	त्युक्ति		1-6A	दक्ती द्वारा चतुराहित पतिको बारह मास तक दिक्ता कर दिरेश समाने रोक रज्ञतेका चर्चन है।
	(७) बारह्माती १३ थीणाँ	भवातीयात	2	)# 20' 20'	सामारण रचना है।
	(a) . (3 gr	ninciti	1	111k	क्रशिता हीन घोट जिस्स है।
1	(2)	<b>द</b> ्धां गांव <b>द</b>		14-44	मृत्र प्रकात पारद्वनाता हु। । सारकार । सम है। (ए)
;	راء) معتشماها علما (معاد	करात्रत कारक्सातिय	1	(X-)	बार्ज (होता दीवक समित्र हैया फ्रिसा ग्रह्मा
	सनगर्नामण्य हता थ. तर ६३ थोगई ४, गर्न ७२		t		ध × ध धन्त थाने वोद्रते साधारण रचनाने
	(१) बननुनक्तक शेहा श्री कीर्जा १३ कंडनिया ४	ě		x=-1x-	
	(1) tumulu	£	2		
	(४) बरकर मानी			_	

è≡ ]	विष्यंप विकरस्य पावि	किसी जयुरासाते कोनेसीते मास्य नीएके अपने । व्याने का सहा। कई पने नहीं। ति व्यान्तास्त्रात प्रमुख प्रमुख् (हि.) ति व —तोतीकाव प्रमुख नियु हु प्रमुख्य । वृष्य । वृष्य । प्रमुख्य । प्रमुख्य । वृष्य वृष्य । यह प्रमुख्य । वृष्य वृष्य । प्रमुख्य । वृष्य वृष्य । यह प्रमुख्य । वृष्य वृष्य । वृष्य वृष्य । वृष्य वृष्य । वृष्य वृष्य मान्न हु । प्रमुख्य वृष्य । यह है । प्रमुख्या मान्न हु । प्रमुख्य वृष्य क्षय है । प्रमुख्या मान्न हु । प्रमुख्य कुष्य क्षय है । प्रमुख्या मान्न हु । प्रमुख्य कुष्य क्षय है । प्रमुख्यामान्न
	शिषिसमय पण्यसंक्रा	13-21 11-11 11-11 11-11
	निरियम्ब	11-11 A221 11-12 A221 11-13 A221 11-14 A221 11-15 A221
[ المثلمل ]	ment	केषण्यात संग्री व स्वराधि स्वराधि हारकार्मा व्यक्ति
्राह्मसम् प्रान्तविद्याप्रक्षित्रम् विद्यानेबल-प्राच-सम्बद्धा	hishell	(१) करिसिया (जूक) क्रमेरातो (१) स्कार्यक्र (राजकारधिक) क्रमेश अस्ति प्रकार श्रम् १६ से । (३) याचे सनिय कुदार १६ कोव्हे (३) क्रमेशियत कर्त कोव्हे (३) कृष्णेम्ह्रमार (क्रियेकण्डामुत्रा) सूर्य कृष्णेम्ह
htheimia	1 Iba	(g) # W P

] i	विस्तेव विषरता यापि	यह गुडका श्रांथानेटके राज रामनाश्याम १) में शांमानेट में शिया वा वाण हुम वा	पुरोहित घोणीनावजीके साथ जनका पुराष्ट- सपूषु हेत्यन संन्यानर याद् वे । ग्याद् यञ्च संबत् १९०३ के काशिक मान्नही बाज है।				वह जारत-सारीको है जिसमें ४ हो स्लोक	न १९९९ १ । कुण नरस्यु समृद्धः सम्बाह्म सीगको क्रुपिन्कुष शुक्त बीए सम्बोक्त निमाते मी है।		की कृतित: संबत् १६६१ में मिता।	महाराजा वाप्तामित्रो तर्क है। १६ पन प्राथः वाप्ता है।	क्षायें मिषित स्थानों एवं सूत्रों से प्रस्त	् ह सुकार होतांट गांतांका सम्ह है। (त) इस मुद्धे के पीछे कुछ रष्ट्र व्यक्तिमी मिटी है।
	क्रमसंख्या	14-1		21-VE		10	, in	<b>*</b>	Atl				~_
	तिरिष्णमय   प्रभयंष्या							2	\$6¥	र मी.स			lett.
i (emantere	I jus	अन्तरीयास		क्षण्यी राज राजी	बायहुड बुरारीवीम			gravate.	कावा वेक्तमीसाक्षेत्र			रण कु. श्रीरमाराग्राज्ञमी	हारा मंगुरीत बनुमृत्यात
	the part of the state of the st	ta (1) diseite		(४) मंत्री (हरण-परिवासी)	(१) गिन्धेन्यत्	(v) monthly one	(६) बनुस्मिधी महाभारत	Historia	यसम्बद्धीय	द्राहर श-र्वातः	कव्युर राज्यमाथती	हिम्से हजारा	बसुबामगोडवा
	HI I	7				_		2	2	*	2	5	~

	The second secon				
ALL A	व्यन्तमा	las	िभिषिसम्ब	पण्डासम	विश्वेष विश्वयत् साथि
2	(१) पपुरामतीष्ट्या	च्हु प्रंबरात	999	<del>~</del>	इस बुद्ध के वाति (६ पर्योगे विकास प्रमान विकास मंत्री है। रायमाना पूर्व स्वतिकास मानक है, हिस्सों निविका है। रायमाना का विशिष्धान १, है एका स्वतिकासका १७०० है। (१९) कि व नैसीताम काम्य व्हेसला योगीके महीत्सतीता है। कि विकास
	(१) मोगुरकेट	<b>सम्</b> योगाम	1	86-8	आयम (वी )
	(1) ninginff-elizgenhit unt	धामान		-	
	(४) मेनमाम	arafte		12 x-1 20	
	(१) त्यद सम्बंग प्राधि			120-16	
	(६) दोना-नायन्त्रीकी वस कोग्री	<del>कुरा</del> गाभ	×	14 -41Y	र.का १६७७ र स्वां मेसमार मिन्न झार
	(७) मीराजप्रतमामस्त्रीप्र	) <b>क्र</b> ण्यक्षेत्रीक्षेत्रोक्ता			रामगीय 'भक्ष्माराव
	(१) ध्यातकस्तीती	Battel	144	مر آ-	
ĭ	(१) मचूरे-ग्रेके क्रिका			- N	
	(4) receiber	अक्टमीं कुझ यद क्रमीर	_	ĩ	केव १ वी एक ब्राप्टिंग
	(*)*sferrife (frumasam- cremites grante)	नरमी कवि	R	11-te	
	(र) कपित एवं गूडा	ग्रजेक करिं	_	₹-4	
	(१) वेध-अंबब्राह्य	वरसामन्द	_	31-38	
	(७) हरियामध्यसः	क्रम्याम् व	2	2 - 2 E	ı

						1 2	Ē					त है। समीतो
विद्युव विवासकी प्राप्ति				•	कुम १४६ नव है।	हीरातीयो कांबर्गीका बारानिक पद्यांत्र— 'सावरे' केर्गीतृ ध्यारे सुरति' सिहारी हर्माने						थे कवित प्रमण्ड कवियों हारा रिक्षित है। हनमें पंपाबीको प्रमाण वेपर-वेतरमोधो बारमुसासा सावित होस्त है। परिकरर
(अस्त्री)	(4a)		) seat		\$C-15	2-10		A-2)	11-70	17-27	21-37	11-21
ितिषित्रमय	SUE C	t	.,		2	R.	_					1
Ē	महाभारतोश्त भागवतोषत	केरण्यास नीमन्त्रमध्योक्त	दानु राषाये	ध्यवताल (नामायास)					ertë afe	कुग्रस्थात धारि	eneth	धानेस कृषि
BUNNE	स्यान्त्रोधी गीमः सनुरमाधी वास्त्र	व्यक्ति साथ	दावाद्य	कोक्षेत्र यक्तार क्रिक	दुस-बात्तारिक क्रिक्स मुद्रा	र्गास्त तका होरावेची जनित १ तका		भूता तथा पातमीपिका कवित	कुल नाम १९(म) वि (छंद सूत्रेती) पदादी	wiere unit	efem fit	(१) त्या क्षिक्त
		2	3	Ē	3	2		3	2	1	(3)	(٤)
	गती तिथितमय पत्रसस्मा	(1)   (2)   (3)   (3)   (4)	(स) मदान्ताओं मीन मदाभारतील १७६६ ३६वा (१) वर्षान्यों भीन मदाभारतील १७६६ ३६वा (१) वर्षान्यों माम वेरच्यात म	(१) वस्तात्र प्रश्नस्य (प्रवस्य (प्रवस्य ( (१) वस्ति ताथ भागकोषा १७६६ ३६व। (१) वस्ति ताथ वेष्टाता	(१) सरामाने गीम महाभारतील एड६ देश (१) प्रमुकानो भागत भागतीम १७६६ देश (१) प्रमुकानो भागत भागतीम १७६१ (१) प्रमुका भाग प्रमुकान १५०१ (१) प्रमुका माम प्रमुक्ता भागतीम १५०१ (१) प्रमुकाने भाग प्रमुक्ता देशका	(१) अपूरणांत्री तीमा महावारातील १७६६ वृष्पंत्राप्त्री (१) अपूरणांत्री तीमा महावारातील १७६६ वृष्पंत्राप्त्री (१) अपूरणांत्री प्रमानकोश्वर प्रमानकोश्य प्रमानकोश्वर प्रमानकोश्वर प्रमानकोश्वर प्रमानकोश्वर प्रमानकोश्य	(a) serrably the against the cost steel (b) serrably the against around (c) series are against a series (c) series are against a series (c) characterist and threather around a series (c) characterist and around series (c) characterist and around series (c) characterist and around series (c) characterists around series around series (c) characterists around series (c) c) consideration (c) c) consideration (c) c) c		(1) स्पानांत्रेत में में मंद्रावारात्रेल हुंच्ह्र हुंच्ह्रा (१) व्याप्तांत्रेत में मान्यांत्रेत स्वतांत्रेत स्वतांत्रेत स्वतांत्रेत स्वतांत्रेत स्वतांत्र स्वतां स्वतांत्र स्वत	(1) servens eraf (1) servens (	(1) ब्रामानों को मान सहावासीका हुण्डद देखा (1) ब्रामानों को मान वाहावासीका हुण्डद देखा (1) ब्रामानों को मान वाहावासीका हुण्डद देखा (1) ब्रामान का वाहावासीका वाहावासीका प्रकार (1) ब्रामान कार का वाहावासीका वाहावासीका वाहावासीका वाहावासीका वाहावासीका वाहावसीका वाहावासीका वाहा	(a) actually than agrateful to a country areas (b) actually than argusterful to subtained a country areas (b) actually areas attraction of the actual areas are a country areas (a) actually actually after a country and actually actually actual actually ac

H	trapelly at might broad - the strate of the		-		- C
	प्रभवताच	aci.	भिष्यमन	цынць	fige party und
3	(६१) (११) हीयामी करिया (व्याप्तुकरीके	शनेक क्रीव	1966	į	हतातें 'कृषिता नेवा अवन तथा प्रमेत्र प्राप्ताणिक मोहे एवं विद्यारीकिष्णे एक मी
	(११) जन्मतः सन्दर्गनमा	कीर दीवल	,	١	बोहीं पर पान्नीका है। (सं) बुक्ताण्य काव्य ।
	(१४) समुसामसी (१४) समुसामसी	назфасы	: :	# T	सि स्था –सिर्वरपुर साक्षेत्रको बोकावरती- फलार्च।
2	(१) मबुमानदी	2	12.5	7	(क द्रसमताराम पांड
	(१) प्राथमध्यक्षित्रे भारता	and after		2	रचनान्ती १९६१ मिनारी ११४। यह ब्रमिनियि १०४३की प्रतिष्ठे नियोक्तर है।
2	معيدسوا	Die of the Control of	<b>2</b>	5	हती तुस्तकने का रक्ट पत्र स्रोर हैं भी अवस्तराख्य स्वाच्छ हारा नेशकानीके धनमें
ລ	११) ह्योर रातो (१ क्षित्त कीसामी महाराजि प्रशासन		i fed	ĩ	किये हुए हैं र (मी) १ के बाग तक क्रिया है।
	वक्षीकी रिवृत्या कुणनवण्यीरी बद्दी शाहि) (२) तीसाची स्ट्रारण्युपार राष्ट्र-	4.000	1	•}•≥	
	चंद मनोद्युरवास्ताता (३) कनित्त			7	रात हुनू धारिके सम्बन्धने ।

	ि हिन्दिन्धेय हैन के कि निकास किया है कि किया की किया है कि किया है कि किया की किया है कि किया कि किया कि किया	[ jak-daj			[ طه
L.	pikha	eui.	किरियमय	तिरित्तमय पश्चरिया	विद्यंय विकासक साहित
(2)	स्त्री क्षित्रमास सावस्था क्षित्र (८)	नामु महत्त्वानी वृत्ती हृ हथी छ १७-४०	हर्षी च	4A-45	
				¥4-27	भ्रमेख राषींके छम्बन्दमें।
	H ETECTION	मुत्तकीयास		ĩ,	
	(a) repetition	भूवर दिवस्थ्य वार्ष हरस्रीयान			१६६ मछोसे रक्ति।
	(*) 414414			2×-25	laneeglefferran 1
**	eres eribet	रक्षीमीलाल वीचाल		2	
2	र्शतक्षितिया	क्ष्मकाल (क्ष्मिक्स)		<u> </u>	स्तुर्वात् क्षा १ ४ क्षेत्र ६-२६ तक सन्नात्ता।
5	द्यायोज्यार (राज्यस्तात्रीशी			10=A+92	१७ - ४ - ११ वज्र १ १ तथा द १ तथा प्रजातन । यज्ञ ४
	ma) mie)				मामामाम स्थानित एवं बन्तुरी बडाईस
		,			warm unedig united & 1 (tf.)
2	wrates france	militare ecid	2	•	CUMPERT SOOF
Ξ	रामाद <b>्य</b>	कुमशोबास	*	2 2	
-			3 MT	116	वर्षु सिविमी सिवितः। यह हों को नवाब
				_	सागेरलांकी भीत्रमी है। इलका बंधमी मन्
					बाद हो जुका है। राजामानके इतिहासके
					ित्य व्यक्तियूर्ण पृत्तक है। (ल )
-	मूर हराहे धावार क्षात			22	ज्यू मिष्ये मृत्रित।
-	) के अन्तर स्थान हो।	गुन्दरसम	3	=	मि ५-पायाराम ।
	(१) मर्वान्नयोग काहि पान	. =	2 22	<b>~</b>	लिक-प्राधाराम रामगड्रमें लिक्छ।

-Ē जनार । बहुत सिमि मिकियोर कार झुन रत पुरोद्धित्रजीने केवन 'फब्बक्देपहु' मिच-काक्षायम चुक्षे मितिता रामध्में सिधित वित्तेष विश्वरत्ता धारि र.का योग हार ज्याकरण ज In test - age ! (A) **पश्चित्र**या 11 = = ĩ IIBE 2 men (?) भिषिष्ठभय 28.07 EL. restu 3 H S 10年 1631 2828 Ę रावस्तरम् प्राथमीतवाप्रक्षित्र--विवायुवन-वान्त्-संबध्न-सुषी मुम्बर ग्राप्त 1 2 t 2 4 (१) छर्नेतोक्ष्मं (समुबन्धः) छन्या (६) जिस्टायन-मनिक्रारिक्षणकार म्ब्रह्म १ (पष्टिक्स) ल्यां अन्तर क्यार सम्बन्धा का (३) स्वयं-स्टब्बर बोध-विष (६) त्त्वमुक्त्रहिता निधानी (1) सर्वेग (कर्पया) (1) सन्दे (1) सन्द (w) end frund ende म्मूब्येडच सम्बेश Track Alt प्रशासकात्रकार सम Ę Ē

۶ د 

2

		feg-gel ]			ן אנ
	laten 5	E	मिल्लिक्ष	thabkh	बिसेच विषरम्य भावि
	(extens	मृग्दरदाम मोहनदात	les]	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
	((Ch) 22 HULL (1) 20 HULL (1)				~~
	(१) गुरूरशासको एक स्रोहरू शामकोशा स्टब्स क्ट स्टब्हुर्स (१) शासकोशी नामस्तिका	tteril		~ ~	
-	रज्ञात्रीका मुद्रश्रीयत	THE	_		
=	(1) grecenenit me	मुन्दरदान			
	(३) प्रमामी			_	
	(३) सहस्तातीमात्रदीयन			•	शासकृष्ण महम्तदी सीतादभग। (सं)
=======================================	शीन-गावनी	ਮੀਰਕਸ		٠,	
==	निवद्यका धर्म 🕝			-	
2	मृत्दरसम्बोशे देव (क्षप्रसमुद्र)	gractin	2	ž Ž	यह कुतक कुल तो शश है पुन्द राही बाती है। तक कर्म कुर्ग वेर पास्त्रमां वाहूत है। तक कर्मा कुर्यस्तानीक हु। ताल १० १० १७ व्यक्तित्म है। (1) पुन्द १० १७ १७ प्रतिस्म है गुड गाँठ है किन पर भी क्व बाद्य निर्देश है। मों कोच पुर्व भी है। पुरस्तानीको एक्सामी मामीतामा मां। हीत यह्ये ग्रीम्साई पेली निशासी लग्मी कुष्ट यहाँ है। है। है।

tiatem	रावस्थात प्राथ्वीयदात्रकिकान विद्यानुबन्ध-कन्त्र चेत्रह-कुची	महत्त्रकी ]			]
<b>1</b>	क्षेत्रसम्	कता	Parsent	पश्चिता	विकेष निवर्ष्य मारि
**	(१) विद्यारोस्टरकदैन्द्रभवत्वाधिकान- दीकास्त्रिक	म् विद्यारीयास	ž	<u> 2</u>	समित्रकान्त्रका १७०१ । संसत् १स१७को सन्ति सिनीक्षतः निःस-सन्तेष्याप्ततार
	(१) कियामितिकिष्ण	विष्तामि कवि		E	षणुर्वत । मि स –प्योक्तासार षणुर्वेत । स. १७००च्यी नक्ति विकास
	(३) सुरक्षितिकृत	Tth wife	1244	23	मिल -स्योक्ताप्रसाद पतुर्देते। सं १६ ४को
2 2	समरचन्द्रिका (विद्वारीवतत्त्वीची शीमा) सम्बन्धनमामा वृथं वदाणुवाव (मोरीन- मंबरी)द्वाद्वित	म भागु श्रीर	य महिल्ला	2 2	प्राप्तक्षं स्थापक्रमः। स्राप्तके। रस्तापक्रमः १५६४। सिक-सीरीक्षम् सर्मानीत्रं अपपुर।
2	<b>दीकुम्बाधिका</b> त	क्रींश्वोपाण्डाम		u de	शिष - चोरीवंद सर्मा थीत्र क्षत्रपुर। स
<u> </u>	थीरापुरम्पायती यीगध्तमास सदीक	गापुरवासम्बद्धाः दी राजस्वासमी		1×1 da	कि क-नोपीकन समी मीड़ वयपुर। सि.क-नोपीकन समी मीड़ वयपुर।
2	gwreitwick	नमरामङ्ग रचुरात क्षति	~	¥.	१२६ १६१ १५२ मही है।  जिस्स —योपीयस्य रामी अस्पुर। १०६२ को
3.5	१२१ मृत्यक्तरिम्भीसतसङ्	Profit flut			मारोरी क्षिणीकृतः। र ना - १७४३ । कुलपरित मिन्दश्री स्नोमान
		_			कण्णुं इत्ता रितिका ११ ७को प्रतिमे शिमीकृत। सिक-तिनीकम् धर्मा तीकृ
					व्यवपुर । पत्रतीयम ३७ तम प्रमासन् प्रमानि लिपि है।

१३ ]	कर्णा निर्मित्तव पत्रमन्त्रा विद्येप विकरण पारि	कृष्टिकर प्रदेशम	१६ अर्थितार	राज्युवीरसाज १२ (मा.स.–सोबीसाझ द्यार्ग) कृत भटा १९२ है। १९६में पत्राने रसनाचान हत	प्रकार क्या है— सम्म हर पिता कार्योग	प्रतास तथ सम्बद्ध हुए । स्राया करी प्रवक्त ॥१३१॥ इस नेरी दर यह	नोट निवा है "इस घोड़ेका बुद पाठ नहीं	पिता है काम पतिके मधानते । महाराजा प्रमाणनात्रीयः राज्यकाम जिल्ला मंदर	१७० में १० में डक्फा है। यदि हर रिप्य	७३ सिया जाय हो १७७३ सा संबद्ध आता	आत्मा उपमुक्त होता है सीर गुड पाठ	जिल्लाचे यहीत्रकः मात्र भी निक्रम सच्चा क	4	लिंग कार्युट जर्दाम क्षीं न्यू १६ मि. मपापायन समा जन्दी ।	translate afterday consulares	
। अत्रक्षात्र साम्बर्गक्षयात्रत्यस्य – विद्यापुत्रम् काथ-गयह-मूची	#15-Fig	१ १ थरता (तहरा) नावबाना	११३ कामबासः (गीनवेरिनदो)	क्षकम रोजायना वर										१३६ ् धर्नगर्यो-स्रासरीमामसाम	the frame of corners of females	Hall and the second of the second of
1	i i	1 =	Ξ	ž				_		_			_	14	***	

GINTER)

Ė

٠

NI BAR	वाचात्र अध्यक्षित्रप्रतिष्ट्रात्र - विद्याञ्चल-सम्बद्धनुष्टी 🛚	ing-gal			ม ]
12ª	क्रमनाम	at at	क्षिपियमब	तभक्षम	जिन्नेष दिनरख साथि
	(4) me merrante muen	विकारीयास महत्र्	न की	18-10 du	पि <b>क −धारतोया बुका</b> ।
	(३) बस्त पर्यापयारामधी	व्यक्तिया कृषा		16-4V =	बापुर्ण भागान्य २३६(१)में इस सरमाधान सम्मीतमा और सम्म है (सं )
*	सम्दर्भको कथा	dufting who	12	2	Con-take i fre -antir uhel
138	2	therefore	tese	£ 55	भूक्तभूतभ्ये । रजी-(०२ । पिन्छ-मोशीचरद्यमाँ सोब्
E	(१) सेवाकी सारिर (मीतामी धेव)	करि कुल्पतिषिध	13.1	-	कस्पुरः। जिल्ला—पोपीविद्यं धर्मापी।
â	(२) कुमर्गत मियको बंधप्रत्मश भौगीयमध	स्रोहित हरिमारायकारी(?) २ को छ	-	ay i	वणकुरको १८ १को प्रतिषे सिर्वाफुर ।
			Ě	# + 4 × 4 × 4 × 4 × 4 × 4 × 4 × 4 × 4 × 4	रा ने व १ व साम्यव वा वृष्ठ वर मुरामित हिरमारस्थानी हिरस समित हस सम्बन्धी समुख मूसिका
~	मूनवन्दावतीरिवतास	ethyra	ar ar	14. da	स्मितिक है। (स.) किंग-गोरोक्तक झन्नों गीव चन्नुरः। रका
2 2	THEFT TANKERS	देवस्मिट्ट मन्द्रम कृति	1860	2 !	्टन्। जिस्स न्यप्ताम् सन्ति व्यक्तिमसन्ति।
ž :	ungs-tegemen)	1 to 1	<u> </u>	: =	लिस — नीपनियंत्र आसी अध्युरः।
Ē	interior 1	(कान्यान्यताता)	:::	:	£
2	११७ ं प्यानकारीकी एवं प्रास्तारीक	ned wis unfe	TE .	*	नि क - क्रम्बद्धमारी क्षण्युर । (स्व पूरीहित बोकी दीती)

Line Constitu		Energy	ref	लिगियमभ	निरियम् वरमेस्या	विद्याद निवंदरम् याद
ž	- "	Kon tolki	मामा द्वि गोमान द्वि	र भी छ	>-	कृत ७१ शारद्वमातियों का विश्वण्य स्थापेय युरोद्वित्यीको सुकोत्रे मही है। (सं)
	<b>.</b> 	(3) arrent restree (3) rifes a selul (3)	मुगमोसाम हरिषमाम बनात क्षि		» » ~	
	:	طاوحتماه أدموما	Rivery		r ~	
	ĒĒ	efferent fergel	मारकार		٠,	
	<b>E</b> S	आन्धी इत्यो शोधी शंकार	मोत्रीराम नूरबामीन		n- no	
	2	fertigaled	वनेतावनार		_	
	2	गायकृत्यीकी	augs)			
	:	alfante fargy)	मध्यार		٠ د در	धीर सक्या १ ।
					E ~	दोश्या भ्रांता
	3	Ser (paled)		_	-	
	(11)	मी(क्योड विस्त्रही	गरममाथी		e	
	3	megajaj	नीसदाम		~	
	2	क्षांचायकार्	मुरदाम	_	~	
	<b>E</b>	whereful	Pelling	_	~	
	; (3)	बन्द्राच भी गी	्यममिर्धार	z	er_	
	ê	<b>र</b> म्याहिस्यक्षी	र्धवन	_	_	

S.H.		प्रम्यत्।य	नाम	• enî	मिपिसमय	पणवेषया	विषय विषयत्त्व धावि
(644)	(34)	(२१) बाद्यमानी	कोयी-क्रमदाक्रमीकी विज्यासम	Ena Reg	न मी ह	_	
	(44)			<b>GTMTD</b>	_	_	
	8		रायाखीकी	-	-		
	(A)		ममिटा सबीकी	ममिता सभी		-	
	(4%)		المدزائياليان	armen appear	_		
	(44)			1		_	
	۶		nerche)	WW-COT CIN		_	
	(N)		weer stagestend	MEDITOR	~	or or	
	(4 <b>%</b> )		In well all	न कुरूराख हरोतवास	_	_	
	٣		सीर्गणगरिकी	WARTER WINDS		_	
	Ē		greenman	मुक्तराज हरीतवाल		~	
	(3/8)		सरदाना र भ्यक्तकी को	फ्लिमीराम् विद्यावाभिक्रमती		_	
	(##)		मोरिय <b>ोकी</b>	EMICER	: :		
	<u>*</u>	1	शामके विकासकी	STREET,	: 1		
	(¥		MINS	कम्प्राम धाषाय	: 1		
_	(3)	1	<b>उपक्रम</b> ी	and	: :		
	(3)		कोपीकर धीर	WW.T.C	: ;		
	( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )	,	erelet engele	-g		. ,	
		t	face if				
	35		rhodush				

THE RESIDENCE OF THE STREET STREET, THE STREET	É						
1	-	1	A.Phi	दगाँ	faftersta	itales i	बिराय रिक्सम् प्रारि
:	Ξ	HIPPER	(x ) disputely element	शावसान (रावनीन)	-	_	
	Ξ		freefenar)	ngibe era		-	
	E		قنطها أطدائها	thitte		~	
	Ξ					۰	
	ξ			द्धर करि		~	
	Ē		Î	Prein.		_	
	3	t	उड़ करोगीन कर			_	
	٤		धरेको महीनोरी	मेहनमान गोहर	£		
	3	1	(Agintes)	यनग्रह	£	_	
	3		स्यामन्द्रश्रीत्री स्था	FURE			इ.सर् <b>ड</b> म्यवत
	Ξ		मन्द्रमान्त्री	कार मन्त्रनोत्रसार दाक्ता	1		
	E		المهنسفاوسامحا	भीवरी जिम्हाल बर्मा	t		
	3	2	Camping	म्मिर्मास्योध		_	
	(23)		THILE			~	
	(£		काहरमा नोमीक	अम्हरमस मोगी कृष वन	3	_	
			faryer	निष्मती			
	3		إودلاما	gwieer		æ	
	3		chrown	वग्नोयालाल		•	
	3		elfre gravel	HHLL			
	3		अन्तोशायभोधी	क्रममोयाय		_	
	3	=	नेरामाहरो	dume			

3

2

Ξ

3

Ž.

Yes day

\*\*\*\*

रतिषदाद्वार क्षिमकीयंग्रह

हमोररात्रो (हतीरायक्)

Kan - lake

	his don-his haliss Lissanianian	نا عام المال المال			ا ده
	gravity gravity	and	िक्षियम्	जित्मियम् वत्रसंकरा	मियेच दिवास पारि
٤	tex   pulting	dar (?)	१६०१ ११७ वेस	११७ वेस	ति छ -वोदीवृद्ध सर्मावी को इसवपुर। (७०४) संबद्धी प्रतिनिधित्मिग्रस्थ
EE	111 (1) wentered	ele metrit	व क्षाय १६६६	. w ≈ .	सिक्-मोधीयद्यसर्वा १७६१को दक्षिति निर्योग्ना
£	( ) mit ent mentelle er eiere eine er eiere einem eine einem eine einem	तुमतीरात होहरू पिथ (जयीत	₽ •	_ a= 22	हिर क -गोपीचन ग्रमर् । संस्कृतमंग्रांचाचा ३
2	१४६ मायबातहार्यातक (कायशेकातक)	(Icaniferne)		_ &	संदूतभाषाक्ष्य पूना भाग्वारकर मीरियादन रिसर्च इस्टीटयुदकी १ वह प्रस्ति प्रसित्त स्मिपी
£	THIFTE	լ ժոյի հա	1658	, <del>2</del>	क्कन है। रका-ग्युर अपगुर। पिक-भयतनाझन्या पशुम्य कथियो सं १६ प्रवासी प्रतिस्थे सिपोड्डरा
2	हिं।यानम्		200	e	सि क -थी हरिमाशयक्तभे पुरोहित। केयन भव कम भी तिसित है।
2 2	नवात गानुस्य नारा वर्ष स्टानी स्थानीवन्द्रान्त्रीको वाणी	अपन्दीयनदास	150	9	नि क -क्योतियो क्रुविद्यारी व्ययुक्त।
	angarint (standag)		**	103	१६२ कवियोक्ति कवितामीका सम्ह । पंदत्ते । १८६३की प्रतिसे नियोक्ता ।
		१ साहू। १ जमत्रीसन		E	मोट-हा १६२ कविवास ६ कमियाँ काम
		ग करोरा ४ वंग			मंत्रवतः हवारा किये पय है। यक यह तक-
		£ 1735			, भटना वाहिते कि १६६ कवित्रोकी कवितापू । तो निष्यपूरक इस दन्यमें संप्रति है। इसका

	1	1 4-1			ม }	
Library	tigeere gradesisfrate-lesignarus-regrupes	فلاتا ا	ित्रियम्बर	युवानीयदा	विदोन विषया काथि	
		!				
(2.11)	(Ann) instruction (electrical)	Al Heated	~	114		
		क्षेत्र अरहाम		2		
				, m		
		क्षेत्र । क्षेत्र बनाम		454		
		the share				
		३७ मरनुरम				
_				- E		
		-	E	V K 19		
		_		E 44		
		որ ընտեր	2	ء مو		
		प्रकाशिका कार्		46.0		
		be unique		2 9 7		
		H EE		4 m m		
		us, ferett i be gene		1 1 1		
		४६ जहचन		2 70		
_		४६ मूलग		5 k n		
		१ गेगा				
		रा रोग्र		¥		
_		प्रश्ने प्रशिवदाल	*	2		
		१३ किमन				
		n's des	:	AE n		

tratecte	राज्यकात प्राच्यान्यात्रम् — क्ष्यान्यक कान्यन्त्र	र्गा-सन्ता			١)
E L	Hikhab	<b>F</b> OT	लिपिसम्ब	नमधेक्या	विन्तेष विषय्या यापि
(828)	क्लप्रकारमा (करिस्मानेक्स)	रह महिमारि	~	10 m	
		Re gute	2	₹.	
		no witerand		世ると	
		R.m. WITHER			
		Re www s & Bra	E	**	
		4.t funds		:	
		क्षेत्र प्रवस्ता	2	***	
		११ कालिक		12	
		t'v ujinx		148	
		-	£	200	
		14 aune	2		
		१७ गुणोबास			
		रेस काण्या १६ करणाचीर		111	
		P Petru		2 m m	
		की वीका कर वहकर	2	216	
		of the	£	2	
		कर बच्च । का स्यांत	2	. 3.2	
~		at allati			
		७७ व्यस्तिया । ७० व्यमी			
		WE WRE! H HINE		6.8.5	
	~~~	स्र क्ष्म्स्र	R		

	Commence Commence of the control of	ne-state-seal 1			3 3 7
	in the ball	au .	निष्यम्	षणस्या	दितेय किरास्त पारि
1	(10.0) parteener (efernéte)	as afren sal edre	~	Patri	
3	A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH	दर कन्द्रा ६६ योदि	£	fate ,,	
		2012 12	£	141 "	
		द्रक शुक्रमीराय		z	
		W. 177.6	2	11.1	
		nt buffe ! Ru	t	(KX m	
	_	Et not	£	926	
		१२ मोव्हा	E	151	
		200	ı	113	
		६४ स्थिता	£	141	
		CR MINT	2	****	
		१६ मीक्सा १७ सम		111"	
		Re (1714			यह नाम दुवारा सामा है को कथितक्या ११
		_			कर दक्षित है।
		\$1 mm	±	22	
		१ मता। १ सीमा		****	
		१ २ चरोर		2	
		I N social	2	2	
		१ ४ गया	_		
		१ १ रमिया (रमिया	=	" 101	रमितया कविष्यं १४वेषाः मीष्माया है। (सं)
		que 201 4			

( ( K K ) 

हो सदता है कि कवि सरवा कर 🕶 धरियुत बस्ति वह निव्य हो १ (स )

2 4 K

> १३४ शिरोब १२४ क्षार

मिष्ट – मीनीकाष रामी । संस्मा १४६ काली प्रतिकार ही प्रतिकृत हो ? (से ) बिद्येय विकास्त्य पारि मि क-रायतारच पंपमदास fr. a . a) sightly and व भारत क्ष्य 10.3 m निरिधमम 1111 8 2 Ē PHILIP tas figurit (En erb! रामस्यान प्राम्मदिया प्रतिकाल-नीया मुख्य-प्राप्त सुची | 189 100 111 Hall (१) समुगमामा (समुगमि प्रम्ब) धुमदामामा (कविद्यालयह) गणमानीका अस्ति व शासी स्तरताकोका प्रकृष सामी Wedning. (२) भषतिरिष्धानभी मायास्बर्भिद

(<u>13,4)</u>

P.

12

ž

Miles

		प्रायः वयि वि शियां वृद्धिमा इति हो । मा बर्ग्स हो तक्का अपनाम हो । भाव प्रकेषण	ति इयोदी
	पत्रसंख्या	१३६ वेस	2 1
	मिरिशमय	1818 1818	
न लेगा,-मूची	रम	बांगीसाल ( <b>पं</b> चलरत ?) १८६१	रामामुभवास
7	1		

स्मकी १६३५ संबत्त्वी प्रतिति

बन्द क्षमां नीकृत्रयपुर।

111

र मीटा

मृत्यरदास स्वामी

एक्टक्समधीको बोधीनो ब बाबनी

THE STATE

१) प्यानमञ्जूष

(४) वृष्पराचरा

(4) ermeineit erri

(a) gesameth

(i) measury

brenest ei exerentit mage gir

व हो र हाम श्रोत । कोती हो

FILE es bretten en es मेरदानी मुस्तभीदास

मुराचामोगो बारह्यम् १६ १५ tinabel arrent) na he

जिस्त्रमधीर **soften** 

भीवजन

Munnal urest

2

क्युरमध्ये । (मं )

ति क -- तोपीक्त प्रमां । मार्क

H

अस्य विकास क्षित्रकार — विकास्त्रक सम्बन्धि होता	iji kuthak	<u>16-54)</u>			• • ]
क्रम्भाम		करा	भिषित्रमन	यमध्यतः	विसेप विवरम सावि
er trengeligt genit wa	111	аписин	प्त्रवीं व.	4.8	सि.स न्योपीषण्ड धर्मा ।
arr gung?	×	रामसार (थं रामराज्य)	ŧ	,	2
grant zhunn	ξ	givens .	£	_	:
Sentebutanit	=	प्राथ्यक्रमराम कानूनची	z	_	ī
वकी कारहेकारी			2	_	ŧ
क्त्रेंबक्टी महर्ज	-	Bungain	2	_	" न वह बारहबाडी
बालक्ष्यायोग (राम्माम्)		Pergrand	£		•
graffgebenfie? gran?	)s.	morthwiteltalt	R		
artime( !)	A	अभितानिक्यो दी	E	_	:
(2)	>	2	2	_	:
HW (1185	2	मनिकामहान्यत कामसी		×	!
anders	ě	Baculage	2		:
التداها	2	नुसम्मास	ŧ	_	
बारकुष्टकी(कम्बायसोखी)	=	111111111111111111111111111111111111111		,	
9	1				

2 2

" इसमें कई एक प्रते पृत्य है

t

(दक्ष ) को अन्त्रक्रकोधीका पव

2

THE STATE OF

Secretary)

\*\*

) H W 2 H

u a

**::::::** 

क्षिक -चोथीकर द्यमी । राजनवर्तप्रकृत्य

मारवाष्ट्रशे तस्तीविषयक कवित्त है। (सं)

भिक्ष — सी वनका भी हरिनारस्थनती द्वित्रको पञ्जाचै। १००	fring 4-2 flex & tragerment titl definited erroral exert efferment alterior (preference etembre)
+ + +	
1000	t. B
a de la companya de l	a girancusa ngans - (itancisas) ngans - (itancisas)
ded ubserneds as the leganisations	ं १ संकृतसंद्राजनसङ्गत
	to took

	Charles Charles Continued	{ (n.b-1/2)			3 7
FINAL PLANTS	सम्बद्धां प्राप्तां विवासी तर ते नाम प्राप्ता	in the second	լորկող	दभवीवदा	बिसय बिक्रम पारि
•			5		
	स्ममन्द्रस (ग्रेनासन्द) मस्या आमाप को को को को कोसीसम जिल्ही पोड्डी		;	· >	
•	and the same of th				
	(6) Berralin	मुस्योतस्कृष्टि	165	¥-1	नि स -पुरोहित मीनारायण जयपुर ।
	(2) mysterperary	ε	£	*	
	(1) albregatuthereng	महाभारत कठोवार्च	164	 u_	मि सवोषोषत्रव रामा
		<b>श</b> प्तरित्त पाच्यां पपत			
	(A) Attentionality [3.	महाभारत एकमन्तरितमा-		1	
		<b>स्कृत्यम्</b>			
	(४) भीत्वानीत्रम्	भाषात्त्र अवस्थितम्बन्ध		t ~	
		rations.			
	(१) गुरुष्त्रमात्रीय	नामका है वह बार्डन		144	
	•	ध्यायग्रह			
~	राममञ्ज्ञाति तुर्व तत्त्रताम् विष्यान्यम	gerthe fegn (uni-	१ भी ग	16+1=	बनूद संस्टुत पुरतकासव बोडानरकी प्रतिसे
		रह बालीय)		Ž,	र मिल्योहत ।
-	fretfemmens	क्षिक्रमातिष भीहरण		7.5	mounter allianes fres tredays
		J.			पूमाको प्रतिम स्मिष्टित ।
**	कारमुत्त्वतिका भाषा		****	2	प्रति कीच सीमें एवं मध्यजुदित है तथा पत्र
	•				निक्त हिन् हैं।
*113	मानमंत्र रोशाममालः	कृषि मध्दतात	texe	3%	क्षि क(प्रवास्त मिय मेरपुरिवास) (मेरप्रवासने)
					(

ctaneta	राज्ञत्यात्र प्राथ्यविद्यावितावितात्रात्र विद्यान्त्रेयन प्राण-संवर्ष-सूची	ग्रह्मचा }			# A ]
P.	ыный	jas	क्रिस्तिसम्	व्यक्तिमा	बिक्षेत्र विषय्ये पारि
1	11.4 formity salecty	entilme	200	<b>=</b>	
2 2				ų	मि = -रावधताय शर्मा मनोक्ष्पुरन्तिकातो।
***	trettenen)	girchene Intant	man)	3	र का -१७६४ । स्नाम-प्रीयपोत्ता । कि क
		afrautiker.			बबनाबशास निरंबनी माधुनुत्मम् ।
2	tto doubenteden	महारत्य गर्जात्त	1874	ت	रका-१६६६ (कि क-मुक्कोद । इस संगर्ने
		,			स्क्यांदिकानु क्रामिती भी दिवि सिक्तित 🖁
					गीर पावादिका किस्तुत क्ष्म 🕻 । (सं
7.5	(बच्चुप्रवक्षप्रधोत (मिलित)		रहती छ.		
**			र भीव	0"	क्षांते बाले हुए एक गयने मनुवादक प
	H(Pring)				तरमृष्टित निम्म है ?
ar	वारेनवालीको क्योह	भीस्रिकाराज्यको	Cet	بو	मि क -दीनाराज्य पुरीक्षित ।
		3 chiftee			,
r	वीमी विशेषमात्रीत हर मीन		1887		£
o-	- विकासाधित्यक्षणः	अपि गर्याह	1101	87	ति ह - यो एनेक जी हरिमारम्बजी पुरो
			_		क्रिक्सी प्रकारम् ।
er.	हित्सिरिको (क्षित्तराभाषणधार	ुरोहित ह्यित्मराम्बन्ध		19+4 20	
	arren) ( 4 que	क्येप्रैय		æ	
()°		मन्त्राक्ष्य-इत्तित्त	र की छ	,,,	fente wat gebr f tragganen unt
		मामा मुद्रीकृत			विशेषताद्वती द्वारत वर्षे में उन्ता।
# *	प्रिंग्स् अस्ति।	_	_	حر	गान्याराज्यको महिन्तरीका विकानकाम

	The state of the s	7 7 7			
F	दुरम्भाग	ins	गिषिममय	वश्रमक्ष्या	बिताम विमायन पार्थि
•					
-	Barres (dayare) etub urrad		2 mil	_	
	abe win ett einfrum igret utugt			<u> </u>	
	ga rratate				Annual An
	(1) agregatet	मुख्यांत रच्याति	 	# 	in the manufacturation with the same
•	(a) merementers	ε		¥ 1	•
	(a) alternative end	महामारत उद्योगमं	, t	₩.	स्टिक-न्योगीयन्द समी
		सदमसित्रभागध्यायया			
	(४) अगद्भाष्ट्रप्रसम्बन्धः	महाभारत प्रस्तिपतम		=	
		ध्यायमा			
	(१) भीरमगीरम्	भागवत प्रवासक्तान्यमा	ε	ŧ	ż
		LATRITIT			
	(६) गुक्रोधमातीय	अल्यादत हिन्द चतुर्य		114	ī
	•	रक्षायम्			
~	रायमञ्जाती एव तरामकाची पत्र-पान	नेक्टरीक विद्वास (क्ष्मान	श्र की	**+*	धनूप संस्टूल बुस्तकालय बोकानरकी प्रतिसे
		इन्ह आलीय)		ξ	रण सिक्षीद्वत ।
~	हैर हर दिला में करा व	क्ट्रांबक्सामित वीहरू		116	भाण्धारकर धोरियम्बन रिसर्च इम्सीटपूर
		N.E.			युगाको प्रसित्ते किमोक्टन ।
Ę	wegenfrier urei	,	१७६३	**	प्रति बीच-पीचं एष मध्यमुदित है तका पत
					जितको हुए हैं।
**	मानमं य रीना प्रमास	कृषि मृत्यदास	texe	**	सि छ - सिव वक्त मिथ पश्चरितकाती
					(भगवाभन्त)

-	द्वान्तराज्ञ	sel.	शिषिसम्ब वमस्थ्या	रामधीमधी	विश्वय निवारत्यं वादि
3.5	(१) महाच्याचीसी		# W	2	कि क - फबारी शतकात ।
	(8) seatta		#	\$ 14-16 14-16	CAT-SUBLIFE - THE P.
	(4) geumtet freiert gilt			86-9E	THE PERSON IN
>= 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20	तरयमध्य-तावमङ्गाच्या वारता	कुरसम् कवि	1556	2.0	बस्पुरकी बोकोनी, जिल्ल -लाक प्रमुखानदास
					मिर्देखनी मंद्राकामच्ये ।
DC A-	हो ररक्ष	क्षित्रकाष्ट्र धार्याह	1640	13	मा पुरस्कान थी कर्ने प्रवर्धि बापकी भी धान
					की का काइटा कवित्त सकता है। प्रति की प्रस् वर्षी समित्र है। (से)
200	वैद्यकतारत्त्वीदन्यन	कुम्बर्गिक	***		कि क - बालोदर क्रमी साहित्वोपास्त्रास विराह
					मस्ये।
2.	बारती <b>ले</b> ण्ड		2	2	इसके प्रातिक ११ पृष्ठीमित कत्तममधी कथा
_					geftergeffet erreal erneftat erre-
_					मानी जिल्लि है। जिल्ला-रामदेव। बारदी
_	4		_		duger feifwern te ju & ! (d )
	ונ) עני-תמופנוא	_	_	(MIT	
_	(१) मीशाची बयस्यंत श्वाया	_	_	6-6	
_	(3) bege affeite ber erabifen		_		
_	(v) durant augengraft	_			
366	effererfit ferret um nen effe.			F .	
	हारतेंथी गडम १		_	2	इस पुरस्काम समी रख्य पत्र है।
2	गुन व्यासदीविकास	धारियाः करित ग्रस्त	0	Section 1	
					करपास्ती-संदुक्त प्रमुखे सिक्षित है। प्रतिका विकासिक सामान है। प्रतिका

	(ale last bell-belles) - sicily con-	والاخلول إ			111]
	in light in the li	ie.	सिरिषयय वस्त्रिया	1 de de de 1	विद्येष रिक्तरम् धावि
ž	<b>加度的基础的</b>	क्षां रचुरानम्ह (क्षां	£484 V7	č,	सि ६ -मीद्रिवधराम कामस्य ।
*		शायर मोतम नागर)	३ बरेड	+ + + + + + + + + + + + + + + + + + + +	
5.5	तत्त्र पुत्रेत्त्वत्रोका पत्र है बोहुरचदितात	क्षि गुरामधन	2		महाराजाधिरात भूप किसनेकको साजाने रिपत। सि छ –क्सम्भ कोती सामाचासिकासी।
36 67	३१४ किम्बाइमीकमारहक काहि (भर्ने तत्रकः ?)		(६वी छ	ev	ति एका न्यूनिहरूता। इसमें रासमृज्युत चंकलतीन धानुराणां इस विदालतिष्यु एव दो सन्य क्रांतियाँ सिर्वेशन है।
2		पुनर्शत विध नगरशास है	£	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
	(१) बनमीना (४) जुननि तर्राम्भी सनगर्	माथीराज इन्मर्थात मिथ	1	17-11	रक्श-(७४१ स्पूर्ण।
	(1) rez elen (umire)	बनारको व्यक्ति कथि वासक संव व्यक्ति	2	ָּבֶּרְ בְּנִי בַּרְ בָּנִי בַּרְ בָּנִי	
376	(v) thresher merendare	genera (?)   foreign (res) though   20 cm		30 42	र का – १८७३ । जि.स.– नोदीवंद गर्मा
;		ווא מעובר (בווי) פוניוראוז		!	

बयपुर। महताबर्षंद गार्देड़ बयपुरकी प्रतिष्ठे क्लिम्हत। ति ब-नोपोबाद दार्मी वयपुर।

34 "

1883

tio eleming De 163

T In	hisheh	क्रमा	लिपिसम्ब	राजस्त्रमा	क्षित्रेष क्षित्रका साहि
(88.)	(१) क्टरके बर्मिक सुरु ११	146	183		सि.सनोपीयम् धम्। सम्पुर ।
_	(4) martfreit unfere ube ?	apart)fr		त रा केस	:
_	(1) egzeft (stram)it efter	mgraffe (aftcaw)		- A-	
					:
_	(४) अववीध कविके कविता छ १	ministra.		10 12	ž.
	(x) straffet after ,, ?	E.			:
	ग्रीस्क्रमिके क्रिंस	xf8x			;
	(७) प्रात्मसम्बद्धि कवित्त	W. TWENTER		Z-CE	
	(स) क्षेत्राचीतक क्षित्रस १११	- Gar	: 1	a 6 - 6	:
42.			# P		=
_		Penrativ ente		_	
3	प्रताम्बाधिनंबारो (मप्रूण)	सारकी (महाराजा प्रशा-	( eek	2	t
*	विकारीसमाधिको धनरचित्रकातीका	मु एक्सिम	£		रका,-१७६४ । बापूर्व । जि. सबारोध्या-
ž	कियम बोट		2 4046		State 1
	(१) राव हुर्जुटमिङ्गाबोका क्षान्त १				गीतीकी विषय वीपुरीहिलबीकी मुक्ती
	(१) बीमाची महाराम प्रतापितहर्मानी	विक्रिया ह्यान्यव्य		1	भी है। (स)
	(१) राष्ट्र महाराषकुमार राक्ष्यंत् मगोहरसामोत्राते (महाजी	बारकृत भूबरकात	2	ĩ	
-	(v) office (v)		R Benear 10-11	E-33	

Ē		(वह-सम्ब			111 ]
14	#INPTE	rat	मिरियवयव	पत्रसम्बद्धाः	विद्येप विश्वरत्य भाषि
ã	والمعادد ودوها حالته الدواله	क्षेत्र सबस्थित	a ga	1,	
=		उमेदरान बारहर		ĩ.	
	Hillery (4)	2		1	1
	(1) Meterate	2	-	¥-1	نوسرا-(دهر ۱
	(v) stulptus	ı	2	11-64 11-64	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
	(४) मर्गानदाङ्ग	£	£	31-36	सम्बद्धि राजा बस्ततावरसिष्ठ्यी युवे उभन्ने
					साथ सत्ती हुई रामियोंकी ।
2	tan (t) [marshanst	श्रोडीशामत्री धार्मि धनेक १६२७ई	( equi		बहुत्तरे एका-महाराजाचीके विषयमें रिष्टा । नि.कशुरारकेक पुरोहित छाबरवासी ।
	(३) कू बेहम-जनजाकरा	बालीया		1	
	(1) त्रुत र्शित नहा एक भीताची	ब्राह्मीया चुचा		ĩ	
=======================================	(१) मधारात बरपीरी बस्त	=	२ भी व	ĭ	इस कुरतक्षमें बस्ता १२७(६)वर ब्राम्ड्रिय बस्तका
					धीय भाष शिशिषात है।
	(4) ryk vin v (2) shashet shamen				man a series of a set of the set of the second seco
**		atter füngen (ert)	: :	1.5	अनुक । हुनुस्यानिवासी बारमूद मुरारीवानकी
		,			पानावतको प्रतिति मिनीइत ।
2	tto femajene	त्रम्भ स्थि	•	=2+231	११२ – १२ – जोधवर्ष करियामा सिहरदान्त्रीकी पुरसम १३४ केन जावन ७ (३)को प्रतिसिध । ३० केन सबी-
					13 g 1

ति र -गोबीक्त समी वयप्र।

Ē

I TERY

भग रतनगाम

41a (1) automuse

	(१) मोजसार ज्यारोग निमाम विवासकातान्य (वेद्याङ)	करा राठीक फ्लोस्प स्थूस- श्राकीर भूष बस्धुल्ल कुणराम (सबर)	Rect Rect	प्रशासता इ. १. १. १. १. १.	त्रियोग निकास गार्थ सिक्तामक प्रमास सम्पर्य में । (से ) कि ब-नोनोक्स समित सम्पर्य । (से ) कि ब-नोनोक्स समित सम्पर्य ।
yer (transfer (t) againe ferrhagh tribitti (t) aga shinifi t per ferringen site (fershall agidence at		विकरात मूप सेवायठ सुरताधियां साहिक्दान ग्रमक क्रीक्			त्ता क्ष्माती होता का ता क्ष्माती क्षा का ता क्ष्माती का ता का
E.E.E. & E.E.	prefere) yet grafeni er ehne-ufte er engre.) (Heliuerse.)	कारहर (कारपातको कारहर (कारपातको इन्हिक्साविक द्वीकृष्णकष्ट्	2 T 2 T 2 T 2 T 2 T 2 T 2 T 2 T 2 T 2 T	: ::::::::::::::::::::::::::::::::::::	in e -creine unt moze i number utlanen fenn befrage, gmei best fertige i

THE PARTY

# % \* %

(312) Ħ

7 2

¥ 2 १११ + ६ वेम यह अति को अति द्वारा सम्पादित है। नि ह व मायूराब पुतारी, बयपुर । बिटोड् निवस्ता पारि जिस् स. सोयोखन्य सन्तरे बन्पर। 3 2 z 4-13 13-6x " 32-12 पश्चमध्या 11-15 14-1X 11-1a 14-21 मिषिमयय • • T CL. ्र मृ 1888 7884 2 22. क्रियामा क्ष्यियाम्मी age flethule (?) Ē द्यालय वर्ष ? राज्ञाचाड हाव्यरेश्यावित्त्यात्र — विद्यानुष्य काव-नंधर्य-नुष्यी ETPETEN 2 माष्ट्रामान-सामार्थामा एवं तामध्यापी (११) भीरायेशीके धिमानम-करणान्धी स्वीत्रक्तानशाका ब्यावेदीयात्रुवाकान् dere (errr) einf बनम्बद्धाः 20.00 nefemberia म्युर्गत होन्तियाने हे पर हान् शामान् न्द्रासर्थं हारा Bereatteries e feerfing (t) Segratiful received (१) नवालहरी (c) shareh (c) trerref HIND OF

Ë

×

2148

Ξ

२ भौत

बारहर मुख्योधाल

الدعاط

generificerrebe bit beibu & :

ž

tro | fexusioning val and

9 X S

H

30 2

200

28.6

3 6

9 %

*11 7	May taken win		११६१वे रचित एवं बरबीच ।
-	सिशियमय विश्वस्ता	१ की छ १ के	,
ernem nertferiuferen fetigenenmenfungegut	राजनात्र राज्या	fine belle befandelte (1) (cre)	gg allere leave morning (v) respected for morning and
PINTER	Lun	(36)	

न १९७ : वह ब्रामित पेषाकृत करने व्यक्ति में

E

१- राजा जनवाच कर्ण्यातुष्टी

angua.

त्तील दश्री की घ्रशिष्टें बरकीम है। गड़ेसे भीतारी हार पर उरबीच है।

१९४४ टीका ३ व्या शिकानन रोहसास

Spratherence framite

१- भीकात्रीनह राजादा

(समाम्ब

(७) १- क्रांकाहा राजा थानिहरू

1- erbrit errenn call

र एक्ट्रांडर टिक्सपेट मामित्र की ब्रह्मित

ब्रुवायमस्यित थीगोर्डश्यक्षयोहे मन्तिर्षी गाइ ग्रोर कमारेबीके मन्दिरकी परिकास अम्बीमं

मीएएमे अभिमित्त है।

यह प्रग्नीत क्लानमें मियन पोकिरदेख्यों है

2 E

१ कृश्में महत्तीयके वीतमीक्ष्मी प्रतिमाके

(इ) १- छात्राके मुध्यमित्राणी

E)E

म्मी (६ प्रयम्ब

事をあるのは effente weren be

1- SEATT

गुक्त हुव्य दिक्तानस

प्रात्त्रस्य पर साम्रोक् i fige# areld :

(१) १- क्रतीर व्यक्तिमें मेर्गाता १- व्यक्त्या स्टब्स् भ्यासाचा

Darige

mitte tras mef

HTE (T)# ETET STREET

ε

2

3.6

288

ž

26.5

1

36.5 5 × \*\*

	וממן ואמנים יייי		१ हिंद हो स्तीयस एवं बरकोण ।	4	१ ११में अपनीया ।	# · ·	1 S S S S S S S S S S S S S S S S S S S		1	् कृष्यं त्रह्मीयने व्यवनिविद्यम् प्रात्माण	वक्तम वर अस्तीमें।	ادروها عدماه ا			यह प्रास्ति वृष्यादनवे निर्मित घोषिरादेवमो	अप्रकृत्ये उमिन्निक्त है।	शस्त्रावनश्चित जीगोरिश्यदेवजोडे मन्द्रित्की बार्ड	धीर बाचाहेशों मनिहरूकी परिश्वामें उरधीमें।	१९३४ संका । वह फिलानन रोहस्सम	गत्रके भीतरी हार गर उरमीम है।	ा स १९७ । बहु प्रशस्ति मेगामुके बहने महिलाम	बत्तीय वर्षों को प्रश्नीन जाकान है।	
	क्ती निष्मक्य प्रवस्ता	2 dtr. 2 tot		•	*	-		-			z						5	iw)		* _	- C		
( Children and and a	No. of the last of	allulada a	(१) स्वातित्यरपूर्वके बहुतम कर गुडे स्रीह है दिवस शिमानीय	(४) ग्यानिकारमुखे विश्वमित्तमे	ment ge unter	(प्र) १- वामेरके वृक्तमान्द्रका	unites	रू मुहर्मायक संमामीहरम	मुल्लाके दश्रमण गर	नहा हुवा निमान्त	१ - वयुमाहा समा क्षेत्रसमाचा	विस्तानेत	(६) १० चयार कांत्रयममे सुर्गास	unbre man unfill	कार्यकार का विमालक	b. unbert unfangt eint	कामसिंह की प्रशासि	(w) !- urgurgi ermi minfingust	क्षिक्षीभाषाच्य जिलामेग	2- wherefog transit	firema	१- राजा मगनार बद्दादुंधी	ager

:	:
	_

१७०६ सं । वर्गनेत्के शोहित वीरमारबासबीकी हेती कोसी सर्वपूरामकी माधा बाई कूपी

रूता केब

\* F

४- कुक्रमाहियत स्रह्मात्रीये

(34.6) 1

मिश्राम् क्षांत्रक्षा

तं १३४१में सुभागर मिधियळ्युद्ध

2

r

THE COLOR OF ST ST ह्या रत्त्रथमोरहे बोहुल रामा

(a) कोबाराज्यानतर्थेत

PERMIT

हाए। कराई भई सरम्मत्रभिषयक्ष । gret gening : stelfte d. s.e. ११७७में बवाड़ी वामदानके विध्यम बीरविश्ववेष द्वारा समातानित । ठाकूर धर्म म

z

z

(१) मरबरदे कण्युत्यात्तव्यक्षी

Market

हम्मीरका प्रिमानेय

११४१में डोड्डान डारा स्त्र्यांचे सम्बद्ध समावन कारा मिनिया ।

2

(t ) fanfack ausgemißeiget

तम्बक्षे समक्ष्य नाडाके मन्द्रिक्त सङ्ख्येकात्र-कोम

(११) अंध्युरराज्यात्रक्ष

rafte

2

- Live

ŝ

į.

जिल्ला निर्मातम् प्रमा

1644

Section 2

(र) क्षीबद्गालकत-हास्कान्धंय जाया-(१) योग्यान्यसम्बद्धान्यात्रा

(अनेवांकांत) को

200

मूर्तिका विकरम

पत्त (मधीनवास्थाप)

farm-aftenetag

215

tutt (?) Iow—Addune 2148 maye (?)

प्रभावताम् भ

REPRESENT OF STREET

330 : 55

411

(७) रंभ (६) वासीका बात्ताको

(६) वामप्र

(प) साज्ञण मीप्रोकाण (६) बरहुट अभियशक

(४) यासीया कोधा

(१७) काशीका वीरजो।

१७४ | डाब्सामेग्र

(१४) मापू संबरावजी

(१३) बामीया बन्ता

(१३) क्योराम

(٤٨) تلد

1 141	बिराय विकरता यापि											The state of the s	ולבינות חוונת אונים אינים אונים אוני		The second secon	* .	संबद्धी १९६१							मुक्ति प्रतिति हिंदि के देवां प्रस्ताता
	पत्रसंख्या		17-14	21-15		3 -36	:		y**		 		इंद		23	34	5	N.		p*	2 20			
	निभिनमय		क बीच		1								× ×		188					2	2		£	
	and a second												म्त देशमसाय मिल्फ	हारा क्याहीत				erferren erteftetftall	क्षारा समित्रीत		धोद्गरिकारायक बो	नुरोहित को ए		बाताबरमधी हर्णाया
The same area.	ביצופוא פונטנונענים פטומים ביי מים מים מים מים מים מים מים מים מים מ	drente.		(60)	(18) 400000	(14) forenimi	(१३) गोनन्दयकाल धीरपंतकात्रीका	[भक्ष-भक्षण्यं समस्	atalgracearents gut umen	wither.	alalara grangelte erag mind	ord emperately	MONTHS ELICITIES	,	REPLEISE SPATING STREET,	Services asserting	County of the State of Contraction	terra carre Carre Constant		बार्गाममा है समाने रका ध्योस	wa't tinn unterm ulfant rim	ब्रामितिमा प्रचय		tee nugee erneiter einen
	hi hi atia	A live		<u> </u>	-				328						783					200	-		E.	300

et Efrere

ž No.

रीक्षित धीमारायण प्रवातिमाना

Ē

1	Conserve Bredientiferere fections maring ful	ملاحلتون آ			
1	दुरुपन्तिस	न्या	सिप्तिमस् पत्रसंक्ष्या	दत्रसंक्रा	हिस्तेय विवासम्म प्रापेष
2	mgerrat mrafing mumut fun		र सीय र		
	(vit)		2		
2					fight of advanced of
2	जागवित्रह (पंषरंप) नाहक	हुतुमान्त्रमां बीय निवासी १६६।	15.1		महिला प्रति क्षांत्रम् ठिवार स्टाम प्रत नुवक
_	प्रथमि	हित्बरब्रीत्व बोह्नम १६६१	1861		
=		, बात्तुकीर चीहरि धारती	- C		The state of the s
~	निताहे युनिहानिक				•
-	१ १ , अपनुर रिकाततके युग्यन्तग्य दिकाने	Ser aberrer urre.	न मीम		परितार रियोद देन वसने निर्माणना सी सर्वकी
	हारांत क्यांतात क्या विज्ञातिक समीको हिलोहेंक उत्तरका हिल्ली उत्तरांत				
-	अताराजा शकाई खयशियुक्ते र कपद्रालाम्	व केसारमाचन्नमी राज विष्टा			मूक्ति । मागरोबकारियी पत्रिका भाग १ संदेशे बद्धाः।
*					
-	कोर्टीयां बचन स हवाला				
•	भाषानका धन्न		.pr		
*	ungmettuters unte an		<u>_</u>		
-	t ! (1) ferth ar ere genferad		_		

	िष्टंप विषयं विषयं प्राप्त । भोगुंके ठापुर वर्गाप्तांदिद्यांचेका द्वितातिक	10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	fl.ss	erel  pri  pri  pri  pri  pri  pri  pri  pr
		f eft		
				मिकास हागीठ प्राप्ति
		Ę		क्षेत्र हरिकारत्त्रकाही
ग्रेरमाराय <b>नकी</b> इ.स्टोड कावि		Ť		रच शासीक
	-			प्रशासम्बद्धाः हात्। १००
l II.				4
ll II.	चोमूके ठाक्कर मनोहर्राट्यूकीका प्रतिहर्गक मुखा	+ 4		गुमानकपर्त (रारा वि
15 : : += 77 TE		<b>*</b>	र व्यक्त	
	विष्ठेर विनयस पारि	<b>Ibb</b> pah	िल्लियम्	serif
	]			- P

रामस्याम प्राच्यक्तियात्रशिष्टात्र---विद्यायुक्त-प्रन्य-संबद्ध-पूची ]

Trentle:

er gRuger

(१) भेष्टं व्यीग व्यीर क्लक्षी व्यक्ति

283 2 (क) मामर दाम

**HILDRED** 

2 ఫ్ల

म. म - मुद्दीक्षित भीतारायन पंतातिवाबाता। ं -पेन्त्रोड्डान्स्य मध्यान्ड्रा मेंचासी। रज्ञा – किंप्ड्रा TANK ! E 41 - ! 2-98 !

:

राषपुरामेगी रिवास्त्रोंका स्पीरा

	Comment of the second s	, (June 1)			188 ]
	Bilenes - Leighbrian Billian	JE .	मिरियमम् पत्रसंक्या	दभविक्या	पिसीय विशासमा साथि
-	mantan anting pengel fex		न की.घ	-	į
2	(a)d)				
2	first ay a refered uffer a		2		
:	मिर्गात वृत् हारिय क्ष				
3,5	मानिक्षय (बंबर्गन) माद्य	हनुमान्द्रमत्त्री वीम निवाली १६६३	***		मुद्रित प्रति प्रकृत्यत् स्ट्रिम प्रति प्रति
_		हरित्यस्यमित्रं प्रीहरण	1881		SECTION AS I
:	1.1 minutanifen	فستعواه طهارد هادعا	***		א ממלג נאופיו שנו שילו
-	ानशे ज्यू एव हरीमताके वृतिहारीएव				
	Elita Elita				
-	। बच्छर रिवालगढे क्रुक-स्टून्ट रिकामे	मि जेस्डम सार	12 12 14		कृतिता रिपोट देन कालें मि किस सी
	erift unfeit ern fechnife.	111 34			यह है।
	enited fredite perces fgoth-				
	ujete				,
~~	andes agreen unf unfege o berengund ein-	y benenyabel era-			मृतितः भागतीयकारिकी प्रिका भाष भ
	कर धीर बेबगामाएँ	nform			a satedan
₩ ₩	*				ε
-	भोटीक्षोंसा क्ष्मड व ह्यापा				
P -	मरमानका बड			*	
-	uguntinters unry an			يه	
~	(1) ferth ag gre freifered		_		
-	diegifen graces	_		_	

1	हरमस्या	ja.s.	मिषिसमम	प्रभविषया	विश्वेष विकास पारि
5	(१) राजाः कारकार्मेणी विधानकी			ļ ,	
	(१) मीनिक्रियम क्षिमी थीव क्य-	करिय में सी सक	2 mg m	- X-T-104	A ca in w - History and add()
	मून स्टेंड			1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	The state of the s
	(x)		_		
	(१) बचेनी केंदर १० चक्राराचा	_		, A.	
	वो समाई रिक्सोरियामी			; :	
	(६) धर्में में नेदर १७ की सत्ता				
	रामगितुकी		E	2	
	(७) परिनी केंदर ११ भी छनाहै		_		_
	रामधिवृत्ती (स्थम)		:	z	
	(म) मगमी मेदर १४ की छका	_			
	मानोधिष्ठ		t .	2	-
	(६) प्रमेशी केटर २६ जी तथाहै				
	रामिष्य (मिलीक)			16	
	(१ ) शिक्षान बन्धुर (इतिहास)				
	(११) व मध्यरमा प्रोप्त केलाही			2	
	(इपिमान)		_		
	(११) क्षनाहा बंधका धर्मतवान			100	Un erfentit werd to
	(11)		_		मलबी पारिके लेख । (स )
	ferr		£	>=	इतिमाधने हिम्सा
	(१४) दीवाण रामधंदत्रीको हाल				

	राजस्यात्र झरकारे स्टाप्तं न्यात्र — (स्टाप्तं स्वन्यात्र न्यं वर्ष नृष्ये ]	إملاحكمها ]			14x
E	6,483,8	नवा	मिधियम्	क्षस्यंक्या	क्षिय विकरत प्राप्ति
3 5	(1 4) (12) मेराचरा हाम		क्ष्मीयः १ वेज	- 4. - 4.	मुकानी बाजुदेवत्तश्यको मुक्त बबील लंबाणः।
=	गुरका— (१) शोग्स्वेनसुरोग्लोक	ब्युवर्डी सकार्य	1111	# <del> </del> - 3	क्षि क -तैवाराम कालोराम कोछो। कि स्वा - की को। समीयर ।
	(4) Mateman (fernen)			36-18	
	(१) रिष्य गायत्री (कपुष्टिम्हिः गायत्री)		E	11-11	
	(v) हित्त्वाज्ञवात्रात्रोत		ı	21-11	
	(१) हरमोगचरानितोष (वचेत-		z	<u>,                                     </u>	
	(६) मध्योत्रीतृष्टमण्डल	मृतिह्युराजे बहाबावश्री		3-2	
		वंशास्यत			
	(०) वंबमंत्रीहर्मकरवंब	नुरर्यमसीक्षिक्त	t	<u>آ</u>	
	(a) aftern (athena)	हरिक्टबाह्यभारत (पार्क-		#1-11	
		ावेयगुरम्बन्तः)			
	(६) वागुजारबरुक्नोरबातीज	<u>क्षेत्र</u> व्यक्तिक स्थाप	£	11-2	
	(१) जिल्लुमहरत्रमामानीत	महाभारते धामित्रप्रमा	_	11-11	t
	(११) भगवद्गमाना	व्यावशोक्त		2×1-2×	
	(११) वर्गाराचारुकातीम	मिस्योत्तर बुराब्यत	=	111-111	
	(११) विष्यक्षित्रमधीत्र	कुरगदम्साचार्व		121-121	3

राजस्याम् इ	राजरक्षात्र प्राष्ट्राविष्टात्रिष्टात्र — विद्यानुस्यक्षेत्रक्ष नंत्रत्व सुब्धि	राह्म सूची			184 ]	<b>-</b> 1
\$ Lines	प्रम्मंभास	and a	क्षितिसम्	पण्डसेक्सा	निसेय विगरस प्रापि	١ '
(34)	(३१) (१४) ग्येष्टमोक्रमधी	धीनकथोक्त	(m)	112-311	१६४-२११ मि छ -विवासम कात्रीसम बोडी निक्तमीतर	ļ
	(१६) जीकाताबराव	महासारत-धारीसक्षंपत		466-333		
	(14) chemoranera	शम्भारधीयोग्त		PEN-PE		
	(१७) जीनोक्तनोतूषरायक्षक	<b>ब्रा</b> टिका सम्बंदा ह	_	2X6-2X2		
	(१८) विषम् (भिषः) महिन्मन्त्रोत्र	(fumpshee ?)	ı	4K-266		
	(१६) इन्हामीस्तोत	entegene transm	9,813	40-50		
	(१) ज्यातामानिजीयात्रात्रेत			394-596		
	(११) सुबंक्षण	upplantig trans	Ē	300-300		
=	450					
	(१) स्यूनाष्यंबरत्तम् (श्रक्त			1-1	ति क - इपित्यूम्प नीतका बाखा ।	
	(4) practitioned (			ĭ		
	(१) रामकाश्वास्ताम	uney medipama		2-3		
	(४) गीपाकतकृत्रमाभरतोत्र	सम्मीगुम्सं बगत		- K		
	_	रामाग्रह	£	5-	1	
115	<u> स्टाम्पोपाभ सङ्ख्लामात्रोत्र</u>	सम्मोक्षास्त्र	***	20	,	
=	_	Carrier of the Carrie	geeff G	2		
*	- पद्मास्तीस्तीत		1616	٠,	मि क -जोवट वाजीच गिरिकारी बाजमरपर	
	4				(स्तीवर)	

2 2

772

311	נותם נפונט מונע			The state of the s	मुभितित । मि ६८-विद्यामा हारमाराम् ।		ास क न्ह्यारमध्य ।		-						क्षि कयासीरात्र प्रोहित काणी।				क्तिक मोतीरामा	2	2	
	दश्रस्था	<b>k−</b> 1	<u> </u>	pe.		> _	<b>-</b> _	par		1				o-	er_		-		*	. بو	_بد_	<u>.</u>
	निरित्रपद	, क्षांच		:	lex!	_				श्रम्	\$			1.	116		स्रव्युक्त			:		2
,	E		दाद्रवास्त्रीम्	Athibite	<u>बहुत्वसीतुराहतत</u>	न्तरायधारोग्ड	<b>क्षांत्रकेत्रा</b> क्ष			क्रमगीतरशंकात	*	क्तिमामित्रमधितायो हेर	<b>ब्यामधोक्त</b>	सम्बद्धि दिनिक्ष्म	ग्निकरहाय-वास्ते ह	न्दित्यामत	,			पीक्षमाभाषां		
The state of the s	है। इ.स. नहार	(e) energraph	(١) معداه المداده ما	era cumula	pringipliately a	christman.	والمحتملة (قاله) معمد	tremaly	गोमोश्वर्षात्रमानीयम्	(1) mittamgearnin	(4) मरनीहरदस्तीम	मावनीक्ष्त्रकानीय		मृत्युक्तांगुतःमंत्र	सर्बत्या देश मिन रही व		चीत्रतीत्रमेत्रम् (प्रशः स्मरामित्तीत्रादि	क्षेत्रकारिकाः)	all & Letter of the	यभगव्यस्तानीत	الادساليسا	2
	ž.	=	;	-	2	=	4			75		2		200			=	•	116	=	ž	ž

र ध्वास्त्रास्त्र	[	(क्री-वैद्य			ոէ
<b>1</b>	क्षण्यम्भाग	- Full	भिषियम्	पमधिक्या	विधेष पिषरत्य साथि
111	पृत्रदेवकृता स्यूति	भागमत्त्रीतीयस्थात	१ रहती ग्र		
114		नीयर समायार्थ		-	
***	मूकरानायनम् (प्रचम्सर्ष)	बाक्रजी(क	*RQY	P	मिन्द्र-राषकुषार समक्र।
114	1		2	44	
2.2	ह्मयीकाबी छ एक छन्। सस्सी	क्ष्मित कर्ष राज्यक	2.2 m	~	
u =	granderfebr (find)		101		
~	MICHAEL MARIE	近年 東京 日本	1 E of L. EL.	•	
*	बम्बुकोवनिकस्त्तोप्रभृ			~	
At	Reservang	all with a year of	. 1	~	
24	मृत्या स्पारतीय	मुसिन्धिपुरत्जयस			
7	- fata transfire	रामागियस सम्बद्धी	: 1		
2	कारिकार्थनीश्वेतमोह्रतक्ष	WATPORKEY.	:	_	ये होति पन क्षत्र छन् निर्माय स्तित्रि है।(स)
NA.	क्षत्रमाण्ये गीतर		z		
,	मीरामस्त्रीयम्	_	1	_	वद्धानित्रम् के व्यक्ति सम्बन्धं सम्बन्धं निर्मात
2	मिम्मिक्षात्रोप	विकासकार्य (क्रिक्सिक्स)		_	R. W. wulle windratt
×	Confident of	-	ted.		
17.6	<b>ह्युम्स्स्ता</b> तेत्र			- ×	क्षिण शामित्र धोतिम निकामात्राच्ये ।
=	" " मासिकिल			_	
HKC	में के स्टामा	graductani	. 1	. >-	
11.3	महामृत्यु क्रम तम्ही अ		: 1	_	
17.7		म् पामुनावामं क्षे. समाप्त		. 2	

(३) काकामग्रमाध्योद्वाधानम्

ž

(1) menantempa

नारायणपुरश्वास्त्राहि

H (Tendere

- 22 113

ENCRIM

,

ates | manetern make

श्रद्धाय

क्षोरयज्ञामा<u>त</u>्त्रकृषि

धनिवानुसस्तोत्र (धीरवस्त्रजनोत्र)

(४) सरमोगीयम्बरणस

mes before

1 Ξ

(१) क्लिंग्ड्यक्ष्मित्रं

ESTRING CITEDIA

(Contra) and

Ξ 3

क्षीरामकान्यक्षीरज्ञकान्यात

÷

distrained

t

पाराहरूराने तीनध्योगत

यो रेन्द्रहेडाला मी रवण

::

STATE OF STREET

Trester?

311.4

1日本に 10日日

3

2

Terrall			:
en!	निमित्रमय	<u>क्षस्य</u>	विस्तेष निवादता मादि
	2 tel 8		
धीमियास वैदाग्याचार्य	:	۔ ۔	
र स्मानुबाद्या भाषा	2	- F	
	1617	>	Christophic and ager
	1411	pr_	E 22 92
antiggitients:			
	र स्थी म	2	
	1611		
	16 et l' m	<b>)</b> -	:
गाञ्चराज्ञास्ये महोद्यति	1	=	
पान ब्यागाना प्राप्तापात व्यागमान			
तृवर्धभक्रीयामस	t	ľ	
	ŧ		

शिवाराम्बन्धि राज्ञ

T May Ha HI Speech

> ž ž 2

Handania

ž

TOTAL

केंदी से स्तोत्र (प्रथमन पश्चाप्यायान्त)। गाज्य क्तिमाणमं (वेदास्ताणमं)स्कृति

विकासिकार अपित

3 ž ž

१) मीनियासक्रम मुनक्डाक्टमामस्त्रोत () meranaka

of Real

fit to - sentingage

REELM

महामारते गिराष्ट्रमंक्त

T.

सौम्यवानातृम्पि मध्यमुक्तानस्य

मिनिहिमा (रामपुजरप्रहति <sup>उद्</sup>धानित्रोक्ष्यात्त्रीकृष्

प्रमात्मिक्सिसार्धाक्रम

श्रीमत्त्र न्ययीव बान्नम्

¥ ï ៥

ĭ

					4
Libra	Biskell	क्या	गिषिणमय	राज्यस्य	विद्युप्त विश्वरत्त्वे द्यार
1	trons (sector) Sentette	414(1)	tellm	_ >	
Ξ		बहुम्महिताया सपदित	1013	-	
		अम्मिलवहाम			Commence of the control of the contr
3	(4) martentifik	giremete gian	1111		श्रीमहाचाचा प्रामे ।
;	(1) ideals eggin eggeneleid	Total	te ell tr	7	कुरदर मिरित्व पूर्व झोमन पत्र
	(a) areginal (manage) tale			11-11	
ž	बारिस्टरियासीय	भवित्योत्तरपुरावगढ	£	65	
<u></u>	1		रस्याच	2	
ž	E	Minteralitients.	र्ट्सी य.		] कि. इयोतास्वर दाराणतो मध्ये।
2	सीहरणमहरी	,	११ वी व	_67_	4
2	grandinita	वय्त्रेराचे हन्द्रवोगत	1690	œ	लि. ब क्ष्मत पुत्रारी विशेषी पान ।
2	नुरकोत्तवमहत्त्वताव	वंग्यामध्येक	1633	=	गोपीताच ब्यास
163	राजारत्रमुकातिविकात	क्षीं क्रियंश्याको (प्रीरवामी	ted m	9	_
		(हम्महरिक्ट)		_	
12.	3.711.6	anenife	E	>-	
2	(1) arferugearing	रामायने वजुरान्ते थम		X-	
		रस्याधिकर			
	(३) किम्प्रेयर्दश्क	nytimi	2	IF >	
	(1) मरस्यातम् योमध्योत्रीतहुरतोत्र	,	2	¥-,	
	(v) xfextpayerila			Ī	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1

रावस्त्रामः	राबस्यल प्राप्तरिष्टप्रतिष्यम्—विद्यापूर्ण-सम्बन्धन्त्रापुन्तुत्री	व्यन्तिक्षाः]			H1 ]
SIE.	प्रम्थाम	क्रम	िभिषिसमय	पगरमंख्या	निषोप निमरक्य पाहि
(36%)	(१) क्लेडाचक	त्रमें वापूर्य प्रस्ता	रहती हर	ŧ	ugén
	(९) प्रतिस्थाप्तम्	<b>医型</b> (1) 电影			
151	गृस्तियान	मेहिसीनेदान्त्रक्ष		<b>&gt;</b>	_
2	(१) सम्तरीमेन्द्रोस्टरसंहरमञ्जा	ershipmeinung.		7	
		Egitiza Iner			
	(२) वीवास्त्रोष		ż	Nati	
	(३) यमस्त्रीक	programs		Į,	
	(Y) वीटाएक्षिकात्रमामि		£	ĭ	
	(१) कृषशस्त्रीम	कोठक सम्बन्ध	2	-	
	(१) गर्मा द्वारीमामान	, (1)		1	
	(०) व्यवस्त्रपृष्टि		*	ĩ	
	* 4 (*)	(tongsther	2	11-11	मार्केक्षेत्रपुरास्यतः शीरमन्यरममानिकाः।
		en paralmen	Ŀ	1	
	(1) In the Williams of Children of Childre	and the same	R		
	(۱۱) ۵	faruiten	£	27-13	
•	(1) determine		2	1	
				54	
» »	मां क्षेत्रकर विक्रियात्री कृषिका प्रकार	धावासले कामिकोत्रा-	Lwille,		
,	Memory	भरवेभगत			

ã ž

<u>۔</u> ب

=

F = rantytyi taietonii

अधिक्योस एषुरम्धुगत

[1] Pelitrika

= \* 1. ž

राज्यानात्रीय

Trail market

tistestal :	राजस्यात्र प्राथ्यविद्याप्रशिकात्र—विद्यापुष्य-सम्बन्धार्यः [	वहनीता ]			a ]
1	ніньев	क्रवर्	क्रिपिसमय	पशसीक्षा	विषेत्र मिनरक्ष भावि
112	हुनुस्म्यक्षमासस्योभ	वास्मीविधासमान	1651	بد	णि. क.—क्योड़ीराम माकपुरामध्ये।
* * *	मीराम्युका स्वयोगृस्युक्तामस्तेत	राम्त्रास्त धमस्त्रयतंद्वितामस मृतिहरूराचे सार्थस्वेध्योक्त	REMER .	~ ¥	R. w stone emygetein 2
ž 5		ε	talle partie	<b>2</b> n	चतुर्भं व रामानुवरास ।
ě	(१) महापुरवस्तोत्र (१) महापुरवस्तोत्र	बहामें वस्तुराजकत (क्षांतका			
43.6	ममील विम्बुसहस्राम्	म्पान <b>व्य</b> ाषेते) महाभारतमार	र स्वर्	# o'	दण २ से १ है तक सप्तादत। अधिम दक्ष
i ka	सम्बद्धारतं बहुत्तोत्र सन्दाच्य	मू बन्द्रकाय वेदाल्या- बार्व से स्टबार	श्रम् स	<u>0.</u>	बहुकबबबको फलस्ट्रीय अनुबं लिबिट है (सं)
Ata Ata	जुरुधेनादकस्तोत्र भीरामान्द्रतारकस्तोत्र		1	۴.	
164	पीपाससूक्षमामन्त्रोम समाध्य (१) सन्दामयोजनम्भिणः	क्रिक्त् मिनाक्ष्यम्बद्धारीय		. z.	Feftergrå :
	(a) (a) (b)		2	· ;	
200	Tattana (	<b>राष्ट्रोडिसमि</b>	:	~ •	गर्जुनं ।

			l		
14.	فيطعرو	क्या	मिषियवय	मिषियम् वर्षमेन्या	दियंच स्विराष्ट्र पारि
1		monalitativa	स्थी व		اعتيان
÷		The state of the s	1		,
7	का किर्यक्ष दश्मी अ	अर्थन्यद्वात्त्र पुराचन म			
Ž	enteregrannte (egres)		११मा घ	~	
113	धनाकार्यमान! व	emponificalmi	z	2	
=	नन्त्रमार्थको क्षोत्रह			>-	
	11) pungestantella	मुक्त्यंत्रसहितायत		I	
	(a) expended	इक्कारक्यराचे योराव्योक्स		-	
	Manual of the Control	familiari		27-64	
	(١) متحامداند (١٠)				The state of the s
	(م) استعداداً ومن فقط المنظورة فقط				Property of the second of the
ž	فأعدره		£	_	
Ξ	Rightson		_	>-	2
7	4) nrcrammy			>=	
7	PUDER	हरितुरवाह्य प्रोक्त	z		t
1	यो गमस्योत्तरतात्रमामस्योत			•	-
ξ	(१) नुस्त्रेकायक			E	
	(2) arferagrannia	राजायसम्बद्ध	:	E,	z
ž	efemore		_	P T T T T T	
7.1	(१) गिरम्यामभीपुत्रः	ग्रह्म राज्यां	:	1	
	(३) क्ष्यंशायसमामाना			Ä,	
ξ	<b>ब</b> न्धोरमक		2	-	ada -
ξ	mgrameferata		,	-	
		_			

H

टावविचान्त्रक-राम्ब्र निव्य-विद्य	संपन्न नुष्ये }				1
यम्बन्धाः	فيدا	मिन्नियसम	वज्ञान्य		e .
rot ogsverife		१६वी थ.		महैस	
		£	~		
	paragerales.	2	er		
		R	~		
		_	-		
मस्तोत्र		2	6 pr		
			p.		
Acetra		_	## ##	H H	
Deathy	<b>बा</b> र्य प्रस्थात		1		
£		_	×	-	
hillentin			23	=	
(enterprise)					

£££££££

म्बद्धमाम सरो भामबहुत्रमाम

\* \* \* \* \* \* \* \*

M I M	Mina distin	au au	िसिमियदय	गुत्रविद्या	विद्येत विषरत्त्र दारि
1	(e) whatefairs		1 E TLO	11-1	
٠.			12.	_	
;	अन्तरमञ्ज्ञ सामग्रहीनकीच		teal.m	_	
: 5			2	~	
: :			2016	_	
	Httl/strang		१ थीरा	*	
: 3	वर्गावक्षुत्रमध्		(64)	_	
=	mindenter#		z	~	
3	ومعدد وداهم	Q 1-4 ref at long		-	
=	ग्राहित्यमात्र अयोग		14.04	×	
76	भरूरामध्योपुत्रम		१६वी द	-	
	heramanola			+	स्पूर्णाक्षी क्षी क्षी पुराष्ट्रक प्रदास  कोके के (ग्रीक)
?	તી જિલ્લો અમિલ્લ			~	dan
ž	tores	_		2	
ž	REWALT			۶.	
>	Yay ; sire-etai			B	
10,	मक्त्रमंत्रका थिति		ż	=	and and
ž	भृतम्बद्धपादिशाचयतिष्टा (हम्पारम्बद्धानाम्ड)		z		

रामस्त्राम् प्राच्यविकाप्रतिष्ठाम

H

	-	
		1

	:	ď	
	2	•	
	•		
٠	-	-	

रान्ता कमपुर

200

12 m これ はない

जिल्लाम क्रिक्रिय

म्द्रीयासम्बद्धि

ध्वभागषपुत्र

44

मधुर्ण । मि क -युरोद्धित इरिकारत्यवदी

राज्यस्थानी सामानी

र मो.स texy

मामान्य रचनात्रम् स्वत्मनोयाच्याय

7

ير

रस्य कर्त्यं धर्

प्राप्तमार्थितस्याच्या aufniger ugrupe यम्बर्धावर्ष्यस्थान

PARTER PARTY ग्रम राज्ञ स्वत्यक्षी बड़ी Attended Pasty

2 2 2 2

ITE PROPRIE

E . 400 Ė

क्यूर्ण मि क -रोष्ट्रसम् बाह्यकः

7

terta tere ted to

मि ब-् क्षिमारायास्त्री खेलक्षाक

Left.m

१८मो प्र

त्तिवरिक्तामन्ति (मिक्सर्गवर्गा

वर्षात्रकारमध्ये

traffere:

Panalya

er H 7,5 tr >tr 100

बन्धरद्धाः

N. S.

द्धाद्धाच्यायके स्पूर्धपत

क्षां क्षां क्षां स्त्री

3 ž 26.8X

	-	. antologuelle ste [uniqued Uti	य मेटह-मूची			
मुक्ताला पुरस्त		- Lieutinaliania	Tel	तिरियम	विश्वमृक्ता	विस्ता दिवरण प्राप्ति
मुक्ताको मुद्राव माम्प्रका के का किया मूक्ताका विकास की माम्प्रका का क	1			Digina		राग्रहवामी मावामे
arregrent est states  terrent  terrent	2			16.01		
traverk  intractionality solvers  charles solvers  intraction solvers  recording to the solvers	2			£		
मूर्यरासामीविद्यार्थन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापनास्थि अर्थापन साम्प्रक स्थापन स्थापनास्थि अर्थापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन	7			£	~ .	-
प्रक्रमम् विकास के स्वीपतंत्र सराप्तव व्यक्तमार्थक स्वीपतंत्र स्वीपतंत्र स्वीपतंत्र स्वीपतंत्र स्वीपतंत्र स्वीपतंत्र स्वीपतं स्वीपतंत्र स्वीपतं स्वीपतं स्वीपतं स्वीपतं स्वीपतं स्वीपतं स्वीपतं स्वापतंत्रमातं स्वीपतंत्रमातंत्रमातं स्वीपतंत्रमातं स्वीपतंत्रमातं स्वीपतंत्रमातं स्वीपतंत्रमातं स्वीपतंत्रमातं स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रमातंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम्यापतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम्यसंत्यम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम् स्वीपतंत्रम्यसंत्रम् स्वीपतंत्रम्यसंत्यम्यसंत्यम्यसंत्रम् स्वीपतंत्रम्यसंत्रम् स	ž	-				777
arrent/amplies sefects  clitative sefects  cut formula sefects  granites  services  s	94	_			~	
होतायोश्ये प्रयोक्ता क्षांत्र कष्ट क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र कष्ट क्षांत्र क्षांत्र कष्ट क्षांत्र कष्ट क्षांत्र कष्ट क्षांत्र कष्ट क्षांत्र कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट		क्षत्रकार्षक्षत्रात्रविदे प्रश्नेयवत्र	Hitte		_	
ह कारपीत प्रयोग्दर प्रकार प्रकार है कि कारपीत है कारपीत		charles select			~	
		modification of party				
स्परमात हेटक (फबीय ७ सरमात हेटक (फबीय ० मुद्रमाल (फानकार १६वीय – मारिकोट प्रस्पत के क्षणात (समकारम १६ सोताको १६ १६ धादिकोत १६	· )		वञ्चतीस्य	१ वसी य		্ মণুৰ
स्तापत्त्रीत (ब्लो दि क् सूर्यात्री क्राप्ते (स्ताप्ति क् स्ताप्ति क्राप्ते क्राप्ति क् स्ताप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क् संस्तिति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्राप्ति क्			, A	१७वी स	•	ε
प्रकार कर		UIP ALLE		र दबी स		2
हिंदी या		F. C. F. C.				
स्थानी ह को भेर क गारिकों के , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	9 M	異成りまける場		2	,	:
नारिकोह ,, स्टीनिकोह हुएस के स्टब्स (बारवास्त्र स्टिक्स स्टिक्स स्टब्स) , प्रवस्ता (बारवास्त्र स्टब्स) , प्रवस्ता स्टब्स , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	M M	everyle nebien		१ देवते प	1	
स्वीतिक शुरुष व वेस्पाल (मायस्वासम् स्वेस्ताल (भावस्वासम् भारपतील	*	mirel			œ	
सोरोतीय वेष्ट्यात (अपवस्तवन प्रप्रातीत भीरोपीत भ	gui.	فترازعه دودوء				
प्यंप्तीत में में मूर्गीत		_	वेरच्यात (भाजधत	THE	**	
٠٠٠٠ المراجعة المراج	;		1,94.0	(auc		
भारतीय	×		*		*	
Total s	-				22	
	2		2		*	
	2			_	**	

निट्टान — दियायुवक-कृष्ट-संग्रह-नुषी	िक्षी			
Hikba	-41	िनिषसमय	पत्रस्थिया	विक्रोप विकास्य माहि
			-	
Ē	क्षिणम् राज्यास	real w	_	

राजस्थान प्राच्नार

int-in	104		<u>धिवयुराणियत</u>	Renadatabeth	अधिष्योत्तरकृताभयत			
बचामित्यम— बियापुषक-कृष-सम्बन्धा	Hibbs		.Tanwer	स्कत्माहरू	मुक्तरही यत्त्रक का	erraenteurik ingana	Percental Party Pa	ग्यद्राक्षी बच्चा (यम्मीयसमीषकार)

Ξ.	-	-	

प्रदोषक्रतस्थाका प्रकोचन

70 76 76

The s Ė

ř.

N N N N

252

N N N

1 melt se 1 melt se

त क ~पुरोधित हरिमाशमननी भवपुर।

TERE

	E.	1	•	A	×	>	_	>	~	
1	भसमय	- 1	Þ					,	ъ	

TING BE	राकाश्वास प्राच्यर्थियात्रस्थाम् — विद्यास्यम-सम्बन्धियुन्तुषी	زمة-تلمل ]			144
P.	₹7चन्।	int.	भिष्मिय प्रभक्ष्या	त्रश्रमस्या	बिरोप विषरा  मापि
1	212 mmanipmanipma		हिस्सु य	~	
**	HAME.	मिरक्रमाण[बर्गाणत सिद्धा	1	-	and fire
		طهومنان		_	
2.20	रम्तंदीयोत्रं नदीनराजांत्रां	_			
ž	empate (attretantanteram)		2	T.	मि क -कोराम
ž	(१) क्ष्यंबर्ष्याग्रेयस्थ		t tell th	±	स्ताबर्ध

योरवानि पीतिपाणन्त भट्टका कुमप्रदोपण्युष प्रकासन

(१) माराबसम्माक्त्रको

-1

194

tapping me and elen

र्रातस्त्रोहे हिन्दी क

स्तरम्बर्धाः मारकाग्नी तमामा प्रकानविधि विष्कृत्रवास्त्र

EEEEEE

सम्बद्धीयम्ब रम्बद्धीर

چ

EĒE

}

angai regam

बर्जाति इत्सीर

स्वात्त्रक्ष्यस्थ्यस्थ्यस्थ्यस्थ्यस्थ्यस्थ्यस्थ्यस	भामस्ट-वासन्त्रेपालायावावावावावावावावावावावावावावावावावाव	
dec पूर्व एवं पूर्व प्रांति ) ,	मेरव कुर्या एवं कूर्यकी धारती	L. Control
सामाज्यात (क्षि) , ,		
क्ष्मिकासकार   क्ष्मिकासकार   क्ष्मिकासकार का दूध व्यक्त   क्ष्मिकासकार का दूध व्यक्त   क्ष्मिकासकार का दूध व्यक्त   क्ष्मिकासकार का दूध   क्ष्मिकासकार का दूध   क्ष्मिकासकार का दूध   क्षमिकासकार का का दूध	Grafower (1874)	t 1
'fertennes grand's grand and the second color of the second color	ang and many factors	Transfer on the town
सम्बर्गत प्रमुद्ध अर्थारमात्रम् । १६११ न्यूर्य अर्थारमात्रम् । १६११ त्यूर्य अर्थारमात्रम् । १६११ मध्ये व्ययुष्ट् माने व्ययुष्ट् माने व्ययुष्ट् माने हिम्मीक परमार सम्बर्गय आर्थ्य माने । १६११ मध्ये व्ययुष्ट् माने हिम्मीक परमार सम्बर्गय आर्थ्य माने । १६११ मध्ये व्ययुष्ट् माने । १६११ मध्ये व्ययुष्ट् माने । १६११ मध्ये व्ययुष्ट्यमे । १६९६ मध्ये व्ययुष्ट्यमे । १६९६ मध्ये व्ययुष्ट्यमे ।	हिन्दीमायाच्यु प्रकारीक रक्ष्रस्था	
भ्योतिक बरुपूर्व कर्नारवात्तकार्थी विकासो प्राप्तकारण कर्नाया है । १११ गाने बरुपूर पाने वर्णस्कारण कर्माया है । १११ गाने बरुपूर पाने वर्णपूर्वात है । १९९१ गाने (हिन्दी ) वर्णपुर्वात कर्माया	HARMIN	4990 111111
क्रियोची महस्याहोत्रा ब्योरा करणेत्यारम अस्यराप आर है क्रियोच को स्पेष क्रियोची राग्त स्थाप (हिन्दी : । के दर्शर समायार । के दर्शर समायार	म्ब्रोरिस्ट बयपुरक्षे बासीरवारामधी	1 10
वस्तेष्णकरण करलराय आर है होनेष्ण को स्तीय फिलोंके वरसार करल । कि उत्तवर सावाय	_	·
होतेल्ड को स्पेष मिलीके करवार सासर प्रमुख्याल क	-	1000 and anne and are
्रे । प्रदेश कालर	होमोल को स्पीप	the rate of the Chart of the chart of
d mediaction a		CHARLE OF THE STREET
•		् म दर्भर तमाबार का अध्यार ।
of Parity	•	

	दिसेय दिवस्य पारि	
	व्यमस्या	
	मिरियमधा	
Tel ]	ie:	
रामानात्र क्राप्तरिक्टाविस्टाव—हितानुषयनकाननिष्टिन्त	h. Faid	
aista (sentifica	اً ا	1
eta eta	T.	

منت رمستر محسد — زخت بنظر کید بناره کارد	[ak-slaj]			141]
B. Fall	नव	मिष्मित्रमध	मिष्मित्रम वस्तरदा	दिसेय क्लिए मारि
(i) [uzime[ tet (fent)	रांचानवाचान	1222	11	के पूर्वाई। किय-नोपीत्राव ध्यास व्यक्तार। कुर-कुक्न किय-राज्युवार स्थास।
मार स्थत व जिल्लाचे पुरोल र	धन्युरीतस्वरूपाचाचे	tealla "	# # # # # # # # # # # # # # # # # # #	स्वराज्ञ पुरिमञ्जूरामा । स्कूरण
स्यात्त्वाह भवाद्यमुब्बगार बिद्धाम्योक्त साव्वीयपोदीका ब्रिक्यमाथाव्य	सामग्रहसराचती आरक्षर द्याग्यहाथी	१८२९ १८नी ग	, <del>.</del> .	केवल क्रुरमात्रकरण। नि.स. –दिर्गरवरमी मिथ बर्जुर्ज
तारे प्रवेत्तरीरा नातर प्रथमाधीर	· 	•	7 t-3	शुक्रपण शृक्षणाम् सन्नायत् । मृस्टित
गारम्बन्धिक प्रदीवन्त्र गरेनुमनरदूषकीद्वार बरियालेनुमनर डीका			22	74 Tr
भवतारिमुतासर		\$	2 2	*

जीमात्र द्यंत यममतः पृकारतसमे

eleghther aferene

1

Harrette	त्रजस्याम् प्राप्तांक्षियाम्तियाम्—विद्यानूक्ष्य-क्षेत्रकृत्युक्षी	वह-कृषी ]			[ يم
E	यम्बर्धास	wei]	जिपिसम्ब	រាធមិនមា	नियोग निगरत पारि
12	भावता-स्थानस्थयमध्यमध्यान्यात		t tella	_	Party.
£ }	प्रवाध   मेरक कुर्वा एवं मूर्वकी धारली भूष			an b	
	tigetementerm				 प्रस्तरण्यस्त पत्र एवं स्पूर्णः
1	क्षिमीयावाच्छ दुरतकों क्षेत्रक		2 4		
	क्यारिस अवकर्ष कातीरकारामकी	Manage 6	16/4		Calculation (Colds)
*	किल्लीकी नासस्याहीका व्योत्त		2 1 ×	2	
<b>*</b>	क्षकंटकनरम कामसराय धार है				१९९१ सम्मी क्यापर कामे उन्न समय में
	होमेंग्ड को स्वीच				
ž	सिम्लीके बरवारे आसका किम			_	मिति । वेसटोबर तमाबार का प्रकार
o~ ₩ ₩	क्यपुरराज्य क्ष्मितस्य सम्बोरदारी हे क्षिकेत	भीरतिष्ठ तीवर (हासिम मनित्रस विश्वास सम्बद्ध			ufire
		धान्यार)			
2.5	प्रदोस्टरणनी काममन्त्रंय राजानत्त्रे पत्र की			~	
)e Si	भाषवेश विवाह समझ गील				Tribula dian important della
¥ ;	इतिहाससम्बद्धी सामग्री			~	(१९०१%) क विवाहीत्त्रम पर पाए हुए (स.) १९६४ पश्रीमुने द्वित्तिस्था।
	(१) क्षिडान्त्रविषय	रामांभावार्षाम्	1270	= 12+22	पूर्वार्वः मि.क-दीशीनाच स्थात क्षयनगर ।

(अभव्य

Ē

	राज्यसम् ग्राम्यंग्यात्रं म्टान्यं म्टान्यं — विद्यान्यं स्टान्यं स्थानित्यं	المال - إمال ]			1117
L Lie	है। स्थान	cef	सिशिगसय   १वसम्पा	दशस्त्रता	विश्वास विकास्य पावि
33	(111) (1) freezewelker (grew)	रामायमानाय	121	+01+31	तुक्षेत्री है । क थयोपीनाव स्थास व्यास्तर । सि छरायद्वसार ब्यास ।
2 2	नार १ थ न सरकाले जुगोनर	aquinterment	real of		स्वराज्य वीस्थानीया । स्वराज्य
2 2	स्यान्त्रीयकार्यात् स्वाक्षरकार्यात्		ŧ	<b>~</b> _~	t s
2 :	fagirrelati nivelfuntelut	मानेग्रसस्तकते सम्बद्धः व्यक्तिकोची	1624	ខ្ម	केचस क्रुद्रमसंग्रहस्य । मि कमिरियरजी मिष घरण
3	सारित्रीयस्तीका	,			rysean.
2 2	Mitter pomisfy		•	<u> </u>	श्वकाषम् समान्त्र । मृत्यत्
2	cistigniregam) are			2	an pind
5 5 8	efermergaree eles		ŧ	3.6	ŧ
¥ 4 6	2			a.	
: <u>:</u>	नयुद्धानेदेषुद्धानद कोमहोत्रान्	~	1	<u>ک</u>	£
1 H .	aferen	न्तर्भात्त्वत्वर्भ	. 2	er.	an Sin
ī	म्मार्गायाद्यी का	~	£	E,	t
ž	पारंगुधेनार पारिते स्थापन	_			

सि.क.-जोतीनाच स्थाप प्रकास पृष्टारशस्ये इस्येल

H	राज्यसम् प्रतिमीतित्रात्रकात् — विद्यानुस्य न्यन्त स्पर्य-सुपरी		989		draftel
2	MANY WATE	eo.	्रीस्रोपंतमय	् प्रमुख्याः	क्षेत्र क -श्रेतिम् मिन्द्रित सामित्र मिन्द्र नामित्र
X et	कुमारत्वेशक	कामियाय	geogra	F 6	प्रमुख किसीय सर्वे
E av	मेबनीयवरित	aller,			प्रमृत्य सर्व
jer gad	रामकोष (कर्त्रविद्वानकात्रका)	,	10 mg	*	
II II	वमरकोय	antifer	1884-18	+11+24	tera-tera-ta-files-enthere ma
=	£		श्रमीम		F
ž	, plant	2	* 3.	+ 44+ 64+	
20	and a constraint in	<u> </u>	हत्ती ह	74 ≈ 6¢ 12	तिर दिमोर्रिशम् क्रम्
2	गुरुरियाकर	MEST	स्क्री य	,	į pr
×	erecting until		. *		
* 6.5	सन्तराज्यीक्षीयान्ते आरि कृतका	सन्दरम पारि	101	28.2	कृतमें रामकरत्व भीषका मीरा ब्राहिके   व्हाँके साम विक्रमानियार कृत्य भी निविद्य है।
777	थीनारम्बयर्गकारवंशह	रामम्बस्तानुधारी	[20]	2	कि छ –नारायण शाहान बोड़ सि छ.–नासीर धिमनार ने प्रयामग्रहास।
N.C.	Prevaditie.	•	100	*	बापुण । यह कोई वर्षभारतका निवस्य प्रम्म है।
N. P. W.	स्मृक्षिकार	क्युविधितियमित्रोक्त	Sun &	=	
**	<b>गुरधंगक्षतकस्त्री</b> व	- WETHERINA	Seeff of		
	मेप्रमुख		Part's		श्रीयमंब-सम्बन्धी युग्यः १
-	बच्देतृथीक्रहत्र	Bartheld	र हची च	. p	•
~	बान्य (तत्वमतीरित) सुवातकारणताति	_	t medl er	, P.	
-	रामस्तरम्बद्धिः (हमप्रीय पाञ्चरा	रामागुक्रकस्त्रामुमस	(me.)		

	कता मिनियासम् पत्रमक्या विश्वेष दिवर्ष्य पार्थ	भीतुगलगर (जीताद्वा- १६४ ११   ति.इसमोद क्रियोच्य प्रसात पूर्व प्रभाव- ताल प्राण्यात्वात्वात्व चूपरे- विस्तायत्वात्व क्षीतस्योज	renigarmite. After 189 renigarmite. After 189 renigarmite. Petry 189
المورية المرات الموجيد من الموتد مواهد عاده عادة المواها	a erra		je .
	Zite.	६ ४   खास्त्र(त (क्टाव्यावी)	१ १ विश्वीभाव १ ६ वर्षन्त्रप्रशिव

प्रवास एक ध्रमकावितः। विकास प्रति ध्रप्रिक्तः

कि क -विकारीकास हरिरामिताय ।

222 1836

मू विस्कृति ही बाहात राजामुजीय- क्रीप्रवर्त

Mun'affentingung nubm

APRENTANTE

क्षांत्रसम्बद्धाः सन्धेष wante wellereller

विदयमार्थातहरेष

मुन्तेशस्यमन्त्रम् महास्थितं महीक

व्यक्ति पटक्रमान्ति । भिमिष्ट प्रति ।

ľ 7 १ कार्री दर

1838

ग्रह्मेड्ड ता दू राजार्थ शे स्वोपत

(१) ब्रद्धशामाब्द्धीरस्मरतीय

शामधीमगीरिमध्याच्य

E

(४) स्प्रीनरामगान्यस्त्र

वोश्यस्यक्षि

क्रिषिष्यान-रामग्रह । निष्ठ-निष्मित्रास

Tare Ca

افتطلعا

रक्ष्ण्यशीका (क्षियमाचेबोरियमी)

Saldanita

= 5 Ξ -

(यमुबंदक्षमत्री)

रक्ष्य (शिंगियमं)

PATHETE मुख्यानिया कुषामनगिषाती ।

HIMP

-			tat ]
- sei	किष्सिम	than a.t.	विश्वेच जिल्हा पावि
rand	्र म्या हर	ĩ	
2		ī	
	1848	Br.	जि.ज -पोक्राम वंद्य ।
म्मा- <b>न्दर्वध्यम्भ</b> दा		ζ	सकाल क्रमकारित प्रम्म ।
गुवीय- करिवायु		,	रायुष्टे ।
and and the same of		£.2	कक्तेयके प्रमेक्स निर्मित सं १००३ में।
	र वीक	,	भाग्ना । बादानियास्ति ।
سعوان	todia.	~	
		*	निः क -धनाध्याय कम्याचकोति ।
बराक-गोबराज्यतम्	(water	av'	
rtrar	* S S S S S S S S S S S S S S S S S S S	)a 8'	सि क -गुरवोत्तम मिस भुम्बावनसमीयस्थ

कि व -व्यक्तम् पीनध्यम् वयनारायम् रामाः

मुमदास प्रदूषस्य ।

7. C.

कुम्सनिक्षित्रक्ष्य

136

वदाम्लाम्बार्यं बरदाबाध-

न्द्रस्त्रकान्त्र (वेक्ट्रियम) स्त्रोत्र ) स्त्रीय

माभू भएतोत्र (थैव) सक्षित्यथ

\* \* \*

किम्बास्या बुक्तरम्यश् ब

Trefferment

किम्बन्धमस्तरम्बन्ति (राजना-

ामभोषाप्ततोत्र विज्ञनस्योत्रत्ता व्यामियः)

3

तत्त्वामम् मानं संग्रह

9 U

THE PRIME

COM Division Sales
rank in
-
5.11.h.#

traffin.

· 日本にはなり

प्रकारक प्राथम मिनित से १० वा थे।

व्यक्तिमध्यः

. ₽ 100 2007

**Sathpagi**t

ऽसंस्टरनम् (वेषट्यमो स्त्रोत्र) सबीज

मबत्र वस्त्रीप्र लिसीबनस्त्रीम

43

रक्त्माह सस्तोत्र (संत्र) श्रद्धियान

गुरुषि सम्प्रमाथ

मुहर्शेषस्त्राभाषा

ž 150 ž 18 200

2

धक्रमा ध्याक्षाध्य क्षम् । fie,s -thetra etc :

teat w

सम्प्रमान्न रहक्तम्ब रामानुकीय क्रीक्ष्म

म्बद्धार्ड (महामहास्तिष) मेरेन्स्यमंत्रम् कृष्टाच्यात् क

2

क्राचेत्रक्रम (सम्बन्ध

्र) हिस्समस्यम् x) funning

(क) हिंदाबरम

2

2

मि क -क्षाक्रम योवश्यव बयमारायच रामा-

नुकरास श्रीपच्य ।

2000

ar Bangra

मृन्द्रमित्रोयस्त्रत्या

=

सि छ –पुरयोशन शिम कुम्यानगन्नमीवत्व स्टब्येग-साधापुर। मि क -इक्श्याय कस्यायकोति ।

बहाम्ताषामं बरवबाषाः | १६वते.ध

77.77.57

वायसिय्य बागुसकातेहा सिम्बाससास-बोधिन्तु-

स्वष्टमाराम योगीह

\*\*\* 1822

derter

राडकबत्तकोषधास्त्रवृत्ति (राक्ष्मा-

Sanfact)

अस्य व ब्रुकार्य हो प्र

3 25

न्तीन्द्रभक्तपीरिका

genimmilien

136

सुवर्गावराक-नोमराज्ञहन्य

3

1

i d

ž 3 प्राहितः प्रज्यास्यासम्ब बुर्वमिरमे निवित्त ।

पारित प्रत्याध्यायात्त्र ।

DERECTER WIT

36

- F

**सारोग्रारश्मदे**ष

मोहामेतमाहास्य भाषानीकार्गाहरू

2

E

HATME

(KE) RRING WINGER)

STeater. 10 H 1 H 1

शामित मुम्मारीका

mager

HEALT HE

1 EXC

प्रथम पत्र प्रक्रित व मृदित ।

Ξ

100

म् प्रमात

MARKATAI WITCHSTEINER

3

3 7 3 3

3

(१) काकान्यविद्धित

3 3

म् शांचित्रोनाम्यो

STREETER NO.

18 mg 11.

2.5 3 12.6 \$ \$ \$ £ 4.0 4 × 6

ž

H

ž =

ž 3 ž

\*\* ž

15. everye (16. ev	प्रभीभाष विश्वति सम्बद्धाः समूच्यायम् समूच्यायम्	ler i	A FASSALL	स्विद्धं दिक्रपण माहि विक्र - कृताप्तकहात बृद्धाक्षमान्ते। व्यव स्वीतिकार्थः । व्यवस्त्रविकार्थः । हशीने तथापुत्तः पृथं पङ्गास्त्रोण स्तुष्
भगवायोता भाषात्रोकासिक	म् वेदम्यास	3446	14.1	प्रचय पद्म क्रिक्ट व मूटित।
मुसो विवरिकास्तो	•	_		
(t) ammafacten	_	tedlin.	X,k	र क्षेत्र स्थापन
(2)		_	<u>, w</u>	2
5	Exatte .		سر.	धरपूर्ण ।
erfectore:	,	_		64
lazeranus magent	distant.		-	धारतायस्य दम् ।
स्राम्भस्यं वस्तीकः	and in	_	188	tryet t

प्राधितः क्षम्याध्यायान्त पुर्वमिरामे क्षिमिता।

काशित प्रव्याच्यावति ।

सारोद्वाराम्बर्धेत

nignungten wertentiffe E z

23

= 1	रावस्थान प्राप्तनिकामतिकान - विकासिक कान्यनुष्ति ]	Ti-flaft ]			x2 ]	
	मा अंतर्थ ।		Пивчанц	LERRE	मिलेप दिवस्स भादि	
40	नोहानस महामन्त्र (मृत्र)	सारोद्वाराम्सर्गत	1834	36	क्षवाध्यायासम्बद्धः । क्षि कयमानाच कोयी ।	
	:	1	1685	10	जिल्लाहायम् सर्मा	
					I julianis	
		बत्त्रोदां क्रिक्स	1818		daminginity 1	
	2	2	म बहुन	44	2	
	ı		1684	_	" feren-faminat antigen mage :	
	£	menggerameda	****		•	
	2	B	2 M.G		व्यक्तास्यायवर्षेन्त्र ।	
		मिक्योक्षरकुराधाम्यमेस		<i>*</i>		
	t	मारो <b>ग्रा</b> एक	2	>-	प्रकाराध्याय । ग्रेस कार्योके क्यांसे	
	क्रीडकाममाम्	मामामु रामसारोडारै		_		
		transment and a rapidate				
S. K. K.	क्रोहायंत्रसम्बन्धी सामग्री					
	क्षोय्चेत्वरमाहात्त्रम् (नात्त्रीमानका	अधिकारिया एवं राज्यकार	***	X de	क्रमसम्बद्धाः हिस्सा स्थान्ति स्थान्ति ।	
	mingitest)	,		:	विस् क्यावर्षी मिलिता	
	कावकेश्वद्यद्यानिक्यः (साधवस्त्रीतः)	संवाह्म-मृह्यरिकारामचन्नी १ ब्रोड	P. P.	2	ar Person - frankfullen and	
	सामगोकार	Winstmitmin an an-			इसमें तनी रचनार्थ रायाक्रमनीमानिहारकी	
		बाती वादि			सूर्व रामायणार्थि भववास्तम्बन्दी है। यह बनी	
					क्वरी सामितियोंका खेळाड् है। (सं)	
<u> </u>	पाल्यासूरीकी भाषाधीका		2	1	सीय कारियोदि कियो ।	
	स्वीरवीका वृद्धाः	ang).c		-	भिवने हुए वस ।	

भ में सामको पुरस्य (स्वार्क्याविद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्यार्विद्या	कु-रराम किरप्पीर प्रमादा १६ १६	######################################	2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	प्यम् कियु मुक्तमारित ग्री (स )  प्यम् कियु मुक्तमारित ग्री (स )  प्यम् क्षित्र प्रस्त । सि क —मीक्समार्था व्यप्  कृष्ट प्रस्त विशेष पत्र को विद्यारितत्तव हि है। (ह )  (ल क —सत्त्रप्रस्तिय पीरमराम्ये । वीक्षमीयं कृति । वीक्षमीयं कृति । वीक्षमीयं कृति । वीक्षमीयं कृति । विश्व क्षमार्था । विश्व कृत्य । १० ११वी पत्र प्रसान्त । विश्व —सीक्षार प्रमानमारा । विश्व —सीक्षार प्रमानमा ।
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------	----------------------------------------	-----------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

	मुन्दम् ।	t to	विषयिक्षम	पण स्थाप	विष्येष जित्ररश दावि
3	(४) शीषी प्रकारतात में भागमेवामी		12.5	E ! E.P.	मोण्यहरूपम्ये सिक्ति ।
	Ch with				
	(x) अधिका धारि गाविकान्त्रीक			46-64	
	मझन तथा रहेट कविताह			;	
	(६) स्वार खुनरा राजांनी बंदावकी			4-4	
	(७) ब्रामिटिनम् (ब्रम्बुन्त)		u u	2 2	for the second second
	(u) gfenzunter	ATM/W/A			
	gitebalantagin			,	
	(१) बद्धामनोत्र			; }	
	मका मेव	ghranning		· 1	
			£		
	(19) समामहार				
	(१४) व्यवीएकास्टीम (राज्यसमामी)				
	(११) सिवास्टक्स्सोमम्		E		
	(१६) एकारकोकचसव्य				
	(१७) विसामी कामर्था दीवरमहामन्त्रीती जातिया मीमन	enthern shaw	E	-1-1	בישל שנאנ אנמנ ו
	(१८) शासामीयो सम	La Carrier		24-14	
	(11)		"	114-11X	
	1 (32)			114-11	
				CAL-BE	
	(बाइमान्त्रभावा	إدستهدا	1		
	(११) सम्बुलमीका	till attended and			4 - 5

1	PARTICIPATE - ECTIVERY CONTRACTOR		!		
	induted June	jas	निरिक्षम	<b>इ.स्.स.स्</b>	विश्वेद विदरस्य पारि
. 1 -	(palatina) (comments) (company)	सर्वा भ्येता	2	ter-tub	
-	(av) many montail	ter	2	( exect)	
	(82) समझा)			ten-11	वपूर्व।
~	utt afreedistrant wife		tella.	¥-1-	कृतमें बाजनीत्ता स्मेतुमांतर द्यांचाप प्यापादक। कृतम् कर्व कर्मान्यक विविद्य है। मीच
					क्षेत्रस्य क्षा ब्रह्मात्व हूँ। (व.)
=	क्ष्र्यास्त्रवद्वा करमा क्ष्रीह			يز	धारुष ।
2	(१) मृतिहरू स्मृतिक वर्ष		10 m	~	
, -	(4) " e) wande		£	и	
7		भगवनादास	1613	2	कीयर क्षिकाल के बागदागर प्रसंस प्राप्त
200		ECHALDIE	1899	1-144	हिन्तु बेध में मुक्ति।
2	बुद्धोतास (बिरुबृदिस्य) सहस्रमाम		164	tr -	
2	भवश्यमित	) केदम्बरास		×.	
210	रामसम्बद्धाः	वनकुषारवंशिक्षम	E	3.0	
		माखोक			
~	। मध्यकृतीता करमानम्प्रश्रीवकृतमी	व क्षेत्रवाल		× 9.	
	भागन्यवस्त्र शीरास्त्रित	ही. बाजर धामिष्याम			,
250	(t) eglunin		(सप्र	ī	नि ६रामनेवर ।
	(4) mugmlet		2	<u>-</u>	:
	(1) fedfertg		_	10-10	
	(४) समीकरमीरी कथा			12-60	

TRIME	एकामाम प्राप्तिक्याप्रसिक्तम — विद्यामुक्त-सन्त की	वहन्त्रको ]			ari ]
S III	प्रमानाम	• and	विषिधमय	पश्चक्षमा	विष्येण निकरक्ष प्राप्ति
200	स्रोवादिपुस्तिका (स्सोम्हानंत्रीयू:)		र व्यक्ति		

बकाई प्रकल्पिक्सकाचे निर्मित्र । कृति कन्तर् म्हा-पुरा(बज्जुर)के बोरबर्गानकोत्रको प्रशिष्ठ 🖟 (सं)

(Calle

Warrang ertighen

मोराम्हाष्ट्रमामि गांब बाह्य हा एक क्यांति (३) स्कुड क्रांबल

A Print I

2 25.0 2 0 W

कम्पर्काव(युवाई क्लालांग), म्बन्ध्युरात्मोलार बन्धी पत

म्बर्ग । इसके प्रपंतर वर्षोत्रे पोपीनावकृत नावसी वादि हैं ।

क्षय क्षेट्रिय ।

2-12

POSTIN Paret

(१) दामभीता (कुन्नपरित)

24.0

(x) **e**ffer

मान्यत व्यम्पन्त्रं मान्यान्यात्वार

959

-7

- 1 % - 1 % 1

राष्ट्रस्यामिते । ब्राप्ट्रम् ।

र मानी रा

मी क्षीवरस्थामी

मपवक्षीयः कुक्तेरिक्शेदीकात्त्रीक्ष

एकावधीक वासंख्य

10° 936 क्षि.ड -पचीती केटोराप बायपाम।

3.E-1

18-11

10.5

(1) stantage

100

7 2-12

1000

निः क --राम्बल्यः साहित्यदा ।

100 7

RIMINE

निक्रमानगण्डमित्र (क्षतिकृत्त्वसार

**क्टन**ो (महारक्षांत्रको)

(१) हमीरसम्ब

गांसिक्युरान्त्रमाना (भ्रष मक्तरत्यह (निवचित्रत्य (R) arrest (mennethil)

> ĭ 3

100

12.23 teki

	P. Constitute of the Little of	( Jane			144
Trately	tratera grait training the missing of the same	10.0	भिष्धिम्	dal@@di	विश्वेष विषय् पारि
(e1s)		भागपताब्द्धाःकृतस्य	2 2	45-4A	। धारास
5	(१) मृत्याकार्यात्रीयात्रम् । (१) मृत्याकार्याक्षम् । (१) सायकार्याक्षम् । पोणा	कृतिकामुज्ञातिय	रहत्त्री च		प्रवास पत्र दाशस्य । छनुष्यं।
> = =		BHATE	1323	111-111 111-111	अपूरः। सिक्क-सबदान सभी बीमूनिवासी सोपीचीद खन्नां बस्पुरस्थितानी सिक्सा-समिपुरः।
2 0	मरेचा (नारावहार) दास्त्रतस्या देकि- द्वांतस्ट एव सावशे	रामदोन इस्सामी	क महिल	ا در	यम् वद् वते हरिलारायस्त्रमी पुरोहितको गरित- निवासो सरवसोहसतासमे निव्धा वा । (सं) मानदाय को सावनो है । सि व्ह —काईपासास । क्रमेन्यस्य को दरसाद पत्रसेन्द्रसम्मासो (व.)
3	(१) प्रशब्दी (१) सन्दूसंक्षण (१) मांबच्चांदर्शका व्यस				मि ६ – रामप्रशास रामनम्बाम ।
2 2 2	acyclounic geneemary palon an quest geiras wine il nu alt giell nyfrugen elic il fer	स्यामकुम्बरदां को ए	*	्र १४ क्या	नानुरायसमा पास्ट्रानिवाहो है। बोम्ब एस्युकेमल होताहो मधने मुदित।

ן נענ	न पण्डीस्या निक्षेण विकरस्य साहि	यम पुरतकारिंग मिलके मेडिकोक बनाइस पर
	भिष्मियम	P. SP. SP.
तहन्त्रको ]	कर्वा	
राजस्याम आष्ट्रविद्याप्रज्ञिस्तान —विद्यापूषण-धृष्य-संघर्त्-सूची	Belighed	तुषीरम बोहिलेसका
CORPORTE IN	\$11de	*

गम्बन्धाप्रतिकान—विद्यानुबन्धान्बन्धुबी	प्राप्त-सूची ]			[ נגנ
Shellers	Padi	भिषिसम्ब	पणसंख्या	निकेष किरस्य ग्राहि
सुषीयम मोरेटोबका		P. W.M.		यम पुरसक्षींका जिलके गोडिकोक कामंत्रि मरे बाकर का बाज समाम कान्य सेने बचे
				, मेजम रजित्यर मात्र है। इसमें एक जन्मा समस्त भरा हुआ है और सन्तिम मन्त्रीक २ एक है। (थ)
		k	<del>)</del>	सुन्दांकी सुन्दांका १ पण है। ऐसा प्रतीत क्षेत्र है कि सम्बादनानं कुछ प्रतिका मेकन
मीसामाग्रुप्रकथ मनवत्वीरा	Sawyunieren Semene	36.45	2 پ	कुर हुया था। (त ) मि क -बैच्छन पुरुगोशंमशत पात्राबहुमामे।
महस्योद्धामानव व न्यानदीपुरकवा	भिष्योक्तरवृराख्यक	4 3 8		# रागवात अस्तर द हीरामां भाषा बन्धास्त्रीमध्ये।
बारबस्यमीतिसार बारबस्यमीतिसार			37-12	मि क -बतुम् व विद्यावति बुदेश्वदीमध्ये । पम १६ से १६ एव धमन्यः मि व -बुस्सामी

š

ige in getider eitent a feng un und है एव उल्लान्पुर क्षत्र बालेसे पाठ की घ्रासंपत्त

100

सपका। इति साथे की। 7 mm 8 1(4)

ĩ

HEALT TO MAKE

नुस्वोद्यमसाहारम्

×

मि ड -बगोराम मक्त मुबुध्नमधे।

terov terita

**क्रिक्र क्र** समाजात

मीमामामाने एकुर पत मेराममहिक्य स्टीय

> , , 200

200

ξ

? ξ × रुमानिस्सम्ब

×

राम विष धापानेरी बाम ।

	नियेय निवरण मा
	<b>नमस्या</b>
	निष्यमय
الأختمل ]	معا
साम्बर्गस्यात्रमस्टाम् र—स्यापूरमन्त्रभवस्युपी ∫	स दर्भाव

	राजात्वात्र काम्याविकात्रीत्रकात्रविकान्तिवन्त्रात्र निवान	Int-late			
N. I.	acien a	دوا	निष्यमय	वमस्या	बिचेद विकस्स मानि
	-		200		Digital 6 % Street
613	ERITERGE	हतान के के किया है।	( Calca	ĭ	
6 2 3		क्षीयप्रविद्वताम्बर्वेड	2	1x-c1	י מת לל לכ עם
		morting	In Change	- A =	-
		4	-		KE ST OF BE I
3	रामचार स्थापन बाज्य स	SHOP COLUMN	100	Ĭ	
120	-	Balgana	15	1-144	יייייייייייייייייייייייייייייייייייייי
					जिष्ट-अनेदर दावीच विदियाती ह
9	Babry end trans	Commented	teeft.nz.	×	
2		Wifneritt	g well m	24	क्ष्युष्ट । श्रद्धी पत्र क्षांप्रति ।
	4		1000		100
71.	ware title in in in in	मास्याहरूद्रोपत्रीयो ।			7 1
9	of granter of		१९ वर्गे ध		
3	off - freezigishi		2		
39	बार्याम् बहु समित्या जि		2	9	
;	भेनोरदम्बेहर्य मान पिरचुद्धपण			-	
7	भीरायमध्यमात्राहोत्र		:		
139	m-tatementale			9	मसित ।
					•

मानरम्

५ठा पण सप्राप्त । धापुत्र मृदिता । 1 1 1 1 1 1 1

r. tex? tex? teata

सोम्प्रजामात्तृस्थाको

÷

× × 3

की रामग्रह धन्ताना हो। रामरकार बनाओ el-satementale मबण्ड्र(तामार्गित WASSITTAN gundlengt ! Alternati

211.0	हान्याम	ern!	भिषितस्य	दश्येष्या	निष्येष निमरस्य मानि
, 3	The state of the s		1 calle	1X-3E	मन्त्र गृहितः।
3	wenterita	थीरामप्रोक्त		-	,
3	magranardula			,	स्तिक ।
9	erfentleuena fameranen	हरदेवस्थायी		pa-	
200	सारमकोष	Martifed Clarker Water	) are	, mar	सिक्ट-सबस्पदास वैज्यात कन्द्रमी द्वाम ।
;	( ) tenkenenin		१६वरी व	¥2	
	(१) मदमम्ब्रक्सतीय			٩	शिक्षी-संस्कृतिप्रीयकः।
	(१) महास्त्रोव			Ĭ	W.Y. of
9	pungang efafe.		2		1
9	(१) हांबच्योग्डोब		\$ F.N.	3-X	प्रमाहरा ब्रज्ञान्य । सि क हररकावास ।
	(३) द्रविषयोक्ष्यासद्भिमानक्ष्याक्ष्यम	<b>बिरामु</b> प्राचीमा		#-A	1
	(१) वर्षयमामित्रिमस्दोव				2
3	palizatus		1643 18	-	
ø	erestatiste.	राज्यान्यानाम्		*	
9	क्षोषामपु कार्यका थि:		{mc?	1-K	मृदितः। वस-१७-४४ तकः सप्ताप्तः।
					ति क -रामाज्ञकातिम ।
** #	अध्यक्तिमा अस्टामकमत्रीद्यम् प्रक्षि		1636	~	अनुस्तारक विविधार, सम्पुराने प्राप्ता।
	उपेरद्वाम्बाम रामानुबन्धासस्यप्रमन्				•
0.0	बरवद्यमधोड्ड(महस्योगोधानमुस्त्यत)		श्रह्मी प्र	-	
***	einvounalainna	मक्षीय र		# KE 1	
***	merce bullet and all are	The Party of the P	1		

	evil  gerine? upuine uleenium (playur) shigner  hyane  " " " " " " " " " " " "		4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	त्त्वेत पिक्रण पार्रि इपिक्रविष्यु क्रजेल १६१६६ इपिक्समें चत्रुत। ति क् —ोपीकाव स्थात।
(११) जीहरमायमधाम		\$ I	रीत् स्वा	_

traterin 3	रावस्ता प्राध्यक्तिकार—क्यिप्रवयन्त्रवन्त्रव	ह-पूजी			11
Lite	Hibba	and!	लिपिसम	त <b>क्ष्रिय</b> ा	विक्षेत्र जिल्ह्स ग्रावि
(*13)	(११) मनिवर्णाहरू	afluppinining	1443	- j	
	(१६) सम्प्रमेद	2	4	11-11	
	(१७) यस्त्रमधी			1	
	(१म) सम्प्राधिभव्य	£	2	14-4	
	(te) firtherman	k	3	1 - 1 ×	
	(१) रीमाचनम	2	1	10-16	
	(२१) सम्राम्बन्धिकाती	-	1	\$4-X	
ž	जिसकारोहत स	जिल् <b>या गो</b> लस	ted!m	,	
200	पात्मकोव्यक्ति (हावधम्युक्तका	Wage Creen	2026	2	
	विकारणम्)		:		
454	अवस्थात हिस्सा भा <del>वत</del>		28.67.5		
174	श्रम्मामनारम्बर त्राच्युकार्चत्रीतिका	valu			-
98.0	g/est/her			1 = 1+x	ल्फ्टरण । १ वस किसी हुद्धरे सम्बद्धा प्रसीत
					(then (t)
1	Santingeriichenien ?	arythe	2	P	(35) 14
27.0	Freser	Tranga Jund	* *	**	
Ħ	सम्बद्धान्त्रीमुद्दीभ्याच्या	भारतीयति जीभीभयिति	१६मी क	6.8	
		Peres			
	द्रमास्परियम्बामीष	धीरक्षामध्यमि	2	*	Spring 1
u	क्षानित्र वास्त्र वी विका	Bound.		_	
	र्म्यमान्याची	सम्पानपञ्जायाच्य	2	Ť	मृद्धित ।

	The second section is a second section of the section of the second section of the section of the second section of the	1 (June 2017)			111
T L	Trainin gradictialatera—Itanyawana 1960 gari	in the second	क्षिष्यिक्षय	क्षास्त्र	तिस्तेष विनरस्य मानि
Ĭ					
			i tella	œ.	वर्षेष ।
» •					lidzani i
# #	mienate (eritatite)		:		
-	alruhai (miere)		2	1	-
	्यात्रक्रमात्रोगद्यात्रम्बृत्तिः (रावधार्यस्य- पारिषप (वामनुपात)	वारावर (वाजमुदात)	_		
	(warmt)			_	1
*	_	_	35,50	•_	
408	_	क्षिका कर्ड एवजावधीर	Real ST	<u>م</u> ر	a hadda
		सुन, पारामणामुख			
1	(1) often a standard (1)		See M. I.	2	11 12 14 15 1
	_			2	PERTIN I
# F	A strength &				
ĩ	रामम्पायोक्षरम्	Bu marante	2	Þ	. 14 4
2	( क्रम्मामध्यमिष्याशिविद्यम् (१)		( e el la	7	Filter in an
, A	क्षारक्षमीय (संग)		1010	<u></u>	मुसित्र । ११को पत्र घटन्य । १स फजुब्धागर ।
2	ध्यापक्ष्य सार्थिक प्रक्रीण पत		१६भी.क.	9	
2	रामठारिक्य्यगिषणः स्टीक	व्यवस्था वर्षे स्थापत	2	ير	
	(वाक्ष्महिंद्यांत्रमान्नी शोका)	empress (?)	_		
2	_	of arginants	_	2	ग्राम- प्रिवर्गितम् क्यांने राष्ट्र-प्रतक्ता
			844	=	लिक-म्यो अनवान् समी, बयपुर।
;	ertre ever fritt i etw		2 6 5	*	प्रिवाहिन्ती छोर ।
2)	_				Contraction of party of
T	प्रत्यात संदेशि	रावनदास स्थान च्यादास	ובנס	2	ומיותי שומפוניות ו כו באיי
					MARKET C. 41 - (004 (10)

Ė

## परिशिष्ट १

## **क**रिमामानुकमणिका

틳

प्रकार-बोरबमशास्ता ११३ सक्तभीना घोर पर ४२ मक्तितिसूक (बोरान) ६१ ७४ यकसिसिसोक २२ धक्तिहिसोब भाषा (बोरख) ४४ प्रवासका (भावती) १ ६ प्रवराजको राजरी हार्बेश ३२ (बिहारीदास महद्) प्रवापशेष (प्रशेर) ३ धयोरमंत्र १३४ पञ्चरका वर ३० सञ्जरतीको परवर्ष (सनमाधास) १७ मध्युतामस्य १२= धनपादायती (पृथीताथ) 🕫 मभवन्यान प्राटक (नुशरहांश) ६३ धारपपातकी सम्बो २३ ४६ घदाईसनाम (सरहरू) १२ घतिमानुबस्तोत्र १९३ मध्यप्रविषया १२६ बायगर्वाचनार्वाच १६ धप्पप्रकाषिकारतीय ११ घण्यामधिनास्तामधास्यान १३१ प्रध्यप्रवरोध (वरीवशाह) ३१ ४**८** यध्यप्रवर्शियती (वरीवशव) १६ यामारका दह ४ यम्पारको वह ४३ क्ष्म्यारको राज्ये ४ सम्मारकाइको ४

प्रविकारर्शयहस्तोत्र सम्पास्या १३४ द्मपरे पूरे 🕸 अवित 🖘 द्यन्तर्सापिकाकवित्तावि वह क्षनतः करच्याकोय १५६ यमपुर्वास्त्रोव १६६ धन्यत्पञ्चाधिका भाषा १ ३ बन्धोस्तिबचन (धनप्रतिशास्त्री) ११४ धनन्त्रतीसा (अन्योपात्त) ४६ धनभे ब्होप (परीश्वात) ७ धनवरवंडिका (बिहारी सतस्त्रीका) ६ धनुषय शस्त्रास ६२ धनुभव प्रकास द्योत (शमहात) १७ धनुमानवरिच्छरतस्यपुडावदोरिका १६ व्यवक शासवाची बंगह २२ धनेक सन्तीक श्युद्ध यद ११ धनेकाचनायमाभागंत्रशे (नग्दरास) १६ धनकायमंत्ररी (बन्ददात) ३३ वनेकारबीनामगाला (उदेराम) ६१ प्रधानाजनस्तोत्र १३४ धरपा (प्रदरी) नामपाला (पर्दराम) ६१ धमयनात्रा (गोरपा) ४४ धमयमात्राप्रेय (योरख) ७४ धनिहानग्राच-देन १६७ श्चिषकातृति १३६ समरकोस १४४ धनरकोध मस्तितन १३७ धनरथांत्रका दिहारी यतनई रीका (नुरसमिध) ६ ११२ धनोश्मामा ८७

धमून धरम वशवयी १२

भमृतवारा ५ समृतपरमुक्तावली ६२ सर्वन भीता १३२ यम् नवाची (यम् नवास) ६३ धर्म नस्य दश्च मामानि १४ श्रमपुष्टनक विवेक १४% धर्मभद्रप्रहमनुबमितर्गतः १४१ सरिक्स (संवादास) १४ **प्रमाददाद**स्त्रोत स्टीक १२० सम्बद्धभीपालून्य (नामक) **क** सरिक्तनीमा (१<del>०६</del>६) ३० प्रकलाम (देवकवि) ३१ प्रकार कालांका लेव १६२ सम्बच्ची (क्वारि) २७,३ ३०,४१ सम्बन्धी (सम्बन्ध कवि) ४१ मन्द्रपती बड़ी (क्वीर) इव सन्दर्भ संबदी रमंगी (क्वीर) ६० सन्दर्गरीका (गोरक) १ प्रधानोची व्यक्तान १२६ प्रकालपीय १२ तक्क ६१ सम्बद्धमनीताबीका १४६ स्थावभानी क्षित (क्षि शेवत) 🙉 सम्बाधारीयंगार्थ १४ प्रश्निकालका स्ट्रान्ड १२६ महेवास बमुबका करना गावि ११६ प्रश्रीविषी प्रमाण कविता ३

भावर प्रदार बातमी (रण्यन) ११ पाय गीठको नोड़ी (परवरम) ११ पाय गीठको नोड़ी (परवरम) १६ पाठ मान ग्रामेन मेर १ प्राप्त मान (मोरक) १४ १ (बेनानीकादन) ४३ पारस्त्रोवायन (बोरक) ७४

धारमधोबदान्य (घोरक) ७ धारमधोयविवरच १६ (द्वारस महावास्थविवरणम्)

यास्वरवारीकी माधारीका १४ प्रात्मविकार प्रत्य १४व यसना संबंध प्रमास (शृत्यरवास) 💵 धाष्ट्रा सहासक्ष्मी**श्व**यम्सोत्र १२६ व्याश्चित्रहरूपारशोध १२४ १३१ १३४ ब्राव्सिव्यक्षिय हुनुस्तरतील १३५ धारपुद्धार बदुकर्मरवाकोव १२४ प्रामेरके व्यारामा समार्थ क्यसिकुके प्रत्य बीट वेबक्समार्थ १२६ बारतीयर (शुरखंदरात) १६ **बारती मन्यागरी ११६** बा<del>रतीसबह् ७७ ११ १४</del>२ बाहबर्वकृत (पु हरिनारामक्वी) १२२ सम्<del>धानग्यको पर ४३</del> सामुरीप्रयोग १२७ पाक्षिककृत्व १६४

.

इक्तार कोच (बनावाय) १७ इधिहास कामुर १२४ इधिहास कामाइति १२४ (प्रतिवारातारामुख्य) न इधिहासामायाम्ब्यः (प्रभ) १११ इम्ब्रामायाम्बुच्यः (प्रभ) १११ इम्ब्रामायामायाम्ब्यः (प्रभ) ११० इम्ब्रामायामायाम्ब्यः (प्रभ) ११४ इम्ब्रामायामा ११६ १११ इम्ब्रामायामा ११६ १११

f

हंस्वरचित्रात्त्वास्य (बीड्ययनड्ड) १ व. दिवरस्वरोदय (श्विची) १४व दिवरचित्रु, गहाराजा स्वाई १९४ विरवातका यव ४१ विवरवातको वायहरूस बीसम्बरित्र ११४ ₹

जस्ति निषय (१७जळ) ३व उपरेक्ष विद्यात हायमञ्जल (यहायन) ६३ वयमाविषद (हीरावेद हामके) १ ७ कत्रवामधारायाल (बोरक) ३२ वर्षकी पृत्रित प्रति १३६ उस्तवकी कथा ११

35

क्रमाचरित्र १२ क्रमामुरम (रामरातः) ३७

軖

मानेदीयानवाकामक्रमणी (कारयायम) ११६

er

प्रावरी नावपाला (रतन् वीरमांत) देह एकामोडी मायकत हेड़े एकामोडी मायकत हेड़े एकामोडिकपार्वपृष्ट हेड्डर, १३४ एकोडिकपार्वपृष्ट (११४ एकोडिक प्राव्यप्रकार हेड़े एक एकपुरह प्रकारम्य बाक हो तक कोर हिर्दी वंतुनिक्युल ही द्विपर हन हिर्दी वंतुनिक्युल ही द्विपर हन

.

पनिहातिक पत्र १२१ १२३ पनिहातिक सामग्रीक स्कूट वस १३६ ऐन शहर सम्बन्धी काराम्य १ ६

क्षी

मोनारके नड (नरसराम) १६ मोनम (स्टुट) ११

€

कारावधीलो १ १ कारावधीलो (स्वीत्येत्यात योवास) २७ अ (नामवास) १ ६ क्काशसीसी (ससीम) ६य (सन्तरास) ११,१०६ (मुरसराम) ६व कद्धवाहांकी ब्रह्मानसी ११ कपुराहार्यक्षका चनुसंबध्य १२४ कश्का (चेनदात) ४**१** क्ष्मब्रहोच (गोरप) ४१ क्वेराकी ध्रमी २३ क्यरीयावकी प्राप्ती अप क्षरी संशोधा पर ४६ दशीरकी क्रद्रपदी २७ वबीरकी बारहपरी २७ क्वीरबीका बरहरा ११ क्वीरश्रीका चमायम २७ क्योरकोद्य पर १ १८, ६१ बबीरजोडो प्रध्यपदी व रर्धनी ३० दशीरजोदी चौपरी २७ बसोरशोबी परवर्ष ७ क्वोरजोको ग्रम्बी साम्रो २७ (यध्ये चौराहवर्षि) द्योरबोढी हाथो १ २ 35 58 क्वीरबोधी २६ लाखियों पर धोका २ हजोरबोक १२४ वर्से पर शेक्स २ दशोरजोच्हे वह २६ क्वोरहाइको योगोकी १ व क्थोरपद्य ७६ दक्षीरचंची व्यक्तिय ६६ valtetef ? स्थीरकाको ६ अह क्यालकारस देश क्यकाश्वते प्रकोचे १४ १४६

कने पर्यस्वात १२ कर्षाक्ताक गोक्षा (विद्यनदान) १३

करवादलीनी (नापोराव) १३

बदबानार (चैतरान) ४०

क्रमान्यापनीर्वाव १३६

कवित्तस्य (रसराधि) वर् कनित्तसपद्व ६४ १११ ११२ ११६ कविताबीयत (स्क्रूप) ११६, १२ क्षविभिया (केम्बकात) ३१, ८२ **पर्**पुकरोडे क्षत्र वर्ष कारन काबीकी साक्षी ४३ फारमधी कामीका पर २३ मान्होंका पर ४३ कानडिया रावसका वह ४ काकरबोप (बोरक) ४४ ६१ काफिरके सक्षम ४ क्रफिरबोब (योरक) ७४ काकिरबोयर्थक (मोरका) २१ श्राममंत्ररहायामं १४ कायमध्येष राजावतके यव १४२ कामरबावनी (बांकीबाछ) ११%, १२१ कायाप्राणसंबाद (क्षत्रवोत्राल) ७६ कामाबेकि (बाबू) ६१ कार्तवीर्यसङ्ख्यामस्त्रीत १४ कार्त्तवीर्याज्ञं नदीपशतकि १४१ कामविन्तावधी (मृत्यस्यात) २६ कानिकार्यसोस्थयोहुनकवर्ष १२० क्षानिवास हिन होन १६६ किनका (बा. शमसिंह) १२१ श्रीमिया सहादत ७ क्रीतहाबीका पर ४३ **४कविवसीसी (कविशामा शंकीदास)** £ \$ \$ \$ \$ कश्वतिया (सेवादाव) १३ (हरियाक) १४ दुवेररानजोका पत्र १११ रुमारधन्त्रव १४४

१४९ जामास

कवित्त ४२ १३४

(सेवादास) १३

(हरियास) १४

वितारागायवसारमाता १ व

न्यानमाला (बोरध) १५ धभावनी ( यद्वात्रीको प्रभाव २५

u क्याम ११६ अञ्चय कविस (सम्बर्गात) मध पण्डेलवाल चैनोंके १४ गोप १ प बच्डेसयानोंकी प्रत्यंत १ व वानो-बाबी प्रश्व (शेरक) २ धीची सम्बन्धास ने सामानेवाडीरी शत 223

**इ**ज्लानम्बद्धा १६ ४ केवसम्बक्षियाच्याच्यायम् १६ केश्चवका पर ४१ क्रोकप्राप्तम १४ कोडडियोंका वर्जन व हवाला १२६ कोटिकावर्गमम् १५ कोद्यमामानि २८ १६३ कौलपञ्चनर्यम १६२

इन्बलुवि ६

कुम्बदिनवीरी बेल १२ क्रमन्द्रशे १३१ क्रम्मविद्यात (पुराक्रशम) १११

इम्प देरी प्राथाय में सून कर आभी (पीठ) १२ कुम्बरासका पर ४३ हम्बदामनिकप्रथम् (भाववत) १ ६

**मु**श्चमध्यमः १३० इनम्बरम् (कविरावा बोकोशल) ११४ 12 इपणपणीसी (') ११६ कुम्मकरिमकोशी (वरसराम) १३ इन्नचरिववारहचडी (श्रीनिवास) ३३

कुलपतिमिधकी वसपरभ्यरा १२

मुनक्षेत्ररवृत्तम् १ ७

<b>!</b> F9	वृष्यस्थातमाना (यास्त्र) र
. (	बंध प्रवृत्तामा ( , ) १०, १७ स
साम्बर् (वासमीकि) १३१ १६६	1.5
माध्यक्तोत्र १९६	पुष गीत (दुरलागारण) धर
ह्मास्तोत्र १६४ १४२	गुब चट्टावतीविसास (पुरचकवि) ६२
विश्वाहको बोडी (वरसंसम) १८	de designation (Econos) of
रनेखनोबस्तोत्र १२६	
व्यवतिस्तोत्र १४६	पुण द्राव (वाविष) ११
पक्षेत्र-योश्यतंत्राव ६१	युष भ्रमाल राज इमासिहबीरी ११६
विवक्षात्रक १३२	(चवक्रशिष्क् वर्षेष्क्र)
नर्भोबन्तामाथ (रामचरण) ६	युष झं व चरिच (परवानग्य) व¥
यशीववासत्रीका पढ ४८	नुष शायरमांच (शाई कवि) ८१
मरीबहासजीकी साम्री वंध	पुष निर्मोहीयांचा (बाजिश) र
मरीवनावसिद्धकी प्रस्ती ४३	तृच नियामी ( } 1 t
वावश्रीपञ्चाट्स १६४	मुच ग्रेमरहामी दे १
वादियोशामायभ १६६	यु <b>न</b> पमनामा <sub>अ</sub> १०
वादशीदनजपास्त्रेष १५७	तुम विरहको धेप ११
मायत्रीसवह १४७	नुभ द्वित उपवेस ४१
यावडोपनियम् १२६	मुन कवियाचाबाधो प्रम्थ (बाजिर) १६
मासिक्दा पद ४१	मुष वनगया (कवितातंद्रह) १० से
विविज्ञानरासीत्ररासामानी १६१	} १ म् सम
मीत (सप्रहु) सक	्यून चन्दावसोविलास (कवि पुरन प्रापिया
(15%) \$5\$	3.5
भीत बसियो (रतम् हमीर) ६१	पुरद्रावधशिविकारकत १३६
गोत रस अनात धौरामिकाओको १२१	नुश्त्रमां बर्चरी (नुम्बरशास) ६३
मोतमबह ११२	गुरुरेवगहिवास्तोत्र ६३
बोत्य ११४	नुस्त्रवर्गाहुपास्त्रोत्रवादक ७४
मीता भागप्रदोद्धा १४	(भुम्बरबात)
वोद्या भाषानुवाद (भवशासाम (गणमा))	बुरव्यापास्य (रामभव्यास) १ ४
XX	वृद्धरामा १०४
(कारपत्तर) ४४	पुरवरभ्वरास्त्रोध १३१
a (स्वक्रसाम विस्त्रती) इप	नुष उपरेश मान प्राप्टक (तुन्दर ) ६३
Information	Transmit men (Tree) (1
म (हार्यक्रम) इंड	}
	वरद्वरा बच्च ह ,, ६३
वीनामागागागुकाद १४ जीवामागागागागा	गुरहरा कारास्क ,, वर
नोतावाहास्य ६६ १४६	े पुत्रवेशांसा समावसा दूर। ११

पक्सासङ्गरी (क्रविराजा शंकीयास) ११५ | थीलागतुसम्यभाषा वर्

गुरमंत्रजोतप्रम्य (सवावास) १३ युषमहिमा (शमधान) ६व मुक्तमिता १३ मुक्महिनाजोपग्रन्थ (सेवाबास) १३ ब्दमहिमाध्यक (सुम्बदबास) वय गुडा एवं कवितावि वर्ष पृक्षासायर (भग्नोहरवात) ३७ पहुबराध्यक्षीय (सुन्वरवास) ४१ मोगरसाबला १६६ बोना बोहाम १ व योगा धोर १ व योपासन्दर्भाकः १६६ भोपालपुजाविधि ११व भोपालसङ्ख्यानाव १३६ योपाससङ्ख्यामायसात्र १२६ बोराससहस्रमान सभाव्य १३४ योगाससङ्ख्यामावाम १३७ मोपीपीत १३८ बोवीश्वादका क्रोग वह (रामकरण) १७ योचीबारका महिमायर (कालु वा योरपा) 22

वोर्शवासको वासी १% ४३ पोर्शवासको बार्ची ६१ वोर्शवासको वार्ची ६२ वोर्शवासको वार्ची २३ वोर्शवासको वार्ची २३ वोर्शवासको वार्ची २३ पोराव-न्यायोध्ये (वोराव) ४७ पोराव-न्यायोध्ये २१ पोराव-वार्यायोध्ये २१ पोराव-वार्यायोध्ये २१ वोराव-वार्यायायोध्ये २४ वोराव-वार्यायायोध्ये २४ वोराव-वार्यायोध्ये २४ वोराव-वार्यायोध्ये २४ वोराव-वार्यायोध्ये २४ वोराव-वार्यायोध्ये २४ १४ वोरकावजीको क्वरिया १४ पोरप्यमावजोको द्वर्या १ पोरप्यमावजोको द्वर्या १ पोरप्यमावजोको द्वर्या १ पोरप्यमावज्ञ ११७ वोरप्यमावज्ञ ११७ पोरप्यमावज्ञेण १४ पोरप्यमावज्ञेण १४७ पोर्म्यमावज्ञेण १४१ पोर्म्यमावज्ञेण १४१ पोर्म्यमावज्ञेण १४१

यसाकचको यन्त ४ यदियोशीया (बार्किन) १.० पादनवादका दर ४६ योदाबोसीको द्यवते ४६

प्
व्यार वृत्रा राजांरी वतावानी १३२
वक्रीयरांत्रांत्र १६६
वक्रीयरांत्रांत्र १६६
वक्रीयरांत्रांत्र १६६
वक्रीयरांत्रांत्र १६६
वक्रीयरांत्रांत्र १४
वक्रीयरांत्रांत्र १४
वक्रीयरांत्रांत्र १४
वक्रीयरांत्रांत्र १४
वक्रीयरांत्रांत्र १६६
वक्रमांत्री १६६
वक्रमांत्री वायस्य ४ व३ दम्भ
वक्रमांत्रीयांत्र १२३
वक्रमांत्रांत्र १६६

**च-रवच्छी प्रतस्ता १४** 

धमरवार्गाचभार्याच १३१ चर्चरब्रोको सध्यो ३२ ४२ चरंदनायानु नर्धनाव ६१ पत्रका पदः ४६ पत्रका पदः ४६ पत्रक्षमत्रीतमाया (उम्मेक्समः) ११ चानस्यमीतिवारः १४८, १६६ चानस्यमातवयहः १६६ चार दिवा २ चार दिवा २ चार देवतं यहं पात्रक ३ चार्योतक्षमत्रीयं १३० चिक्रमताव प्रीर राष्ट्रपंत्र ४ चान्योत्रीक्षम् (उस्क १

विस्तावणकोपयाच्य (तृरतराय) ६८ विस्तावणियाम (रामधरण) ६८ विस्तावणियोगकाम १३

, (संस्थात) १४ (स्थानीयन ) १५ विम्सावनी (रामकरणवास) १७ (स्थानवाम) १६

॥ (हरिन्य) ६४ विकास्य (मुन्दरशंश मोहश्वात) ४६ विकासुहरूकी वात ४७ विकासको (बारायणवास) ११६ विकासको (बारायणवास) ११६

११६ पुरममुख्यगददश (कविशासा संबोधान) ११६ हर

पुषकताको स्त्रोति ४६ पुषकताको स्त्रोति ३३ प्रशासको स्त्र ४६ घोरस्यताको स्त्रोति २ घोरस् (स्त्रोति ) ३ देव घोरसे (स्त्रोति (स्त्रोति) ६६ घोरसे रचेचे (स्त्रोति) ६६ घोरोत स्त्रोति स्त्रात्र । कोबीस पुरक्षीका (कमकोपास) ३१ ६२ कोबीस पुरांकी सीमा ४१ कोबीस स्टिड ४ ४२ कोबीस स्टिडनाय ६१ कोरीपावकी सम्बो ४१६

वोर्त्योपायको सम्बो भर छ एक्ट वाबूजीरो ११२ एक्टवरलावको (इरोधानगर निरंत्रनी)ः १ त १४व एक्टवर्टन्कोक्क (खेवारात) १० एक्टवर्टन्कोक्क ११३व एक्टिवर्गक ४१ १२

ज क्योंतिय (१ड्डर) ११ स्ट्रायप्य १३६

स्वाभागातिको पालागन्त्र १२६ बाख्डी कायात्रावर्धवाद ४८ वयत्रीवनका पद ४२ जयत्रीवनको कवित्त ३ जयकोवनको की वृद्यान्त्रतास्त्री १ जवकोवनको की वृद्यान्त्रतास्त्री १ ४८७

सावी द्रंप्र
वन्धावनाव तवस्य है
न्नव्धावनाव तवस्य है
न्नव्धावनाव तवस्य है
न्नव्धावनाव (वाचयवन्ध्य) १६२
न्नव्यावस्याव (वाचयवन्ध्य) १६२
न्नव्यावस्याव (वाच्य) तक्ष्यिय १६६
न्नव्यावस्याव (वाच्य) तक्ष्यावस्यावस्य (वाच्य) त्रव्य
क्रम्बन्धावस्य (वाच्य) त्रव्यः
क्रम्बन्धावस्य (वाच्य) त्रव्यः
क्रम्बन्धावस्य (वाच्य) त्रव्यः
क्रम्बन्धावस्य (व्यव)
क्रम्बन्धावस्य (व्यव)
क्रम्बन्धावस्य (व्यव)
क्रम्बन्धावस्य (व्यव)
क्रम्बन्धावस्य (व्यव)
क्रम्बन्धावस्य (व्यव)

बट्यश्या इतिहास (मुंध्ने देशोप्रमाह)

111

(114414)

व्यवपुरके बाधीरवारामकी कहरिक्त १४२ भगपुरके टिकानेवारोक विश्वेवाधिकार यावि १२३ वयपुर के राजाधींका वंश्ववृक्ष मभ्पुरराज्यकाँधिस व बावीरवारों ते निवेदन १४२ **प्र**यपुर राजवंद्यावली 🖘 कपपुर विसास (काळ्य) १६२ वयपुरसम्बद्धी स्थातशी पुरुकर बार्ता (बांबीबास) १२१ क्यसाह पुत्रसम्बद्धाः (भव्यव शहू) १६ वसम्बरीपावकी छन्ती ४१ बलभेद १६ बहुरनिकपच १४= थार-इतिहाससे कापुरके राजाओंका हास 28 बातकपद्धति १३३ बानकोत्रीकी स्टुटिके यह ११८ बानकीर्मनल १४१ बानकीमन्त्र १४ बामकोतहरूनामस्तोत्र १६६ वानकीर्वकोन्यमोहनकाव १६२ बानरायनीसा ३३ वासंबरको को बच्ची २३ बालभ्यरीपाकको सन्ती ६१ 'ऋही विभि राखेशन ४ कित ते स्त्रोभ १६ श्रीबदशापर ४ श्रीवरधा १२ **पु**वनितरविषी सक्षमई (कसमतिविध) जुनति सरपतिज्ञिशक्तुतपन्त ४६ (पृथी भूव ) जुगसच्योन (सुधनसध्ये) १= जुबससन (स्कुटबंध) १३ ज्ञनसम् ६

बहसम्बद्धाः (श्रीकीशास) १२

वेहनवतवसावश बृहा ११३ वैतरामधीकी शीरमका भूग्व ३ र्थनमधास (रक्षम) ३ चैन स्रोससमाचि कोय यन्त्र (वृत्रीशव)४= वैमलका वर ४२ ४१ वैपसकी साक्षी ४ ४१ भोगेनमरी सन्ती (गोर**स**) ७३ ቕ भावरमस्य पश्चित शाँख श्रेतडी ਣ बीसम्बादव ४२ बोक्समल कोय श्रंच (इतिवास) १४ किल्लास समित्रान संपद् (मुरारीरान कवि-(रावा \$\$ किञ्चन कवितान्तंबङ् ११० विक्रमा पीत-संबद्ध ११६ विज्ञास पुरतक ११३ **बूनश्यालका पथ** ४१ होना मारवणी बाध (कुप्रतनाम) वर तत्त्वयोग प्रकरण १४६ शस्त्रमञ्जी (शमानुजनात) १ ४ तस्वत्रमणुलार्थं संपत् १४६ तत तंपाम जोन पण (पृथो-सूत्र) ४६ शर्चे चिन्तामणि (सृथ्यर ) १**० ३**१ तकं संबह् (सं ) १४६ तर्वेणविणि (स ) १३७ तरकवितावणी ६ तश्वती २ तारास्तोम (सं ) १५० तोन पुच २ तुरस्रो सली पशावती १५

नुससीम्लोत्र १≡३

वैश्विगोपनियत् १३७ १६१ वोताहिक्दरीनारायक्यतीहक्दंप्रतिक्येग्ह धासपान रामानुबरासस्य पत्रम् ११व

₫

होपरीको बोड़ो (परसराम) १६ द्विज्ञान्यासंबद्धः (शाममाहासम्ब) ११ बण्डकम् १३७ इत्तक्षकांत्रम् १३० इत्तवीरक्षतेबाद ६२ बत्तजीकी प्रम्ती २३ ४६ वसार्थमके २५ बुध्योंकी मीला है?

(बयप्राय) बत्तावयक्षत्रम् १४ र्श्यमयम्बद्धः १३५ इपिनवोक्तासदर्जनामकपानकभनम् ११व द्रियमश्रीमहिष्य स्त्रोपम् ११८ दथिमधीस्तोष १६८ इयाबोपप्रव (थोरल ) १४ ३३ दंघविषा नवया (जुरुरशक्ष) अध SEE HEILE द्यायतार १६२ रप्तारतार एपय (नुनकोशन) १७ रप्राप्तवर्गान (धन) १६१ र्शालची एम्बोंकी भाषा ३ राष्ट्रणनाबनी ह दारूबायप्रजेतमीसः (बनवोशल) ७६ शाह्यमध्यानायाच १४२ राषुत्रभानीभावश्यई (जनशेवाम) ६ ३२ VE RE

राह्मोरा करया (ततराव क्षतामी) ६३ शाह्नोडा पर १ ६ १ ३१ ३२ ७३ समूचोडो बाक्षी १७२३ ३३% 36 39 17 11 tt wi 21

राष्ट्रवाको व साजितको वह लाध्यात्त्रिक शोबा (बाद शब्दे हरू) १

शहूजीकी सार्वी ६ ३१ ३२ १व 👣 शबुजीके कुबकर धध्योंका प्रर्थ २ 'शबू शीनश्यालको जन शर्मन वियो' ४ राबुधानीक्षरपत्तव (शासम्त) ६१ बाबुस्तुति सथया ४१ बाबसीला १२ रामधीमा (योह्यमग्राप्त) १६ ३४ दानलोशा (कृथ्यवरित्र) १६४ विक्रमीको पासस्याङ्गीका स्वीरा १४५ दिस्सीवरवार काएका चित्र १४२ बोतवारकी कवा ५व बीयमालिकाकवा १४ **बीपाका नव ४३** बीबांच रामचंदशीको हाल १२४ दुपदी रर्मणी (क्वोर) ३० ६६ gaites (1 हुपस्तिव १२७ हुहा (बबरीजमाद बाषायं) १२२ बुप्टाम्त बोहा (श्कुट) १६ क्ष्यम्ड साळी (रायोदास) ६१ वृष्टाम्त वाची श्कुरवर ७ देशिसका पर ४२ बैच्यपशाध्यमापनस्तोत्र १३५ देवदासका भोपपद ४ वेबोमानमीपुत्रा १३८ देवीरहत्यके श्चन पत्र १५७ वेहशक्मंबाव (मुम्दरः ) ४१ बीय बरीब भाग (रस्त्रद) ३१ बाह्यस्थम (दुनाराष्ट्र) १११ शोहाबली (रामनदे) ३०

ч ध्यानवंत्ररी (राजानुबदान) १ ४ ध्या(१) क्ष्मोना (क्ष्मसत् ) ११ ध्यानजीना (दुलर्शनिवध) १११ भेग्नाम (जनदानाम) हर हर हर 12 15 ct 23 35 a1

अ्थपित (परमानवदास) १६ श्वदासमाभी १२ बनांका पद ४१ वज्रोकी साक्षी ६१ धरदायक्रिणीकस्य १२७ वनगरकंडन (भएकानदास विर्देवनी) ६४ वनुमधिमाद्वासम्ब १४ वर्मसंबाद (श्वनवीपान) ७ १६ वर्गसम् १७ भूवनीयसकी अल्ही १५ ४६ मूनकेप्रपृष्णीताबक्षणातः ४७

म्यामवर्धनाविके प्रचीर्ण वस १६१

म्यामबार्तिकमाव्य १६ गमस्कारमध्यमानि स्यूटश्च**तत्र ७** व **३.** १ नमोल्लक्क्यूसङ्क्षनाम १३४ नरवत्तीसस्वय ६१ नरकरकोच (नीरक ) २१ ४४ ५३ गरबंधोक्थणिका (धोरख) ७४ नर्राबह्यभारतीका पत्र ४ नरसी भावि पवसंघह ६७ नरतीबीबी हुडी (स्तनशस) १६ मरसी महताका पर ४ वरेचा(नारावचः)धानस्थ्याची वेतिहातिच-

पण ११३ नवप्रदूर्णज्ञापनिधि १६७, १६०

नवप्रमुक्तोबानि १६७ बंदना भक्ति २ मंब लाब २ नवनिविनाम ६१ नवनोरहायंव (गोरख ) २१ नवरत्व १५६ नवरत्नकविशः (केंग्रवशाधः) १७, ६४ मधरत्मस्तीम १२व मबरालका इसिहास १६६

मधरलकाम्य ( व ११६

नवराजस्थापना नवाब जामधानाका वर्षे १७ बनावारीयंत्र (बयसामाः) १३६ नसीहतनाया (हरिकास) ४ ६१ नक्षकोनप्रेन (पूर्वीनाय) ४८ नानरपान १२३ नायप्रजंतको सन्दर्भ २६ ४५ वायात्रंग (रागश्ररण) ६६ नामारासी नीसाबी (रामबर्ग) ३३ गागीपरीका १४७ गामबंधशकस्ति (बीहरि) १२३ नाम्शतस्थनकि दुस्तकालक्का सुम्रीपत 725

नानकशीका दब १६, ६१ नामक्रमोकी शाक्षी २६, दश ६१ गामवेशकोशा प्या १ १४, २६ गानवेचवीची परवार्ट ७ १३ नामनेक्वीकी साक्षी १: ११ नामनेक्सीक किप्पणीपर्वे पर धीका २ गामबेचबीचे शैथील वर्षे पर श्रीका २ गामिक्यपद्मेच (हरियास) १४ नामप्रकाप (रामकरन) ६० ५७ नामबंशीसी (सुरतराम) ६६ नामनद्भिमानायश्च (वेदायात) १३ नावमाला (परश्चराम) १व नामगरला (बाबिब) र

नामसामा--धीत बेलियो (रतन् हुमीर)

\$\$

वामग्रीका (वास) यह शामशाहारम्य (दिवकम्याचेवार) ११ वानराताकारतीय १५६ नामाध्यक्ष (नुन्यरकास) ६३ वाचाका वर्ष ४१ नार्वेषकत्रा यद ४१ वायिकारिके स्पूत कविश १४१ न रहपाक्रकर अंदिक

बारबीयपूराब (पूर्व भाव) १४७ नारायवक्रयप १२व नारायमहृदयस्तोत्र १२७ बासकतभाषा (इयानदास) १६ १५४ शासकतस्याक्याकभावा ११ मारायध्यमं १५% मारायबस्तोत्र १३% मारायभनुस्तमास्य १२६ मारायचङ्करपस्तोत्र १२१ १३६ नाव(म) बानार्यव (हरिवास) १४ मांबतार (प्रतेस्वंच राठीड़) ११४ नियद्वपका सम ८१ निपंदसार १४१ निषद्भविषि १४४ नित्पतपर्वाविषः १३० १४६ निरयमाञ्चितियः १५७ निम्बास्तृतिश्रंच (ईंबरबाक) ११४ निम्बाइंग्डॉस १३१ निम्बाद्यमयसाध्यक्ष १११ निर्वाणयोगपढ महावेदशोक्षी १२ निरोधनक्षम १६ निरजनविष्यांचयोगप्रध्य (वृत्री ) ४७ निरजनपुराबप्रव ५१ निमांची ठाकुरा धीकुरवाबाहजीरी ११२ मातिक तीन इसोक है मीतिनवस्त (पदावदास) ३२ ३.३ मोतिमञ्जरी ३४ मात्रिविवीह ६७ नीरिमारन रक्ष (यह नुवृद्धि) १ अ बाबयाध्यको बोही (बरमश्राय) १६ मोनाबीयां धेरमावबरी ११३ नातांची अवस्था नवाया हुए भानाची वहाराज प्रतासीनहजीको (हरून बर बिरोश) वर ११२ म नांची रायचह मनाहरश्रसांच रावस

मगरामक्षारको ११२

नृतिहस्युतिपद-भवन १३६ वृतिह्दातःस्यरचं १३३ वसिष्ठमंत्र १३२ मृसिहस्तोत्र १२८ नृधिहतहसासरमंत्र १६६ नेतको पद ४३ नेहरुरंग (रावरामा युपलिह) १६ बेहाजीको चतावनी ६२ नेनके कविता वश नवयीवकरितम् १४४ नैननामां (बाजिद) धर नीधेरवां बादवाहके दत्त हान ११४ व्यव्द्रप्रयोजसरस्थती कोमग्रंब (पूनु) ४७ प्रचासी ८१ अविञ्चानम् १४ प्रतापप्रीतिमंत्ररी (भारती) ११२ प्रतापवचीसी ११ प्रतापनियास्त्रज्ञारा १६ प्रतापची रहवाशा १६ प्रतिकोषप्रागरीको कोपर्य- (पृत् ) प्रदोवत्रतकथा १४ प्रवश्नवरिषाचम् १२४ प्रवद्यसम्या १६७ प्रयास्तप्रकार्या । प्रबोधकावनी (बिनरम) ! ४, १४१ शापनुषाकर १४व प्रज्ञादकरिक (अनयोशास) ४६ ६२ ३६ 15 15 11 दानप्रदीव (प्रयोगिय) १४७ प्रायासमा (बेबान्स) १८३ aufenzerluet tet BIGGIERI CE 45 प्राथशायको नाची वर प्रावहरहती कादह व (वृषीनावनुत्रपार) प्राचपचीसी (पृश्य ) ४६ प्राचलक्सी (बोरका) पृथ ४४ ७४ प्राणसीक्सी (कीरंपनाक) ४४ प्रातःस्मरचम् १६२ प्रातःसम्या १६७ प्राचेनाध्यक (सुन्दरबाक) वक प्रास्तानिक कवित्रहृद्द्रावि वह १ ७ प्रीतिसता (सः प्रतापतिङ् वयनिषि) ३४ ग्रेसप्रकास (दक्षनिधि) ३४ १४१ प्रेमनामञ्जेगप्रेच (अपजीवन) १४ प्रमरतनाचर (भैया रतनपालक्) ११३ पचीस नाम (बेरब्यास) वर्ष धङवर्डडमीखवा (मरपति) १२ पञ्चतत्त्राज्ञाजोवज्ञान (बोरपा ) २२ पञ्चपत्री १६ वज्ञानुको हनुसरकवण १२४ १४३ पञ्चरका १३२ वञ्चलक्षमी १६ रज्याञ्चयकीलयम १९६ पञ्चाप्यायो (नवकाक) १११ बज्जाबी बच्चक (मुखरवात) ६३ पट्टीपहाड़ा ३७ १४३ बठान (पाटक रे) का विचनारा ४२ वर्गितसवादशस्य (शामकरण) ६६ पद्मनाथवेदासयप्रस्तितस्यक्षम् (भनिकन्त कवि) ११६

चयावनीस्तीव १२६ वय (बोरयः ) १४ पर (बोरयाः) १४ पर (बोरयाः) १४ पर (बोरयाः) १४ परमधु (बांग्यः) ११ परमपुराचनीत्राः (पृत्ये मु ) ४७ परमपुर (बोर्ग्ये) १६

पथसम्रह (स्पूजः) १ ११ **पन्त्रहतिवियंत्र (पोरस्र ) २१ ७४** वसमयबाहो (शासदमय) १५६ परवेतीमाणको कोडी (परसराम) १६ परमानम्बरासका वद ४१ परतको पर ४३ परसंबंधि वासी १६, ४ ६१ वरत्तरामका वह ४ (१ दरसराम**बीकी वाको १**व परिभाषा (ब्याकरण) १६१ परिमानामास्कर १४६ गरिना<del>वेणुद्धेश्वर</del> १४३ परिभाषन्युखेखरडीका १४३ १४६ प्रमीपतनविचार १४ श्वनस्थरोदय (वरणदात) २ वभावसी १६६ पानाववर्षय (प्रापृत्ये) १४६ पातली (गहाप्रसावकी) १६४ पावञ्चनयोगधसमयुक्ति (राज्यातग्डाः-भिया) १४६ १६१ वाविवविकासम्बद्धाः १३व पाविवपूजनम् १३७ वाक्षिरवरविष्ठामणिविद्यार्थत्र १६२ वार्वतोकी प्राप्ती २२ ४३ पाञ्चमभुमद्भिम्भनतोष १६१ वारसभाग भ पासाजनको १६६ पानलीयहारेवर्सवार (कोरक ) २ विञ्लास १६ विञ्चलक्ष्म (बाबोबर) १२ विष्याध्यको आहे (बरमरान) १६ विसर्पाणनार (सेवाशस) १३ थोगाको वस ४३ योगाओका का वर् बीबाजीकी बरवर्ड (धनग्तदात) ७, १४

\$ s

पीपाओको सायते १५ ३६, ६१ पोरमुरोद प्रष्टक (मुम्दरदास) 📢 पीककी शाली ४ पुर्वराह्याचन १३७ पुश्यमुक्तम् १२७ पुरुयोश्चम (विय्वृदिया) सहस्रवाम 121 121 पुष्योत्तयमाहात्म्य १४ १४६ पुष्टिप्रवाहमर्यादाभव १५६ पुरचको पद ४३ पृथ्शेममस (इरकानाय यह) ४२ पुर्यामामबीको सम्बो ४६ षुषीतावज्ञोयपंत्र ४६ पुषीराजका वद ४६ योमिडिकस हिस्दी धाँच जयपूर श्रेड (कनस में सी स क) १२४ फबर्मे बीस्थ महाराजा भी निर्भाशका म गाँतहुओ प्रथम १२१ करोरा घेयकी साधी कर चापरम (मबाई प्रतापतिह) ३४ ३५ फरकर संप्रह १७ ष्टनहारी हार (मशेहर प्रयां) १२२ बद्धा प्रस्ति क्षोत्र अवशोजपत्त्व (पृ.सू.) बद्धा बारेम्र शोवकृष (वृ नू ) ४७ Attend tox 15x वद्यश्चितामाञ्चामध्यम् ६२ बद्घान्योन (मन्तरास) १७ बहुत्तावावमोरत्तरशोध १४६ बद्धानिरावयाध्यक्तनोत्र १८५ बद्धारहस्याच्याच ११२ बद्दानीनाच व (बाहुनशान) अ बह्मानुनि (हरियान) ३ १ ट

बद्दालात्र सस्दब्द (गुन्दरहात) ६३ दब

१३६

बह्यस्तोत्रनिरम्बन घव्याङ्ग (प्रकृर) ५४ ब्रह्मस्तोत्र इत्रोक् ६२ बक्तनाका वस (ब्याहमी) ४२ वक्रमाधी साधी ६१ वक्रताजीका पर व वाशी १ ४ बच्चभाओं के वे वर्ती वर बीका २ बमलानुद्धीरतीत्र १३६ बजरवसावनी १२ बमारबीबाहक वद २७ बलिवायनचरित्र (हुवपनाय) ५४ बलिबंदवरेशकर्म १३७ बहायशी क्षेत्रका पद ४४ बांकीशश्चन्नावसी सहीक (मुरारिशन कवियो) १२ वांचीरासक्त्यावसीके दूसरे भावकी अस्मिका १२१ बांबीदासयस्य।बसीसे सम्बद्ध सामग्री १२१ बारहराहो (धीनिवास) ३३ (क्वकावलीती) १६४ (कुररतका क्यमा) १४१ (सासदान) १ ६ (नूरतिह) १ ६ (रावधार) १ ६ źν (बधे) १ ६ रामजीको (नुमसोदास) १ ६ हृष्यवरित्र (श्रीनियात) १ ६ मुरापाओको १ ६ (मरामाशस) १ ६ (सनिवक्तियोगी) १ ६ (शरियाम) ११ बारह प्रशोत्तर २ बारहपरा (बकोर) ७ ३० ६६ बारह्याम ५ बररह्मानः दर (भगवोद्यव) १३ (मनगाराम) ४१ ७६

(९घनेज) १३

वारहमासी १२ (पृथीभाष) ४८ बार्ख्यासीसंद्रहरू द द१ 25 25 बारामासी कानजीकी ११ हुम्मती (पद्मोबालाम कान्द्रबास) माचकरामश्रीका कवित ६३ *वानका विदासम्भावितसंबद्ध* १६२ मान्यपुर्वाती लाइयलकोची क्रम्यी १४ १३ बाधनायकी सम्बी २३ ४% मासप्रकोषिनीयार्ता (रामापुत्रवास) १ **३** बालबोम १६६, १५६ मान्यसम्बोगरामायम (किंग्ररवास) १ ६ बायनकीसा (परसराय) १६ धाननी (क्रम्बदास) १ ६ (बबीर) एक १व ६६, १ ३१ (रक्बक) ४२ (बाननिसीक) १ ६ (भीवचन) १ १ बाक्शीयोपदान्य (हरिवात) १ ६ विदुरवत्तीको (बांबीवास) १५१ विन्दुविद्यान्तकोमसम्ब (वृषी ) ४० विद्वारीतसम्बद्ध १६ धीवलका पर ३८ बीवियाका पर ४३ श्रीससजीके मन्दिरका किसासेका १२१ बीताका पर ४१ बुगविकास (गमेधकम्बाईकास) १ ६ बुरहेबाह्यी तेह्याँ १ ६ ब्रह्मजोकी सामग्रे ६१ बृहरमातक १३६ बृङ्ग्याराजसीय वर्षद्वास्य १५७ क्रेमीका वट हर बेसी (कृष्य दक्षिमधीकी) वर्ष बेस्याकार्ता (बांकीवास) ११४ 353

भेंच(म)रणीतमाया (**वनमुकुम्ब**) इ**१** भ्रमविश्वसकोपप्रत्य (वृ सू ) ४६ धक्तजपबेदानी (परत्तराम) २ भक्तमाल (नाधमास) १४२ **शक्तमासक्या** १४७ परतयानदीका (रायवदाय) ६ भक्तमास स्वरीक (जियानाम) १४१, १६१ पक्समाना (परवराम) ७० पक्तविरवावसी (हरिबास) ± ६३ वस्तिवांवती (पश्चानम्ब) १३ पश्चिमद्भिनी १६ भयतवाधी (बोमवाध) ६२ भयतिषेत्रुष्टप्रांच (पृत् ) ४७ नवक्ष्मरचयति (प्रसंद--भागवतकः) 3 9 भव्यनपर्वाश्च स्कूट र भवनसम्बद्ध १६१ १६४ शमबब्गीला १६३ १६६ (भाषाबीकासदित) १४व (दरमायन्दप्रवोभिनी रीकासब्दित है १६६ (श्रापापकानुमामकदित) १५३ (धुबोधिबीडीकासहित) १५४ भवववृत्तविकारतावनी स्राप्ति १४३ भगवदाराजनम् १५७ भववद्गामब्दीपुरी ११७ भर्तृ हरियं राज्यसतसम्बद्धीका (नश्यानदास निरम्बनी) ६४ चर्त् हरिसायवश<del>स्त्रवृत्व</del> १४*व* भरतकरिक (जनमोपान ) ३१ ४८, ६२ धरतविसाप (विषाय है) १२ **गरथरीकी सम्ब**िपोस्का ) २२ ४४

वेसरमोतीके कवित्त ८४

भ

बोहितदासका पर ४

भ्रमस्पीत १३६

भरवरीवरित्र (वीवनवाक) १६ भरवरीजीका इसीक है। भरवरीजीका सब —रावा रोकी संवाद (वीरदा) ४३

परिदर्भ । प्रेप्ट भरवरीयोगदर (वानु) १७ भरवरीयदिवास (वानु) १३ भरवरीयदिवास (वानु) १३ भरमसोद (शलदाध) १७ भरविद्यास व्यव्ह (कृतर ) ६३ भवामोडी धारती (शिवामान्य) १३ भागवत्रक्रमत्व (वाचान्य) १३ भागवत्रक्रमत्व (वाचान्य) १३ भागवत्रकृत्रकाम सटीव १४७ भागवत्रकृत्रकाम सटीव १४७

**११**= (मृक्त) १४७ ु पञ्चम सबीच १४७ भागवत पर करक कविता ४ भागवतसारवणीको १५४ मामका वह ४ भारपश्चरित्र (जन्हम अट्ट) १२२ भाषाकामस्य (क्रवेदराज कारहर) ११३ भावाभूषवं (महा जनवंतनिह) १ ७ भाषास्वरास्य (योरधा ) १ ४ भीवडी साम्री ४ भीषवनकी बावनी ६ ६३ १४१ भोष्मगीतम् (भागवत) १ ६ whenvers 146 भजन्नप्रयानदन्दः रतोधः (धवान्याः) १३३ मुरवातभूषम (बोबोहाल) १२

मुबबका वर ३१, ४२

भूकोलवुराबग्राव प्रश

भारतीय ११०

भूषका कविश ह

भूतम्इपारियाधवनिया १३७

धेडके समेते (जनगेपान) ४८ " (रज्यव) ४२ भेरबाटक (विश्वक्य) स्त्रीय १२४ भेरु कवि शीर उसकी कविता (सर्वक्ष्यपारीक) १२२

भेके सबदाका पर ४६

म

सम्बोग्द्र-दोरमधीय ७४
सत्त्रवोग्द्र-दोरमधीय ७४
सत्त्रवोग्द्र-देर मतिमुदरका पत्र ११
सत्त्रवाद्यात (क्षित्र सात्र) ४६
स्वत्रवाद्याति ११८
स्वत्रवाद्याति ११८
स्वाप्त्रवादि क्षित्र (गुन्दरस्त) ११
स्वप्तास्त्रवेकमा (चतुन्नुवस्त) वह स्व

जपुराद्धकरसोष १६ जनसभना ११६ अम्म बुनही जारिक १४ जनसम्बाद १४१ जनस्वाद १४१ जनसम्बाद १४१ जनसम्बाद १४१ जनसम्बाद १६ स्वत्यक्रोप (पृयोगाव) ४७ जनसम्बाद १३ जनसम्बाद जस्या (मृत्यदान) व्य जनसम्बाद जस्या (मृत्यदान) व्य जनसम्बाद जस्या (मृत्यदान) व्य जनसम्बाद जस्या (मृत्यदान) व्य जनसम्बाद जस्योरी वात (पानिया बुपा)

करोहरबारिक (हनुमानायमी) १२२ क्याराक वरतीरो वात (यानिया कृपा)

हर ११६ व्याराक वरतीरो वात (यानिया कृपा)

वर ११६ व्याराक वरतीरो वात (यानिया कृपा)

वर्षाकारो क्याराक वर्षाकार वर्षाकारो क्याराकार हरे।

वर्षाकारो क्याराकार वर्षाकार व्याराकार क्याराकार क्याराकार व्याराकार व्याराकार

धहादेव-बोरलनवार २१ ४४ ६२

मार्गात्वकोचे राजकोचका मारका १ मारकाई धनासा १४१ मारकाईमामार्था (कविरात मीरकोचामार्था (कविरात मीरकोचे पर १६ मुश्तकपुरुवासी १६० मृशिकामार्थ १६० मृश्वकपुरुवासी

न्यानारायणगन्नरावस्तीप्रवित्तामवि १३ महापुष्पस्तोव १३४ महामृत्युक्कय (६९) विचान १३ महामस्पृत्रक्यस्तोत्र १२० महारामा जानसिह कश्चनता १२१ पद्वारामा मानसित प्रथमका चित्र १२३ महारामा प्रवतिहा १९१ महाजङ्गीकवच १३७ महालक्ष्मीपुचा १३७ महाबीरवरितम् (नावचम्) १६२ महिषीयीत १३६ मार्क मानिक मुकान (रसरावि) वर मादाबीकी विवायम (ईसरवास) ११४ माताभीचे जन्द १३२ माववद्धानकन्द्रमा श्रीचाई १३३ मानवर्तहार्यासदकम् (मानवविकास) (स्पापलक् ) १७ भाववानसकानकन्त्रका (बासन) ६४ ११% मामबेशुद्धंसानिषय (शामकातुर्वि) १५ माजवेजविवाज् बदालीश १४२ माबो समझाबका यह ४१ मानोसिंह सनाई पहाराना १२४ बानप्रसङ्ख्य बंग (हरियास) १४ मानमञ्ज्यदीनामभासा (गण्यवास) १ ६ मानविजयनवर (हमूसान धर्मा) १२३ मार्गाहरूबोचे राजनोचना क्योरा १२१ मावक्रियांसमाथ (कविराजा बांबीशात) 88 **28**8

वेणुनाव्यक्ततीय १९७ ११६
पृत्रिकतराङ्ग्रिकी (ध्ववर्षी) (कुमंपतियिय)
११८ १
पृत्रम्मता १६२
प्रोयाधियमा १४
थोवधासामाव १४४
योवधासामाव १४४
योवधासामाव व्यक्ति १४८
वोवधासामाव व्यक्ति १४८
वोवधासामाव व्यक्ति १४८
वोवधासामाव व्यक्ति १४८

य स्तीनास्तवीचित्रः १४६ पनुष्यायध्यस्तोत्र (श्रबुरावार्षे) ११ वनुष्यायध्यस्तोत्र १९७ ११६ स्वात्रवर्णकर्तो (श्रवतर्षे) (श्रवपारिक्र

६६ : श्रीद्वविषेक (बनपोपास) ६२ ४८ श्रीद्वविषेकस्य ६२ श्रीद्वविषेकस्यां १, ७६

मुकुल्य प्राथतीके २ वर्षी वर शीका २ मुक्रुष्यमाला (कुलस्रकरम्परिः) १ २ १२० पुकुष्यमुक्तावसी (श्रुवाधेश्वरतृपति) १ ६ मुरक्षीबहार (सवाई प्रशापसिंह) ३४ मुल्ला-पव्यवसंगाव ६९ मुहुर्राधिम्तानणि १३६ मृहुर्त्तविन्तानविनावा १४६ भूमन्य वहाकानजोवधस्य (पृथीनाच) ४**७** मुमरामायच १२० १३४ मुससूत्र (पञ्चमाच्याम) १३१ मृत्<del>युम्भवस्तीम</del> १५*व* नृत्युनाङ्ग शमन्य १५७ मेहाकी चेतावणी ४२ गीमियके सक्रम ४ मोतृबवासखीका पद ४० भीइवमेड (बनयोगास) व४ बोहर्क्व (कविराचा बांकीबादा) ११४ नोक्षमर्वतवर्षम नोहर्मवंराज्ञाकीकचा (बणकाच) ११ १६ 48 X8 44

₹

रपनाबबरित काशे (वरवरान) १६ रपनावरक्षशतम् १२६ रपराजविकार (पुर दर) ६२ रपवरवधायनो पादि १६६ रपदाबादिनारा ४२

स्पृथावर विश्वज्ञास्य ४३ स्पृथाज्ञ १४३ १४१ स्पृथाज्ञासीया १४४

राम्मराज्ञाना १५ राज्ञश्रात्रीका कविता ६ ६३

राज्यक्रीयां कवित्त-शंथी ६३ राज्यक्रीकी सुधी लाखी १ राज्यक्रीकी सुधी लाखी कवित्त अवदा

पर वादि १० राज्यस्त्रोको साधी २६ ४२ राज्यस्त्रोको साधी एवं शब्द कविश्व ७

राज्य विदेशियां वर्द अपरेश्व

रक्ष्यानाथ (क्ष्यद मा ८१ रक्ष्यानाथ भग्द कोट शक्ष्याङ्ग (माध्ये देनोडमाड) १२३

रायक्षा १४४ रायक है (बरिजन्द) १७ र वावन्द्रा वास्ट (बर्वब्राव) वर्

रवस्त्रवस्त्रवस्ता है। वहाई उपानिहा सन् सन्दर्भ राज्य देव

rante e piazra arepera fen le est fu minuel p

ाव (पुणक्त ह इत्रहात हो

erat out all t

TERR CIPIE SAL

र्शनकी या (क्यावरान) कथ राजकाञ्चार रश्यिकोयञ्जन (हरिनेवक) स

रहरानप्रस्य (बोरमः ) १६

रहायकियान १४ शतकोग्ट# ३३

शावसम्बद्धे (पुण्यतीक विदुत्त) १ दे शावनामाने सोते ३३ शावनाव्यवस्थान १३

रायोकी साम्रो ४ रायोकी काम्रो ४ रायोकोको कवित्त ३

शक्रवीति (जमेवराज कारहरू) ११६ शक्रवीतिकवित्र (देवीराम) १२

राजनानकावन (स्वाराम) १२

राश्वनीतिवासा (उप्येटराम) १६ राश्वनाथको स्थानकोका स्थीरा १२२

राजपुरायकं द्वार्श्व आतम्य वृक्तामा १६२ राजपासम् (सर्वजनुष्यार) ११४ राजपासो सम्बद्ध कविपार्च १४२

राज्ञाचारा नाम एवं कारणार् १८४ राज्ञा चण्डको साथ (महस्य ब्राह्मण) १६ राज्ञा-चण्डासारोको ब्रह्मण्डीयार १२४

राह्मस्यहानाः रिन्दरी विदेश १६१ राह्मेह्मिटि (सम्बद्ध श्रृष्ट) १३२ राह्मेह्मिटि (सम्बद्ध श्रृष्ट) भ्रमानं (विक

राजा वांबोदाक) ११६ राजारणतुवर्णनिवन्तव १३१ राजारणतुवर्णनिवन्त्रेष १३६

शास्त्राच १२० १६४ शास्त्राच (देन १८६) ११६ शास्त्राचारेऽस्त्र चान १ १

शास्त्र क्षणे व्यानी देश शास्त्र वर्गात क्षणे हे व्यान्त हे व्यान्त हे व्यान्त शास्त्र वर्गात वर्गात है व्यान

and the alicelatification of a single have the

timetali entriel fi

महानारस्यवसम्बराजस्तोत्रविन्तामणि १३ महापुस्पस्तोच १६४ महामृत्युक्तस्य (क्य) विकाश १३ महामस्पृष्टकपस्तोत्र १२व महाराजा मानसिंह कद्यशाहा १२१ महाराज्य मानसिंह प्रचनका चित्र १२३ महाराचा प्रकार्यासह १२१ महासस्योकस्य १५७ सहासम्मीपुत्रा १३७ म्ह्यमोरचरितम् (नावचन्) १६२ महिपीबीद १३१ मार्थ मानिक मुकाम (रखराधि) वर माताबीको विवासम् (ईसप्रवास) ११४ माताओरी द्रम्य १३२ भाववकामकम्बसा चोपाई १३३ मापर्वतिद्वार्याद्यतचम् (भावपविकास) (झ्यायलङ्क् ) १७ भाषवानसकामकम्बन्धः (श्रासम्) ६४ ११% माधवेमुद्रांबानिचय (माधवस्मुति) १३ माधवेप्रविवाह बवागीत १४३ माभी जपप्रावका वह ४१ मायोखिह सवाई सहाराजा १२४ भागप्रसङ्घ यंत्र (हरियास) १४ मानमञ्जरीनाममाना (नमबाछ) १ ह बानविज्ञयनध्यक्ष (हुनुमान धर्मा) १२३ मानसिङ्गीके राजलोकका ध्वीरा १२१ मारक्ट २ मारबादी सनासा १४१ मावडिपानिकात्र (कविराजा शंकीशस) 11% 27

मीडकीनावकी धन्यो ४६

मोरांक पर ६६

भौराजीके यह १६

मुहम्बद्धाः बद ४१

बक्तकपुरतायको १६० पुरितमस्य १४

मुकुम्बमाला (कुलक्षकरन्यति) १ ६, १२० मुकुन्वमुक्ताशको (कुलग्रेक्करनृपति) १ १ मुरक्षेत्रिहार (सवा**र्ड** प्रतापसिष्क) ३४ मुस्ला-पविक्रतस्याव ६२ मुद्रसचिन्तामचि १३६ मृहुर्त्तविभ्तामविभाषा १४६ भूसपद यहासामकोयद**ा**च (पृत्रीवाच) ४७ मृत्ररामायम १२० १३४ पुसतुब (पञ्चमाध्याय) १३१ मृत्युम्बयस्तीय १२व नृत्युत्ताङ्ग सम्बन्न १२७ मेहाकी श्रेताक्त्री १२ गोमियके सहस्व ४ योज्ञनका स्वक्षीका यह ४॥ ओ्ड्डबें∓ (समयोगास) च४ नोहमर्वन (कविराजा बांकीवार) ११५ धोहनर्वपदर्वच ्र वोद्धनर्वराज्यक्षेत्रचा (वक्षप्राच) ११ १६ 52 X5 AE बोह्यिवेक (अनयोपास) ३१ ४६ मोद्विविवेदप्रव शोहविवेदसंबाद 🔑 ७६ क्तीग्रयदशीपिका १४६ यमनक्षारककारोत्र (सङ्करावार्य) ११ वयुनाध्यक्तशोष १२७ ११६ वृक्तिवर्धित्रभो (ब्रववर्ध) (कुलप्रविमिध) \$ 07 JE युक्तसरतोष १६२ युवाविश्यका ४ योनविस्ताननि १४० धोनवासिकतार भावानुवादनक्षित (यवपति) १ ७

बोवस्य १४४

बोनप्रतभाषा सदीक १४६

थोयहबरी घरती (शोरधा ) द

मुकुष्य मारतीके २ वसों वर श्रीका २

₹

(पुनास्वरित्र जोडी (वरतसाय) ११ स्पान्यक्वारम् १२६ स्पान्यक्वारम् १२६ स्पुरान्यको (पुरान्य) वर स्पान्यकारम् वर्षे स्पुरान्यको सार्वि १२६ स्पुरान्यका १४६ स्पुरान्यका १४६ स्पुरान्यको १४६ स्पुरान्यको १४६ स्पुरान्यको १२६ स्पुरान्यको १२६ स्पुरान्यको वर्षे स्पुरान्यको स्यानको स्पुरान्यको स्पुरान्यको

राजवयोकी वासी २६ ४२ राजवयोकी वासी एवं रच्छ कविक छ राजवयोक कविस ४६

्रा पर २७ रजवादोय (कारास) व१ रजवादोक सम्बे धोर राजधिन्ह (मृग्धी वेदोधसाह) १२२

राजकोश १४४ राजवती (कविज्ञान) २७ राजवावतीको वासर्ग (कविज्ञान) ४६ राजकामध्यक्तीकी (सवाई प्रश्लासिह)

रमेंची (क्नीर) ३ १ड रसकीपुक (राजसभारकजन सनस्थाप्रसंध) धन

रसमानके मनिस्त ६६ द्याप्तृतिविष्माको माम्यमाम् १४० रसप्तेयुवतिय (सोधनान) ३१ रसप्तमान्यो स्टोम १४० रस्तदस्य (दुन्नदित) १७ रस्तम्य (पप्तमाप्तृ) १२ रस्तम्य (पप्तमाप्तृ) १२ रस्तमान्ये हिमीप्त १४१ प्रसिद्धविधा (क्यांचराच) यक्ष रसिकाद्वाद स्थिमणीमङ्गास (हरिसेवक) रहरालयभ्य (गोरखः ) १३ श्ह्रस्यवितयाथ १४ ernaliza 33 रामपञ्चारी (पृथ्वतीख विदूत्त) १०६ रामयालाक बोहे इक् गवनावकातीय १३ राचोडी सापी ४ राधोत्रीको कविस ३ राजनीति (अमेरशाय बारहट) ११६ राअनीतिकविश्व (वेबीवास) ३२ राज्योजिका बहिल ३३ राजनीतिभाषां (उप्नेदराम) ३३ राज्यतानकी रिवासओंका स्थीरा १२२ राजपुतानक कुछ बातव्य बुत्ताम्त १२२ राजवस्त्रभ (यण्डनसूत्रभार) ११४ राजस्थानी लेख एवं कविवार्षे १२२ शता कमकी बात (लडमन बाह्यन) ६६ राजा-वादप्रकृति वंद्यापनिया १२४ राध्येद्रकताचा किनरी निमत १५१ राठोड़चरित्र (यण्डम भट्ट) १२२ रापात्रीके विद्यवद्यवस्तको भूमात (करि-राजा बांबोदाडी ११४ रापारवनुपानिधिस्तव १११ राषारसमुपानिधिस्त्रोप १३६ रायास्तोत्र १२७ १६४ रायक्यक (वैसोन्यमोहननाय) १४६ रामनामधीयज्ञास १२६ रायशीतनोतिमदकाच्य १४१ रामचग्रकी छस्ती १३ रामचग्रजीको करको (शोहरमस) १ ६ रामधीवस्तवस्यात १२६ रामचन्त्रिका (केशबदास) ५४ रामचरमञीके वह अञ्चन ६६ रामचरित (कानुबासकृत) ११

रामबरितमानसं वक्ष, १३७ रामबी सम्बन्ध (मुम्श्रशसाय) ६३ रामवापिम्पुपनिष्म् सबीक (सानन्तिविव नामनी बोका) १६१

रामनावानी राज्युकी शासनीर १११
रामनावानी (पुरसी) १३
रामनुवा १३४
रामनुवा १३४
रामनुवारिक १३व
राममंत्रिक स्थेव
राममंत्रिक १३०
रामराज्ञानिक १२ १२६ १२७
रामसम्मान्येव।रस्तोक ४
रामस्त्रवरास्य १३३

रामस्या प्रकाम सकाई १२४ दितीय » १२४ रामस्यिक्षी द्वितीय सञ्चारांका सकाईका इतिहास १२२

रामस्तवराच स्मीक १४६

रायस्तोत ६ १२व १३२

रामधतनामस्तोच न४

रामान्यका यह वेह रामान्यकारकरांचि ११४ रामान्यकारकरांचि १३४ रामान्यकार्यकारिक १३५ रामान्यकार्यकारिक १४४ रामान्यकार्यकार १४१ रामान्यकारकरांचि १४४ रामान्यकारकरांचि १३६ रामान्यक (अक्ट्राप्यमा) = १३ रामान्यकारकरांचिकारक मृद् राजकारिक (गय्यन कहूं) १६
राजिसम्ब्रस्य १
राजको रेक्सा (स्वार्ड प्रताप ) ३४
रास्पण्डेकसा (स्वार्ड प्रताप ) ३४
रास्पण्डेकसा (स्वार्ड प्रताप ) ३४
रास्पण्डासामी १९
रास्पण्डासामीशाव स्वार्ड ११
रास्पण्डासामीशाव सार्ड ११
व्याप्तीलीको आपको (सङ्ग्रमम) १६

प्राध्याच्याची १वेव क्यमीप ११ क्यबीपधनिज्ञान (बयक्रमा) ८७ क्यबीपपिज्ञान ११४ १४व नाया १४६

क्यमानात्त्व १२

स्मानमारी (गणरात) २७ रेखता (वेचानास) १४

, (क्षेपरात) ६४ , (मृतसमान क्वीरॉके) ३

" सबह (स प्रताप) १४ रैवास-क्वीरपोन्टी १७ रैवासकी परवर्ष ७ रैवासकी ३ पवों पर डीका २ रैवासकीका पद १ १ रैवासकीकी वाणी ११ रैवासकीके पद २१

रोमाबसोग्रन्थ (योरख ) २१ ७४ ग

नकपतनसमिन्यु चित्रम (त्रुविधेय) १६ तकपाननामको प्रथमी २३ नथुनामक १३६ नयुनामका १६६ नयुनामका (चैमकात) १ ४ नकपीक्षमका प्रव ४१ सप्याधेन्त्वार १४६ स्वर्ध-प्रस्ता-त्रोगपाय (स्ववात) ६१ स्वांगको हाल १२४ सम्प्याध्यानस्वात १४ सम्प्याध्यानस्वात १४७ स्वयंग्याध्यानस्वात १२४ स्वयोगपायव्यव्याप्त १४६ स्वयोगपायव्यव्याप्त १४६ सम्बोन्द्रीयव्यव्यव्याप्त १३६ सम्बोन्द्रीय्याध्यव्याप्त १३६ सम्बोन्द्रीय्याध्यव्याप्त १३६ सम्बोन्द्रीय १६६ १३६ सम्बोन्द्रीय १६६ १३६

हड्ड मान्योह्स्यानाम ११७
लाहम्बर्ग २४ ४१
लाहम्य २४ ४१
लाहम्य २४ ४१
लाहम्य ११४

व्यतिपातकमा १४ व्यावका पर ४१ स्माक्तोजीपपम (इत्तिकाक) १४ व्यत्तिकार १४३ स्मानियकारकोण १४३ समानियकारकोण (स. मसानिक साहि)

18

वनरततरङ्ग (स्थामातको) १६

बरापुबोद्यास्त्र १४४ बनलोला (शायोबास) १११ वर्षांचांबध्यमुषक बोहे ३४ मरवराज्यस्तव १३ ब्रामीकको यह ४३ बारतभाष्यकारोव १५६ बारवनुपाधकरण सदीकं १४४ क्षारम्यवद्यक्षकास्य सहीक १४४ कांबरकी धरिएम २० बाजिस्मीशे ताची १ बाणीभूषण (जमेदरान बारहड) ११३ बाणीसंग्रह १६१ विकामकरिय (भारपति कवि) ३२ विक्रमाशिक्षका " विश्वारमासा १ विवारमासा (शनावदाता) १६ ६२ विजयविषाह (जुरारीरास जारहरू) ११% विज्ञविकात विजेबियाह ११३ विवृद्यसोक्षी (कविशामा वांकीशास) ११५ विनयकी खुन्पय (क्रमध्याम) ३७ विनवसोहासमी (प्राथमुखराय) १ ६ विनयपत्रिका तुलसीशास) ६ विषय समञ्जादननगढाम्य स्तरीक (नुम्बरबास) धय विरद्व प्रक्रिको मोडी (वरसंराम) १३ विराहरिकारी (सूरवास) १६ विश्वसासिक्षा (स. प्रकारिक्ष) ३४ विशोधाक्षरकोक-बोहा (रामचरम) ३३ विवयुष्यतिः १६व विविध (चतुर्विधित) वाधनौ १२४ विवेकविष्तामधि (सुध्दरदाङ) १७ विषक्षचिम्हाधनी ६ विवेक्ष्मेतावनी (सुन्दरवात) ११ वियेकपर्म्याजय ११६ विषयपारता गीशाणी मुख (केतपराप्त

विस्तानस्ताको क्या १४ विरामुक्त सिक्सप्रिमासकोत्र १२६ विरामुक्त सिक्सप्रिमासकोत्र १२६ विरामुक्तम्यस्तोत्र १२६ विरामुक्तमप्रयोग १ च १३च विरामुक्तमप्रयोग १२६ विरामुक्तमप्रयोग १२६ विरामुक्तमप्रयोग स्थाप्त स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना ११

तिष्णुकरातौ १११ विप्तीरक्षयद्वकारात्त्वा १२६ विप्तीरक्षयद्वकारात्त्वा १२१ विद्यारिकतक्षि स्कूर वस्त्र काश्चि १११ विद्यारिकतक्षि स्कूर वस्त्र क्षात्र १११ वर्षास्त्रात्त्व (इरिकारक्षिक्ष) ११४ वृत्तात्त्वात्त्र (वीकृत्वाह) ११४ वृत्तात्त्वात्त्र १४४ वृत्तात्त्वात्त्र ११६

बद्धभोग जाता १४= वैद्यविमोड भाषा (द्यवन्तराम) ६ वैवक्तीता १० वैविक स्पणसामाणार (हरेड्डम्म) १० वेविक स्पणुश्यकार १४६ वराम्यसम्बर्धा (स. प्रतापसिष्ठ) ११ वंस्मयसम्बर्धा (स. प्रतापसिष्ठ) ११ स् वंस्मयसम्बर्धाः (स्परापसिष्ठासम्बर्धाः) ११ स् वसक्तारता (कविरामा वंकीतस्य) १११

स्याण्यरित (ज्यान्यायी) १४१ स्थापनश्चीती (स्थाप) ६४ , (परापी वर्षि) ६२ स्थापनश्चिति ११व स्थापनश्चित्तात (पोणावराती १ स्थापनश्चित्तात ११६ स्थापनश्चित्तात्व ११७ स्थापनश्चित्तात्वस्य (पाळसध्यममञ्जापन ११

धोपुणराजधेश १४व श्रीकामार्थस्य पुश्चरम्परा च १४ व्योजस्मार्थस्य ए धोनामसीका (परसगय) १व योजारायचन स्टारस्टेस्ट १४४ १तिमासक्यम्य १३ धीनास्त्रम्य ११ धीनास्त्रम्य ११६ धीनास्त्रम्य ११६

थीमुळकांमा (वामिष) १ भीरङ्गका पढ ४ भीरङ्गका १३ भीरङ्गकामा १३ भीरामग्राह्मकामानी १२७ भीरामग्राह्मकामानी १२४ भीरामग्राह्मकामानी १३१ भीरामग्राह्मकामानी १३१ भीरामग्राह्मकामानीनी १६१ भीरामग्राह्मकामानीनी १६१

योगमाजिनाव्यवस्तिः १३ योगिष्युनियः १४६ योगस्तारः (नुवयेन) यन्त्र १४६ म्ह्रारमञ्जरी (स. प्रकाणितह) १४ ह्वेनपबाक्तु र्शविध: १३व प्रक्रियार १४३ १४१ धरितवाद (स्थापधास्त्र) १६१

भोहरितीता (परसराव) १व

प्रक्तिकारिकरण १६१ र्ध्यक्तवाशयशीवका १६ धर्म्हिनो प्राप्ति नाधिकार्धेकि नतन तना

रपाट कविसाधि १४२

CPSSSUIGI E स विद्योधी दश ४३ धनायरभोको क्या (शामानन्य) ६२

(बेलिंग्ड) १२ घट्टप्रकाशयाच्य (श्रह्मस्थ) ६० घम्दरेवता (समारास) १७ मनेन्द्रपतरहोश १४३ ध्योनुप्रवाद्वायोद्धार १४३ प्रशेष्ट २ धत्रस्यपहनुमक्षतीत १३३ धानुविप्वसिनीस्टोन १३६ १४ प्राची**न्यार ≤७** १४२ मान्तरतकवित ६४ द्यान्तिक द्यन्द ४ ४ धानपामस्त्रीत्र १३६ धानिहोत्र १५१

द्यातिहोत्रमामा १४७

ब्रिय बंदोलकियोही बालिक (नोपाल-पान) ११ विनानेपाप्रतिविधितकप्रह ११६, ११७

शिवपौरीमञ्जलाचार ३३ विवयोधीयानी ४४ মিৰদাংঘৰত্বা কৰিল (বুলগুটাত) ৩৬ धिवनारायमधा कवित ११४ भिनमकामागन (हरकदशत) ११४ धिवयम्बराच १४१

धिववहिष्यातीय ११४ शिवमानसपूत्रा ११व

विद्यमानगीपूत्रा १३४ विषयधीदार्शवाद ३६ विक्रामातीयम् १२व

विकास महा पर ११ former tts

शिक्सवरीस्य १६

शिवनिहासी राठीवृत्ता श्रविता (साहित्रकान) 114

lual(स्त्तोत्र (स्वयं पत्र) १६६ विवाधकातीय १४२ जित्तबोबव्याहरम (काधीमाम) १००

(प्रध्यपुराण (बोरच) १४ द्यिध्यादयन (देसम ?) वन्य (मोरस) ४४ विशादक्षयोगवयनिका (गोरक्ष) ७४

शीप्रकोष १३६ वीत्रलास्त्रोत्र १६६ दाक्षेत्रकृता स्तुति १२व

शुक्रदेवजीकी सीमा (मोहनदास) ५२ शबोश्वरतोत्र (भाषवतः) १ ६ धर नुक्यिक १

वद्यक्कोच २ वद्धारमाचार्यमाम ६१ वहतुम्मन (वधाकर) ३६ वच्छीस्तोत १३६

श्वासम्बद्ध (सुम्बरबास) अव स्तुति स्योधशासामधी (इरिकामम) ३४ स्तोत्राविपुरितका (इस्तोकार्यसङ्घर्ड) १३४ स्माहसंघाम १४१ स्कृद्ध कविता (भूपर) २७ 11 IV III II IXV स्पूष कवित्त-बृहा १११

स्कर कविश-दूहाविश्वयह ११३ स्पद्ध कवित्तपर १२ वह , कवित्त राव ग्रावि ११ ,, संप्रह दर्थ कवितादि ११४ बरसंबह ३६ H सम्तपराष्ट्रमो २६ २७ ,, सबया चाहि बर्ध सथया-दभ्यय साहि = ६ सालो वर् स्वृतिसार १४४ स्योत्रीका वद ३६ त्योबोकी बली ३१ स्थपकोषाध्यय १३= स्वय-नरखंडा क्षत्र चित्र (गुन्दरदास) == स्वरोदय (रसराधि) ≈२ (रामचरख) ६३ स्थानिकाचन १३व स्वामिकायकरोहनोत्र १३६ सदलयहमहा (द्वारे) १० ६६ सबस्यहरूहा कारि (हरिवान) व मध्मयारी (वशेर) २७ नयोगनरानावली (नुभवतयो) १० महूरभङ्ग (हरि) वश्य १२७ **तपूर्धनामन मध्योगन्ति**क्रशोप १६१ सञ्चीतको दुग्गब (सवाई अपनिहारि प्रधानगरण कविसादि) १३१ मञ्जानश्यक-दशक त्याच्य तही ह १४६ भारतीयरेस (उर्वेदराय बारहड) ११६ RESTRICTED TO गनवरी (कशार) हैक मनरही रमनी (बढ़ीर) ६१ सनी नायम १६७ मर्पुरयमानी (मृजनतको) १ ब(पुरव /बा ोळ हे (ब हर) द mente se e

स्वयवच्य काश्रीसङ्गारी शारता (नुरसम कवि) १ सदयम्य सावसङ्घाकी वात १५१ सम्तरासको दर ४ ससदातत्रीको वाणी १० १४४ सन्तानगोपालयन्त्रविधि १४१ रुमानयोपासविधि १३४ सम्तानवोपाश्रवहुशनाम १६६ सम्यापायभी (पृष्येभाष) ४७ सम्योगसम् १३७ सम्योगासनिर्वाच १३व १६७ सम्मार्शनव १६ सकारिक वहभरत सनकशस्य ३ सबोतरजीकी कवा ३६ ३७ १५३ सम्बन्धिता १६३ (बिय्युरास) ११ ३६ (बनमोहन) १२ (ब्रहायबिंह) १३ सर्वेशवाब (स प्रकार) देवे देश देशह ननहविहार सन्ह सावनका रोहा १३ हरतवारका (वारवा) दर् १४ ३४ सप्तामोद्री ११६ वोता ४ वह दर १२व 112 क्षप्रधानी (दुर्धाः) नशाचन्यामाहि १२६ ब्रप्तधनांबुर्वात्नोच १३१ नप्तप्रशिक्तां इन्यायशिक १३ मणमध (अश्यरो) ३१ बन्ताबीस्थाह १६२

लभानारबाहर (श्यशम करि) ह

लबरीयका आशी (वरवटाय) १६

मध्यमार शाहस (बनार रे ) रेज

सथाप्रभाग हत्रोड है

t a tit

ब्रब्ध पारत्या (ब्रिधान व नारवाली) हे हेर

समबसरमध्योव १४६ सबद्यस्यन (देवा:प्रयोक्तोष) सटीक १४६ सबाह्य कविता ह सबद्ध साम्रो १ मध्योभावंष सहया (मृत्यः ) ८८ सर्वाञ्च बाधनो ६ (भोपजन) ६६ नवाञ्चयोग (रज्यव) ३१ सर्वाह्नयोग (बुम्बरवास) ८७ सबमात्रास्कीमनस्त्रीत १२७ सर्वोद्धीलनम-त्र १४ सर्वोत्तमस्तोत्र १३३ तरहस्तरे धवसद्धवस ६७ न(क)श्वातका युद्ध १२१ बरस्क्यप्टक १२६ सरस्वतीस्तोच ११ १३३ १३६ सरप्तको पर ४३ सबया (नुम्बरबात्र) १ " (परनशक) tc (चैनदास) ४१ महेलीने कायद १२३ सांक्रपढीका १६ सांस्पनस्थकीमुदीव्याक्या १६ सांक्यबद्धक्यीयकृत्य (होराह्य) २१ मास्री (हरिशास) १४ क्रकर (वरसराय) २

सास्यद्रमायायाया (गाया) २१ माको (इरिटात) १४ पूरकर (वस्तराय) १ सावित्येयसीका (वस्तराय) १४ साव पातु २ सास पातु २ सास पातु २ सासपरीका (पृथीनाय) २१ ६२ ७४ सायुपरावती रुद्ध २१ वापुनक्षमयम् (लांब्य साल्ब्य बोय)

श्चवांबत । १११

सामान्यतिरक्ति १४६ सामुद्रमस्य आधारशामुधाय (विश्वनिद्र सारदात्रकम् (पञ्चमहाकाम्पानान्) १६२ साराधत १४३ माराब्द्रध्याबर्च १४१ सारीश पर ४१ माबिजीविध्यमम्बर्गनिष्ठाध्यक्तरोत्र १५० क्षांबिसियाका बद ४ निज चीतीसा क्षोतपन्य (पूर्या ) ४८ বিদ্যান্য হ तिञान्तकीयुरी (तरक्षीयिती) १४३ विद्वानक्षिका १४२ १४३ निद्धान्तविमुम्तोष १३३ सिद्धान्तमस्तावशी १६६ सिद्धान्तरहाय १५६ विद्यान्तमस्य जायरीकी १४६ तिद्धिमस्मीस्तोध १२६ सिद्धोपाय १४३ तिरेबाच नाती ६१ विविद्याण २४

सारको स्पन्न दम १३६

निहरको १४६ सिव मंत्रीय-पालाप्रश्वयक्षीय (वृषीमाव श्रुवदार) ४६ तिहासन बत्तीसी (दिग्दी) १४१ श्रीता एकविदाविकामानि १६२ शीवारामरहृत्यश्रीहवा १ ४ क्षीताशय व्याहमी ३३ तीतास्त्रीत १६२ धीरास्त्रोम १३२ छोत्राका यह ४२ मुख (सुक) शंबाध ११ मुक्तसवाद (अवयोगाम) ३१ सुक्रसंबादओयग्रन्य (क्षमदाब्र) १६ सुषाधन्यका वद ११ लुयगावमी १६६ भुड मारवको बोधौ (परब्रशम) १६

मुबर्धनग्तीत्र १३ १३२

सुमामितसंप्रह १५६ सुमाबितसर्वस्यम् १४३ नुद्राय रैनि (स प्रताप) ३४ सुचीयम ३० मोबिसेयका ११६ सूर्यकाच १२६ पूर्वप्रम १११ सूर्यत्वदान ११६ सुरका पर ४१ सुरतशमयीचे यह ६६ नुरतिपिञ्चल (सुरतकशि) श तुरदासके पर २६ सुरवद १७ सूरपञ्चीको ४१ मुत्रवनीकर्ता-कवितकोगवन्य (पूर्वीगाथ) सेक्सबनकी परका (मञ्जूल का रचुनाक) सेवाफी बारि (फुलवर्ति निच) हर सवारासकीकी बाक्ते १३

मुन्दरशासमी १६१ शुभ्यरबाहुन्होक 🕬 सुम्बरम्द्रङ्गार (सुम्बरवास) ३७ मुम्बरस्यार (सुन्दर वायरानिकासी) ३१

सूर्यानाध्यक्षतीम १३४ १३१ सुवामाधरिक (नभ्यवास) ४४ सुवामाचरित्रको कोको (परसराम) १० सुम्बरबासकेकवित्तावि ८३ सुन्दरवासनीकी घोलीसी व शक्ति १ ६ सुम्बरदासकोकी साबी ६६ सुम्बरवासकीके सूच वह सुन्वरवासकोके यह १२ सबैया ११ सुन्दरदासकीकोरान्य (बानसमुद्र) यह मुन्दरदास-मोञ्ज्यससका प्रतमय शब-स्पवद्वार πŁ.

सूरबॅनसतकस्तोत्र १४४

हमीरायव \*\* (बेन ?) हुवधीवाधोत्तरस्रतमानस्तोव १२७ हरताओं विश्वकी घटशी २३ ४६

हररत ११ १४१

**इण्यतबीका पर व अवल ४**४ इर्णुवस्तिहरी राषका क्षाव ११२ इनुमरकवय १३४, १४४ इनुमरकाचनासामन्य १३७ हुनुम्बरक्षरत्नस्तोत्र १२६ हनुम्परत्तवराज १६३

हनुमस्तोषम् १२व

हनुमल्लोजन्यावविधिः १२व

हुनुस्तरहत्रमाधारतोष १६४

हुनुमब्दाबसनामस्तरेत्र १३

**इनुम्ब**श्यामशस्त्रीय १३३

ह्रनुमध्यम (धावर) १३३

नावनी १२

इमीररासो वद, १४१ १४४

(महेघ कवि) वर १६

हुनुमानचास्त्रीका १२

इनुमनप्रकारतीय १९ ११३

त्कीकत १ **इ**ठमोचरीपिका १४६ हमयक्षको सम्बी ४३

**धेवका पद ४** लोक्सको पद ४६ धोमका वस ४ श्रोत्तह् कवा बोक्पन्य (पृथीनाम) ४**४** सोसहर्तिविद्योगप्रन्य वीन्वर्ध्यसहरा (ब्रह्मुराकार्य) १२४ सक्तितीत १४१ <del>पंस्कृतगरमारी</del> १६६ चम्हवयनमासा १६२

सेवाक्स १६

हीयाशीकवित्त वह हीरावावनी १ द

द्भिः सामग्रद्धीत्र १६५

क्तिवरेद्रपञ्चास्थान आवा १५२ हिनोपवेछ भाषा ४६ हिम्बीके बोहे १४६ हिन्तीके प्राचीन महरकवियोके वर्शीका श्रंपह 329

625

हरियासकोड ११८ वर्शे वर श्रेका २ **इ**रिध्यानम् (कुसपविविध) १२ १७ हरिनाममाना (सङ्क्षाचार्य) वर १६२ हरिनामचोडभी १२६ इरिपञ्चविद्यातिनानानि १६२ इरिबोर्म्सबन्धायमी ६ हरिबोलवतावनी (सुध्दरवास) ६१ इरिएस (ईनरदान) ११ १४१ इंटिरामहासत्रीकी काणी ५७ हरिरञ्जको बोडी (परसराम) १६ हरिस्पञ्जकी चेतावकी ५२ हरिवारिकी १ व इच्छिरात्मकरतोत्र १३१ हस्तामसक १४६ हालां मालांको कुर्यालया (देवरदाव) ११४ हामीपाषका पर ४३ हालोपावकी प्राप्ती २२ ४% हॉमेच्ड पार 🕻 वायत्तरायको श्पीच

हरिन्दरमरण (योजिन्तवेशन्याणी) १व इरिचरनत (ध्यानशान) १७ १३ चीपई ११ हरिजननांना (वाजिव) ३ हरिदासभीका पर १ ३१

माधी ३६, ६

इरियालकोको वाम्यो १४

आनतालर ५७ बानजिलोकका वय ४२ वामी-वातामीओवपुच्या (हरियात) १४

ज्ञानतमृहका संघ २६

श्रामसीमा १२ **अाननीमाबस्तीसी (परसराध)** २ भागनोषमस्तोष १४६ कानसमुद्र (सुम्बरवास) ६ ४१ ६३ व६ 20 EE

ज्ञानभूतना यम्बक (तुम्हरशास) ६४ बानविषय (संस्कृत) १४२ ज्ञानपथीली (पृथीनाथ सुख ) ४६ ज्ञानवायमो १ १ शानमाला ५८

र्वमोस्यनोक्ष्मं नाम विष्युक्तश्रमम् १६७ र्शलोक्यमोड्डन रामकवच १२६ ঙ্গ

बानवीतीसा (योरबा ) २२ ४४ ७४

विमोधनका पर ३१ जिमोधमकी परचई (यनन्तदात) ६ १४ 23

13 ध्रपाचोस्त्री १२६ धयकुनुद्वल (बहामसविधिः) १४६

होरावधी कविस ८३ हृदयप्रकाशको जोडौ (परतराम) १६ हुचोदधका पर ४१ हीनहारक कविस (मानसघो) ३४ होभोहकारा (पूहिस्सारायवजी) #३ हुत्तवति-वावयतिकोवग्रग्य (यूपीमाप) ४४ हनाध्यक्षम् १४६

# परिशिष्ट २

### कतृ नामानुक्रमणिका

प्रकाशका है।

धल्बी १२

यस्त ११

प्रकृपद व ११

ध सक्दर ६४ **शक्षे**शम १४व सप्तक्षि १३ भ्रमसीस ११ २१ देव १ द सप्रदात (नाधादात) वह संबद १ प्रमुख १६ धद्भरणी ७३ प्रजुपको मक्त २६ संबदपाल ४६ श्रक्तिद १ व पर्जंपाल ७३ धडमब सेवरपन्ती ७ क्रमार ४ ४६ ब्रह्मसङ् १४६ सनन्त १४ धनत्त्रतात १ ६ ¥ हक १० ३० **१**६ धनस्तराम ६ प्रमन्तानम् कवि ६७ धनापदास १ १६ ६२ धन्मृतिस्वक्रपावामे १४३ समेडकवि इद १७ ६१ ७७ वर, वर् um ttb ttv यवृ १ ४ समरतिह १४४ १३७

धनस्या १९ समृत ६४ सनुबराजको राथ ६२

धर्मनशास ६३

धा धामिया कवि पुरत ११ बाहा पहाक्काम ११६ बाक्यराम ११ द्यानग्बराम (बाब्र्र) ११३ धानग्दयन १६१ वासम द४ १११ बालमकवि ११५ वालमधेव ११२ बाद्यानम्द ४३ बाबनवास २१ शासायम् ७१ बाहानमधी २४ ब्राक्रिया युवा ६२ ११६ १२ वासिया मोहन ११२ धातीया सादि सनेश ११३ बाहीमा बोबा ११६ चात्रोया बला ११**६** धासोपा नीरजी ११६ बाबोवा भारत ११६

ईस्वरवास १४८

बाबात वर ६३ ६४ रह, ६६ रीव

दिवरदात बारहर ११ पिरदात चारच ४२ ईप्ररशक्तको बारहर ११४ रेसर १६६ ईसरबास १२, १११ र्वतररात बारहर ११६ रिसरा ६८ 3

बदन १ २ उरपराज ११८ उदेशक १२ उदराम कवि बायाङ देश उदेशम कविवर ६१ उप १ १

उम्मेदराज ३४ उमेरजी साम ११६ उमेरराम बारहठ ११३

अन्तिमा १ ६

雹

कवेरी ४%

क्षणेरी पाथ ७१

ऋषिकेशवी भक्त २४

Ų

एत एम कतरे एम. ए पी एक डी 転

कवितमुदि १११ कवित्रवास १ क्योट १ १ १ १ ए एव ए७

I IC IN X C SY SP WE UE, HY EW ? IL 181

٩x

क्यांस ३३, ७१ १ ३

क्रमामञ्जे २४ करनीवान कविया ११६ बरमाणमः १

बस्पांत १ है कारपायन ११५ कारत रह ४१ ७१ EBIZZ & K काम्हा ४३ अ

कानहरात ५६ कानशास ४ कालियांस ३४, १४४ १४५ १४७

बार्तवास कवि १३६ कान् व १७ १ कानुराय धाषाय ६४ कास का गोरवा (१) १% काम जे की संख्य रेपर

काधीनाय १ ८ १८७ काधीराम वर कामीशम कवि ६६ कासिम १ **भागी १** ४

कासोराम ११२ कोमा १ २ विदूरकात १ ६ विकृतम् दे४ क्योर १६

विकार शारी ३४ शीवाजी २४ कोशायास ४३ कीरका १ ३ कीलकी ७३ कुत्तव हे है कुलपतिनिध कवि ४१, ह दे२ ६७

भुक्तसेखर मुपति १ ६ बस्तप्रेवराषायं १२८

वनमोहन १२ व्यवसार ४ बनात ११ बपकुरन कवि ४७ क्ष्यक्रम (कवि) कृपाराम ११४ प्रस्तेत कवि ४१ १४% क्रमबेचकी २४ बयराञ्चर (विद्यावर सालग्री है) १२२ व्यान-बहुरि १४६ बलन्यरी पान ४१ ७१ बद्धक्तरिष्ठ् सङ्गाराकः (बोधपुरीय) १ ७ भसवन्त ३.६ बहानसञ्ज ६४ भाग कवि १६ १७ ८६ बानराइ देदे कानराय व भाषती मलिक महत्सद १ ६ बालमां ११६ बाहरमस वृत्यावननिवासी केह बिनरक्रवृद्धिः १ १ १ १ बीबदबी भक्त २४ ४ बीबनवास १३ बैक्सन (मिन्डर) धार एड-का १२३ भेतसिह कवि 💵 र्वताराम १ भोगल ४ व २७ ४३, ७७ ३व भगल सादि ६४ श्रीमण बाबुधिस्य ४३ बोबराथ बारहर ११६ व्योगा १ ਣ दीला ४२ रीलाची ७७

बुबर ११२

बोबर १६

बोबरमल १ ६

ठ अकुर ११ बूबर १२ **4ृमरदा**स ४१ बूपरमक्त २६ ਜ तत्ववेता ४ तरङ्गा १ दुक्तनी १२ तुरसी १ ११ १व तुलसीरास २ ६ ६७, व७ हरू to to **सुमसीयास वोस्थामी १ १ ११७** तुषधीदास प्रावि ११४ तुक्सीराम १ १ तुमाराम १४ हारकानाकबद्ध देवस्य (वामी कवि) ८२ बत्त ४६ ७४ बमानवास ११ १६ कामीवर १२ बास ६७ १११४ शास्त्रची वश् बलाहर के ब ७ १ २ ३ वर 16 to 20 57 57 56 50 ₹2, 42, 2 20 शीवणी ७३ बीपणी भक्त २४ बीपा ४३

हुरता चारच ६२

हुमण ७७ १०

पुष्पची ७७

बुनाराह १११

देईदास चारण ४२

24 12 tr efe tr tufa t t देवमाय ३२ देवसभी २४ देवलगाम ७६ देवाहास ४ हेबोहात ३२ देशीउलादकी मुंबी मुलिफ १२२ देशीचमाद १२१ देवीडिंड 🚻 ध्यानदास ११ १० ६३ ध्रुवदान १२ १६ पन्ना ७१ प्रचा भवत ६१ धनदेव १४६ यना भवत ४१ बताओं सब्द २४ यनी १ व पारेखर (भोजनुष्टि) १६१ 628 बग्बसीमत ४६ ७६

नरहरि १०३ नवस १ मापर ३ व नामरा १ मामरीरास ६७ नाया समन ४% नापार्जन ७३ नामस १४६ नाम १३ मानक्की है नह है है है है है ए 23 20 माभा दहि देउ नापा भाषाओं नापादाम नापानश्री २ \$0 58 KE मानावास १४२ १४व शामदेव बायदेवजी नामदेव मस्त १ 11 12 75 85, 18. b G नायकको ४१ ७३ माधिक ४१ गाराह्य १ ३ नारायम ७ १६६ मिस्पनाच १४१ निम्बार्कसान्त्रदायिक कादवद १६४ विद्वास १ २ नतकी ७३ नतरास ४३ नहा ६२

िरुवाहंतात्र्यशीयकः कास्यत् १६४ रिहास १ २ नदाता ४६ नदाता ४६ नदाता १४ प्राप्तात्तात् (शेरवाता) ४१ प्राप्तात्तात् (शेरवाता) ४१ प्राप्तात्तात्त्रात्त्रम् काम्यते १६४ प्राप्तात्त्रस्य काम्यते १६४ प्राप्तात्त्रस्य ४६० ६१४४ परममुक्त १ ३ परमानन्द ११ २ २१, ६ २० ६० ¥2 £0 परमानन्दरास ४१ १६ वरमानम्बदेव १६२ परवाराम ४ १२ परम ४३ य सक्यो २४ ७१ परसराम व १८, १६ २ ६१ ६३ 95 20 परसराम (निम्बादिश्यसम्प्रदायी) १व महेकर १ पासा १८ विराम १ विरोव १२ भीवल कवि व६ योगा ४३ पीपा पोपाजी पीपाची शकत 🗞 १३ २१ २३ २% २= ३8 ६१ ७१ बीक ४ पुन्तरीय विद्वस १ ६ दुरमदर बर दुःपदन्ताचार्यः १२४ बुरम ४३ पुरम कवि १२ पुरवजी ७७ वृष्योगायश्री १६ पुम्बीनाव योशी २३ पुम्बीराज महाराज २४ राठौड (करपाचमतीत) बहे १२ पृत्रीशस १ पुत्रीनाच ४६ ६२ ७४ १ ह मुत्रधार ४६ ४७ ४६ पुनोराज (राक्षा जोपनुरके) ४१

99 22

Œ च्यू ११ चतेरयंथ राठीव महेशवासीत ११४ करीद १ १ फरीब ग्रेस ७२ करीका व करीपुर्शन धोषा ४४ बहा कवि (बीरवल) ११२ ब्रह्मा १ १ बक्रमा बक्रमाजी १ २१ २४ २८ ३६ 35 65 60 0 00 RE' AS €4 8 ¥ बडीशास ११६ बबरीप्रसाद प्राचार्य १२२ बनारसी धावि कवि १११ बनारसोदास २७ बपु १ बहम्बल ७१ बहायदी सेख बदायुदीन सेख २३ ४४ वांकोरास बांकीरास कविशामा १११, 151 55 455 बांकीशसकी यादि प्रतेक ११३ बासकराम ६३ ६४ वासनाव ४५ ४६ वासम्बुद्धाः १४ कामसधी ६७ बासाबकाशी हर्ष्ट्या १२१ विसम ६६ विसंबद १ २ विद्वारीशस & बोजन ११ वीधा १ ३ बीजियोदास ४३ वींभरा १ १ बोम्प्रस २३ ७३

```
[ NI ]
```

बीडला ११ बीमा ४१ वपप्रकाश ६४ बुधितह राप्तामा बूंबी ४६ मुस्हान १६ atfrill i f fan बूदय ६१ बनी ६६ बचनी २३ येनामीसाहय बाबा मध र्वत १ ४ बोजी ६व बोहितदास ४ भववतीप्रसाद बाक्का बायु ३३ भगयानदारा निरम्बनी द्व ५४ ६४ 265 पट्टारक स्थामी १४० भया रतनपासज् ११३ भतृ इरि १ भरवरी ७४ ७४ १ ३ प्रस्मी कवि वध भश्मी कवि प्राक्ति है न भवभूति महाकवि १६२ भवानी ३३ भवामीबास ८१ भवामीराथ ३३ मागोरम ६० मामकी २४ ४ भागु (बासाहित्य) १ ६ भानुदत्त १४८ भारती ११२ भारती पद्ग ६७ भारती शत (क्षीबोधमतिक्रिय्म) १६ मारिव मोबाबी १ २ मावनाशास १५३

भारत रेकर प्राप्तिहोत्री १८३ भाषाचन ६ ३६ ६१ ८८, १ ४ १४१ भोष १ २ भोग भोगजी ४ ७२ भुरबानग्र (धी शास्ट्राबामपुरसमीपाय बुश्वविकापायस्य बस्टिक्सीत्र समा सनारमञ्जू १४३ भूषन भवनको भूवनको भस्त २५, ३६ ¥9 03 भूषर भृषरकात भूषरका**त वारहर** वर् C3 888 भशा १ १ भक्त संबद्धा ४३ u मनकी द ह मगमधी १६ वयभीयाम विद्वादानिवासी १४

भवा ११

भवा स्वावा ४३

भवा स्वावा ४६

स्वावा से ६

स्वाव से ६

से

मरसूरत १६ मनभाषत्रजी शाबि १२॥ मनभूषा १ २

मनोहरकास ४७ मनोहर धर्मा १२२ सम्बद्ध

मशनस्य मसम्बद्धः महादेव बस्य १% महामन्द ६५ महामुब्दल सह १६१ महेद्याक्षमि यर १६ ११४ मानीशास (क्वसरख रे) १ ४ माख्यो १४ नाचक १४८ मायक्षास १८ माभवगद्व १४६ माचो ४२ माध्ये क्यमान २३ ४१ मानोबास नामोदासनी १ २० ११ 98 222 PW माबोराम १६ माधोताहि १२ मानतसी ३४ वासन १४ माध्यमी २४ मावदीची ७२ मियमां १ ४ मीडवी ६व मीरकीनाम मीरकीपाम माम ४६ ७१ मीर ६७ मीरा मीरांबाई १६, ६६ ६६ ६६, ६६ बुक्तालम्ब ६६ मुक्तम पुकुष्य पुकुष्य भारती शुक्रम्य मारतीमी ११ ५४, ४१ ७६, १ मुज्ञादिस्य १३६ पुलिला १ \$ P मरलीबास वह रह मुरलीयर व्यास (जासानी) १९२ मुरारियान कविया १२ मुरारोधम कविरामा (नियम सुर्वेमस्ता त्मव वृशिनियाती) ६१

महम्मदकाकी, महम्मवि सङ्ग्यूबकी ५३

YE SH WE EX

मुराशीबान बारहर धर मुरारीबास बारहर ११३ मुसम १६ मेहाबास नाहौरी ५२ गोतीराम श्र मोतीसर पिरनुवान ११६ मोहाम २७ १८ १११ मोहनदास ६२ ६६ ७० वर वकोवासास वद्योगासास ५६, ६५ यामुनाचार्य १५८ युपनक्षिकोर ६६ ŧ रङ्गाबी ५४ रङ्गीको ७१ रम् १६ रमुक्षि व १ रमुकेव १६ रकुराच १८ १६६ रपुराज १७ रमृरावसिष्ठ्येत्र महाराचा (रॉवानरेस) १६२ रभूरामकवि नापरा भट्ट १ ७, १११ रमुवा ४२ ब्रावि ६४ रष् १ २ रक्षां रक्षक्षी, रक्षां (श्राद्वक्षित्र) इ. ७, १ ११ २१ २६ २७ रक्ष के केंद्र केंद्र पर पर पर प्र ६३ ७७ थय वह हरू र्याचया १ २ रमझोड ६७ रत्नतार (वं रायरत्न) १ ६ रतनवात १६ रतम् वीरभाव (धावो सावारक) ६१

रतम् इयोर 🚜

[ 11 ] रावाधधावार्थ १४२ १४३ रम्ब ११६ दपमाय १३४ रमांतपा १ १ क्रवाम (क्रव्यशस्त्रियःय) ६७ ०१ र्रामता १ १ क्षत्नारायल पाण्डय १६३ रसम १ ४ कपरशिक धनभावन १४६ रत्तराधि ३४ ६२ क्षराम १ ४ रसवान व्य ११२ रवाम १ ११ १४. २० ३१. ७ र्शनक समुद्रो ६७ €ĸ रसीमीमाल योगाल वर्ध रोक किंग्र १४ रहोबाओं धर राइमस्त हैं स रांबा ६व क्षयबिद्रम भवत क्ष्युबीटक २४ ४१ रायव १ १ मध्यम बाह्यब ११ रायथवात रायथवामजी ६ १६१ स्तित्र(द्योरी १४१६ रायो रायोजी रायोदात ३ ४ ६ ६४ समिता सपी ६४ 52 सक्ष्मीयर समस्तामन्तरपुराधकारपुर्मार रामचन्द्र १४४ जीकी ११७ रामधरण शमधरणको शमधरणवास साहच ४३ 20 33 5 45 40 साल १६ १ ३ रामजारात १४व शासवजनसिक ५२ रामदास ३७ १७ १६ सालक्ष्म ६६ रामशैन उक्साली १५६ लामशास १६ घर **८१ १३ १६,१** ६ रामनियास हारीत बादि १२२ REF TEE रामबक्स ६६ सामग १ रामसास (रामस्थी) १३ लावा ( १ रानवस्तम ६७ केलीन केलीनराम ६६ ६**=** रामसये १३ शोकाषायं १६० रामसिंह वंबर डाकूर १२२ अपन हुई के उन्ने इन्सामात q 270 ध्यास ४१ ७३ १ 273 रामानन्दजी २५ धनजभ ६व रामानम्ब सरस्वको १२थ चनदासी ११० रामानुज १३६ वजनिधि १४१ रामानुबदान १ ४ वस्तावर ६७ ६३ रानानुबयापुनावार्य १३ वद्यमानर ७२ रामानुबन्धितकः कविकत् १४ बनवारीबास बाबा ७ रामानुबाधाय १६० १६ बनवकुष्ठकी २४

बरदराज १३१ बरद्धि ११% बह्तमाचार्य १२७ १२व १४१, १६ बसस्य ६७ बाबिय बाबियको मिना बाबिय बाजिया बाबीय हे हैं६ २७ व 28 V2 28 FX 58 बाइसीक बास्मीकि वालगीकिकी बारमी कि मूर्जि ४३ ७३ १२६, 185 488 588 588 विश्वमरामानार्ये (नतुन् जानार्येशिक्य) १३३ 111 विद्वकेश्वर १६६ विकादास २० ३६ ७२ विद्यापति २८ विक्वनावसिंह देव १४३ विक्वेश्वर १४% विद्यमदास ६६ विक्तुरास वेवे वेवे विष्णुपुरी १४४ विक्रम् द्वर्षा ६६, १६२ विशालीकी २४ विद्वारी १६ विहारीकास महत्रु ६२ बोब् ११६ बीठ् मेहाबी ११६ बीरस्टिइ क्षर (हाकिन इतिहास विभाग राज्य श्रममर) १४२ बोसामी ७२ मुभ्य सुम्य कवि देश १४६ वेजूदमाथ वेदाश्ताकार्य १३४ वेभीवास ७२ वेषीमावव १ वेश्यास ४, १३६ १४७ १४६ १४३ \*\* वेशवार्य (मृतप्रकाधिकाकावमुत) १२६

(बरबनामापरनाम) १४६ वेग 🎉 बेबुष्ठ ४१ वैचल १ बेबादिस्य ११व वैच २१ वैदनवरास १२६ वंधी सभी ३४ स्याम ८४ ध्याम बहु १७ भ्याममुम्बरवास बी ए १११ ध्योधमशस २६ पोक्रम्बरास १६ भीक्रम्बभङ्क विकलानिवि १ ६ ११४ धीकुरमराम कवि वंच १६२ <del>योध्रमस</del>म्बद्धमा १४३ थीबरस्वामी १४७ ११४ र्थानियास ३३ १ ६ थीनिवातदास (योकिशाचार्यक्रिप्य काबृत्त दुसोब्यव) १४६ थीनिवास वेदान्ताचार्य १३ बीबालगुराई १ ३ बोरङ्ग बौरङ्गबो ४ % व्योक्समञ्जू १२६ थीवस्पधरसिक ६८ भोहपं १४४ शीहरिसारती प्राप्नुकवि १२३ क्षक्रुशासामं ६२ ३१, ७४ वर वर \$74 274 284 2B9 288 isk ban tan tas tas tau \$X\$ \$4 सक्रकोपवास १४५ प्रस्थानाच तुक्रवि १४६ प्रमारे १

वैधान्ताचार्य (कविताकिक) १२८

तिङ्कराम वर्षा को परो ६३ शिववरस(दल) बारहट १३३ प्रिवशाबभुव प्रेयावत ११४ धिवराम प्रावि ८७ धिरधम ३१, ७२ जिबलिह (राज) छवाबत १११ जिवासम्ब ६३ शिवानग्डभट्ट १४१ सिवानगर प्रति (भीराम**व**ण्डासिया) १४व प्रकाषाये ११२ दम १३ बमदान १ ४ योजी १ ३ स्याम स्याम स्यामकाश १११३ स्योजो ११ स्बक्ष्यदास निरम्जनो ५४ स्वास्थाराम योगीन्त १४६ सञ्जूर देव सबचा १ सती कवरी ७३ सरना २३ ४ ७१ सन्तरास यसताची १७ ३३ ४ ६४, 9 7 F **वन्तरास बादि १४४** धन्ता १ ४ बन्ताय ६८ वनत्कुमार नारव संवाद १५१ सम्मद ११ धमन ■ सरदार ६३ परफ ११ धरवण १ ४ सरत ४३

सहस्र ६५ सहब्रहान ६व सङ्ग्यम (कोरपूतसानियागी) १९ गाईक्वि ६१ सारु सबसमिह ८३ ११३ साध्यो ७३ मध्य बहुतरामती ११६ संयक्षियाओं ह मारी २४ ४१ ७३ माहा हर साह्या भारता १५६ माई हर सावनिया सांबनियो ४ १ ४ विज्ञहरतामी ४६ नाडा नीहाओ २४ ४२ ७३ मुगराम ६४ मुतानम्ब २४ वट धरे मुबद्धमदासभी (इयामासपी) हर् नुवामा नुवामावास १ ५ १ ६ शुम्बर व, १ व६ १ २ कवि बायरे के ३५ मुख्यसास ४, ६ ११ १७, १व २१ 45. 82 22 29 20 68 6Y \$2 00 08 c3 au an ag, 228 नुम्बरवास (कासुरास शिम्य) ११ ,, वादि वह मुख्यसास मृतर २६ मुन्दरक्तिप्र ११ नुभ्वरदाधस्त्रामी १ ४ मुभगतयो (क्यमंत्रशीक्रिया) १= नुरतानियां साहित्रकान ११४ मुरसण कवि १

धुवाविराज पोधराज्यसम्ब १४६

सूर्वकरण बारीक १२२

तुर २७ ११३

सुरवस्ति १३ भुरतकवि १ तुरतिमध ११२ मुस्तराम ६६ ६० ६१ मुफालिह १ ६ पूरवास पुरवास महाकवि सूरस्थाय ११ १६ १७ २ २१ २६ १६ १४ Y! 45, 58 WE IT EX सुरिया १ १ सुवा १ ३ हेक १ सेक्करीय ११६ तेण २७ सेनकी ७१ श्चेबायति ११२ ग्रेंबाबास १३ १४ १७ १० १० संबन्ध ६६ सैबमका ४ सोक्डि १ १ सोका ७१ १ १ सोम्ब्र (शबुसिन्द) ४**३** योग्धनी २३ दोम ४ क्षोमश्री २४ ७२ कोमनाम ३२ श्रीम्बबाधात् मृति १२६, 📢 ११७ हबदल इवदलवी ४४, ७४ हुनुमान धर्मा (चौर्मु किवासी) १२२ १२३ हबीब ६१

इरताली ७३

हरशात २६, २७

हरदेव स्वामी १५४

इरक्ष्यराक्ष प्रोहित (क्षिवाड़) ११४

हरियरवर्षिह बोहान १२६

हरिवास १४ ११ १४ ३ १६, 4 4x, 4x 4 1 4 हरिवास निरम्भनी ७ व **≬रिनारायवकी पुरोद्धित वीए निद्या** सुनव यह हर १ व १२१ ११२, कृरियंस ११ इरिरामबास ४७ निरम्भनी (वीक्यानिया) ? R ?YE इरिव्यासनेव तवित १३१ हरियस्त्रम ५४ इरिविकास ६३ इरिक्का १३ इरिस्यक्क इरिसिक्क ४२ ६४ हरिसेवकवित्र भूजारीयनामक १६ इरेक्कम्ममिश (क्यप्तिहोस्प्राक्षिकाक) १७ इरोब १ ६ शुक्रमीपाय ४१, ७१ शिवकारी १४ **ब्रिक्स १**६ हीरा १ १ हीराचन्द्र कानजी १ ७ हुक्सकल पिडिया हुक्सीकल विडिया **११२ ११३** हुलेन हुसनपाइ ६७ ६० हुबमराम १६ ह्यीकेस ४१ द्विष १ ११ क्षेत्रप्रम् वरवश्चमन्त्रवस्य १४६ विकोधन २३ ३१ ७२ सामितिलोक २४, ४२ ७१ १ ६ क्रानगास १५६

बानवतीदेवी याण्डय ६६

कानायली १५६ कानग्द सरस्वक्षी १४३

### राजस्थान पुरातन घन्य-माना

# प्रधान सम्पादक-पद्मधो मुनि जिनविजय पुरासस्वाचाय

.....

### प्रकाशित मन्ध

#### e arre

ŧ	प्रमापनंत्रको वास्किन्द्रामणि वर्वदेशकार्वञ्च	सम्पादक - मोर्मासाम्यामस्सरी पं भूस्य-६ +
3	पट्टाधिशायधारत्रो निर्धातागर । सन्तराजस्थना, सहाराजा सवाहेनवसिंह-कारित ।	
,	ज्योदिरिंद, अयपुर । शहरिकसर्वेश्वस स्व यं यपुनदन योभ्यान्नरीन	नन्नादरू-म व वं विरिवरधर्मा

- चतुंदरी। ४ तक्तंपद्व वर्षाबदुद्वत सम्मादक-डॉ जितन्त वेदमी एव ए पी-एच डी., मूल्य-३ ०
- सारक्षेत्रंबाधेल वं रममनम्बद्धित सम्मादक-साँ इतिसमाद वास्त्री एम ए पी-एव दी ।
- ६ वृत्तिवीरिका योभिष्टप्रप्रपृष्ट्वच सम्यादक-स्वयं पुरुषीलयदार्या बनुवेंग्री साहित्यायार्य । प्रस्य-२ ७ सप्यरत्नप्रदेशि सकाददन् क मान्यादक-स्वा हरियस्ताद साहवी ग्रंग गृ. गी-स्व. ही ।
- ्रमूस्य-२० ≡ कृष्यमीति कवि वामनाविद्यक्ति सम्पादिका–कौ दिवसाला साह एस ए.,
- वी-एव डी., डी निह्। पूर्य-१७६ इ. मृत्तबंबह बजायदश्रीक कम्पादिश-इर्ड. विश्वतामा साह एवं ए., पी-एवं डी की निहा।
- डी निद्। मृत्य-१७१ १ म्ह्राप्यारमको थांड्यंवविश्वत सम्पादिका–इ.ॅ. प्रियवाणा साह स्य २५ पो-एव डो., निद्। प्रस्य-२७६
- ११ राजीनांत्र महाकास महाकवि वस्ययात्रायीत समायक-यं धीयोपासनारायसम् महिरा एम ए अपसम्बागक राजस्थात प्राध्यविद्या प्रतिस्थान योधपुर। मुस्स-२२६
- १९. चक्याविविकय सङ्घाकाच्या मदुसदमीवरशिरा चित्रावर-केयवराम कायौराम धारणी मुख्य-१ ४
- १६ नृत्यस्त्रकोस (प्रथम माम) शहाराणा कुल्क्कलंकृत सल्तावक-प्री रिक्तकास स्रोटा-नाम गरिक तथा को जिसकाला साह एम ए पी-एक की., की मिट् । पूल-६ ७१
- १४ जिल्लाका साबुगुन्दर्गालावशील क्षणावक-पुराक्षरवाणार्थ पीनिनविजयपुनि वास्त्रम्म संवासक राजस्थान प्राव्यविका प्रतिपद्धान बोजपुर । पुरम-४ ४१ १३. दुर्शुन्यास्त्रमा म म वं कृतिसमावदिवीयकृत क्षणावक-पं भीगञ्जावर दिवेदी
- १६. द्वानुस्थान-आस य य वृद्यान्नसारिकोदक सम्पादक-य आयन्नाचर हिच्छा ग्राहिस्याच्याः । १६ व्यक्तव्याच्याः । १६ व्यक्तव्याचः । १६ व्यक्तवयः । १६ व्यवयः । १६ व्यक्तवयः । १६ व्यक्तवयः । १६ व्यक्तवयः । १६ व्यक्तवयः
- प्पर हति औद्वरपाणीसामृतवाहित । प्रस्प-१ र १७ ईस्वरवितासप्युक्तस्यम् कविकसानिवि श्रीकृष्यसभट्टविरवित सम्मावक-मट्ट श्रीयपुरा नाव दास्त्री साहित्याचार्य चवत्र । प्रस्प-११ ५

१८ रसवीधिका कविविद्यारागप्रयोजि सम्मादक-पं भीगोपावनारावस्स बहुता उपसंका भक्र राजस्थान प्राध्यविद्या प्रतिख्डान बोबपुर । सुरम-२ १८. पद्मनुस्तामक्षी कविकसामिषि भाक्कप्याभट्टविरवित सम्पादक-मट्ट सी मनुस्तास बाहनी साहित्याचार्व । मुक्य~४ काक्यप्रकाससंकेत जाप १ जहुसोनेस्थरकुत सम्मादक-भौरसिकनाम को पारीस मुख्य-१२ 3.5 सुक्य-य २४ १२ वस्तुरालकोव यज्ञातकर्तुक सम्यादक-डॉ प्रियवाका याहु । मुस्प-४ २३ रचकच्छरकम् पं दुर्गोत्रसावहित्रेरिकृत सम्मादक-मं श्रीमञ्जाबर हितेशी । मुक्य-४ २४ मी मुक्तेत्वरीमहास्तोत्रम् समाध्यः पृथ्वीवराचार्यविरचित कवि प्रवृत्तरायकृतः माध्य सहित पुत्रापण्या ह्यादिश्वसित । सम्पादक-पं भीवोपानना स्वरूस बहुत्त । मूल्य-१ ७४

# राबस्यानी घोर हिन्दी

२४. कान्द्रकोत्रकन्त्र महाकवि पर्मनायविर्यक्ति सम्पादक-यो केती व्यास एम ए..। मस्य-१२ २४ १९ क्योमको-रोखा कविवर जान-रचित सम्पादक-को दश्चरम वर्षा योर मीप्रवरचन्य

मुस्य-४ ७३

२७ नावा-राक्षा चारण् कविका योगावदानविराचित सम्पादक-भीमङ्गादचन्द बार्रेङ् । मुल्य-३ ७३

२४- वांकीबासरी क्यांत कविवर बांकीबासर्याच्या सम्पादक-बीतरोत्तमबास स्वामी एम ए । मुख्य-४.४

२६ राजस्थानी सार्कित्यक्षंत्रहं जान १ सम्यादक-धीनरोत्तमस्थामी एम ए । मूख-२ २६ क्ष्मीन क्ष्म्यस्ता क्ष्मेन्द्राचार्यं सरस्यद्वीवरचित सम्पादिका-बीमती रागी सहयी

कुमारी चूंबावट । मृस्य-२ वृपस्तिमास महाराज पृथ्वीस्थिकत सम्याविका-सीयती रानी सक्ष्मीकृतारी पृश्वतत ।

मुख-१ ७१ १२ भवतमाळ बङ्गावासकी नारसङ्कृत सम्मावक-की उर्दराक्षकी उज्यनत । मुल्य-१ ७१

१३ राजस्थान दुरायस्य मन्दिरके हत्तानिक्त प्रथोंकी पूर्वी भाव १ । मूक्य⊸७ १

३४ राजस्मान प्राच्यनिका प्रतिब्दानके हस्ततिकित बन्वोंकी तुनी जाय ९। मुख-१२ ३४. खुता बैचडीरी स्पात यान १ मृङ्का नैखसीइत सम्पादक-मीवहीपसार सामरिता।

मुस्ब-४ १ ३६ रपुषरमध्यमस्य किस्ताबीयादाइत सन्नावक-भी सीताराम बाज्य ।

सुरुप--- २४ एकस्थामी इस्त्रीमिकतप्रक्षेत्रो भाग १ सम्पादक मुनि भीविनविजय । मुक्क-४ ४

इब. बीरबांग बाड़ी बादरकृत सम्पादिका-मीमती रानी बक्ष्मीकुमारी चूंबावत । मुक्य-४ १

इश्. राजस्थानी साहित्यसम्बद्ध नाव २ सम्मादक-मीपुरुवोत्तमधाश्च मेनारिया एम ए धाहित्यरल । मुक्त-२ ४

प्रेसों में स्वप रहे प्रथ

BETTER ST

१ अञ्चलप्रदीय कारच्यासर्वरचित्र सम्पादक-पुनि श्रीविनविजय ।

- २ जिबुराबारतीसम्बन्तवः बर्मापार्ययणीतः सम्वादय-पूर्ति भीजिनविजयः।
- कश्चामृतवरा भट्ट स्थामस्वरिवितिस्य सम्या -मृति भीजिनविजयः ।
- ४ बालविक्षाध्याकरण उस्हुर सदायनिहरनित यम्पा०-वृति थीजिनविजय ।
- प्र. पदार्थरानमञ्जूषा एं प्रप्णानभविष्ठित सम्पा - मूर्ति भीजिनवित्रय ।
- ६ वसमाविसास कामु, प्रजातकत् क मध्या ०-थी एव ती माही।
- थ. मन्दोराध्यान सन्नात्रकर्तुक सम्या -भी बी वे सहित्रा । ह. बाह्यस्माकरण सामार्थ प्रश्वभागिकर्षित सम्मा न्धी वी ही. रोसी ।
- वृत्तकातिसमुख्यम कविविद्यानुर्यवतः यम्या -भी एव होः वैनलकर।
- १० कविषयम समातान्य क
- ११ स्वयंपुदान कविस्वयंत्रवित
- १२ प्राह्मानमः रपुनायकविशेषितः सम्या -पुनि भी विनविवयः।
- १३ कबिकोस्तुल प रचुनायर्थनतः » सी एम एन योरी।
- १४ मृत्यस्तकोक भाग २, महाराजा कृतकलप्रजीत सम्मा --वाँ. प्रियवाना पाइ ।
- ११. इन्द्रप्रस्थप्रकाम सम्पा⊷डॉ धीरधरक सर्वा ।
- १६ हमोरमहाकाम्यम् नयपग्रन्तिकृतः सम्या -पुनि भीजिनविजयवी ।
- १७ राजवरीकावि ठवडूर फ्रेकरवित
- १८. स्वृतिभद्रकाकावि सम्या –हाँ यारमासम् आयोविया।
- १८. बातवबत्ता, गुबन्बुक्क सम्मा -हाँ अवदब मोहनमाल सुवय ।
- पटलकरादि पंकलपुकाम्यानि 🔐 पं प्रमृतनास मोदनसास
- २१ मुक्तवीपक भावनावार्यञ्च कम्पारूपं चीपुच्योत्तमसङ्घः
  - राजस्थानी घौर हिम्बी
- २२ मृद्वा नेवलोरी स्थात, बान २ नृद्वा नैतुरीङ्गत सम्या --श्रीनद्वीप्रसाद सामस्या ।
- २३ योग्र बादल वर्गनिकी चळनई, वनि हेमरतनकृत थीउरवर्तिङ् घटनानर ।
- 'एड राजस्थानमें तस्कृत साहित्यकी स्रोज पस ग्राट. माण्डारकर, हिम्बीयनुवादक-धीरहारस निवरी ।
- २३. राजीवारी बंधावली सञ्चा -युनि बीविनविजय ।
- २६ अविव राजस्यानी भावाधाद्वित्ययन्त्रसूची सम्पादक-पुनियोजिवनिजय ।
- २७. मीरा-बृह्य-परावती स्व पुरोहित इंदिलारायलाची विवासूपल हाथ संक्रित सम्मा -मृति बीजिनविजय ।
- एक. राजस्थानी साहित्यसंप्रहु आस ३ धंपादक-मौलस्मीनारायस बोस्यामी ।
- २१. सूरवप्रकास कविया करखीवानकृत सम्या -- भीवीताराम सम्मतः।
- विद्याभूषमध्यम् वाष्या अधीयोगातमारायसः बहुरा धौर श्रीसक्ष्मीनारामसः बोस्बामी ।
- ३१ महरुरंग मूरीनरेप रावराचा बुवसिंह हाड़ाहरा सम्मा –भीरामप्रसाद राजीच । विभेय-पुस्तक-विक्रवाधों को २४% क्मीयन दिया जाता है।

## राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

#### (Rajasthan Oriental Research Institute)

#### जो धपुर

#### उद्देश्य

- १ राजस्थान में सौर भन्यत्र भारतीय सस्कृति के झामारमूत सस्कृत प्राकृत सपम स राजस्थामी हिन्दी व बन्य मापामो में मिसित प्राचीन चंचों की खोज करना तथा उन्हें प्रकास में लाना ।
- २ प्राचीन हस्तिमिक्कत प्रस्मों का सप्रह कर उनके संरक्षण की स्मनस्य करना और उपयोगी प्रस्मों को सम्बन्धित विद्वानों से सम्यादित करा कर उनके प्रकासन की स्पनस्या करना ।
- ३ साधारणत मारतीम एवं मुख्यत सस्कृत व प्राचीन राजस्वानी के प्रस्मयन प्रत्मेयण स्वोधन हेतु प्रत्मावस्यक उत्तम प्रकार का सन्तर्म पुस्तक मजार (प्रृतित प्रत्मामय) स्वापित करता और उत्तमें देश विषेष प्रितित प्रत्मामय, स्वापित करता और उत्तमें देश विषेष प्रतित विषय प्रमाय-बुलैन्य समी प्रत्मों का यसासम्ब स्वप्त करता।
- ४ सगृहीत सामधी से सोमकला झच्चेता विद्वानों को उनक झच्च्यन भीर झनसभान में सहायता पहुँचाता ;
- र त्यस्थान के लोक चीचन पर प्रकाश कालने वाले विविध विध्यक लोक-गीत छोप्रवाधिक सकत प्रवाधिक मित्रत छाहित्य एवं छापाधिक सस्कार धार्मिक व्यवहार तथा लोकिक झाचार-विधार धार्थि से छम्बन्धित छपी प्रकार की छापश्ची की छोध छग्रह संस्थाण एवं मकाधन करने की व्यवस्था करना ।

